राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 7 अंक 239

मूल्य ₹8.00 नई दिल्ली, मंगलवार, 6 फरवरी, 2024

www.jagran.com

पृष्ठ 14

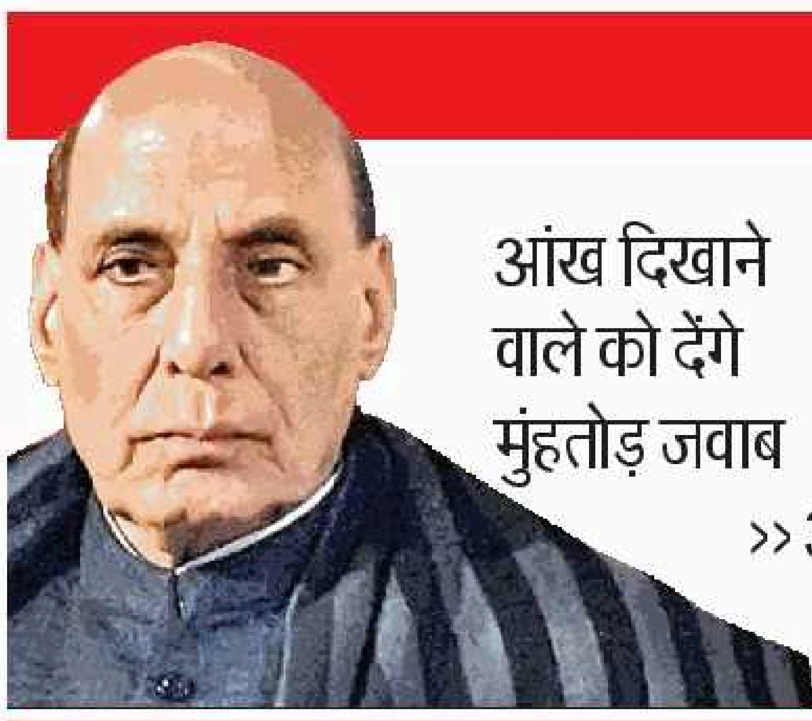

आंख दिखाने वाले को देंगे मुंहतोड़ जवाब

>>3

जागरण विशेष

साफ्टवेयर बता रहा उत्पाद असली या नकली

कानपुर : स्वर्ण आभूषण में जिस तरह हालमार्क का निशान शुद्धता की गारंटी है अब उसी तरह आइआइटी कानपुर में तैयार चेको साफ्टवेयर भी विभिन्न कंपनियों की उत्पादों की गारंटी ले रहा है। ● पेज-7

संपादकीय

इसलिए भारत के रत्न हैं लालकृष्ण आडवाणी: आडवाणीजी ने राजनीतिक शुचिता का नया मापदंड स्थापित करने के साथ छद्म सेक्युलरवाद और तुष्टीकरण की पोल खोली। **बलबीर पुंज** का आकलन।

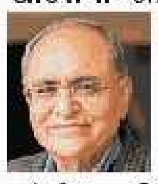

शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की चुनौती: अनेक प्रकार के सुधारों के बाद भी सरकारी स्कूलों की साख अभी भी स्थापित होती नहीं दिख रही है। **जगमोहन सिंह राजपूत** का विश्लेषण। ● पेज-8

विमर्श

संभावनाएं अपार, किंतु दुरुपयोग की आशंका: न्यूरालिंक ने अपने ब्रेन चिप या ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस को एक मनुष्य के दिमाग में सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया है। इसके मायने और संबंधित चिंताओं को दर्शा रहे हैं **प्रदीप**।

रोजगार सृजन में अहम भूमिका: कम पूंजी लगाकर भी सर्वाधिक रोजगार का सृजन कर विकास में एमएसएमई क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस ओर पर्याप्त ध्यान दिए जाने की आवश्यकता दर्शा रहे हैं **ऋषभ मिश्रा**। ● पेज-9

दैनिक जागरण **सप्तरंग**

अंतस और अध्यात्म का

आंतरिक शक्ति बढ़ाता है मौन

समग्र आध्यात्मिक क्रांति के अग्रदूत

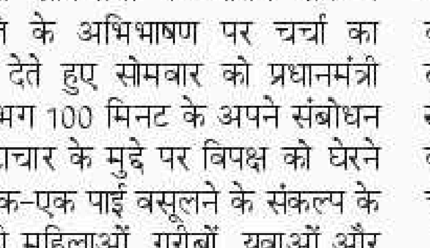

● पेज-13

जाकिर हुसैन सहित पांच भारतीयों को ग्रैमी अवार्ड

- जाकिर तीन ग्रैमी के साथ भारत के सबसे बड़े विजेता रहे
- बांसुरी वादक राकेश चौरसिया को दो ग्रैमी अवार्ड मिले

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत को भविष्य की आर्थिक महाशक्ति के रूप में देखने वाली दुनिया ने रविवार रात को इसकी साफ्ट पावर की 'शक्ति' देखी। अमेरिका के लास एंजिलिस में भारत ने ग्रैमी अवार्ड का पंच लगाया। मशहूर तबला वादक जाकिर हुसैन और बांसुरी वादक राकेश चौरसिया समेत पांच भारतीयों ने ग्रैमी अवार्ड जीते। हुसैन ने तीन ग्रैमी पुरस्कार अपने नाम किए, जबकि राकेश चौरसिया ने दो पुरस्कार जीते। गायक शंकर महादेवन, वायलिन वादक गणेश राजगोपालन और तालवादक सेल्वागणेश विनायकराम के एक फ्यूजन संगीत समूह शक्ति ने दिस मोमेंट के लिए बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक एल्बम अवार्ड जीता।

शक्ति के लिए पुरस्कार के अलावा जाकिर हुसैन ने दो अन्य पुरस्कार जीते। इनमें पश्तो के लिए बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक परफार्मेंस अवार्ड और एजवी स्पीक के लिए बेस्ट कंटेंपरेरी इंस्ट्रूमेंटल एल्बम का अवार्ड शामिल है। जाकिर हुसैन ने कहा, प्यार और संगीत के बिना हम कुछ भी नहीं हैं। अकादमी को धन्यवाद। इन सभी महान संगीतकारों को धन्यवाद। प्रसिद्ध बांसुरी वादक हरिप्रसाद चौरसिया के भतीजे राकेश चौरसिया ने पश्तो और एजवी स्पीक के लिए अमेरिकी बैंजो वादक बेला फ्लेक और अमेरिकी एडगर मेयर के साथ दो ग्रैमी जीता। शंकर महादेवन ने कहा, वह इसके लिए ईश्वर, दोस्तों व परिवार को धन्यवाद देते हैं। उन्होंने इस उपलब्धि को अपनी पत्नी को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि बिना उनके समर्थन के यह संभव नहीं था। इस दौरान तीन बार के ग्रैमी विजेता रिकी केज ने कहा कि ग्रैमी 2024 का यह वर्ष भारत के नाम रहा। भारत चमक रहा है।

अमेरिका के लास एंजिलिस में आयोजित 66वें वार्षिक ग्रैमी अवार्ड समारोह में 'दिस अल्बम' के लिए बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक अल्बम के अवार्ड पर प्रसन्नता व्यक्त करते प्रसिद्ध गायक शंकर महादेवन, वायलिन वादक गणेश राजगोपालन, तबला वादक जाकिर हुसैन तथा तालवादक सेल्वागणेश। प्रेट्र

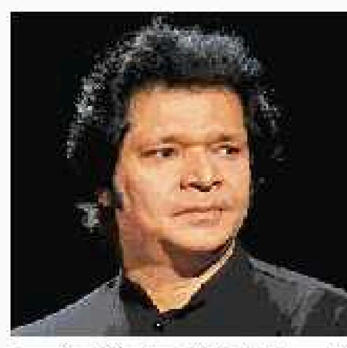

समारोह में राकेश चौरसिया। एएफपी

मोदी ने दी बधाई, बोले- यह गर्व का क्षण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस उपलब्धि के लिए सभी को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, आपकी अभूतपूर्व सफलता पर बधाई। आपकी असाधारण प्रतिभा और संगीत के प्रति समर्पण ने दुनियाभर का दिल जीत लिया। भारत को गर्व है। ये उपलब्धियां आपके द्वारा की जा रही कड़ी मेहनत का प्रमाण है। यह नई पीढ़ी के कलाकारों को बड़े सपने देखने और संगीत में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए भी प्रेरित करेंगी। वहीं, बांसुरीवादक राकेश चौरसिया ने प्रधानमंत्री के पोस्ट का जवाब देते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, आपकी ओर से दी गई बधाई बहुत मायने रखती है। दो ग्रैमी अवार्ड भारत लाने के लिए बेहद ही खुशी और गर्व महसूस कर रहा हूं।

प्रधानमंत्री मोदी की एबंडेंस इन मिलेट्स को पश्तो ने पीछे छोड़ा

बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक परफार्मेंस ग्रैमी अवार्ड की सूची में आठ नामांकन हुए थे। इसमें जाकिर हुसैन की पश्तो को फालू की ओर से प्रस्तुत किए गए पीएम नरेन्द्र मोदी द्वारा लिखे गए गाने एबंडेंस इन मिलेट्स से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा। हालांकि, जाकिर हुसैन की पश्तो को जीत हासिल हुई।

मिसेल ओबामा ने दूसरा ग्रैमी जीता

बराक ओबामा की पत्नी मिसेल ओबामा ने द लाइट वी कैरी : ओवरकमिंग इन अनसर्टेन टाइम्स के लिए ग्रैमी अवार्ड जीता है। यह नवंबर 2022 में रिलीज हुई थी। उन्हें बेस्ट आडियोबुक, नैरेशन एंड स्टोरीटेलिंग का अवार्ड दिया गया है। उन्होंने इसी श्रेणी में अपना पहला ग्रैमी जीता था। इसके साथ ही उन्होंने बराक ओबामा के ग्रैमी अवार्ड की बराबरी कर ली है।

प्रमुख ग्रैमी अवार्ड

1. एल्बम आफ द ईयर : मिडनाइट्स- टेलर स्विफ्ट
2. रिकार्ड आफ द ईयर : फ्लावर्स- माइली साइरस
3. सांग आफ द ईयर : व्हाट वाज आइ मेड फार- बिली इलिश
4. बेस्ट न्यू आर्टिस्ट : विक्टोरिया मोनेट
5. बेस्ट पाप सोलो परफार्मेंस : फ्लावर्स- माइली साइरस
6. बेस्ट पाप वोकल एल्बम : मिडनाइट्स- टेलर स्विफ्ट
7. बेस्ट कंटेंपरेरी इंस्ट्रूमेंटल एल्बम : एजवी स्पीक- जाकिर हुसैन, राकेश चौरसिया, बेला फ्लेक, एडगर मेयर
8. बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक परफार्मेंस : पश्तो- जाकिर हुसैन, राकेश चौरसिया, बेला फ्लेक, एडगर मेयर
9. बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक एल्बम : दिस मोमेंट- शक्ति

अगले चुनाव में दर्शक दीर्घा में दिखेगा विपक्ष

कसा तंज ▶ प्रधानमंत्री बोले- अबकी बार भाजपा 370, राजग 400 सीटों के पार

नीलू रंजन, नई दिल्ली

- लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा में मोदी ने विपक्ष को लिया आड़े हाथ
- कहा- लगता है विपक्ष ने लंबे समय तक सत्ता से बाहर रहने का कर लिया संकल्प
- एक प्रोडक्ट को बार-बार लांच करने में कांग्रेस की दुकान पर ताला लगने की नौबत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अभिभाषण पर सोमवार को लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। एएनआइ >>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आगामी लोकसभा चुनाव में राजग के 400 से अधिक और अकेले भाजपा के ही 370 से अधिक सीटें जीतने का दावा किया। साथ ही विपक्ष पर तंज कसा कि उसने लंबे समय तक वहीं यानी विपक्ष की कुर्सी पर बने रहने का संकल्प ले लिया है। चुटकी ली कि अगले चुनाव में विपक्ष दर्शक दीर्घा में दिखेगा। साथ ही कहा, एक ही प्रोडक्ट (राहुल गांधी) को बार-बार लांच करने की कोशिश में न सिर्फ कांग्रेस की दुकान पर ताला लगने की नौबत आ गई बल्कि विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए का अलाइनमेंट भी बिगड़ गया है।

17वीं लोकसभा के अंतिम सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देते हुए सोमवार को प्रधानमंत्री ने लगभग 100 मिनट के अपने संबोधन में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर विपक्ष को घेरने और एक-एक पाई वसूलने के संकल्प के साथ ही महिलाओं, गरीबों, युवाओं और किसानों के लिए पिछले 10 सालों में किए गए कामों का हिसाब भी दिया। उन्होंने विपक्ष के ताजा हालात के लिए सीधे तौर पर कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। उनके अनुसार कांग्रेस के पास बेहतर विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए 10 साल का समय था, लेकिन परिवारवाद के कारण कांग्रेस ने इस अवसर को गंवा दिया। आरोप लगाया कि राहुल को लांच करने के चक्कर में कांग्रेस ने विपक्ष में तेजस्वी नेताओं को उभरने नहीं दिया। पीएम ने कहा, आज हालात यह है कि विपक्ष के बहुत सारे सांसद चुनाव लड़ने का हौसला खो चुके हैं और जिस तरह की राजनीति कर रहे हैं उसकी वजह से वह अगले चुनाव में दर्शक दीर्घा में ही दिखेंगे।

प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार, महंगाई और बेरोजगारी को लेकर विपक्ष के हमलों का भी आंकड़ों के साथ जवाब दिया। मोदी ने कहा कि इतिहास गवाह है, जब भी कांग्रेस आती है, महंगाई लाती है। संप्रग सरकार के 10 सालों से तुलना करते हुए उन्होंने कहा, उस समय महंगाई दहाई अंकों में थी जबकि राजग सरकार में यूक्रेन-रूस, इजरायल-हमास युद्ध और कोरोना जैसे वैश्विक संकट के बावजूद यह लगातार नियंत्रण में रही। इसी तरह से उन्होंने पिछले 10 सालों में ईपीएफओ में 18 करोड़ नए सदस्यों के जुड़ने के साथ-साथ पहली बार आठ करोड़ लोगों के मुद्रा लोन लेकर रोजगार शुरू करने का हवाला दिया। उन्होंने बताया, स्टार्टअप, डिजिटल इकोनमी, पर्यटन और डइड्रवन क्षेत्र के साथ-साथ आधारभूत संरचना में बड़े पैमाने पर निवेश युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर ला रहा है। उन्होंने बताया कि किस तरह से डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थी के खाते में 30 लाख करोड़ से अधिक की राशि पहुंचाई गई है। कांग्रेस के जमाने में भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जिस बेटी का जन्म भी नहीं हुआ, उसको विधवा पेंशन दी जाती थी। उन्होंने कहा कि हमने ऐसे 10 करोड़ फर्जी लोग हटाने का काम किया है।

प्रधानमंत्री ने महिला, गरीब, युवा और किसान को साधने की भरपूर कोशिश की। इन चार जातियों को अपनी प्राथमिकता बताने वाले प्रधानमंत्री ने विस्तार से उनके लिए पिछले 10 सालों में किए गए कामों का ब्यौरा दिया। विश्वकर्मा योजना और कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने का हवाला उन्होंने अति पिछड़ी जातियों को भी साधने की कोशिश की।

नेहरू भारतीयों को मानते थे आलसी और कम बुद्धिमान पेज>>3

'मतपत्रों को विरूपित करता दिख रहा पीठासीन अधिकारी, यह लोकतंत्र की हत्या'

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ मेयर चुनाव का वीडियो देखकर कीं तीखी टिप्पणियां
- पीठासीन अधिकारी अगली सुनवाई में पेश होकर दें स्पष्टीकरण

चंडीगढ़ में हुए मेयर चुनाव का वीडियो देखकर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को हैरानी और नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा कि पीठासीन अधिकारी वीडियो में मतपत्रों को विरूपित (डिफेस) करते दिख रहा है, वह लोकतंत्र की हत्या कर रहा है। क्या इस तरह चुनाव कराए जाते हैं। ये लोकतंत्र का मजाक है। उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। इस तरह लोकतंत्र की हत्या करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने मेयर चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाने वाली आम आदमी पार्टी (आप) के पार्षद कुलदीप कुमार की याचिका पर नोटिस जारी किया। साथ ही पीठासीन अधिकारी को निर्देश दिया कि वह अगली तिथि पर कोर्ट में पेश होकर वीडियो में दिख रहे आचरण पर स्पष्टीकरण देंगे। मामले में कोर्ट 19 फरवरी को फिर सुनवाई करेगा।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव में भाजपा प्रत्याशी ने आप और कांग्रेस के संयुक्त प्रत्याशी को हराकर 12 के मुकाबले 16 मतों से मेयर चुनाव जीत लिया था। इस चुनाव में पीठासीन अधिकारी ने कांग्रेस और आप के आठ मतों को अवैध ठहरा दिया था।

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने ये आदेश सोमवार को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली कुलदीप कुमार की याचिका पर सुनवाई के बाद दिए। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने मेयर चुनाव में गड़बड़ी के आरोप लगाने के मामले में दाखिल याचिका पर नोटिस तो जारी किया था, लेकिन अंतरिम आदेश देने से मना कर दिया था और मामले की सुनवाई तीन सप्ताह के लिए टाल दी थी। कुलदीप ने अंतरिम राहत से इन्कार करने के हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम राहत देते हुए आदेश में कहा कि चुनाव प्रक्रिया की शुचिता बनाए रखने के लिए इस मामले में अंतरिम आदेश देने की जरूरत है जिसमें कि हाई कोर्ट नाकाम रहा। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि चंडीगढ़ मेयर चुनाव से जुड़ी पूरी सामग्री, जिनमें मतपत्र, वीडियो और अन्य सभी सामग्री शामिल हैं, सोमवार की शाम पांच बजे तक पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को सुरक्षित रखने के लिए सौंप दी जाए। कोर्ट ने पहले पीठासीन अधिकारी को ये सारी सामग्री हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को सुरक्षित रखने के लिए देने का आदेश दिया था। लेकिन पीठासीन अधिकारी की ओर से पेश सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि पीठासीन अधिकारी गत 30 जनवरी को ही सारी सामग्री चंडीगढ़ के डिप्टी कमिश्नर को सौंप चुके हैं। इस पर कोर्ट ने डिप्टी कमिश्नर को सामग्री रजिस्ट्रार जनरल को सौंपने का आदेश दिया। इसके साथ ही शीर्ष कोर्ट ने चंडीगढ़ नगर निगम की सात फरवरी को होने वाली बैठक भी फिलहाल टाल दी है।

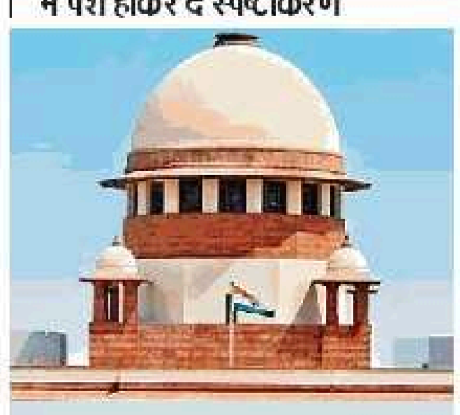

बहुमत को अल्पमत में बदला गया

कुलदीप कुमार के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कोर्ट में कहा कि यह केस एक क्लासिक उदाहरण है कि कैसे 20 के बहुमत को 12 के अल्पमत में बदला जाता है। सिंघवी ने आग्रह किया कि कोर्ट मामले में नोटिस जारी करने के साथ ही चुनाव सामग्री, मतपत्र आदि और हाई कोर्ट के पूर्व आदेश पर चुनाव का तैयार किया गया वीडियो सुरक्षित रखने का आदेश दे। इसके बाद उन्होंने सुनवाई कर रही पीठ का ध्यान चुनाव के वीडियो की ओर खींचा। कोर्ट ने पेश वीडियो देखा तो पीठासीन अधिकारी के आचरण पर हैरानी जताते हुए प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि वीडियो में वह मतपत्र विरूपित करते दिख रहा है। स्पष्ट है कि वह मतपत्रों को विरूपित कर रहा है।

न्यूज गैलरी

राष्ट्रीय राजधानी ▶ पृष्ठ 2

मानहानि मामले में केजरीवाल को हाई कोर्ट से नहीं मिली राहत

नई दिल्ली: सीएम अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा यूट्यूबर ध्रुव राठी के एक वीडियो को री-ट्वीट करने पर अरविंद केजरीवाल के विरुद्ध 'आइ सपोर्ट नरेन्द्र मोदी' के संस्थापक विकास सांकृत्यायन द्वारा दायर आपराधिक मानहानि मामले को रद करने से इन्कार कर दिया है।

राष्ट्रीय फलक ▶ पृष्ठ 6

उत्तराखंड विधानसभा में आज प्रस्तुत होगा यूसीसी विधेयक

देहरादून: उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में धामी सरकार अब सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुंच गई है। विधानसभा सत्र में मंगलवार को सरकार की ओर से समान नागरिक संहिता से संबंधित विधेयक सदन में प्रस्तुत किया जाएगा।

पेपर लीक पर होगी 10 वर्ष की सजा, एक करोड़ जुर्माना

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली रोकने के लिए केंद्र ने लोकसभा में पेश किया विधेयक, आज हो सकता है पारित
- पेपर लीक या नकल में कोई संस्थान शामिल होता है तो वसूला जाएगा परीक्षा का पूरा खर्च, संपत्ति होगी जब्त

परीक्षाओं से जुड़ी किसी तरह की गडबड़ी में शामिल होने वालों को अब सख्त सजा मिलेगी, जिसमें अधिकतम 10 वर्ष की सजा और एक करोड़ रुपये तक का जुर्माना शामिल है। यदि पेपर लीक व नकल सहित परीक्षा से जुड़ी गड़बड़ियों में संस्थान या परीक्षा कराने वाली एजेंसी शामिल पाई जाती है तो उससे उस परीक्षा का पूरा खर्च वसूला जाएगा। साथ ही उसकी संपत्ति भी जब्त की जा सकती है।

परीक्षाओं से जुड़ी गड़बड़ियों व पेपर लीक की घटनाओं को सख्ती से रोकने के लिए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को इससे जुड़ा विधेयक 'द पब्लिक एक्जामिनेशंस (प्रिवेंशन आफ अनफेयर मीन्स) बिल, 2024' लोकसभा में पेश किया। हालांकि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर पहले से ही चल रही चर्चा के चलते सोमवार को इस पर चर्चा नहीं हो पाई, लेकिन जो संकेत दिए गए है, उसके तहत विधेयक मंगलवार को पारित कराया जा सकता है। इस विधेयक को लेकर चर्चा राष्ट्रपति की ओर से अपने अभिभाषण में परीक्षाओं में गड़बड़ी रोकने के लिए नया कानून लाए जाने की जानकारी देने के बाद शुरू हुई। नए कानून के दायरे में सभी सार्वजनिक प्रतियोगी परीक्षाओं को शामिल किया है। इनमें यूपीएससी, एसएससी, रेलवे व बैंकिंग भर्ती बोर्ड से लेकर जेईई, नीट, सीयूईटी, नेट जैसी सभी परीक्षाएं और एनटीए द्वारा आयोजित सभी कंप्यूटर आधारित परीक्षाएं शामिल होंगी। विधेयक के तहत पेपर लीक सहित परीक्षाओं से जुड़ी गड़बड़ियों की जांच पुलिस उपायुक्त या फिर सहायक पुलिस आयुक्त स्तर के अधिकारी ही करेंगे।

(फर्जीवाड़े से बचेंगे छात्र : पेज-13)

राज्य भी अपना सकेंगे विधेयक के प्रविधान

विधेयक के दायरे में जहां केंद्रीय स्तर की सभी प्रतियोगी परीक्षाएं आएंगी, वहीं इसके प्रविधानों को राज्य भी अपना सकेंगे। केंद्र ने इसे माडल ड्राफ्ट के रूप में पेश किया है। राज्य अपने यहां परीक्षा माफियाओं की सक्रियता को देखते हुए इसमें जरूरी बदलाव कर सकेंगे।

झारखंड में चम्पाई सरकार ने हासिल किया विश्वास मत

रांची: झारखंड में झामुमो, कांग्रेस व राजद के गठबंधन वाली चम्पाई सरकार ने सोमवार को झारखंड विधानसभा में विश्वास मत हासिल कर बहुमत साबित किया। सीएम चम्पाई सोरेन के विश्वास प्रस्ताव पर मतदान में सरकार के पक्ष में 47 वोट पड़े, जबकि इसके विरुद्ध 29 विधायकों ने वोट डाले। (पेज-4)

हरियाणा में निजी क्षेत्र में स्थानीय कोटा पर विचार करेगा शीर्ष कोर्ट

नई दिल्ली: हरियाणा में निजी क्षेत्र की नौकरियों में स्थानीय निवासियों को 75 प्रतिशत आरक्षण देने के मामले में सुप्रीम कोर्ट विचार करेगा। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली हरियाणा सरकार की याचिका पर केंद्र व अन्य प्रतिपक्षियों को नोटिस जारी किया। (पेज-10)

सुखद

केंद्र सरकार ने नमामि गंगे अभियान की समीक्षा के बाद किया दावा, चार राज्यों में अब कोई खंड जैव विविधता के लिए चिंताजनक स्तर पर नहीं

गंगा में प्रदूषण का स्तर तेजी से हो रहा कम

मनीष त्रिपाठी, नई दिल्ली

गंगा में डाल्फिनों की संख्या बढ़ रही है और प्रदूषण का स्तर तेजी से कम हो रहा है। यह दावा केंद्र सरकार ने नमामि गंगे अभियान की समीक्षा के बाद किया है। जलशक्ति मंत्रालय ने हाल में राज्यों के अधिकारियों के साथ बैठक में यह जानकारी दी कि गंगा को स्वच्छ बनाने के लिए चल रहे अभियान के सार्थक नतीजे सामने आने लगे हैं। गंगा डाल्फिन की संख्या बढ़कर चार हजार से अधिक हो गई है। केंद्र सरकार ने इसके साथ ही प्रदूषण की निगरानी के लिए बनाए गए प्लेटफार्म प्रयाग की सफलता का का दावा करते हुए कहा है कि उसने रियल टाइम मानिटरिंग का प्रभावी सिस्टम बना लिया है।

केंद्र ने प्रजेंटेशन में बताया है कि गंगा के प्रदूषण को आंकने के लिए जो पांच स्तर तय किए गए हैं, उनके अनुसार अब उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और बंगाल का कोई भी हिस्सा सबसे गंभीर प्रदूषण की पहली चार श्रेणियों में नहीं है। इसका मतलब है कि इन राज्यों में गंगा का प्रदूषण पांचवीं श्रेणी का है, जो सबसे कम गंभीर और स्वीकार्य सीमाओं के भीतर है। उत्तराखंड में हरिद्वार से सुल्तानपुर का स्ट्रेच अब साफ की श्रेणी में है। दूसरे अर्थों में केंद्र ने कहा है कि गंगा के लगभग पूरे स्ट्रेच में घुलित आक्सीजन (डीओ) का औसत स्वीकार करने लायक सीमाओं में है। यानी नदी का जल स्नान करने योग्य है और यह नदी के पूरे इकोसिस्टम के अनुकूल है। कुछ स्थान अभी भी स्वीकार्य सीमाओं से थोड़ा ऊपर हैं, जैसे फर्रुखाबाद से रायबरेली और मीरजापुर से गाजीपुर। केंद्र ने नमामि गंगे अभियान के तहत 97 स्थानों पर गंगा में डीओ, बायोकेमिकल आक्सीजन डिमांड (बीओडी) की निगरानी की है। इसके मुताबिक 43 स्थानों पर बीओडी बेहतर हुई है और 32 स्थानों पर घुलित आक्सीजन का स्तर सुधरा है। सरकार ने गंगा की जैव विविधता में भी सुधार नोट किया है। उसके प्रजेंटेशन में बताया गया है कि राज्यों में बनाए गए बचाव और पुनर्वास केंद्रों ने फल देना शुरू कर दिया है। गंगा डाल्फिन, घड़ियाल और कछुओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सर्वे में चार हजार गंगा डाल्फिन की मौजूदगी नोट की गई है। उत्तर प्रदेश में छह गंगा जैव विविधता पार्क मीरजापुर, बुलंदशहर, हापुड़, बदायूं, बिजनौर और अयोध्या में मंजूर किए गए हैं। इनसे गंगा की जैव विविधता में और सुधार होने के आसार हैं।

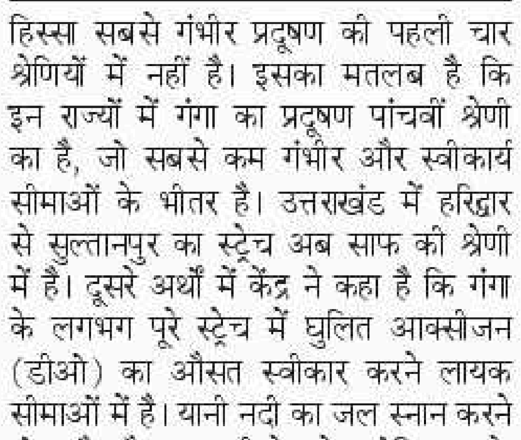

प्रतीकात्मक

सभापति ने आप नेता संजय सिंह को शपथ लेने की नहीं दी अनुमति

- धनखड़ बोले- संजय सिंह का मामला अभी विशेषाधिकार समिति के पास

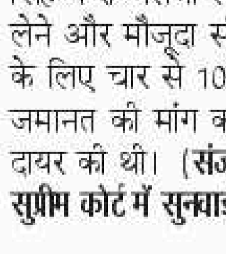

दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में जेल में हैं, अदालत की अनुमति पर शपथ लेने पहुंचे थे

नई दिल्ली, प्रेट्र : दिल्ली आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में जेल में बंद आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह को सोमवार को तगड़ा झटका लगा। उन्हें राज्यसभा के सभापति एवं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ लेने की अनुमति नहीं दी। सभापति ने कहा कि संजय सिंह का मामला विशेषाधिकार समिति के पास है। इसलिए उन्हें शपथ लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती। संजय सिंह पिछले महीने दूसरे कार्यकाल के लिए दिल्ली से राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुने गए थे। अदालत की विशेष अनुमति पर वे शपथ लेने पहुंचे थे। सूत्रों ने कहा, संजय सिंह के शपथ ग्रहण को सदन के कामकाज में सूचीबद्ध नहीं किया गया था। तीन फरवरी को राउज एवेन्यू कोर्ट ने संजय सिंह को हिरासत में पांच फरवरी को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने की अनुमति दी थी। कोर्ट ने जेल अधिकारियों से आप नेता को सुबह 10 बजे तक संसद ले जाने का आदेश दिया था। संजय सिंह दिल्ली के शराब घोटाले के मामले में चार अक्टूबर 2023 से जेल में बंद हैं। संजय सिंह ने राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने और मौजूदा संसद सत्र में भाग लेने के लिए चार से 10 फरवरी तक अंतरिम जमानत की मांग को लेकर एक याचिका दायर की थी। (संजय सिंह की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली: पेज-2)

दरगाह नहीं, महाभारतकालीन लाक्षागृह है बरनावा का टीला

बागपत : उप्र में बागपत के बरनावा में महाभारतकालीन लाक्षागृह पर कब्रिस्तान और दरगाह होने के दावे को अदालत ने खारिज कर दिया है। एएसआइ की रिपोर्ट और राजस्व रिकार्ड को आधार मानते हुए सोमवार को सिविल जज (जूनियर डिवीजन) शिवम द्विवेदी ने फैसला सुनाया और प्राचीन टीले को लाक्षागृह ही माना है। अदालत का यह फैसला 53 साल आठ महीने बाद आया है। (पेज-7)

पेटीएम में फेमा उल्लंघन की जांच कर रही ईडी

नई दिल्ली: वित्तीय अपराधों की जांच करने वाली एजेंसी ईडी डिजिटल पेमेंट प्लेटफार्म पेटीएम की ओर से विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन की जांच कर रही है। विदेश में व्यक्तिगत और कारपोरेट हस्तांतरण फेमा के दायरे में आता है। ईडी ने आरबीआइ से पेटीएम प्लेटफार्म के जरिये किए गए विदेशी लेनदेन की जानकारी मांगी है। (पेज-10)

****

180 रहा सोमवार को दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआइ)। एक दिन पहले रविवार को यह 274 था। समग्र तौर पर एक्यूआइ 'मध्यम' श्रेणी में रहा। लेकिन राजधानी के 14 इलाकों की हवा 'खराब' श्रेणी में रही।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
मंगलवार 6 फरवरी, 2024

आज का मौसम

दिन में आसमान साफ रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
6 फरवरी	20.0	09.0
7 फरवरी	20.0	08.0
नोएडा		
6 फरवरी	20.0	08.0
7 फरवरी	19.0	07.0
गुरुग्राम		
6 फरवरी	20.0	11.0
7 फरवरी	20.0	10.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

ईडी को लेकर आतिशी आज उठाएंगी 'बड़े मामले' से पर्दा

नई दिल्ली : दिल्ली की सियासत में ईडी के समन को लेकर मचा घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बीच दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री आतिशी ने ईडी को लेकर एक बड़े मामले से पर्दा उठाने का दावा कर नया मोड़ ला दिया है। मंत्री आतिशी मंगलवार को प्रेस वार्ता करेंगी। उन्होंने एक्स पर लिखा है कि मैं मंगलवार को सुबह 10 बजे ईडी को लेकर एक बड़े मामले में पर्दाफाश करूंगी। (राब्यू)

सफदरजंग अस्पताल में निजी ईमेल के उपयोग पर रोक

नई दिल्ली : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सफदरजंग अस्पताल में डाक्टरों और कर्मचारियों के लिए निजी ईमेल आइडी के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है। इस बाबत अस्पताल प्रशासन ने हाल ही में एक आदेश जारी किया है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार इस आदेश का कारण साइबर हमले की आशंका है। नवंबर 2022 में एम्स के सर्वर पर रैनसमवेयर का अटैक हुआ था। इससे लंबे समय तक एम्स में आनलाइन सेवाएं प्रभावित रही थीं। सफदरजंग अस्पताल में भी पहले सर्वर हैक करने की कोशिश हो चुकी है। हैकर अक्सर ईमेल के जरिये लिंक भेजकर सर्वर हैक करने कोशिश करते हैं। (राब्यू)

जेएनयू के एमबीए के लिए पंजीकरण 28 फरवरी तक

नई दिल्ली: जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के अटल बिहारी बाजपेयी स्कूल आफ मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप (एबीवीएसएमई) की ओर से संचालित एमबीए कार्यक्रम के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रवेश के लिए छात्र 28 फरवरी तक पंजीकरण कराए जा सकते हैं। उम्मीदवार वेबसाइट https://jnuee.jnu.ac.in/JNUxREG2024MBAjan/Regprocess.aspx पर उपलब्ध कराए गए आनलाइन आवेदन भरकर दाखिल कर सकते हैं। (जासं)

मानहानि मामले में केजरीवाल को नहीं मिली राहत

निचली अदालत से जारी समन रद करने से हाई कोर्ट का इन्कार

कहा, अपमानजनक सामग्री को री-ट्वीट करना मानहानि के समान

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

यूट्यूबर के वीडियो को री-ट्वीट करने के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दिल्ली हाई कोर्ट ने यूट्यूबर ध्रुव राठी के एक वीडियो को री-ट्वीट करने पर अरविंद केजरीवाल के विरुद्ध 'आइ सपोर्ट नरेन्द्र मोदी' के संस्थापक विकास सांकृत्यायन द्वारा दायर आपराधिक मानहानि मामले को रद करने से इन्कार कर दिया है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि केजरीवाल को बड़ी संख्या में लोग फालो करते हैं और वह वीडियो को री-ट्वीट करने के परिणामों को समझते हैं। अदालत ने कहा कि जब इंटरनेट मीडिया पर बड़े स्तर पर मौजूदगी रखने वाले एक मुख्यमंत्री सहित राजनीतिक व्यक्तियों द्वारा री-ट्वीट किया जाता है तो वह सार्वजनिक समर्थन बन जाता है और इस पर बड़े पैमाने पर जनता विश्वास कर सकती है।

अदालत ने कहा कि प्रतिष्ठा पर लगी चोट को सार्वजनिक स्मृति से मिटाना कठिन है, क्योंकि ट्वीट हटाए जा सकते हैं लेकिन लोगों के दिमाग से धारणाएं मिटाना मुश्किल है। अदालत ने यह निष्कर्ष निकला कि केजरीवाल का अपमानजनक सामग्री को री-ट्वीट करना एक प्रकार से सार्वजनिक समर्थन के समान है और वह ऐसी सामग्री पोस्ट करने के नतीजों को समझते हैं। अदालत ने कहा कि इंटरनेट मीडिया पर किसी सामग्री को री-ट्वीट करते समय कुछ जिम्मेदारी की भावना जुड़ी होनी चाहिए।

हाई कोर्ट ने की अहम टिप्पणी।

अदालत ने कहा कि मानहानिकारक सामग्री को री-ट्वीट करने पर भारतीय दंड संहिता की धारा 499 के तहत मानहानि का अपराध होगा। अदालत ने यह टिप्पणी मजिस्ट्रेट द्वारा पारित समन आदेश और उसके खिलाफ केजरीवाल की पुनरीक्षण याचिका को खारिज करने वाले सत्र न्यायालय के आदेश को बरकरार रखते हुए की। वर्ष 2019 में केजरीवाल द्वारा दायर याचिका पर हाई कोर्ट ने निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। अदालत ने माना कि ट्विटर (अब एक्स) पर आनलाइन बातचीत और किसी भी पोस्ट को री-ट्वीट करके दूसरों के साथ साझा करना मानहानि के अपराध को परिलक्षित करता है। साथ ही अदालत ने यह भी कहा कि अगर केजरीवाल वीडियो को री-ट्वीट करने के अपने कृत्य को उचित ठहराना चाहते हैं तो यह अदालत में परीक्षण के चरण में किया जा सकता है।

क्या था मामला

विकास सांकृत्यायन ने फरवरी 2019 में अरविंद केजरीवाल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। विकास ने दावा किया कि भाजपा आइटी सेल पार्ट-टू शीर्षक वाला यूट्यूब वीडियो ध्रुव राठी द्वारा प्रसारित किया गया था और उसमें भाजपा आइटी सेल को लेकर झूठे और मानहानिकारक आरोप लगाए गए थे। उनका कहना था कि केजरीवाल ने वर्ष 2018 में संबंधित वीडियो की प्रामाणिकता की जांच किए बिना उसे री-ट्वीट कर दिया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि अपमानजनक वीडियो को केजरीवाल के ट्वीट ने भारत और विदेश दोनों में उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल किया है। सांकृत्यायन की शिकायत पर मजिस्ट्रेट ने री-ट्वीट को प्रथम दृष्टया मानहानिकारक मानते हुए केजरीवाल के विरुद्ध समन जारी किया था।

'क्राइम ब्रांच को भेजने वालों ने ही विधायकों को तोड़ने की कोशिश की'

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि क्राइम ब्रांच भेजने वालों ने ही हमारे विधायकों को तोड़ने की कोशिश की है। इसके साथ ही क्राइम ब्रांच (अपराध शाखा) के नोटिस में किसी भी प्राथमिकी का जिक्र नहीं है। इस तरह की नाटकीयता से देश प्रगति नहीं कर पाएगा।

बता दें कि दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की एक टीम विधायकों की खरीद-फरोख्त की कोशिश वाले आरोप के मामले में दिल्ली की कैबिनेट मंत्री आतिशी के घर पहुंची और रविवार को उन्हें नोटिस दिया। केजरीवाल को यह नोटिस शनिवार को मिला था। केजरीवाल ने कहा कि वे पूछ रहे हैं कि किसने आप विधायकों को तोड़ने की कोशिश की? इसका जवाब है कि वही लोग जो अपराध शाखा के अधिकारियों को भेज रहे हैं, उन्होंने ही हमारे विधायकों को तोड़ने की कोशिश की थी। झारखंड में राजनीतिक स्थिति के बारे में केजरीवाल ने कहा कि एक मौजूदा मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी सही नहीं थी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को कथित मनी लांड्रिंग मामले में ईडी ने पिछले हफ्ते गिरफ्तार किया था। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली पुलिस के अधिकारियों को उनके 'राजनीतिक आकाओं' ने 'नाटकबाजी' करने के लिए मजबूर किया, जो उनके लिए काफी 'अपमानजनक' था। मुझे उन अधिकारियों पर दया आती है। युवा अधिकारी बहुत आदर्शवाद के साथ पुलिस में शामिल होते हैं कि वे अपराध कम करेंगे। उन्होंने कभी नहीं सोचा कि उन्हें नाटक करने के लिए मजबूर किया जाएगा। सीएम ने कहा कि क्या इसीलिए वे पुलिस में शामिल हुए?

▸ **केजरीवाल ने कहा, नोटिस में एफआइआर का कोई जिक्र नहीं**

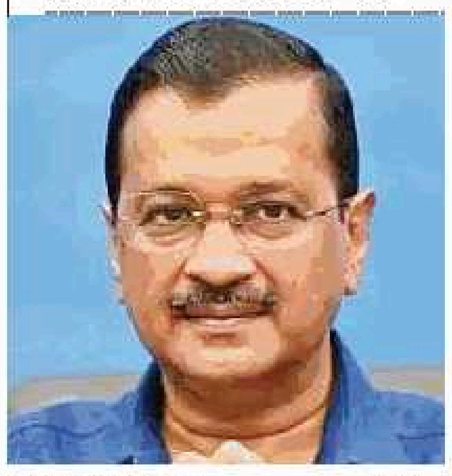

अरविंद केजरीवाल। फाइल

डीएमआरसी की क्यूरेटिव याचिका पर पांच जजों की पीठ करेगी सुनवाई

नई दिल्ली, प्रेट्र : रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर की एक कंपनी दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड (डीएएमईपीएल) को लगभग आठ हजार करोड़ का भुगतान करने के 2017 के मध्यस्थता फैसले को चुनौती देने वाली दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन (डीएमआरसी) की क्यूरेटिव याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की पीठ 15 फरवरी को सुनवाई करेगी। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सूर्यकांत की एक विशेष पीठ ने कहा कि वर्तमान आदेश पारित करने वाली पीठ के दो जज सेवानिवृत्त हो चुके हैं। लिहाजा यह वांछनीय है कि क्यूरेटिव याचिका पर पांच जजों की बड़ी पीठ सुनवाई करे। शीर्ष अदालत ने 2021 में डीएमआरसी की पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी थी। इस फैसले के विरुद्ध डीएमआरसी ने अगस्त, 2022 में क्यूरेटिव याचिका दायर की थी। सोमवार को शीर्ष अदालत में डीएमआरसी का प्रतिनिधित्व अटार्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने किया। रिलायंस इन्फ्रा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे और मुकुल रोहतगी ने याचिका का विरोध किया। साल्वे ने कहा कि वह आश्चर्यचकित हैं क्योंकि क्यूरेटिव याचिका पर विचार का कोई आधार नहीं बनाया गया है। पीठ ने अधिवक्ता तरुण जोशी और महेश अग्रवाल को नोडल काउंसल नियुक्त कर सुचारू सुनवाई के लिए न्यायिक रिकाड्र्स का एक संकलन दायर करने को कहा है।

दिल्ली सरकार के स्कूलों में पीजीटी के 3330 पद रिक्त

शिप्रा सुमन, नई दिल्ली

राजधानी में नए स्कूलों के निर्माण की नींव रखने और शिक्षा में बेहतर करने के दावे तो रोज किए जाते हैं, लेकिन पठन-पाठन को बेहतर बनाने के लिए बुनियादी चीजों में सुधार नहीं हो रहा है। शिक्षकों की संख्या पहले भी कम थी और आज भी स्थिति बेहतर नहीं है। दिल्ली में 1,050 सरकारी स्कूल हैं, जबकि डा. बीआर आंबेडकर स्कूल आफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस स्कूलों की संख्या 37 है। सूचना के अधिकार (आरटीआइ) के तहत दिल्ली शिक्षा निदेशालय से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली के स्कूलों में पोस्ट ग्रेजुएट टीचर (पीजीटी) शिक्षकों के 3,330 पद रिक्त हैं। वहीं, प्राथमिक शिक्षकों के 1,010 और फिजिकल एजुकेशन टीचर के 486 पद रिक्त हैं।

शिक्षकों की इस कमी को लेकर शिक्षाविदों ने चिंता जताई है। उनके अनुसार यह शिक्षा तंत्र के लिए ठीक नहीं है। नए शिक्षकों की भर्ती नहीं हो रही है। स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने की बातें तो होती हैं, लेकिन स्कूलों में फिजिकल एजुकेशन टीचर की कमी भी विचारणीय है।

▸ **दिल्ली में 1,050 सरकारी व 37 डा. बीआर आंबेडकर स्कूल आफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस स्कूल हैं**

स्कूलों में शिक्षकों की कमी की वजह से ही ग्रामीण क्षेत्रों के कई स्कूलों में विज्ञान और अंग्रेजी के शिक्षकों की कमी देखी गई है। इसका प्रभाव बच्चों की शिक्षा पर पड़ता है और बच्चे परीक्षा में पिछड़ जाते हैं। इसके लिए नए शिक्षकों की नियुक्ति की जानी चाहिए, जिसके लिए लंबे समय से मांग की जा रही है।

–संजय डबास, आरटीआइ कार्यकर्ता, कंझावला

स्कूलों में रिक्त शिक्षकों की संख्या को तत्काल प्रभाव से भरने की आवश्यकता है, ताकि देश के भविष्य बच्चों के सामने संबंधित विषयों को लेकर परेशानी न हो और उन्हें शिक्षा को लेकर नुकसान न उठाना न पड़े। इसके लिए नई वैकेंसी निकाली जानी चाहिए।

– डीके तनेजा, शिक्षाविद्, मुखर्जी नगर

सुरंग निर्माण में कमियों पर एलएंडटी को 500 करोड़ का नोटिस

वीके शुक्ला, नई दिल्ली

▸ **एलजी के निर्देश पर पीडब्ल्यूडी ने भेजा नोटिस, डिजाइन में मिलीं खामियां**

▸ **सुरंग के उद्घाटन के बाद से छत और जमीन से हो रहा पानी का रिसाव**

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने सुरंग सड़क के निर्माण में कमियों को लेकर निर्माणकर्ता कंपनी एलएंडटी (लार्सन एंड टूब्रो) को 500 करोड़ का नोटिस जारी किया है। इसके डिजाइन में खामियां मिली हैं, जिसके चलते पानी का रिसाव हो रहा है। उपराज्यपाल के निर्देश पर यह नोटिस भेजा गया है। उन्होंने सुरंग सड़क का तीन बार निरीक्षण कर खामियां दूर करने के निर्देश दिए थे, लेकिन उस पर ध्यान नहीं दिया गया। इसके बाद यह कार्रवाई की गई है। नोटिस में पीडब्ल्यूडी ने एलएंडटी को खामियां दूर करने के लिए 15 दिन का समय दिया है।

इसके साथ ही उपराज्यपाल ने मुख्य सचिव नरेश कुमार को निर्देश दिया है कि पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता और अधिशासी अभियंता पर कार्रवाई की जाए। सुरंग सड़क का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 19 जून, 2022 को किया था। उद्घाटन के कुछ समय के बाद से ही सुरंग की छत, साइड और जमीन से लगातार पानी का रिसाव हो रहा है। सुरंग की दीवारें खराब हो रही हैं। गत 17 जनवरी को उपराज्यपाल ने प्रगति मैदान स्थित सुरंग सड़क का निरीक्षण करने के बाद नाराजगी जाहिर की थी। जारी नोटिस में सरकार की प्रतिष्ठा को नुकसान और आश्वासन के बावजूद निष्क्रियता के लिए 500 करोड़ रुपये की मांग की गई है।

एलजी ने इससे पहले अगस्त 2023 और सितंबर 2023 में भी सुरंग का निरीक्षण किया था। तब एलएंडटी के वरिष्ठ प्रतिनिधि ने जल्द समाधान का आश्वासन दिया था।

गौरतलब है कि सुरंग सड़क का निर्माण में 777 करोड़ रुपये की लागत आई है। एलएंडटी ने ईपीसी अनुबंध के रूप में काम किया, जिसमें इसके डिजाइन के साथ उसके निष्पादन की जिम्मेदारी थी। इस डिजाइन में ही खामियां सामने आई हैं।

नई दिल्ली प्रगति मैदान सुरंग सड़क में पानी का रिसाव और उसे ठीक करने में जुटे कर्मी। ध्रुव कुमार

निर्माण में मिली ये खामियां

- सुरंग में बाक्स-पुशिंग क्षेत्र के कुछ हिस्से से लगातार पानी का रिसाव हो रहा है।
- कंक्रीट की सतह के नीचे से भूजल का रिसाव है, पानी निकालने के लिए कई स्थानों पर नाली काटनी पड़ीं।
- सुरंग और अंडरपास में जल जमाव और जल निकासी प्रणालियों में खामियां हैं।
- सुरंग, अंडरपास के साथ ही विभिन्न स्थानों पर कंक्रीट की सतह में बड़ी दरारें आई गई हैं।
- परियोजना में उपयोग किए गए कर्व स्टोन में एकरूपता नहीं है। साथ ही इसे बेतरतीब पेंट किया गया है, जिससे सुंदरीकरण प्रभावित हुआ।
- परियोजना के भीतर विभिन्न स्थानों पर सुरंग, अंडरपास में नालियों को ढके जाने का सिस्टम गायब है।
- रखरखाव समझौते में सहमति के विपरीत सुरंग, अंडरपास का दिन-प्रतिदिन खराब रखरखाव।

आबकारी घोटाला की जांच पर कोर्ट ने मांगी स्थिति रिपोर्ट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▸ **सीबीआइ ने कहा, मामले में जांच जारी और महत्वपूर्ण चरण में है**

▸ **16 आरोपितों के संबंध में पूरी हो चुकी है जांच**

▸ **राउज एवेन्यू कोर्ट ने 22 फरवरी तक स्थगित की सुनवाई**

आबकारी घोटाला मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआइ को आगे की जांच पर एक विस्तृत स्थिति रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत ने यह निर्देश बचाव पक्ष के अधिवक्ता के जांच की स्थिति के बारे में पूर्ण रहस्योद्घाटन न करने पर आपत्ति जताने के बाद पारित किया। विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल ने सीबीआइ को सुनवाई की अगली तारीख तक विस्तृत स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश देते हुए सुनवाई 22 फरवरी तक के लिए सुनवाई स्थगित कर दी।

सुनवाई के दौरान एक रिपोर्ट दायर कर सीबीआइ ने कहा कि मामले में जांच जारी है और महत्वपूर्ण चरण में है। जांच एजेंसी ने यह भी कहा कि 16 आरोपितों के संबंध में जांच पूरी हो चुकी है। मामले में केवल कुछ अन्य आरोपितों और संदिग्धों के खिलाफ आगे की जांच जारी है। सीबीआइ ने कहा कि मामले को आरोपों पर बहस के लिए तय किया जा सकता है।

सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता ने सीबीआइ के इस तर्क का विरोध करते हुए कहा कि स्थिति रिपोर्ट अधूरी है। यह भी कहा कि जांच पूरी हुए बिना आरोप पर बहस का कोई मतलब नहीं है। अदालत ने सीबीआइ को मामले से संबंधित फाइलों तक पहुंचने के लिए बचाव पक्ष के वकीलों के लैपटाप में साफ्टवेयर इंस्टाल करने का भी निर्देश दिया है।

इससे पहले 19 जनवरी को अदालत ने सीबीआइ से जांच पर ताजा रिपोर्ट पेश करने को कहा था। इस मामले में आरोपित पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट से खारिज हो चुकी है। सिसोदिया को भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में सीबीआइ ने 26 फरवरी और मनी लांड्रिंग से जुड़े मामले में ईडी ने नौ मार्च 2023 को गिरफ्तार किया था। ईडी ने आरोप लगाया है कि सिसोदिया की गतिविधियों के कारण लगभग 622 करोड़ रुपये की अपराध आय उत्पन्न हुई है।

सिसोदिया को मिली सप्ताह में एक बार पत्नी से मिलने की अनुमति : आबकारी घोटाला मामले में आरोपित पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को राउज एवेन्यू कोर्ट ने सप्ताह में एक बार पत्नी से मिलने के लिए कस्टडी पैरोल की अनुमति दी है। अदालत ने कहा कि मुलाकात के दौरान डाक्टर भी मौजूद रहेंगे और यह व्यवस्था अगली सुनवाई तक जारी रहेगी। अदालत ने इसके साथ ही सीबीआइ मामले में सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 22 फरवरी तक बढ़ा दी। अदालत 12 फरवरी को सिसोदिया की नियमित जमानत याचिका पर सुनवाई करेगी।

आप नेता संजय सिंह की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने आबकारी घोटाले से संबंधित मनी लांड्रिंग मामले में गिरफ्तारी को चुनौती देने वाले आप नेता संजय सिंह की याचिका पर सुनवाई सोमवार को पांच मार्च तक के लिए टाल दी। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सालिसिटर जनरल एसवी राजू द्वारा यह सूचना दिए जाने के बाद सुनवाई स्थगित कर दी कि संजय सिंह की नियमित जमानत याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने 31 जनवरी को आदेश सुरक्षित रख लिया था। पिछले साल 20 नवंबर को शीर्ष अदालत ने मामले में गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली संजय सिंह की याचिका पर केंद्र और ईडी से जवाब मांगा था।

सिसोदिया को जल्द सुनवाई का आश्वासन: आप नेता मनीष सिसोदिया ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में अपनी दो सुधारात्मक याचिकाओं पर शीघ्र सुनवाई की मांग की। इस याचिका में शीर्ष अदालत के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें आबकारी घोटाले से संबंधित भ्रष्टाचार और मनी लांड्रिंग के मामलों में उन्हें जमानत देने से इन्कार कर दिया गया था। कोर्ट ने याचिका पर जल्द सुनवाई का आश्वासन दिया है।

शादी टूटने से बच्चे के माता-पिता की स्थिति खत्म नहीं होती : हाई कोर्ट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▸ **2016 के बाद स्कूल रिकार्ड से बच्चे के पिता का नाम हटा दिया गया था**

▸ **बच्चे की मां ने दूसरे पति का नाम पिता की जगह कराया था दर्ज**

दिल्ली हाई कोर्ट ने नाबालिग बेटे के स्कूल रिकार्ड में नाम दर्ज कराने की एक व्यक्ति की याचिका को स्वीकार करते हुए कहा कि शादी टूटने से बच्चे के माता और पिता की स्थिति खत्म नहीं हो जाती। हाई कोर्ट ने कहा, जब व्यक्ति जीवित है तो उसकी पूर्व पत्नी द्वारा अपने बेटे के स्कूल प्रवेश फार्म से पिता का नाम हटाकर उसकी जगह अपने दूसरे पति का नाम डालने का कोई औचित्य नहीं था। न्यायालय ने कहा, महिला और याचिकाकर्ता के बीच संबंध कितने भी कटु क्यों न हों, न तो उनके बीच संबंधों की प्रकृति, न ही उनके बीच हुआ तलाक, याचिकाकर्ता को बच्चे के पिता के रूप में उसके दर्जे से वंचित कर सकता है।

न्यायमूर्ति सी हरिशंकर ने कहा, महिला को नाबालिग की मां के रूप में स्कूल के रिकार्ड में अपना नाम दर्शाने का पूरा अधिकार है, लेकिन वह उसे बच्चे के पिता के रूप में दस्तावेज में अपना नाम दर्ज कराने के पुरुष के अधिकार से इन्कार करने के लिए अधिकृत नहीं कर सकती है। इन परिस्थितियों में, यह अदालत याचिकाकर्ता की प्रार्थना को स्वीकार करते हुए (स्कूल के) रिकार्ड में (बच्चे के) पिता के रूप में उसका नाम दर्शाने की अनुमति देती है। साथ ही स्कूल को महिला को उसकी मां के रूप में नाम दर्शाने का निर्देश देती है। स्कूल को दो सप्ताह में आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने का निर्देश दिया गया है।

कोर्ट ने यह निर्णय उस व्यक्ति की याचिका पर सुनाया, जिसने स्कूल को अपना रिकार्ड सही करने और बच्चे के पिता के रूप में उसका नाम दर्शाने का निर्देश देने की मांग की थी। बच्चे का जन्म मार्च 2006 में हुआ था और उसे पहली बार 2012 में एक स्कूल में भर्ती कराया गया था। जिन दो स्कूलों में उसने मार्च 2016 तक पढ़ाई की, वहां दस्तावेज में बच्चे के पिता के रूप में उस व्यक्ति का नाम दर्ज था। याचिकाकर्ता की शिकायत थी कि उनका नाम उस स्कूल के रिकार्ड में नहीं दिख रहा था, जहां उनका बेटा 2016 से पढ़ रहा है और इसके बजाय महिला के दूसरे पति का नाम बच्चे के अभिभावक के रूप में दिखाई दे रहा था।

अदालत ने कहा कि अलग हो चुके जोड़े के बीच कुछ वैवाहिक विवाद उत्पन्न हुए, जिसके परिणामस्वरूप जून 2015 में एक पारिवार अदालत द्वारा दी गई तलाक की डिक्री से उनकी शादी को रद कर दिया गया। अपने जवाबी हलफनामे में महिला ने इस बात पर विवाद नहीं किया कि याचिकाकर्ता बच्चे का पिता है, लेकिन उसने कहा कि उस आदमी के साथ उसके संबंध इतने कटु थे कि वह याचिकाकर्ता के नाम को नाबालिग बेटे के साथ जोड़कर विरासत में नहीं लेना चाहती।

आयोजन

थीम मंडप में देखने को मिलेगा जम्मू-कश्मीर के इतिहास से लेकर वर्तमान तक का सफर, भारत मंडपम में 10 से 18 फरवरी के बीच आयोजित होगा 51वां विश्व पुस्तक मेला, मेले में स्कूली विद्यार्थियों और वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा निश्शुल्क प्रवेश

विश्व पुस्तक मेले में साहित्य प्रेमी कर सकेंगे कश्मीर की भी यात्रा!

संजीव गुप्ता, नई दिल्ली

'बहुभाषी भारत : एक जीवंत परंपरा' थीम पर आधारित 51वां विश्व पुस्तक मेला एक नहीं, कई मायनों में खास होगा। मेले को हर आयु वर्ग में लोकप्रिय बनाने के लिए कुछ नए प्रयोग भी देखने को मिलेंगे। मेले का उदघाटन भी इस बार खास बनाने की तैयारी है। इसका अयोजन भी भारत मंडपम में होगा।

मेले की एक बड़ी खासियत थीम मंडप में 'कश्मीर की यात्रा' रहेगी। इंडियन काउंसिल फार हिस्टोरिकल रिसर्च (आइसीएचआर) के साथ मिलकर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) एक प्रदर्शनी लगाएगा, जहां कश्मीर की कला संस्कृति, रहन-सहन, धर्म-कर्म एवं साहित्य से रूबरू हुआ जा सकेगा। मेले की दूसरी खासियत इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र की वह झांकी होगी, जो पहले कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड का हिस्सा बनी और फिर लाल किले में भारत पर्व में शामिल की गई। कुछ बदलावों के साथ वह झांकी अब पुस्तक मेले में भी प्रदर्शित की जाएगी।

'सभी के लिए किताबें' परिकल्पना पर भी मेले में एक जोन बनाया जा रहा है। यहां पर दिव्यांग बच्चों को मुफ्त किताबें मिलेंगी, बशर्ते उनका पंजीकरण हो रखा हो। मेले में एक इलस्ट्रेशन वाल रहेगी जहां पर देश-विदेश के कलाकार अपनी तूलिका से कलाकृतियां बनाएंगे। बी टू बी जोन देशी-विदेशी प्रकाशकों के लिए एक अलग प्लेटफार्म होगा, जहां वे कारोबार से जुड़ी बैठकें कर सकेंगे। मेला आयोजक एनबीटी अधिकारियों के अनुसार इस वर्ष मेले में देश-विदेश के एक हजार से ज्यादा प्रकाशक शिरकत कर रहे हैं। स्टालों की संख्या दो हजार से अधिक होगी। मेले में स्कूली विद्यार्थियों व वरिष्ठ नागरिकों के लिए निश्शुल्क प्रवेश होगा। टिकट दर 10 रुपये बालक और 20 रुपये वयस्क रहेगी।

विश्व पुस्तक मेले की फाइल फोटो

विश्व पुस्तक मेले की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस बार कुछ अच्छे एवं बड़े विदेशी प्रतिनिधिमंडल आने के भी आसार हैं। पहली बार मेले में सभी के लिए विभिन्न भाषाओं में पुस्तकें मुहैया कराने का प्रयास भी किया जा रहा है।

– युवराज मलिक, निदेशक, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास

यमुना पर एक वर्ष में तैयार होगा रेलवे का नया पुल

संतोष कुमार सिंह, नई दिल्ली

नई दिल्ली से आनंद विहार के रास्ते गाजियाबाद की ओर ट्रेन परिचालन को सुगम बनाने के लिए यमुना पर प्रगति पावर स्टेशन के नजदीक स्थित रेलवे पुल के समानांतर एक और रेलवे पुल बनाने की योजना है। पुल की लंबाई लगभग 600 मीटर होगी और इसका काम आवंटित किया जा चुका है। इसका निर्माण कार्य जल्द शुरू हो जाएगा। इसके बनने से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से समय पर ट्रेनों की आवाजाही सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से गाजियाबाद जाने के लिए प्रगति पावर स्टेशन के नजदीक स्थित पुल पर दो रेलवे लाइन हैं। इन दोनों स्टेशनों पर ट्रेनों की संख्या बढ़ने से रेलवे लाइन बढ़ाने की आवश्यकता है, जिसका काम चल रहा है। इस कारण नए पुल की भी जरूरत है। नई लाइन के अभाव में ट्रेनों को समय पर चलाने में परेशानी होती है। अक्सर ट्रेनें आउटर पर खड़ी रहती हैं। अधिकारियों का कहना है कि समस्या के समाधान के लिए जल्द पुल का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। अगले एक वर्ष में इसे तैयार करने का लक्ष्य है। प्रस्तावित पुल के निर्माण पर लगभग 218 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके बनने से पूर्व दिशा के यात्रियों को लाभ होगा।

इस समय दिल्ली में यमुना पर पुराना लोहा पुल व प्रगति पावर स्टेशन के नजदीक वाले पुल से ट्रेनों की आवाजाही होती है। पुरानी दिल्ली से शाहदरा के बीच पुराना लोहा पुल है। डेढ़ सौ वर्ष से अधिक पुराने इस पुल के समानांतर एक नया पुल बनाया जा रहा है।

****

2023 में भारतीय वाणिज्यिक एयरलाइन आपरेटरों ने मौसम और तकनीकी समेत विभिन्न कारणों से 7427 उड़ानें रद कीं। यह जानकारी नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री वीके सिंह ने राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में दी।

जिन्होंने देश को लूटा, उन्हें पाई-पाई लौटानी होगी

पीएम ने भ्रष्टाचार के आरोपों में फंसे विपक्षी नेताओं की एकता पर किया प्रहार

विपक्ष को आईना दिखाते हुए कहा- कब तक समाज को बांटते रहोगे

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

वर्तमान लोकसभा के अंतिम सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्टाचार के आरोपों में फंसे विपक्षी नेताओं की एकता पर करारा प्रहार किया। भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई को लेकर विपक्ष की मुसीबत और गुस्से को जायज ठहराते हुए उन्होंने कहा कि असल में तीर निशाने पर लगा है।

प्रधानमंत्री ने साफ किया कि जांच एजेंसियां स्वतंत्र हैं और संविधान के तहत काम कर रही हैं। उनके काम पर फैसला करने का अधिकार न्यायाधीश को है। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी और जिन्होंने देश को लूटा है, उन्हें एक-एक पाई लौटानी होगी।

मोदी ने कहा कि जिन लोगों को अदालत से सजा हो चुकी है और वे पैरोल पर बाहर हैं, उन्हें कंधे पर घुमाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग अपने ही खात्मे की चिट्ठी पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। दक्षिण भारत को अलग देश बनाने के कांग्रेस सांसद डीके सुरेश के बयान का भी प्रधानमंत्री ने तीखा प्रतिकार किया।

लोकसभा में बोलते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। प्रेट्र

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेसी देश में एक अलग देश बनाने की बात करते हैं। देश के इतने टुकड़े करके भी समाधान नहीं हुआ और अब न जाने ये कितने टुकड़े करेंगे? पीएम ने विपक्ष की ओर से मुस्लिम समाज की अनदेखी करने के आरोप पर कड़ा एतराज जताया। उन्होंने कहा कि सरकार महिला, युवा, गरीब और किसान के कल्याण के लिए काम कर रही है, उसमें सभी समाहित हैं।

विपक्षी सांसदों को आईना दिखाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कब तक टुकड़ों में सोचते रहोगे, समाज को बांटते रहोगे। उन्होंने पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी के लालकिले से दिए गए भाषणों का हवाला देते हुए कहा कि महंगाई पर नियंत्रण में विफल रहने के बाद इन दोनों ने जनता को ही हीन भावना से ग्रसित करने का प्रयास किया।

प्रधानमंत्री ने ये भी कहा

- कांग्रेस देश के करोड़ों परिवारों की आकांक्षाओं और उपलब्धियों को देख नहीं पा रही और न ही देखने को तैयार है।
- कांग्रेस सभी विकास परियोजनाओं का विरोध करती है। वह रद करो की संस्कृति में फंस गई है। देश की उपलब्धियां और सफलताएं उसे हजम नहीं हो रहीं।
- हमारे तीसरे कार्यकाल में भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा, यह मोदी की गारंटी है। 2014 में भारत 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, हमने इसे पांचवें पायदान तक पहुंचाया।
- एनडीए का तीसरा कार्यकाल ऐसा होगा जिसमें बड़े फैसले होंगे और अगले 1,000 वर्षों के लिए नींव रखी जाएगी।
- ब्रिटिश काल की दंड संहिता को खत्म करना विकसित भारत के सपने की ओर अहम कदम है।
- कांग्रेस शासन के दौरान विकास की धीमी गति का जो रिकार्ड रहा है, उसकी कोई बराबरी नहीं कर सकता।

...तो मिलेगा मुंहतोड़ जवाब : राजनाथ सिंह

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत अब कमजोर देश नहीं रहा। अब यह एक ताकतवर देश बन चुका है। यदि कोई आंख उठाकर देखने की कोशिश करेगा तो भारत उसका मुंहतोड़ जवाब देगा। उन्होंने कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी को चेताया और कहा कि अपने देश को अनावश्यक रूप से संसद के पटल पर इस तरह बदनाम नहीं किया जाना चाहिए।

रक्षा मंत्री ने सोमवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में चर्चा के दौरान अधीर रंजन की चीन और एलएसी को लेकर की गई टिप्पणी के जवाब में यह बात कही। उन्होंने कहा, अधीर रंजन ने जिस तरह से देश को लेकर बयान दिया है, यदि इनकी पार्टी की सरकार भी होती और देश के मान-सम्मान का मुद्दा होता तो मेरी पार्टी इसके साथ पहले भी खड़ी रही है और आगे भी खड़ी रहती। इस तरह संसद के पटल पर देश को बदनाम करना ठीक नहीं है। मैं इनके बयान की निंदा करता हूं। जो कुछ भी उन्होंने चीन के संबंध में कहा है उससे मैं पूरी तरह से असहमति जताता हूं। हालांकि इसके बाद अधीर ने भी अपनी सफाई दी और कहा कि वह देश के साथ हैं। सरकार के साथ इस मुद्दे पर पूरी ताकत से खड़े हैं।

केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने भी अधीर रंजन के बयान की निंदा की और कहा कि पाकिस्तान, चीन और कांग्रेस की भाषा एक है। उन्होंने कहा कि अधीर रंजन लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में जिस कब्जे की बात कर रहे हैं, मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि जिस भी जमीन पर चीन बैठा है, वह कांग्रेस के समय का है। मोदी सरकार के समय में कोई भी देश की एक इंच जमीन नहीं ले पाया है। अधीर रंजन ने लद्दाख व अरुणाचल प्रदेश में चीन द्वारा काफी बड़े क्षेत्र में अवैध कब्जा करने का आरोप लगाया था।

- अधीर रंजन की टिप्पणी को रक्षा मंत्री ने किया खारिज
- रिजिजू बोले- पाकिस्तान, चीन और कांग्रेस की भाषा एक है

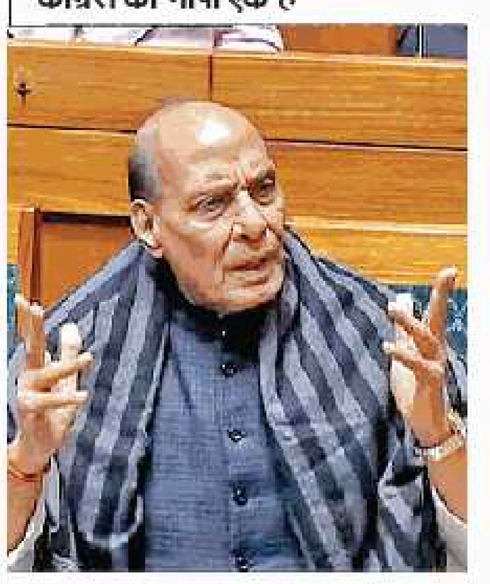
सोमवार को लोकसभा में बोलते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह। एएनआइ

नेहरू भारतीयों को मानते थे आलसी और कम बुद्धिमान

प्रथम पृष्ठ से आगे

मोदी ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू भारतीयों को आलसी और कम बुद्धिमान मानते थे। कांग्रेस ने कभी भी देशवासियों की क्षमताओं पर भरोसा नहीं किया। कांग्रेस ने खुद को शासक और जनता को कमतर और हीन समझा। आज भी कांग्रेस के शाही परिवार का सोच वैसा ही है। लेकिन हमें अपने देशवासियों की क्षमता पर पूरा भरोसा है।

परिवारवाद की दी नई परिभाषा : प्रधानमंत्री ने कहा कि देश ने कांग्रेस के परिवारवाद का दंश झेला है और खुद कांग्रेस को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ा है। वंशवादी पार्टी वह है जो कि एक ही परिवार द्वारा चलाई जाती है। उन्होंने कहा कि यदि एक परिवार में एक से अधिक व्यक्ति अपने बल पर जनता के समर्थन से राजनीति में प्रगति करते हैं तो हमने इसे कभी भी वंशवादी राजनीति नहीं कहा। राजनाथ सिंह और अमित शाह को लेकर विपक्ष के आरोपों पर पीएम ने कहा कि उनके पास अपनी पार्टियां नहीं हैं। वे एकल रूप से निर्णय नहीं लेते।

धर्मगुरुओं ने की पीएम मोदी की प्रशंसा, बोले-उनके रहते हमें नहीं कोई डर

- उपराष्ट्रपति धनखड़ और प्रधानमंत्री से की मुलाकात
- पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल के लिए की प्रार्थना

नई दिल्ली, एएनआइ : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से सोमवार को विभिन्न अल्पसंख्यक वर्गों का प्रतिनिधित्व करने वाले धर्मगुरुओं ने मुलाकात की। मुलाकात के बाद एकता व सौहार्द का संदेश देते हुए धर्मगुरुओं ने कहा कि हम सभी भारतीय हैं और देश हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के रहते उन्हें किसी चीज का डर नहीं है।

धर्मगुरुओं ने नए संसद भवन का दौरा किया और आशीर्वाद दिया। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल के लिए प्रार्थना की। नए संसद भवन का दौरा करने के बाद इंडियन माइनारिटी फाउंडेशन की संस्थापक हिमानी सूद ने कहा कि हम 24 धर्मगुरुओं के दल को नई संसद ले गए और प्रधानमंत्री और उपराष्ट्रपति से मुलाकात की।

अखिल भारतीय इमाम संगठन के मुख्य इमाम- इमाम अहमद इलियासी ने कहा कि पैगाम-ए-मोहब्बत है, पैगाम देश है। उन्होंने कहा कि यह कहानी बनाई जा रही है कि हमारा देश एक नहीं है और सभी धर्म साथ नहीं खड़े हैं। हम दुनिया को यह संदेश देना चाहते हैं कि हम एक साथ खड़े हैं और हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन का समर्थन करते हैं। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद धर्मगुरुओं ने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश दोबारा विश्वगुरु बनने के करीब है और इसके लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा। जैन गुरु विवेक मुनि और पारसी समुदाय के महायाजक दस्तूरजी ने कहा कि प्रधानमंत्री से मुलाकात अच्छी रही।

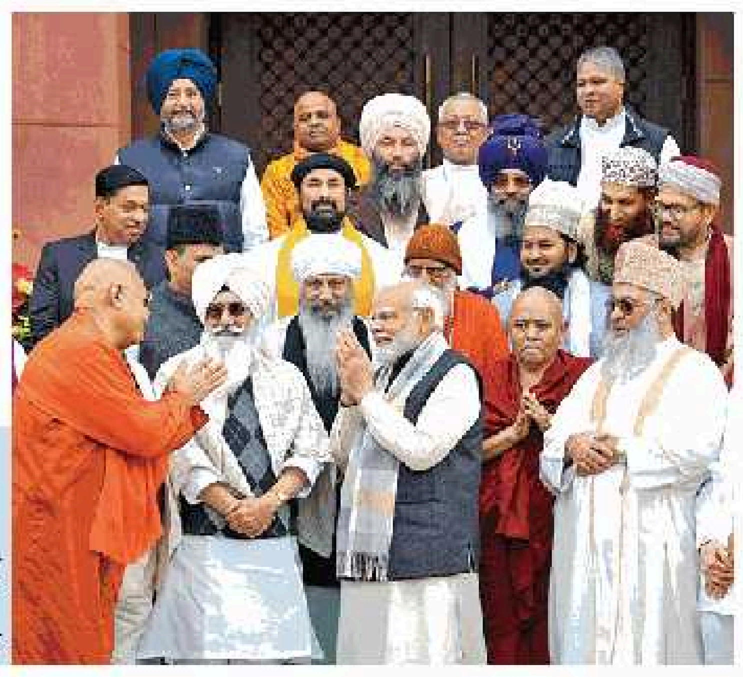
विभिन्न अल्पसंख्यक समुदायों के धर्मगुरुओं के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट की। एएनआइ

विश्व सतत विकास शिखर सम्मेलन का आज उद्घाटन करेंगे धनखड़

नई दिल्ली, आइएएनएस : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मंगलवार को विश्व सतत विकास शिखर सम्मेलन (डब्लूएसडीएस) का उद्घाटन करेंगे। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि उद्घाटन समारोह में गुयाना के प्रधानमंत्री, ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) मार्क फिलिप्स और केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव भी शामिल होंगे। सम्मेलन में ऐसी रणनीतियां तैयार करने पर चर्चा की जाएगी जो न केवल पर्यावरणीय स्थिरता बल्कि सामाजिक समानता को भी प्राथमिकता दें। डब्ल्यूएसडीएस का 23वां संस्करण सात से नौ फरवरी तक इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टीईआरआइ) द्वारा इस सम्मेलन का आयोजन 2001 से किया जा रहा है।

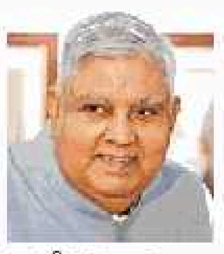
जगदीप धनखड़

संसद प्रश्नोत्तर

प्रसाद योजना के तहत 27 नए स्थलों को किया जाएगा विकसित : रेड्डी

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्र की प्रसाद योजना के तहत 27 स्थलों को विकसित करने के लिए चयनित किया गया है। इसके साथ ही स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत विकसित किए जाने के लिए 57 गंतव्यों की पहचान की गई है। यह जानकारी केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी ने लोकसभा में सवाल के लिखित जवाब में दी।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 2014-15 में शुरू की गई प्रसाद योजना का प्राथमिक उद्देश्य धार्मिक स्थलों व विरासत स्थलों पर पर्यटन बुनियादी ढांचे का विकास करना है, जिससे तीर्थयात्रियों को समृद्ध अनुभव मिल सके। वहीं स्वदेश दर्शन योजना का उद्देश्य थीम आधारित पर्यटन सर्किट विकसित करना है। उन्होंने बताया कि प्रसाद योजना के तहत 1631.93 करोड़ की 46 परियोजनाओं व स्वदेश दर्शन योजना के तहत 5294.11 करोड़ मूल्य की 76 परियोजनाएं स्वीकृत हैं। एक अन्य सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री ने बताया कि जनवरी से नवंबर 2023 तक 4.03 लाख विदेशी पर्यटकों ने गोवा घूमने पहुंचे।

राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित होगा झारखंड का टेराकोटा मंदिर

झारखंड के गुमला जिले में स्थित सांस्कृतिक स्थल टेराकोटा मंदिर को राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित करने के लिए चिह्नित किया जा चुका है। हालांकि शाहपुर किला इस सूची में शामिल नहीं है। यह जानकारी देते हुए केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने लोकसभा में बताया कि वर्तमान में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) के अधीन राष्ट्रीय महत्व के 3697 प्राचीन स्मारक और पुरातात्विक स्थल व अवशेष हैं। झारखंड में राष्ट्रीय महत्व के 13 प्राचीन स्मारकों व पुरातात्विक स्थल व अवशेष हैं।

अतिक्रमण की जद में कई स्मारक-पुरातत्विक स्थल

देश में कई पुराने स्मारक और पुरातात्विक स्थलों पर अतिक्रमण है। एएसआइ के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा स्मारकों और स्थलों की स्थिति का आकलन करने के लिए समय-समय पर निरीक्षण किया जाता है। अतिक्रमण की स्थिति में थाने में शिकायत दर्ज कराई जाती है और आरोपित के खिलाफ नोटिस जारी किया जाता है। इसके बावजूद अतिक्रमण नहीं हटने पर उसे तोड़ने का आदेश जारी किया जाता है। यह जानकारी केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने लोकसभा में सवाल के लिखित जवाब में दी।

2014 से भारत को 344 पुरावशेष लौटाए गए

केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने बताया कि 2014 से अन्य देशों द्वारा भारत को कुल मिलाकर 344 पुरावशेष लौटाए गए हैं और महज 2023 में ही 115 पुरावशेष भारत को लौटाए गए। लोकसभा में तस्करी के पुरावशेष के संबंध में सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि गत पांच वर्षों में 314 पुरावशेष वापस लाए गए हैं। गत पांच वर्ष में अमेरिका से इस प्रकार के 262, ब्रिटेन से 15, आस्ट्रेलिया से 35 और इटली से एक पुरावशेष वापस लाया गया।

गत पांच वर्ष में 555 एशियाई शेरों की मौत

गत पांच वर्ष में कुल 555 एशियाई शेरों की मौत हुई और उनकी मृत्युदर में कोई इजाफा नहीं हुआ। गुजरात का गिर जंगल एशियाई शेरों का एकमात्र प्राकृतिक आवास है और सरकारी आंकड़ों के अनुसार गिर में शेरों की संख्या 2015 में 523 से बढ़कर 2020 में 674 हुई है। केंद्रीय पर्यावरण राज्यमंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने निचले सदन में सवाल के जवाब में बताया कि 2019 में 113, 2020 में 124, 2021 में 105, 2022 में 110 और 2023 में 103 शेरों की मौत हुई।

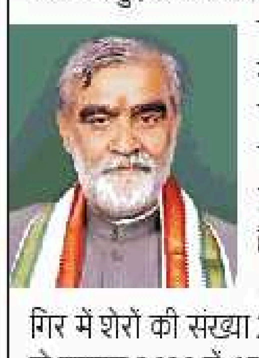

मलेशिया के लिंकन विवि ने तेलंगाना में कालेज खोलने को किया आवेदन

मलेशिया के लिंकन विश्वविद्यालय ने तेलंगाना में एक कालेज खोलने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) में आवेदन किया है। यूजीसी ने देश में विदेशी उच्च शिक्षा संस्थानों (एफएचईआइ) के परिसरों की स्थापना के लिए आवेदन आमंत्रित करने के लिए एक पोर्टल खोला है। यह जानकारी सोमवार को केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री सुभाष सरकार ने लोकसभा में सवाल के लिखित जवाब में दी। बता दें कि सरकार विदेशी संस्थानों के लिए सहुलियतें प्रदान कर रही है।

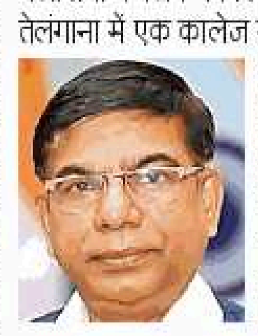

रैलियों में बच्चों को जुटाने पर चुनाव आयोग सख्त, कहा-इससे बचें

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव से ठीक पहले चुनाव आयोग ने चुनाव प्रचार और रैलियों में बच्चों की भीड़ जुटाने या फिर उन्हें चुनाव प्रचार में लगाए जाने को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है। साथ ही राजनीतिक दलों से इस तरह के कार्यों से दूर रहने को कहा है। आयोग ने इसे लेकर सभी निर्वाचन अधिकारियों से पैनी नजर रखने और ऐसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने को भी कहा है।

चुनाव आयोग ने सोमवार को इस संबंध में जारी दिशा-निर्देश में सभी राजनीतिक दलों से बच्चों को लेकर जीरो टालरेंस की नीति अपनाने की सलाह दी है। उसने चुनावों में बच्चों के इस्तेमाल को बाल श्रम कानूनों का उल्लंघन बताया है। आयोग ने राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों से कहा है कि वह चुनाव प्रचार या फिर रैलियों में बच्चों को ले जाने से बचें। साथ ही उन्हें चुनावी नारे लगाने, पोस्टर वितरित करने जैसी किसी भी गतिविधि से दूर रखें। इस दौरान नेताओं या फिर उम्मीदवारों को अपने वाहनों में बच्चों को गोद में रखने या ले जाने की अनुमति भी नहीं होगी। हालांकि, अपने अभिभावकों के साथ रैलियों में जाने वाले बच्चों को इस प्रतिबंध से अलग रखा गया है। चुनाव आयोग ने यह निर्देश तब दिया है, जब चुनाव प्रचार या रैलियों के लिए राजनीतिक दल और प्रत्याशियों द्वारा आसपास के शैक्षणिक संस्थानों से बच्चों को लाने के मामले सामने आ रहे थे।

- लोकसभा चुनाव से पहले आयोग ने दिए निर्देश

चुनाव आयोग का महत्वपूर्ण कदम।

'आतंकी घोषित करने में न हो राजनीति, पहल करे भारत'

नई दिल्ली, प्रेट्र : संसद की एक स्थायी समिति ने सोमवार को केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि आतंकियों और आतंकी संस्थाओं की सूची पर सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध व्यवस्था में किसी तरह की राजनीति न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए वह लगातार प्रयास करे। समिति ने यह भी कहा कि अलकायदा और आइएस जैसे वैश्विक आतंकी संगठनों ने आतंकियों की भर्ती के लिए भारत को एक ठिकाना बना रखा है।

विदेश मामलों पर संसदीय समिति की रिपोर्ट चीन की ओर से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध समिति द्वारा पाकिस्तान स्थित कई आतंकवादियों की सूची को अवरुद्ध करने की पृष्ठभूमि में आई है। समिति ने कहा कि भारत में आतंकवाद की समस्या बड़े पैमाने पर सीमा पार से प्रायोजित है। आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए आतंकी संगठनों को पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी आइएसआइ द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

सीमा सुरक्षा से कोई समझौता नहीं : शाह

नई दिल्ली, प्रेट्र : गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि सरकार सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध चाहती है, लेकिन वह भारत की सीमा और अपने लोगों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगी। शाह ने यह भी कहा कि मोदी सरकार ने अपने 10 साल के शासनकाल में आंतरिक सुरक्षा के लिहाज से तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और वामपंथी उग्रवाद प्रभावित इलाकों पर सफलतापूर्वक नियंत्रण पा लिया है।

गृह मंत्री ने 'सिक्योरिटी बियांड टुमारो फोर्जिंग इंडियाज रेजिलिएंट फ्यूचर' विषय पर एक संवाद कार्यक्रम में भाग लेते हुए कहा कि हमारी बाह्य एवं आंतरिक नीति स्पष्ट है। शाह ने कहा कि अन्य देशों ने सरकार की इस नीति का सम्मान किया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने तुष्टीकरण की नीति के कारण आंतरिक सुरक्षा संबंधी कई समस्याएं पैदा कीं।

गृह मंत्री ने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण तीन क्षेत्रों जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और वामपंथी उग्रवाद प्रभावित इलाकों में पिछली सरकार की गलत नीतियों के कारण स्थिति खराब हुई थी। मोदी सरकार ने इन क्षेत्रों पर सफलतापूर्वक नियंत्रण पा लिया और ये क्षेत्र अब भारत की विकास यात्रा का हिस्सा हैं। शाह ने कहा कि आतंकवाद और उग्रवाद के चलते कई लोग मारे गए और घायल हुए हैं। सरकार ने न केवल आतंकवाद बल्कि इसके इकोसिस्टम पर भी कार्रवाई की है। उदाहरण देते हुए गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार के सत्ता में आने से पहले जम्मू-कश्मीर में संगठित पथराव की 2,600 से अधिक घटनाएं हुईं। इन घटनाओं के कारण 110 से अधिक लोगों की जान चली गई और छह हजार से अधिक लोग घायल हो गए। उन्होंने कहा, अब जम्मू-कश्मीर में पथराव की एक भी घटना नहीं होती है। ऐसी घटनाएं खत्म हो गई हैं।

नई दिल्ली में सोमवार को आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) द्वारा 'सिक्योरिटी बियांड टुमारो फोर्जिंग इंडियाज रेजिलिएंट फ्यूचर' विषय पर कार्यक्रम में 'ओआरएफ फारेन पालिसी सर्वे' जारी करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। प्रेट्र

यह भी कहा शाह ने

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आंतरिक सुरक्षा का एक मजबूत नेटवर्क बनाने में सफल रहा है।
- मोदी सरकार ने अपने 10 साल के कार्यकाल में 70 साल की कमियों को दूर करने का काम किया है।
- जी-20 में जारी दिल्ली घोषणापत्र बड़ी कूटनीतिक सफलता है।
- यूपीआइ डिजिटल भारत की नई पहचान बन गया है। कई देशों ने यूपीआइ को स्वीकार किया है।
- 10 साल में भारत में राजनीतिक स्थिरता, भ्रष्टाचार मुक्त शासन और शांतिपूर्ण माहौल बना है।

आतंकी संगठन सिमी पर राज्य भी कर सकेंगे कार्रवाई

नई दिल्ली, प्रेट्र: आतंकी संगठन स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट आफ इंडिया (सिमी) पर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश भी कार्रवाई कर सकेंगे। केंद्र सरकार ने सोमवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सिमी को आतंकवाद विरोधी कानून (यूएपीए) के तहत प्रतिबंधित संगठन घोषित करने का अधिकार दे दिया। सोमवार को अधिसूचना जारी कर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों को यह अधिकार दिया है। केंद्र सरकार ने 29 जनवरी को सिमी पर प्रतिबंध पांच साल और बढ़ा दिया। प्रतिबंध बढ़ाते हुए सरकार ने कहा था कि सिमी देश में आतंकवाद को बढ़ावा देने और शांति और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने में शामिल रहा है।

उत्तर प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, गुजरात, केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना ने सिमी को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत गैरकानूनी संगठन घोषित करने की सिफारिश की है।

ऋण वसूली न्यायाधिकरणों में 2.15 लाख मामले लंबित : कराड

सुझाव

आरडीबी अधिनियम के तहत मामलों को शीघ्रता से निपटाया जाना चाहिए और दो सुनवाई में कार्यवाही पूरा करने और आवेदन की तिथि से 180 दिन के भीतर अंतिम निपटान की हरसंभव कोशिश की जानी चाहिए

नई दिल्ली, प्रेट्र : ऋण वसूली न्यायाधिकरणों (डीआरटी) में 24 जनवरी तक तकरीबन 2.15 लाख मामले लंबित हैं। 2,15,431 मामलों में से ऋण वसूली और दिवालियापन अधिनियम (आरडीबी अधिनियम) 1993 की धारा 19 के तहत दायर मूल आवेदन (ओए) 1,62,317 हैं। वहीं प्रतिभूतिकरण व वित्तीय संपत्तियों के पुनर्निर्माण व सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम (एसएआरएफएईएसआइ अधिनियम) 2002 की धारा 17 के तहत दायर प्रतिभूतिकरण आवेदन (एसए) 53,114 हैं।

केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री भागवत के. कराड ने सोमवार को लोकसभा मे जानकारी देते हुए बताया कि आरडीबी अधिनियम के तहत मामलों को शीघ्रता से निपटाया जाना चाहिए और दो सुनवाई में कार्यवाही पूरा करने और आवेदन की तिथि से 180 दिन के भीतर अंतिम निपटान की हरसंभव कोशिश की जानी चाहिए। हालांकि 24 जनवरी तक डीआरटी के समक्ष 180 दिन से अधिक लंबित मामलों की संख्या 1,85,076 है। लंबित मामलों में से 1,42187 मामले ओए व 42,889 एसए के हैं। उन्होंने बताया कि समय-समय पर लंबित मामलों का विश्लेषण किया जाता है। कई बार अधिवक्ताओं की अनुपस्थिति व स्थगन का अनुरोध भी लंबित होने का कारण बनते है। एक अन्य सवाल के जवाब में कराड ने बताया कि 2023-24 की पहली छमाही में आर्थिक धोखाधड़ी के कारण 36.26 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

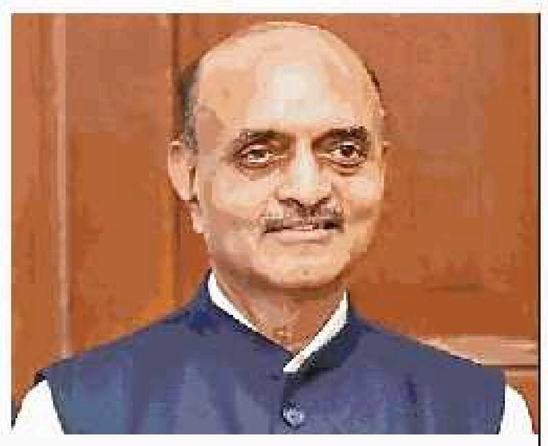
भागवत कराड। एएनआइ

एसबीआइ ने 30 किस्तों में 16518 करोड़ के चुनावी बांड जारी किए : पंकज चौधरी

नई दिल्ली, प्रेट्र : स्टेट बैंक आफ इंडिया (एसबीआइ) ने 2018 में योजना के शुरू होने के बाद से अब तक 30 किस्तों में 16518 करोड़ रुपये के चुनावी बांड जारी किए। चुनावी बांड की खरीद पर खरीदार से कोई जीएसटी अथवा टैक्स नहीं लिया जाता है। यह जानकारी सोमवार को केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में सवाल के लिखित जवाब में दी।

उन्होंने बताया कि चुनावी बांड योजना का उद्देश्य कर भुगतान किए गए स्वच्छ धन का उचित बैंकिंग चैनलों के माध्यम से राजनीतिक फंडिंग प्रणाली में लाना सुनिश्चित करना है। चौधरी ने बताया कि अब तक चुनावी बांड जारी करने व भुनाने के लिए सरकार ने एसबीआइ को लगभग 8.57 करोड़ रुपये का कमीशन दिया और सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड (एसपीएमसीआइएल) को लगभग 1.90 करोड़ रुपये का भुगतान किया। पांच हजार करोड़ के सेबी-सहारा रिफंड अकाउंट के संबंध में उन्होंने कहा कि सहारा समूह की चार बहु-राज्यीय सहकारी समितियों के वास्तविक जमाकर्ताओं द्वारा रिफंड के दावे प्रस्तुत करने के लिए 18 जुलाई 2023 को पोर्टल शुरू किया गया था। धन वितरण की पूरी प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी की देखरेख और निगरानी में की जा रही है।

पंकज चौधरी। एएनआइ

कह कर रहेंगे माधव जोशी

****

11 जनवरी को पंजाब के खडूर साहिब में महारैली करेंगे आप के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान। लोकसभा चुनाव में पार्टी सभी 13 सीटों पर चुनाव लड़ने का मन बनाकर मैदान में उतर रही है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण दैनिक जागरण मंगलवार 6 फरवरी, 2024

चम्पाई सरकार ने हासिल किया विश्वास मत

झारखंड सरकार के पक्ष में पड़े 47 वोट, विरोध में 29 ने किया मतदान, हेमंत ने भी दिया वोट

राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सत्तापक्ष के विधायकों ने खड़े होकर की नारेबाजी

राज्य ब्यूरो, रांची

झारखंड में झामुमो, कांग्रेस तथा राजद के गठबंधन वाली चम्पाई सोरेन सरकार ने सोमवार को झारखंड विधानसभा में विश्वास मत हासिल कर बहुमत साबित किया। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन के विश्वास प्रस्ताव पर वाद-विवाद के बाद हुए मतदान में सरकार के पक्ष में 47 वोट पड़े, जबकि इसके विरुद्ध 29 विधायकों ने वोट डाले। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी ईडी की हिरासत में वोट डालने विधानसभा पहुंचे थे।

आवश्यकता नहीं पड़ने पर स्पीकर रबीन्द्रनाथ महतो ने वोट नहीं दिया। वहीं, निर्दलीय विधायक सरयू राय अपनी घोषणा के अनुरूप तटस्थ रहे और उन्होंने किसी के पक्ष में मतदान नहीं किया, जबकि बीमारी के कारण झामुमो व भाजपा के एक-एक विधायक तथा एक निर्दलीय विधायक सदन में अनुपस्थित रहे। 82 सदस्यीय झारखंड विधानसभा में चम्पाई सरकार को बहुमत के लिए 41 विधायकों के समर्थन की जरूरत थी। चम्पाई पहले से ही दावा कर रहे थे कि उनके पक्ष में 47 विधायक हैं। फ्लोर टेस्ट में यह दावा सही साबित हुआ। सरकार के पक्ष में झामुमो के 27, कांग्रेस के 17, राजद के एक, भाकपा माले के एक तथा एक मनोनीत सदस्य ने मतदान किया। विश्वास प्रस्ताव के विरोध में भाजपा के 25, आजसू के तीन और एनसीपी के एक सदस्य ने वोट डाले। उधर, विश्वास प्रस्ताव पर मतदान से पूर्व सदन में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के अभिभाषण के दौरान सत्ता पक्ष के सभी विधायकों ने खड़े होकर हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के विरोध में नारेबाजी की। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन, मंत्री आलमगीर आलम व सत्यानंद भोक्ता तथा विधायक लोबिन हेम्ब्रम को छोड़कर सभी राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान खड़े रहे। हेमंत सोरेन भी काफी समय खड़े रहे। सत्ता पक्ष के विधायकों के नारेबाजी के बीच ही राज्यपाल ने अपना अभिभाषण पूरा किया।

हां, हम हेमंत पार्ट-टू हैं : चम्पाई सोरेन: मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने सोमवार को विधानसभा में विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा आरंभ करते हुए भाजपा को निशाने पर रखा। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की उन्होंने जमकर तारीफ की। यहां तक कहा कि हेमंत सोरेन के कामकाज को विपक्ष मिटा नहीं सकेगा। भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि ये कह रहे हैं कि हमारा शासनकाल हेमंत पार्ट-टू है, हां! हम हेमंत पार्ट-टू हैं। हेमंत बाबू हैं तो हिम्मत है। हेमंत के नेतृत्व में चार साल विकास के अच्छे काम हुए। हेमंत की गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए कहा कि जमीन के आरोप में कुछ दम नहीं है। खाता-बही में कुछ नहीं है। फिर भी गलत आरोप में हेमंत बाबू को जेल जाना पड़ा।

गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली हेमंत की याचिका पर 12 को सुनवाई : झारखंड हाई कोर्ट में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी और रिमांड को चुनौती दी जाने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने मामले में ईडी को नौ फरवरी तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले में अगली सुनवाई 12 फरवरी को होगी। बता दें कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिलने का बाद हेमंत सोरेन ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की है। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें हाई कोर्ट में ही अपना पक्ष रखने की सलाह दी थी। बता दें कि हेमंत सोरेन ने कोर्ट में हस्तक्षेप याचिका दाखिल कर कहा है कि उनके खिलाफ कोई केस नहीं बनता है। राजनीतिक विद्वेष के कारण उनकी गिरफ्तारी की गई है। उनकी गिरफ्तारी नियमों के खिलाफ है।

बहुमत साबित होने के बाद विधानसभा से बाहर निकलते मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन (बाएं), साथ में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व अन्य विधायक। जागरण

बोले हेमंत, मेरी गिरफ्तारी में राजभवन भी शामिल

विधानसभा में सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सरकार के विश्वास मत प्रस्ताव के दौरान समर्थन में बोलते हुए विपक्षी दल भाजपा पर खूब गरजे। इसके साथ ही उन्होंने राज्यपाल पर भी गंभीर आरोप लगाए। सदन में अपने संबोधन के क्रम में हेमंत ने कहा कि 31 जनवरी का दिन लोकतंत्र के काले दिन के रूप में याद किया जाएगा। उस दिन पहली बार किसी मुख्यमंत्री की राजभवन के अंदर गिरफ्तारी हुई। मुझे लगता है कि मेरी गिरफ्तारी के षड्यंत्र में राजभवन भी शामिल रहा।

'आरोप साबित हुए तो राजनीति क्या, झारखंड भी छोड़ दूंगा'

उन्होंने भाजपा, केंद्र सरकार और ईडी पर खुद को झूठे आरोप में षड्यंत्र रचकर फंसाने का आरोप लगाया और कहा कि अगर उनके विरुद्ध साढ़े आठ एकड़ जमीन के घोटाले का आरोप सिद्ध हो गया तो वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे और राजनीति क्या झारखंड भी छोड़ देंगे। हेमंत सोरेन ने चेतावनी देते हुए कहा कि ईडी मुझे निगलना चाहती है, लेकिन गले में फंस गया तो पूरी अंतड़ी फाड़ दूंगा।

रिजार्ट में ऐश-ओ-आराम है, स्वतंत्रता नहीं

राज्य ब्यूरो, पटना

- हैदराबाद से 36 किलोमीटर दूर रिजार्ट में ठहराए गए हैं कांग्रेस के विधायक व विधान पार्षद
- फाइव स्टार होटल की तरह सुख-सुविधा, मोबाइल फोन भी, लेकिन निगरानी आठों पहर की

दिल्ली की बैठक से बिहार के जितने विधायक और विधान पार्षद हैदराबाद के लिए निकले, उतने पहुंचे नहीं। पारिवारिक व क्षेत्रीय व्यस्तता का हवाला देते हुए लगभग आधा दर्जन नेता दिल्ली से ही बिहार के अपने ठिकानों की ओर निकल गए। हालांकि, उनमें एक-दो विधान पार्षद भी हैं। अभी 15 विधायकों सहित बिहार कांग्रेस के 22 नेता हैदराबाद से 36 किलोमीटर दूर इब्राहिमपत्तनम के रिजार्ट में ठहराए गए हैं। वहां सुरक्षा की व्यवस्था ऐसी चौकस है कि बाहरी तो क्या दाएं-बाएं करने वाले अपने लोग भी एक-दूसरे के पास नहीं फटक सकते। विश्वास मत के दिन 12 फरवरी को सभी विधायक एक साथ विधानसभा पहुंचाए जाएंगे।

झारखंड के विधायक जिन दो रिजार्ट में ठहराए गए थे, उनमें से एक यह भी है। इस रिजार्ट में कांग्रेस नेताओं के लिए 24 कमरे बुक कराए गए हैं। वहां ऐश-ओ-आराम और खाने-पीने की व्यवस्था फाइव स्टार होटल की तरह है। मध्यस्थ की उपस्थिति में विधायकों के बीच संवाद तो हो रहा, लेकिन स्वतंत्रता पर अघोषित नियंत्रण जैसे है। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एसए संपथ कुमार और तेलंगाना के विधायक मलारेड्डी रंगारेड्डी को वहां व्यवस्था और निगरानी का दायित्व मिला है। वे दोनों आलाकमान को भी प्रतिदिन की गतिविधि की रिपोर्ट दे रहे। इस बीच हैदराबाद नहीं पहुंचने वाले विधायकों को भी 10 फरवरी तक हर हाल में रिजार्ट पहुंचने का निर्देश है। झारखंड के विधायकों हेतु इस रिजार्ट के कमरे पहले से ही 10 फरवरी तक के लिए बुक थे। ऐसे में निर्णय हुआ कि बिहार के विधायकों को शिमला या बेंगलुरु के बजाय वहीं शिफ्ट किया जाए।

रिजार्ट में निगरानी : रिजार्ट के प्रथम तल पर खाने-पीने की व्यवस्था है। वहां तक एकमात्र लिफ्ट से पहुंचा जा सकता है। विधायकों-विधान पार्षदों के अलावा उसे मात्र वही व्यक्ति उपयोग कर सकता है, जिसे निगरानी रखने वाले उपरोक्त दोनों नेताओं (संपथ और रेड्डी) की अनुमति हो। सुरक्षा की दोहरी व्यवस्था लिफ्ट के प्रवेश व निकास द्वार पर भी है। बिहार में कांग्रेस के कुल 19 विधायक हैं। कटिहार जिला में अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित सीट मनिहारी के विधायक मनोहर प्रसाद सिंह, अररिया सदर के विधायक आबिदुर्रहमान और पटना जिला में बिक्रम के विधायक सिद्धार्थ सौरव हैदराबाद नहीं पहुंचे हैं।

छिंदवाड़ा से मैं ही लड़ूंगा, कमल नाथ नहीं : नकुल

नई दुनिया, छिंदवाड़ा: पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ और उनके पुत्र सांसद नकुल नाथ ने सोमवार सुबह राम नाम पत्रकों की पूजा अर्चना कर उन्हें अयोध्या के लिए रवाना किया। नकुल नाथ ने परासिया की आभार सभा में मंच से एलान किया कि अगला लोकसभा चुनाव मैं ही लड़ूंगा, कमल नाथ नहीं। उनका पूरा सहयोग और मार्गदर्शन रहेगा। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ भी मंच पर मौजूद रहे। बता दें कि इसके पहले नकुल नाथ ने मंच से ही विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस प्रत्याशियों की घोषणा की थी।

नकुल नाथ। फाइल

अयोध्या जाने की कर चुके हैं अपील :अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर कांग्रेस और मारुति नंदन सेवा समिति ने राम नाम पत्रक लेखन शुरू किया था। 4.30 करोड़ राम नाम पत्रक भरे गए थे। अब इन्हें भगवान राम के चरणों में अर्पित किया जाएगा।

राज्यसभा में चुने गए अधिकतर मंत्रियों को इस बार लड़ना होगा लोकसभा चुनाव

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- उच्च सदन में कार्यकाल पूरा करने जा रहे 56 सदस्यों में मोदी सरकार के नौ मंत्री
- दो-तीन दिनों में घोषित हो सकते हैं राज्यसभा के लिए भाजपा प्रत्याशियों के नाम

जेपी नड्डा। फाइल अश्विनी वैष्णव। मनसुख मांडविया। धर्मेंद्र प्रधान। राजीव चंद्रशेखर।

तीसरी बार केंद्र की सत्ता में वापसी के लिए बिसात बिछा रही भाजपा बारीकी से सांसदों के प्रदर्शन और जनाधार का आकलन करने में जुटी है। इस गहन निगरानी से यदि सांसद गुजर रहे हैं तो मोदी मंत्रिमंडल के ऐसे अधिकतर मंत्रियों को भी प्रदर्शन और चुनौतियों की परीक्षा से गुजरना पड़ सकता है, जो राज्यसभा के रास्ते संसद पहुंचे हैं। उच्च सदन की रिक्त होने जा रहीं सीटों पर पार्टी जल्द ही प्रत्याशी घोषित करने जा रही है। रिटायर होने वाले सदस्यों में 27 भाजपा के हैं।

राज्यसभा के 56 सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल में पूरा होने जा रहा है। इनके चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग अधिसूचना पहले ही जारी कर चुका है। 15 राज्यों के कोटे की इन सीटों के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 15 फरवरी है, जबकि चुनाव 27 फरवरी को होना है। चूंकि, चुनाव का समय अब निकट है, इसलिए माना जा रहा है कि भाजपा दो-तीन दिनों में राज्यसभा प्रत्याशियों की घोषणा कर सकती है। इसे देखते हुए मोदी मंत्रिमंडल के तमाम मंत्रियों की भी धड़कन बढ़ी हुई है। दरअसल, उच्च सदन में जिन सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल में पूरा होने जा रहा है, उनमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के अलावा नौ मंत्री अश्विनी वैष्णव, धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव, डा. मनसुख मांडविया, राजीव चंद्रशेखर, परषोत्तम रूपाला, वी. मुरलीधरन, नारायन राणे और डा. एल. मुरुगन शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, पार्टी लोकसभा चुनाव में अपने सभी बड़े चेहरों यानी महत्वपूर्ण पदों पर बैठे नेताओं को भी उतारने जा रही है। 'पालिटिकल डिलीवरी' की क्षमता को परखते हुए भाजपा पहले भी सख्त निर्णय ले चुकी है। इस कसौटी पर खरे नहीं उतरने वालों को मंत्री पद से हटाकर दूसरी जिम्मेदारियां भी दी जा चुकी हैं। चर्चा है कि इन नौ मंत्रियों में से अधिकतर को लोकसभा चुनाव लड़कर जीतने की क्षमता और जनाधार को भी साबित करना होगा। हां, कुछ मंत्रियों या प्रमुख नेताओं को इस आधार पर चुनाव लड़ने से छूट देते हुए दोबारा राज्यसभा भेजा जा सकता है, जिनकी चुनाव प्रबंधन में महत्वपूर्ण हो। भी विचार नहीं किया जा रहा हो।

'डबल इंजन सरकार ने मणिपुर के लोगों पर कई हमले किए हैं'

नई दिल्ली, प्रेट्र: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मणिपुर को लेकर सोमवार को सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार ने मणिपुर के लोगों पर कई हमले किए हैं। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा कि नौ महीने हो गए हैं। लगातार हिंसा ने मणिपुर में असंख्य जिंदगियों को तबाह कर दिया है, लेकिन पीएम मोदी को राज्य का दौरा करने के लिए एक घंटा भी नहीं मिला। आखिर क्यों? कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि पीएम ने आखिरी बार फरवरी 2022 में मणिपुर का दौरा किया था। वह चुनाव प्रचार के लिए था और अब मणिपुर के लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि चार मई 2023 से अबतक 200 लोगों से अधिक की मौत हो चुकी है और 60 हजार लोग विस्थापित हो चुके हैं। करीब 50,000 लोग राहत शिविर में रहने को मजबूर हैं, जहां भोजन और उचित चिकित्सीय सुविधा नहीं है।

लुईस खुर्शीद बोलीं- अब कोई सचिव आए तो चप्पल से मारें

जासं, फर्रुखाबाद

- पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद की पत्नी का वीडियो प्रसारित

बोलीं- सलमान खुर्शीद पार्टी के बड़े नेता, लोग उनका नहीं करते हैं सम्मान

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कुत्ते वाले बयान पर चर्चा शांत नहीं हो पाई थी कि अब पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद की पत्नी व पूर्व विधायक लुईस खुर्शीद ने अपनी ही पार्टी के पदाधिकारी के लिए विवादित बयान दे दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि यदि कोई सचिव आए तो पहले मीडिया को बुलाएं, फिर उसके सामने चप्पल से मारें। घर में कार्यकर्ताओं के साथ आयोजित बैठक में उनके इस वक्तव्य का वीडियो किसी ने इंटरनेट मीडिया में प्रसारित कर दिया। हालांकि, दैनिक जागरण प्रसारित वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

हालांकि लुईस खुर्शीद ने बताया कि उन्होंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया था, बल्कि स्वयं व प्रियंका गांधी वाड्रा के बीच हुई बातचीत के बारे में कार्यकर्ताओं को अवगत कराया था। उन्होंने इसके पीछे अपनी ही पार्टी के दो वरिष्ठ नेताओं की शरारत बताई है।

रविवार को लुईस खुर्शीद ने फर्रुखाबाद के कायमगंज के पितौरा गांव में अपने आवास पर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में कहा कि सलमान खुर्शीद पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं।

इसके बावजूद पार्टी के कुछ सचिव जिले में आते हैं तो कहते हैं कि कौन सलमान, कौन लुईस। उन्हें सलमान खुर्शीद के कद के बारे में नहीं पता। ऐसे सचिव जब आएं तो पहले मीडिया को बुलाएं, फिर उन्हें चप्पल से मारें। बैठक में पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष व सचिव समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। किसी ने इसका वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया।

कांग्रेस की कई दलों के साथ सीट बंटवारे पर सहमति

संजय मिश्र, नई दिल्ली

- दिल्ली, गुजरात में आप के साथ लड़ने पर सहमति
- द्रमुक से पुराने फार्मूले पर लगभग सहमति के संकेत

आइएनडीआइए में लोकसभा चुनाव के लिए तालमेल को लेकर जारी ऊहापोह के बीच कुछ सहयोगी दलों के साथ सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस ने लगभग सहमति बन जाने के संकेत दिए हैं। पंजाब को छोड़कर आम आदमी पार्टी के साथ सीट बंटवारे की बात लगभग तय हो गई है। आम आदमी पार्टी दिल्ली में चार-तीन के फार्मूले पर राजी है। कांग्रेस ने भी गुजरात समेत एक-दो अन्य राज्यों में आप को सीट देने पर सहमत होने के संकेत दिए हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना यूबीटी और शरद पवार की राकांपा के साथ सीट बंटवारे का खाका तैयार हो गया है। झारखंड में झामुमो और बिहार में राजद से तालमेल में अब कोई अड़चन नहीं है। तमिलनाडु में द्रमुक के साथ पुराने फार्मूले पर ही सीटों का बंटवारा करने पर दोनों पार्टियों में विवाद नहीं है।

कांग्रेस के एक वरिष्ठ रणनीतिकार ने कहा कि नीतीश कुमार के पाला बदलने के बाद सीटों के बंटवारे की खटपट को ज्यादा उछाला जा रहा है। वास्तविकता यह है कि कई जटिलताओं के बावजूद आम आदमी पार्टी से तालमेल पर सहमति बन गई है। दिल्ली में आप चार सीटों पर लड़ेगी और तीन कांग्रेस के लिए छोड़ेगी। गुजरात में कांग्रेस एक सीट आप को देने के लिए सहमत हो गई है। गोवा में दोनों सीटों पर कांग्रेस लड़ेगी। हरियाणा में एक सीट छोड़ने के लिए आम आदमी पार्टी का दबाव है और कांग्रेस अभी इस पर विचार कर रही है। पंजाब में दोनों पार्टियां एक दूसरे के खिलाफ मैदान में उतरेंगी। बिहार की नई राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए कांग्रेस रणनीतिकार ने कहा कि जदयू के अलग होने के बाद कांग्रेस अब पहले से अधिक सीटों पर लड़ेगी। कांग्रेस ने अपनी दावेदारी वाली सीटों की सूची राजद नेतृत्व को सौंप दी है। गठबंधन में भाकपा और माले की भी करीब तीन से चार सीटों पर दावेदारी है। झारखंड में चम्पाई सोरेन सरकार के सोमवार को विश्वास मत हासिल करने के बाद झामुमो के साथ गठबंधन पहले की तुलना में ज्यादा सुदृढ़ हो गया है। पार्टी सूत्रों ने कहा कि न्याय यात्रा के क्रम में झारखंड पहुंचे राहुल गांधी ने हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन से सोमवार को मुलाकात कर इसकी राह और सहज कर दी है।

द्रमुक ने 2019 के आम चुनाव में तमिलनाडु की नौ तथा पुडुचेरी की एक सीट कांग्रेस को दी थी। पार्टी सूत्रों ने इस फार्मूले पर सहमति बनने का संकेत देते हुए कहा कि राज्य की राजनीति में पांव फैलाने के भाजपा के जबरदस्त प्रयासों से मुख्यमंत्री स्टालिन अवगत हैं। इसीलिए द्रमुक-कांग्रेस गठबंधन की मजबूती में उनकी भी प्रतिबद्धता है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी से गठबंधन को लेकर चल रही खींचतान की खबरों पर कांग्रेस रणनीतिकार ने कहा कि सपा और कांग्रेस के बीच मिलकर लड़ने पर सैद्धांतिक सहमति है।

उत्तर प्रदेश से चुनाव लड़ने से डरने लगा गांधी परिवार : अनुराग ठाकुर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : यह मामला संशय और अटकलों में ही फंसा है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी अमेठी से और सोनिया गांधी रायबरेली से इस बार चुनाव लड़ेंगी या नहीं? इस पर इशारों-इशारों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए तंज और 'अबकी बार 400 पार' के नारे ने पार्टी कार्यकर्ताओं को न सिर्फ नया नारा दे दिया है, बल्कि नई ऊर्जा भी भर दी है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर का स्पष्ट कहना है कि गांधी परिवार अब उत्तर प्रदेश से चुनाव लड़ने से डरने लगा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को संसद में इशारों में ही कहा कि कुछ लोग सीट बदलने की तैयारी में हैं तो कुछ लोग राज्यसभा की सीट तलाश रहे हैं। भाजपा नेता इसे राहुल गांधी और सोनिया गांधी से जोड़कर देख रहे हैं, क्योंकि पिछले लोकसभा चुनाव में राहुल अमेठी से चुनाव हार गए थे। वह केरल की वायनाड सीट से चुनकर संसद में पहुंचे।

पंजाब में खरगे की सक्रियता के बीच आप ने की महारैली की घोषणा

कैलाश नाथ, चंडीगढ़

- आइएनडीआइए के घटक दल कांग्रेस और आप में पड़ी दरार और हुई चौड़ी
- मान पहले ही कह चुके- अकेले लड़ेंगे लोस चुनाव, रैली की घोषणा ने पुष्टि कर दी
- खरगे के दौरे से एक दिन पहले केजरीवाल पंजाब में लांच करेंगे घर-घर राशन योजना

अरविंद केजरीवाल। फाइल मल्लिकार्जुन खरगे। फाइल

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की पंजाब में सक्रियता के बीच आम आदमी पार्टी (आप) ने भी महारैली की घोषणा कर दी है। खरगे 11 फरवरी को लुधियाना के समराला में पंजाब कांग्रेस की पहली कन्वेंशन में हिस्सा लेंगे।

लोकसभा चुनाव को लेकर हो रही इस कन्वेंशन के बीच आप के संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 10 फरवरी को लुधियाना के खन्ना में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ मिलकर 'घर-घर राशन' योजना को लांच करेंगे और 11 फरवरी को पंथक गढ़ माने जाते तरनतारन के खडूर साहिब में महारैली करेंगे। खास यह है कि केजरीवाल ने घर-घर राशन योजना के लिए वही स्थान चुना है, जहां से 16 किलोमीटर दूर समराला में खरगे कन्वेंशन में हिस्सा लेंगे। खरगे के पंजाब दौरे के बीच केजरीवाल की महारैली से यह बात स्पष्ट हो गई है कि आइएनडीआइए के घटक दल कांग्रेस और आप के बीच की दरार और चौड़ी हो गई है। इससे पहले आप से गठबंधन को लेकर पंजाब कांग्रेस के लगातार विरोध के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी घोषणा कर दी थी कि पार्टी लोकसभा चुनाव पंजाब में अकेले लड़ेगी। गठबंधन की संभावनाओं को खत्म होते देख अब दोनों ही पार्टियां पंजाब में आमने-सामने खड़ी हो गई हैं। 11 फरवरी को दोनों ही पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंजाब में होंगे। खरगे जहां लुधियाना के समराला में पार्टी की लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर समीक्षा करेंगे वहीं, खडूर साहिब में आप कांग्रेस को बड़ा झटका देने की तैयारी कर रही होगी। आप के सूत्र बताते हैं कि खडूर साहिब में होने वाली महारैली में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को पार्टी में शामिल करवाया जा सकता है। खडूर साहिब लोकसभा सीट से कांग्रेस के जसबीर सिंह डिंपा सांसद हैं। कांग्रेस के सांसद पार्टी हाईकमान पर आप के साथ गठबंधन करने को लेकर दबाव बना रहे थे। हालांकि, उनकी प्रदेश इकाई के सामने एक नहीं चली। पहले भी आप ने जालंधर में कांग्रेस को झटका दिया था।

दावेदारी

अजीत पवार ने लोकसभा की बारामती सीट से भी अपना उम्मीदवार उतारने के दिए संकेत, तंज कसते हुए कहा, इस चुनाव में कुछ लोग आकर कहेंगे कि यह मेरा आखिरी चुनाव है

चाचा शरद पवार के गढ़ में भतीजे अजीत पवार की हुंकार

ओमप्रकाश तिवारी, मुंबई

- बारामती को शरद पवार का अभेद्य किला समझा जाता है।
- बारामती फिलहाल, इस सीट से उनकी चचेरी बहन सुप्रिया सुले सांसद हैं

शरद पवार। फाइल अजीत पवार। फाइल

अभी लोकसभा चुनाव घोषित नहीं हुए हैं। लेकिन महाराष्ट्र के वरिष्ठ नेता शरद पवार के परिवार में टकराव के संकेत अभी से मिलने लगे हैं। उनकी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) को तोड़ चुके उनके भतीजे अजीत पवार ने लोकसभा की बारामती सीट से भी अपना उम्मीदवार उतारने के संकेत दे दिए हैं। इसे शरद पवार का अभेद्य किला समझा जाता है। फिलहाल, इस सीट से उनकी चचेरी बहन सुप्रिया सुले सांसद हैं।

रविवार को बारामती शहर में राकांपा के जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन करते हुए अजीत पवार ने कहा कि आज वातावरण मोदी को मौका देने का है। मैंने राजनीतिक निर्णय ले लिया है। जो सीटें हमारे पास हैं, वहां से हम लड़ेंगे। बारामती की सीट से भी हम लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि लोकसभा के चुनाव पहले होंगे। मेरी आपसे विनती है कि उस चुनाव में यदि आपको मेरा समर्थन करना हो तो बारामती में जो बदलाव और काम हो रहे हैं, उन्हें ध्यान में रखिएगा। मैंने विकास के लिए जो काम किए, उन्हें ध्यान में रखिएगा। इसी कड़ी में अजीत ने बिना नाम लिए अपने चाचा शरद पवार पर तंज कसा। कहा कि इस चुनाव में कुछ लोग आएंगे। भावनात्मक बातें करेंगे और आपको बहकाएंगे। कहेंगे कि यह मेरा आखिरी चुनाव है। अब मुझे नहीं पता कि क्या वाकई यह उनका आखिरी चुनाव है। लेकिन, आप भावनाओं में मत बहिएगा। प्रैक्टिकल बनकर सोचिएगा।

अजीत पवार के उक्त कथन से स्पष्ट हो गया है कि वह इस बार अपनी चचेरी बहन एवं बारामती से तीन बार की सांसद सुप्रिया सुले के साथ कोई रहम नहीं बरतने वाले हैं। बता दें कि रविवार को ही बारामती के राकांपा कार्यकर्ताओं का एक प्रतिनिधिमंडल भी अजीत पवार से मिला। उसने अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को ही वहां से राकांपा का लोकसभा उम्मीदवार बनाने की मांग भी की। यह सीट 1984 से ही ज्यादातर पवार परिवार के पास ही रही है। 1984 में शरद पवार स्वयं यहां से लोकसभा चुनाव जीते थे। 1985 में पुनः मुख्यमंत्री बनने पर उन्होंने त्यागपत्र दे दिया था। 1991 में इसी सीट से उनके भतीजे अजीत पवार चुनकर गए थे। इस सीट से छह बार शरद पवार, एक बार अजीत पवार और तीन बार शरद पवार की पुत्री सुप्रिया सुले चुनाव जीत चुकी हैं। बारामती लोकसभा सीट देश की 144 एवं महाराष्ट्र की उनकी 16 सीटों में शामिल है, जिसे भाजपा अपने लिए मुश्किल मानती रही है। इसलिए राकांपा में विभाजन से पहले ही उसने इस सीट की जिम्मेदारी केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन को दे रखी थी। अब यदि भाजपा, शिवसेना शिंदे गुट एवं राकांपा अजीत पवार गुट के सीट बंटवारे में यह सीट अजीत पवार के हिस्से में आती है, तो पवार परिवार के बीच ही रोचक चुनावी जंग देखने को मिल सकती है। राजनीतिक गलियारे में सभी की नजर इस पर टिकी हुई है।

****

जब साइकिल पर कोयला लेकर चले राहुल...

कांग्रेस नेता राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा में लोगों के मन छूने का हर संभव प्रयत्न कर रहे हैं। इसी दौरान वह झारखंड के रामगढ़ में ऐसे युवा श्रमिक से मिले जो साइकिल पर लगभग 200 किलोग्राम कोयला लेकर बेचने जा रहा था। उन्होंने उससे बातचीत कर समस्याओं को जाना। साथ ही उसकी कोयला लदी साइकिल को लेकर भी थोड़ी दूर तक चले। एएनआइ

... विकास का संकल्प, आस्था को नमन

उप्र का बजट ▶ योगी सरकार ने विधानमंडल में पेश किया वर्ष 2024-25 के लिए 7,36,437 .71 करोड़ का बजट

युवाओं को सूक्ष्म इकाइयों के लिए मिलेगा पांच लाख तक ब्याजमुक्त ऋण

- किसानों को नई परियोजनाओं के उपहार, शुरू होगी मुख्यमंत्री खेत सुरक्षा योजना
- बुनियादी ढांचे के लिए 1.69 लाख करोड़, 24 हजार करोड़ रुपये की नई योजनाएं

राजीव दीक्षित, लखनऊ

योगी सरकार ने सोमवार को विधानमंडल में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 7,36,437.71 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना की ओर से विधान सभा में पेश किए गए इस बजट में चंद दिनों के फासले पर खड़े लोकसभा चुनाव के लक्ष्य संधान की ललक दिखी है तो उप्र को नए भारत का ग्रोथ इंजन बनाने की दिशा में किए जाने वाले प्रयास भी। भाजपा के सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी एजेंडे के तहत सरकार ने युवा, किसानों, महिलाओं और गरीबों को साधने के जतन किए हैं। समाज के विभिन्न प्रतिनिधि वर्गों में पैठ बनाने की आकांक्षा के बावजूद सरकार ने विकास के मोर्चे पर अपना रिपोर्ट कार्ड दुरुस्त रखने को पुरजोर कोशिश की है।

पूंजीगत परिव्यय (नई परिसंपत्तियों के सृजन पर होने वाला खर्च) को डेढ़ लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचाने का हौसला दिखा कर सरकार ने विकास के एक्सप्रेसवे पर बुनियादी ढांचे के विकास की गति तेज करने की संकल्प शक्ति का परिचय भी दिया है। बजट में 24,863.57 करोड़ रुपये की नई योजनाएं शामिल हैं। विधानमंडल में बजट पेश किए जाने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह बजट प्रभु श्रीराम और लोकमंगल की उनकी अवधारणा को समर्पित है।

सोमवार को बजट प्रस्तुत होने के दौरान कुछ पढ़ने के लिए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना को इशारा करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। रंगनाथ तिवारी

युवाओं को संबल

सरकार ने बजट में 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' नामक नई योजना शुरू करने की घोषणा की है। इसके तहत युवाओं को नई सूक्ष्म औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए पांच लाख रुपये तक ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी। स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के अंतर्गत स्मार्टफोन व लैपटाप वितरण के लिए 4000 करोड़ का इंतजाम किया गया है। देश-विदेश में नौकरी दिलाने के लिए उनकी क्षमता संवर्धन के लिए रोजगार प्रशिक्षण कोष की स्थापना की मंशा जताई।

किसानों पर मेहरबानी

कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहन देने के लिए बजट में तीन नई योजनाओं का एलान किया गया है। इनमें राज्य कृषि विकास योजना के लिए 200 करोड़ रुपये और विश्व बैंक सहायतित यूपी एग्रीकल्चर ग्रोथ एंड रूरल इंटरप्राइज ईकोसिस्टम स्ट्रेंथेनिंग (यूपी एग्रीज) के लिए 200 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। वहीं किसानों को मौसम की जानकारी देने के लिए प्रदेश के विकासखंडों और ग्राम पंचायतों में आटोमैटिक वेदर स्टेशन और आटोमैटिक रेन गेज की स्थापना के लिए 60 करोड़ रुपये की रकम आवंटित की गई है।

मातृ शक्ति वंदन

सरकार ने बजट के माध्यम से आधी आबादी के हितों की भी पूर्ति की है। उज्ज्वला योजना की लाभार्थियों को मुफ्त रसोई गैस सिलिंडर के रीफिल के लिए 2200 करोड़ रुपये का बजट प्रविधान किया गया है। कन्या सुमंगला योजना के अंतर्गत लाभार्थी को दी जाने वाली राशि को 15,000 से बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दिया गया है।

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को धार

योगी सरकार ने बजट के माध्यम से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की लौ को प्रदीप्त किया है। अयोध्या, काशी, मथुरा-वृंदावन, नैमिषारण्य, विंध्यवासिनी धाम, देवीपाटन और नाथ कारिडोर (बरेली) में थीम आधारित अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिए भी सरकार ने 330 करोड़ रुपये की व्यवस्था की है। अगले वर्ष प्रयागराज महाकुंभ के आयोजन के लिए 2,600 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

योजनाओं के लिए आवंटन

जल जीवन मिशन	22,000 करोड़ रुपये
राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना	5060 करोड़ रुपये
स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)	4867.39 करोड़ रुपये
अमृत 2.0 योजना	4,500 करोड़ रुपये

- जेवर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की स्थापना व भूमि क्रय के लिए 1150 करोड़ रुपये
- हवाई पट्टियों के निर्माण, विस्तार व भूमि अर्जन के लिए 1100 करोड़ रुपये
- अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की स्थापना व विस्तार के लिए 150 करोड़ रुपये
- दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कारिडोर रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम परियोजना के लिए 914 करोड़ रुपये
- कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के लिए 395 करोड़ रुपये
- आगरा मेट्रो रेल परियोजना के लिए 346 करोड़ रुपये

साढ़े सात प्रतिशत की विकास दर से बढ़ेगा जम्मू कश्मीर

सतनाम सिंह, जम्मू

अनुच्छेद 370 और अलगाववाद को कहीं पीछे छोड़ चुका जम्मू कश्मीर इस वित्त वर्ष में साढ़े सात प्रतिशत की विकास दर से आगे बढ़ेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को संसद में जब जम्मू कश्मीर के वर्ष 2024-25 का अंतरिम बजट पेश किया तो प्रदेश को विकास के शिखर तक ले जाने का केंद्र व प्रदेश सरकार का रोडमैप भी साफ हो गया। नौ सूत्रीय बिंदुओं पर आधारित बजट में सुशासन, जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत बनाना, समग्र व सतत कृषि को बढ़ावा देना, निवेश के गंतव्य को जम्मू कश्मीर में बढ़ावा देने के अलावा रोजगार सृजन, नए पर्यटन स्थलों को विकसित करना, तेजी से विकास व समावेशी वृद्धि, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक समावेशन का लक्ष्य रखा गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से पेश बजट का वार्षिक अनुमान 1,18,728 करोड़ रुपये है। वर्ष 2023-24 का जम्मू कश्मीर का वार्षिक बजट 1,18,500 करोड़ रुपये का था। इसलिए यह कहा जा सकता है कि पिछले वर्ष के मुकाबले बजट में मामूली वृद्धि हुई है। वर्ष 2019 को जम्मू कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद से ही बजट संसद में पेश किया जा रहा है।

- वित्त मंत्री ने संसद में प्रदेश का वर्ष 2024-25 का 1.18 लाख करोड़ का अंतरिम बजट का प्रस्ताव रखा

- पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 20 आफ बीट पर्यटन स्थलों का विकास होगा।
- कुपवाड़ा के केरन को सीमावर्ती पर्यटन ग्राम के तौर पर विकसित किया जाएगा।
- जल जीवन मिशन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।
- जम्मू कश्मीर के सभी 18.36 लाख घरों में पानी के कनेक्शन दिए जाएंगे।

जम्मू कश्मीर के वर्ष 2024-25 के बजट के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार। यह बजट किसानों, महिलाओं, युवाओं, समाज के कमजोर वर्ग को समर्पित है और जम्मू कश्मीर में जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करेगा। -मनोज सिन्हा, उपराज्यपाल

वर्ष 2019 में किए गए व्यापक सुधारों से जम्मू कश्मीर में सुशासन का ढांचा मजबूत हुआ है। सरकार की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टालरेंस नीति है। आतंकवाद के खात्मे के लिए सुरक्षा बल प्रभावी कदम उठा रहे हैं। इसी के चलते जम्मू कश्मीर में सुरक्षा परिदृश्य में सुधार आया है।
-निर्मला सीमारमण, वित्त मंत्री

'रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा एक साहसिक कार्य'

राज्य ब्यूरो, मुंबई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने अयोध्या के भव्य मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा को एक साहसिक कार्य बताया है। उन्होंने कहा कि यह भगवान के आशीर्वाद और इच्छा के कारण ही संपन्न हो सका है। सोमवार को पुणे जिले के आलंदी में गीता भक्ति अमृत महोत्सव में उन्होंने कहा कि भारत को अपने कर्तव्य निभाने के लिए उठना होगा और यदि किसी भी कारण से भारत समर्थ नहीं बन पाया तो दुनिया को बहुत जल्द विनाश का सामना करना पड़ेगा। इस तरह की स्थिति बनी हुई है। दुनियाभर के बुद्धिजीवी इसे जानते हैं। वे इस पर कह और लिख रहे हैं।

डा. मोहन भागवत। फाइल

भागवत ने कहा कि 22 जनवरी को रामलला का आगमन हुआ। यह साहस का काम था जो काफी संघर्ष के बाद पूरा हुआ। वर्तमान पीढ़ी सौभाग्यशाली है कि रामलला को अपने स्थान पर वापस आते हुए देख पा रहे हैं। वास्तव में यह इसलिए हो सका है, क्योंकि इसके लिए न सिर्फ हम सभी ने काम किया, बल्कि हम सभी ने कुछ अच्छे कर्म किए हैं। इसीलिए, भगवान ने हम पर अपना आशीर्वाद बरसाया और यह काम संपन्न हुआ।

संघ प्रमुख ने कहा कि रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा उनकी (भगवान की) इच्छा पूरी होने का शुरुआती बिंदु है। यह भी कहा कि समारोह के दौरान श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंददेव गिरि जी के साथ उपस्थित होना उनका सौभाग्य है। भारतवर्ष को ज्ञान प्रदान करने के लिए आगे बढ़ने की जरूरत है क्योंकि दुनिया को इसकी जरूरत है। भारत को अपना कर्तव्य निभाने के लिए उठना होगा। भारत ज्ञान और प्रकाश का रथ है। भारत के प्राचीन ज्ञान पर चर्चा बार-बार आयोजित की जानी चाहिए। वर्तमान परिदृश्य के अनुसार प्राचीन पाठ के अर्थ को बिना किसी गलती के ठीक से समझने की जरूरत है। गलत अर्थ से विनाश होता है।

उन्होंने कहा कि समय भले ही बदल गया है, लेकिन ज्ञान और विज्ञान का मूल वही है। भारत शाश्वत है, क्योंकि इसका मूल शाश्वत है। उन्होंने यह भी कहा कि अखंड भारत अविश्वास और कट्टरता की सारी दीवारों को तोड़ देगा और एकजुट मानवता का निर्माण कर विश्व को खुशहाल बनाएगा। आने वाला समय भारत का ही है। बता दें कि गीता परिवार द्वारा आयोजित गीता भक्ति अमृत महोत्सव आध्यात्मिक गुरु श्री गोविंददेव गिरि महाराज के 75वें जन्मदिवस पर भव्य समारोह के रूप में आयोजित किया गया था।

ज्ञानवापी, कृष्ण जन्मभूमि शांति से छोड़ दो, अन्य मुद्दे भूल जाएंगे : गोविंद गिरी

पुणे, एएनआइ : श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी महाराज ने कहा कि अगर ज्ञानवापी और कृष्ण जन्मभूमि मथुरा के मंदिरों को शांतिपूर्वक मुक्त कर दिया गया तो हिंदू समुदाय अन्य सभी मुद्दों को भूल जाएगा।

गोविंद गिरी। फाइल

गोविंद देव गिरी महाराज ने रविवार को पुणे में कहा, अगर ये मंदिर मुक्त हो गए तो हमें दूसरे मंदिरों की ओर देखने की भी इच्छा नहीं है, क्योंकि हमें अतीत में नहीं, भविष्य में रहना है। देश का भविष्य अच्छा होना चाहिए। अगर ये मंदिर (ज्ञानवापी और कृष्ण जन्मभूमि) हमें शांति से मिल जाएं तो हम बाकी सभी चीजें भूल जाएंगे। उन्होंने मुस्लिम पक्ष से इन मंदिरों के मामले में शांतिपूर्ण समाधान की अपील भी की।

उन्होंने कहा, मैं हाथ जोड़कर अपील करता हूं कि इन मंदिरों (ज्ञानवापी और कृष्ण जन्मभूमि) को मुक्त कर दें क्योंकि ये आक्रमणकारियों द्वारा किए गए हमलों के सबसे बड़े निशान हैं। लोग दर्द में हैं, अगर वे (मुस्लिम पक्ष) इस दर्द को शांति से ठीक कर सकते हैं तो भाईचारा बढ़ाने में मदद मिलेगी।

गोविंद देव गिरि महाराज का यह बयान इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा वाराणसी कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगाने से इन्कार करने के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें हिंदू पक्ष को ज्ञानवापी के तलगृह में देवों की पूजा-अर्चना की अनुमति दी गई थी।

ज्ञानवापी तलगृह में पूजा-पाठ पर रोक की मांग पर सुनवाई 18 को

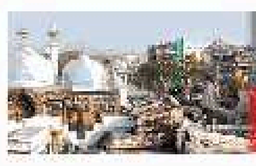

ज्ञानवापी का सच

जागरण संवाददाता, वाराणसी

वाराणसी स्थित ज्ञानवापी से जुड़े चार मामलों की सुनवाई सोमवार को अलग-अलग अदालतों में हुई। सभी मामलों की सुनवाई के लिए अगली तारीखें मिली हैं। ज्ञानवापी के तलगृह में पूजा-अर्चना कराने के जिला जज डा. अजय कृष्ण विश्वेश के आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाने के लिए अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद के प्रार्थना पत्र पर प्रभारी जिला जज अनिल कुमार की अदालत में सुनवाई हुई। इसमें मंदिर पक्ष से आपत्ति मांगी गई है। अगली सुनवाई 18 फरवरी को होगी। स्वयंभू विश्वेश्वर ज्योतिर्लिंग की ओर से 1991 में दाखिल मुकदमे को मुख्य वाद मानते हुए शृंगार गौरी समेत सात मामलों की सुनवाई एक साथ करने के आवेदन पर जिला जज की अदालत में सुनवाई हुई। स्वयंभू आदि विश्वेश्वर विराजमान की वाद मित्र वकील अनुष्का तिवारी व इंदु तिवारी के आवेदन पर अगली सुनवाई 15 फरवरी को होगी। ज्ञानवापी में मंदिर बनाने समेत अन्य मांगों को लेकर दाखिल मुकदमे की सुनवाई सिविल जज (सीनियर डिवीजन) फास्ट ट्रैक प्रशांत कुमार सिंह की अदालत में हुई।

- ज्ञानवापी प्रकरण से जुड़े चार मामलों की सुनवाई अलग-अलग अदालतों में हुई
- ज्ञानवापी में मिले शिवलिंग के पूजा-पाठ की अनुमति देने की मांग पर सुनवाई आज

अंतिम सांस तक ज्ञानवापी मस्जिद की सुरक्षा करेंगे : अंजुमन इंतेजामिया

ज्ञानवापी के तलगृह में पूजा-पाठ की अनुमति देने के जिला जज की अदालत के फैसले के बाद तुरंत बाद जिला प्रशासन द्वारा उसी दिन आदेश का त्वरित अनुपालन सुनिश्चित कराने को लेकर पत्र जारी किया है। पत्र में मुस्लिमों को संबोधित किया गया है- 'हम आपको आश्वासन देते हैं कि ज्ञानवापी मस्जिद की सुरक्षा और संरक्षण के लिए अपनी आखिरी सांस तक प्रयास जारी रखेंगे।'

बंद तलगृहों के कोर्ट से एएसआइ सर्वे की मांग

जागरण संवाददाता, वाराणसी : ज्ञानवापी परिसर में जिन तलगृहों की जांच अभी तक नहीं हो सकी है उनका एएसआइ सर्वे कराने की मांग करते हुए सोमवार को जिला जज की अदालत में प्रार्थना पत्र दायर किया गया। प्रार्थना पत्र मां शृंगार गौरी के नियमित दर्शन-पूजन की मांग के मुकदमे की वादी राखी सिंह ने दायर किया। इसमें उत्तर प्रदेश सरकार, वाराणसी के जिलाधिकारी व पुलिस कमिश्नर, अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद, विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट को प्रतिवादी बनाया गया है। प्रार्थना की गई है कि अदालत एएसआइ के महानिदेशक को आदेशित करे कि जीपीआर व अन्य वैज्ञानिक तरीकों से मौजूद वर्तमान इमारत को नुकसान पहुंचाए बिना बंद तलगृहों को सर्वे करें जिनकी जांच पूर्व में नहीं हो सकी है।

ज्ञानवापी तलगृह के लिए दान किया घंटा और आरती पात्र

जासं, वाराणसी

ज्ञानवापी तलगृह (व्यास जी का तहखाना) में स्थापित देव विग्रहों के दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। पूजन-अर्चन को भव्यता प्रदान करने के लिए दानदाता भी अब सामने आने लगे हैं। सोमवार को दो श्रद्धालुओं महेश कुमार रस्तोगी व संजय कुमार रस्तोगी ने तलगृह के लिए 11 किलोग्राम पीतल का घंटा और आरती पात्र दान में दिया। इसका नियमित आरती के लिए उपयोग किया जाएगा। जिला अदालत के आदेश पर एक फरवरी को तीन दशक बाद प्रशासन ने बैरिकेडिंग काट कर रास्ता बनाया। साथ ही श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास परिषद की मदद से राग-भोग, पूजा-आरती शुरू कराई। विश्वनाथ मंदिर की तरह ही वहां के अर्चक पांच पहर पूजा-आरती कर रहे हैं।

वाराणसी : ज्ञानवापी तलगृह में पूजा-पाठ के लिए दो भक्तों ने सोमवार को 11 किलो का घंटा दान किया है। जागरण

सुप्रीम कोर्ट उद्धव ठाकरे गुट की याचिका पर सुनवाई को सहमत

- महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष नार्वेकर के आदेश को दी गई है चुनौती
- स्पीकर ने शिंदे के नेतृत्व वाले गुट को असली शिवसेना करार दिया था

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट सोमवार को महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के गुट की उस याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया जिसमें महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के आदेश को चुनौती दी गई है। नार्वेकर ने जून 2022 में शिवसेना में हुए विभाजन के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट को असली शिवसेना करार दिया था।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ के समक्ष ठाकरे गुट की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि याचिका को सोमवार को सूचीबद्ध किया जाना था लेकिन किया नहीं गया। इस पर पीठ ने कहा कि हम इसे देखेंगे। शीर्ष अदालत ने 22 जनवरी को स्पीकर के आदेश को चुनौती देने वाली ठाकरे गुट की याचिका पर मुख्यमंत्री शिंदे और उनके गुट के अन्य सांसदों को नोटिस जारी किया था। तब अदालत ने याचिका को दो सप्ताह बाद सूचीबद्ध करने का आदेश दिया था।

ठाकरे गुट ने आरोप लगाया है कि शिंदे ने गलत तरीके से सत्ता हथिया ली और असंवैधानिक सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। बीते 10 जनवरी को पारित अपने आदेश में स्पीकर नार्वेकर ने शिंदे सहित सत्तारूढ़ खेमे के 16 विधायकों को अयोग्य ठहराने की ठाकरे गुट की याचिका को खारिज कर दिया था। अध्यक्ष द्वारा पारित आदेशों को चुनौती देते हुए ठाकरे गुट ने कहा कि आदेश पूरी तरह गैरकानूनी हैं और दलबदल करने वालों को दंडित करने के बजाय वह बचा रहे हैं।

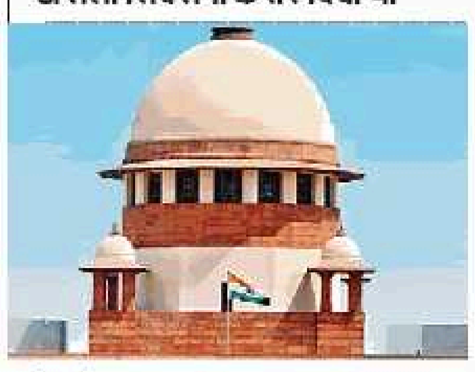

सुप्रीम कोर्ट। फाइल

मोदी के ओबीसी होने के कारण प्राण प्रतिष्ठा में नहीं आए शंकराचार्य : उदयनिधि

चेन्नई, आइएएनएस : तमिलनाडु के खेल विकास एवं युवा मामलों के मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिछड़ा वर्ग समुदाय (ओबीसी) से संबंधित होने के कारण शंकराचार्यों ने अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग नहीं लिया। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि ने रविवार को पार्टी के बूथ एजेंटों की बैठक को संबोधित करते हुए यह दावा किया। उदयनिधि ने कहा कि उन्होंने सतानत धर्म में असमानताओं के बारे में बात की थी और संतों का यह कृत्य उसी का परिणाम है। उदयनिधि ने यह भी कहा कि भाजपा सरकार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को इसलिए आमंत्रित नहीं किया क्योंकि वह विधवा हैं और अनुसूचित जाति समुदाय से संबंधित हैं। उन्होंने कहा कि द्रमुक किसी धर्म या राम मंदिर निर्माण के विरुद्ध नहीं है। सनातन धर्म पर अपने भाषण को याद करते हुए खेल मंत्री ने कहा, 'मैंने यह चार महीने पहले कहा था कि सभी समान हैं। सनातन धर्म पर अपनी टिप्पणी के लिए वह माफी नहीं मांगेंगे।' गौरतलब है कि सितंबर 2023 में उदयनिधि ने सनातन धर्म के उन्मूलन का आह्वान किया था।

उदयनिधि। फाइल

रंधावा ने आडवाणी को लेकर दिया विवादास्पद बयान, भाजपा ने जताई आपत्ति

जागरण संवाददाता, जयपुर

राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखविंदर सिंह रंधावा ने पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दिए जाने को लेकर विवादास्पद बयान दिया है। रंधावा ने नागौर में एक कार्यक्रम में कहा कि भारत रत्न तो मृत व्यक्ति को दिया जाता है, फिर आडवाणी को क्यों दिया जा रहा है। रंधावा के बयान पर भाजपा ने आपत्ति जताई है।

रंधावा द्वारा नागौर में दिए गए बयान का वीडियो सोमवार को इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ। इसमें रंधावा कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि इतना ही राम मंदिर का था, तो आडवाणी को वहां लेकर जाते। उन्होंने रथयात्रा निकाली थी। रंधावा के बयान पर भाजपा के नेताओं ने आपत्ति जताई है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी ने प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए खुद को ही भारत रत्न से सम्मानित करने का जो अनूठा कीर्तिमान रचा था, उस समय दोनों जीवित थे। उन्होंने रंधावा को अल्पज्ञानी बताया। भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री अलका सिंह गुर्जर ने निंदा करते हुए कहा कि कांग्रेस के नेताओं ने भाषा की मर्यादा भी खो दी है। इस कारण ही कांग्रेस की हालत खराब हो रही है।

पिता ने सोनिया से कहा था, कमजोर सरकार चलाने से बेहतर है विपक्ष में बैठना : शर्मिष्ठा

जागरण संवाददाता, जयपुर

- पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा ने जेएलएफ में दी जानकारी

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कहा कि यूपीए सरकार के दौरान मेरे पिता ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी से कहा था कि एक कमजोर सरकार चलाने के बजाय विपक्ष में बैठना ज्यादा बेहतर है। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल (जेएलएफ) के पांचवें और अंतिम दिन शर्मिष्ठा ने पिता से जुड़े संस्मरण को याद करते हुए कहा कि वे जीवन के अंतिम दिनों में कांग्रेस के हालात से परेशान थे। यदि दुनिया में होते तो पार्टी के वर्तमान हालत से और परेशान होते। कांग्रेस की स्थिति है, उससे मैं भी परेशान हूं। उनसे पूछा गया कि क्या कांग्रेस के बेहतर भविष्य के लिए किसी गैर गांधी को मौका मिलना चाहिए तो शर्मिष्ठा ने कहा-हां, ऐसा होना चाहिए।

शर्मिष्ठा ने कहा कि मेरी भाजपा में शामिल होने की बात अफवाह है। मैं पक्की कांग्रेसी हूं और कहीं नहीं जा रही हूं। एक सत्र में शर्मिष्ठा ने कहा कि मनमोहन सिंह ने देश की अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने में अहम योगदान किया है। उन्हें भारत रत्न मिलना चाहिए। मेरे पिता उनका काफी सम्मान करते थे।

कथक नृत्यांगना और पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा। प्रेट्र

आइपीएल में सट्टेबाजी सामान्य बात

देश के पूर्व विदेश सचिव विकास स्वरूप के साथ दिल्ली के पूर्व पुलिस आयुक्त नीरज कुमार एवं मुंबई क्राइम ब्रांच की पहली महिला पुलिस आयुक्त मीरा बोरबंकर ने भी एक सत्र में चर्चा की। इस दौरान नीरज कुमार बोले- आइपीएल क्रिकेट मैचों में सट्टेबाजी सामान्य बात हो गई है। मैच के माध्यम से हजारों करोड़ रुपये की बेटिंग की जाती है। इन सबके पीछे एक ही नाम है- दाऊद इब्राहिम। मीरा बोरबंकर ने कहा कि फिल्म अभिनेता संजय दत्त जेल में अपराधी की तरह रहे थे। जेल में संजय दत्त के साथ वही व्यवहार किया गया, जो अन्य अपराधियों के साथ होता है।

मप्र में वन्यजीवों के हमले में मुखिया की मौत पर स्वजन को पेंशन का प्रस्ताव

सौरभ सोनी, भोपाल: मध्य प्रदेश में वन्यजीवों के हमले से परिवार के मुखिया की मौत होने पर राज्य सरकार स्वजन को पेंशन देने की तैयारी कर रही है। यह पेंशन पांच साल तक देने पर विचार किया जा रहा है। पेंशन की धनराशि कितनी होगी, यह अभी तय नहीं किया गया है। वन मुख्यालय द्वारा भेजे गए प्रस्ताव को मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। संबंधित प्रस्ताव शिवराज सरकार में बनाया गया था। तत्कालीन वाइल्ड लाइफ वार्डन जसवीर सिंह चौहान ने इसे तैयार किया था। इसके साथ ही मुआवजे की राशि चार लाख रुपये से बढ़ाकर आठ लाख रुपये करने का भी प्रस्ताव था। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आठ लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की थी। यह व्यवस्था लागू भी कर दी गई है, लेकिन पेंशन देने के प्रस्ताव पर तब सहमति नहीं बन सकी थी।

****

आर्थोडाक्स चर्च ने केरल के मुख्यमंत्री पर साधा निशाना

कोट्टयम , प्रेट्र : केरल में मलंकारा सीरियन चर्च के आर्थोडाक्स गुट ने मुख्यमंत्री पी. विजयन पर सोमवार को हमला बोला। आर्थोडाक्स गुट का आरोप है कि हाल ही में कोच्चि में एक कार्यक्रम में विजयन ने जैकोबाइट्स गुट को मदद का आश्वासन दिया था। उन्होंने कथित तौर पर यह भी कहा था कि 'भेड़ की खाल में भेड़िये' समाज में अशांति फैलाने का प्रयास कर रहे हैं।

आर्थोडाक्स चर्च ने कहा, सुप्रीम कोर्ट के आदेश को लागू करने के बजाय मुख्यमंत्री ने जानबूझकर बाधाएं पैदा करने का प्रयास किया। ऐसे समय में जब दो गुटों के बीच विवाद हैं, चर्च मामले में तटस्थ रुख अपनाने के बजाय मुख्यमंत्री को एक गुट का प्रवक्ता बनते देखना दर्दनाक है।

आर्थोडाक्स चर्च ने मुख्यमंत्री से यह भी स्पष्ट करने की मांग की कि उन्होंने 'भेड़ की खाल में भेड़िया' बयान देकर किसकी ओर संकेत किया।

दोनों गुट चर्चों पर नियंत्रण को लेकर 1970 से संघर्षरत हैं। 2017 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दोनों गुटों के बीच झगड़ा तेज हो गया, जिसमें आर्थोडाक्स गुट को 1,000 से अधिक चर्चों और उनसे जुड़ी संपत्तियों का कब्जा दिया गया।

पी. विजयन। फाइल

पीएम मोदी को धन्यवाद देने के लिए विधानसभाओं में प्रस्ताव पारित

राज्य ब्यूरो, गांधीनगर: अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बनने और प्राण प्रतिष्ठा होने पर गुजरात और गोवा विधानसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देने के लिए प्रस्ताव पारित किया गया। गुजरात में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने यह विशेष प्रस्ताव सदन में पेश किया। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों ने भी इसका समर्थन किया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने विधानसभा में बजट सत्र के दौरान अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि देश के लोग करीब पांच सौ साल से इसका इंतजार कर रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों की इस अपेक्षा को पूरा करने में बड़ी भूमिका निभाई। उन्होंने इसे गौरव का क्षण बताते हुए प्रधानमंत्री के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया। प्रेट्र के अनुसार, गोवा विधानसभा ने भी सोमवार को इसे लेकर पीएम मोदी को बधाई देने वाला प्रस्ताव पारित किया।

13 करोड़ से ज्यादा बिहार की आबादी। जाति आधारित गणना के अनुसार, राज्य की कुल आबादी में हिंदुओं की आबादी 81 प्रतिशत है। वहीं अति पिछड़ा वर्ग की आबादी 36.01 फीसदी, पिछड़े वर्ग की आबादी 27.12 प्रतिशत, एससी-19.65 फीसदी, एसटी- 1.6 प्रतिशत और मुसहर की आबादी 3 फीसदी बताई गई है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण दैनिक जागरण मंगलवार 6 फरवरी, 2024

न्यूज गैलरी

नासिक में हादसे में तीन मजदूरों की मौत

नासिक : सताना तालुका के मुलाने गांव में सिल्ट हटाने के लिए उपयोग में ली जा रही क्रेन का तार टूटने के कारण तीन मजदूरों गणेश तुलसीराम नादेकर (26), नितिन रामदास अहीरे (27) और गणेश विनायक नादेकर (28) की कुएं में गिरने से मौत हो गई। ये मजदूर दोपहर का खाना खाने के लिए कुएं से बाहर आ रहे थे और तभी हादसा होने के कारण तीनों मजदूर 50 फीट गहरे कुएं में गिर गए। गंभीर हालत में क्रेन के माध्यम से उन्हें दोबारा निकालने की कोशिश के दौरान एक बार फिर टूट गई थी। (प्रेट्र)

मुंबई में स्कूल के चपरासी ने मासूम का किया यौन उत्पीड़न

मुंबई : शहर के पश्चिमी उपनगर कांदिवली स्थित निजी स्कूल में शुक्रवार को चपरासी ने वाशरूम में चार वर्षीय बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न किया। घर पहुंचने पर मासून ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। बोरिवली के अस्पताल में मासूम का उपचार चल रहा है। मामले में पुलिस ने 40 वर्षीय आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। इधर, घटना की जानकारी पर सोमवार को स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों ने प्रदर्शन किया और स्कूल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। (प्रेट्र)

बिहार में 94 लाख गरीब परिवारों को मिलेंगे दो-दो लाख

जाति आधारित गणना की रिपोर्ट के आधार पर आरंभ हुई पहली योजना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आवेदन के लिए पोर्टल का किया शुभारंभ

- छह हजार से कम मासिक आय वाले सभी वर्ग के लोग योजना के पात्र
- योजना के तहत गरीब परिवारों को तीन किस्तों में दिए जाएंगे दो-दो लाख

पटना में सोमवार को बिहार लघु उद्यमी योजना के आवेदन के लिए पोर्टल का शुभारंभ करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। एएनआइ

राज्य ब्यूरो, पटना

जाति आधारित गणना की रिपोर्ट के आधार पर बिहार सरकार ने सोमवार को पहली योजना आरंभ कर दी। इस योजना का नाम बिहार लघु उद्यमी योजना रखा गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार लघु उद्यमी योजना के आवेदन के लिए एक पोर्टल का भी शुभारंभ किया। जाति आधारित गणना के आंकड़ों के अनुसार राज्य में 94 लाख से अधिक गरीब परिवार हैं, जिनकी मासिक आय छह हजार रुपये से कम है। इनमें सभी वर्ग के लोग शामिल हैं। सरकार हर गरीब परिवार के एक सदस्य को स्वाबलंबन के लिए तीन किस्तों में दो लाख रुपये की राशि उपलब्ध कराएगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के लिए जितनी राशि की जरूरत होगी, सरकार उसे खर्च करेगी।

बिहार लघु उद्यमी योजना की शुरूआत हर घर उद्यमी-हर घर रोजगार थीम पर की गयी है। दरअसल, सरकार की सोच है कि इस योजना से पांच साल के भीतर राज्य से गरीबी दूर हो जाएगी। इस योजना के तहत जिन लाभार्थियों का चयन किया जाएगा, उन्हें पहली किस्त में 25 प्रतिशत, दूसरी में 50 प्रतिशत तथा तीसरी किस्त में 25 प्रतिशत राशि उपलब्ध कराई जाएगी। वर्ष 2023-24 में इस योजना के लिए 250 करोड़, 2024-25 के लिए सांकेतिक रूप से 1000 करोड़ रुपये के बजट का प्रविधान किया गया है। आवेदकों की संख्या के हिसाब से वित्तीय व भौतिक लक्ष्य को तय किया जाएगा।

यह है पात्रता : इस योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदक के आधार कार्ड पर बिहार का पता लिखा होना चाहिए तथा आवेदन की तिथि को उसकी उम्र 18 से 50 वर्ष के बीच होनी चाहिए। इसके साथ ही उसके पास सक्षम प्राधिकार द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र होना चाहिए, जिसमें उसकी आय प्रति माह छह हजार रुपए से कम होने का जिक्र किया गया हो। मुख्यमंत्री द्वारा इस योजना का लोकार्पण किए जाने होने के बाद से आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया आरंभ हो गई है। इसके लिए प्रत्येक वर्ष आनलाइन आवेदन मांगे जाएंगे। आवेदन प्राप्त होने के बाद लाभान्वितों का चयन कंप्यूटराइज्ड रैंडमाइजेशन सिस्टम से होगा। एक परिवार से एक ही व्यक्ति को योजना का लाभ मिलेगा तथा उन्हें इस बाबत राज्य सरकार द्वारा तय किए गए व्यवसायों की सूची से किसी एक व्यवसाय को चुनना होगा।

जातिगत गणना को चुनौती पर सुप्रीम कोर्ट में 16 अप्रैल को अंतिम सुनवाई

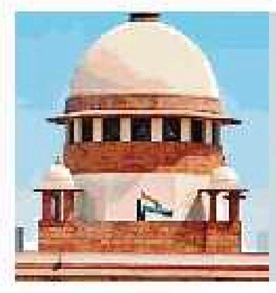
शीर्ष अदालत ने कहा, मामले पर विस्तृत सुनवाई की जरूरत

नई दिल्ली, प्रेट्र : जातिगत गणना कराने के बिहार सरकार के फैसले को बरकरार रखने के पटना हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट 16 अप्रैल को अंतिम सुनवाई करेगा। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा कि मामले पर विस्तृत सुनवाई की जरूरत है। जस्टिस खन्ना ने कहा कि इस मुद्दे पर दायर सभी हस्तक्षेप याचिकाओं पर सुनवाई भी 16 अप्रैल को की जाएगी।

दो जनवरी को शीर्ष अदालत ने बिहार सरकार को जातिगत गणना का ब्योरा (ब्रेकअप) सार्वजनिक करने को कहा था ताकि इससे प्रभावित लोग निष्कर्षों को चुनौती दे सकें। साथ ही कोर्ट ने जातिगत गणना को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं को कोई भी अंतरिम राहत प्रदान करने से इन्कार कर दिया था।

छह अक्टूबर, 2023 को शीर्ष अदालत ने बिहार सरकार से पूछा था कि उसने जातिगत सर्वेक्षण के आंकड़े प्रकाशित क्यों किए। हालांकि उसने बिहार सरकार को और आंकड़े सार्वजनिक करने से रोकने से इन्कार कर दिया था। अदालत का कहना था कि वह इस बात पर विचार कर सकती है कि राज्य सरकार को इस तरह की कवायद का अधिकार है या नहीं। बिहार सरकार को जातिगत गणना की अनुमति देने के पटना हाई कोर्ट के एक अगस्त, 2023 के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने औपचारिक नोटिस जारी किए थे। उसने याचिकाकर्ताओं की उस दलील को ठुकरा दिया था कि रोक लगाने से पहले ही प्रदेश सरकार ने कुछ आंकड़े प्रकाशित कर दिए हैं। उन्होंने और आंकड़ों के प्रकाशन पर पूर्ण रोक की मांग की थी। दो अक्टूबर, 2023 को नीतीश कुमार सरकार ने जातिगत गणना के निष्कर्षों को जारी किया था। उनके विरोधियों का दावा था कि उन्होंने यह कदम 2024 के संसदीय चुनावों को ध्यान में रखकर उठाया था।

नीतीश कल आएंगे दिल्ली, प्रधानमंत्री से करेंगे भेंट

राज्य ब्यूरो, पटना : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार को नई दिल्ली आएंगे। वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के अलावा कुछ और केंद्रीय मंत्रियों से भेंट करेंगे। राजग के साथ मिलकर सरकार गठन के बाद मुख्यमंत्री पहली बार दिल्ली आ रहे हैं। वह आठ फरवरी को पटना लौट जाएंगे। 12 फरवरी को बिहार विधानसभा में सरकार के विश्वास मत के प्रस्ताव से पहले मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री की मुलाकात को अहम माना जा रहा है।

ऐसे तो जदयू के सूत्र यात्रा को औपचारिक बता रहे हैं। लेकिन माना जा रहा है कि नीतीश कुमार इस मुलाकात के दौरान बिहार से जुड़ी कुछ जरूरी मांगों को प्रधानमंत्री के समक्ष रखेंगे। जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने के लिए मुख्यमंत्री ने मोदी की प्रशंसा की थी। उस दिन यह भी कहा था कि केंद्र अगर राज्य की कुछ और मांगें मान लें तो अच्छा होगा। प्रेक्षकों ने उनके संकेत को राज्य का विशेष दर्जा या विशेष पैकेज की मांग से जोड़ा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लंबे समय से राज्य को विशेष दर्जा देने की मांग कर रहे हैं।

अनियंत्रित कार नाले में पलटी, दो बहनों समेत छह की मौत

जागरण संवाददाता, कानपुर देहात

कानपुर देहात में तिलक चढ़ाकर भिंड से लौटते वक्त हादसा

मध्य प्रदेश के भिंड से तिलक चढ़ाकर लौटते समय कानपुर देहात में मोड़ के पास मवेशी को बचाने में अनियंत्रित कार सड़क किनारे नाले में पलट गई। नाले में पलटी कार के दरवाजे नहीं खुले और सभी बाहर नहीं निकल सके, जिससे छह लोगों की पानी में डूबने से जान चली गई। किसी ने लापरवाही की शिकायत नहीं की है। एसपी ने बताया कि हादसा दुखद है, जांच की जाएगी।

पंकज शर्मा की बेटी शुगम का विवाह मप्र के भिंड के बड़ेपुर फूफगांव के प्रवीन शर्मा से तय है। पंकज परिवार व रिश्तेदारों के साथ रविवार को चार वाहनों से तिलक चढ़ाने भिंड गए थे। सभी देर रात लौट रहे थे। तीन वाहन आगे चले गए, जबकि सबसे पीछे चल रही कार के सामने जगन्नाथपुर मोड़ के पास तड़के मवेशी आ गया। पंकज के भाई विकास कार चला रहे थे। इस दौरान मवेशी को बचाने में कार अनियंत्रित हुई और सड़क किनारे नाले में जाकर पलट गई। हादसे में पंकज की 15 वर्षीय बेटी खुशबू, 13 वर्षीय प्राची, होमगार्ड भाई 35 वर्षीय विकास, 55 वर्षीय पारिवारिक मित्र बीएसएफ में एएसआइ संजय शर्मा, 15 वर्षीय अंश और कानपुर के पवन कुमार का दस वर्षीय बेटा प्रतीक नाले में डूब गए।

मरने से पहले पिता ने दो बच्चों को बचाया

मरने से पहले कार चालक पिता विकास ने शीशा तोड़ और दोनों बच्चे 14 वर्षीय पुत्र विराट व 17 वर्षीय पुत्री वैष्णवी को बाहर निकालने में मदद की, लेकिन स्वयं को नहीं बचा सके। रिश्तेदारों ने आरोप लगाया कि एंबुलेंस देर से आई। सिकंदरा सीएचसी की डा. पूजा ने बताया कि केवल संजय को यहां लाया गया था। उनकी भी पहले मौत हो गई थी। बाकी सभी को सीधे जिला अस्पताल ले जाया गया था, जहां सभी को मृत घोषित कर दिया गया।

एमवी सुचेन्द्र कुमार होंगे उत्तरी कमान के नए आर्मी कमांडर

राज्य ब्यूरो, जम्मू : थल सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचेन्द्र कुमार उत्तरी कमान के प्रमुख होंगे। सैन्य सूत्रों के अनुसार, लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचेन्द्र कुमार 15 फरवरी को सेना की इस अहम कमान के जनरल आफिसर कमांडिंग इन चीफ का पदभार संभाल लेंगे। वहीं, उत्तरी कमान के मौजूदा आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी थल सेना के नए उप प्रमुख होंगे। लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचेन्द्र कुमार जम्मू-कश्मीर में सीमा सुरक्षा, आतंक की चुनौतियों का सामना करने में खासी महारत रखते हैं। वह जम्मू संभाग की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाली सेना की 16 कोर की कमान संभाल चुके हैं। उल्लेखनीय सेवाओं के लिए कई पदकों से सम्मानित किए जा चुके लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचेन्द्र कुमार ने गत वर्ष लेफ्टिनेंट जनरल बीएस राजु से थल सेना उप प्रमुख का पद संभाला था।

उत्तराखंड विधानसभा में आज प्रस्तुत होगा यूसीसी विधेयक

राज्य ब्यूरो, देहरादून

- प्रश्नकाल व शून्यकाल नहीं होंगे, समान नागरिक संहिता पर होगी चर्चा
- आंदोलनकारी आरक्षण पर सदन में पेश की जाएगी प्रवर समिति की रिपोर्ट

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण से भेंट की। साभार- सूचि

उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में धामी सरकार अब सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुंच गई है। विधानसभा सत्र में मंगलवार को सरकार की ओर से समान नागरिक संहिता से संबंधित विधेयक सदन में प्रस्तुत किया जाएगा। इस बीच सोमवार को हुई विधानसभा की कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में देश और राज्य के लिए महत्वपूर्ण इस विधेयक को देखते हुए मंगलवार को प्रश्नकाल व शून्यकाल स्थगित रखने का निर्णय लिया गया। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विधेयक पेश होगा और फिर इस पर चर्चा भी शुरू हो जाएगी। इसके साथ ही राज्य आंदोलनकारियों को सरकारी सेवाओं में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण दिए जाने के संबंध में भी प्रवर समिति की रिपोर्ट सदन में पेश की जाएगी। उधर, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य और वरिष्ठ कांग्रेस विधायक प्रीतम सिंह ने सत्र में प्रश्नकाल व शून्यकाल स्थगित रखने के विरोध में कार्यमंत्रणा समिति से इस्तीफा देने की घोषणा की है। यही नहीं, कांग्रेस ने देर शाम को इस विषय पर राजभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) से भी मुलाकात की। हालांकि विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने कहा कि कांग्रेस के दोनों नेता बैठक से चले गए थे, लेकिन उन्होंने किसी का इस्तीफा नहीं मिला है।

प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करना धामी सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 27 मई, 2022 को जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई (सेनि) की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति गठित की। समिति ने 20 माह के कार्यकाल में विभिन्न धर्मों, समूहों, आमजन व राजनीतिक दलों से संवाद कर संहिता का ड्राफ्ट तैयार है। चार खंडों व 740 पेज का यह ड्राफ्ट समिति ने दो फरवरी को मुख्यमंत्री को सौंपा। चार फरवरी को हुई कैबिनेट की बैठक में ड्राफ्ट और इससे संबंधित विधेयक पर मुहर लगाई गई।

इस बीच विधानसभा सत्र में सोमवार को सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद हुई कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में मंगलवार के एजेंडे पर विमर्श हुआ। बैठक में सरकार की ओर से मंगलवार को समान नागरिक संहिता विधेयक पेश किए जाने की जानकारी दी गई। कहा गया कि महत्वपूर्ण विधेयक होने के दृष्टिगत मंगलवार को प्रश्नकाल व शून्यकाल स्थगित रखा जाना उचित है। कार्यमंत्रणा समिति में शामिल नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य व विधायक प्रीतम सिंह ने इसका विरोध किया। यद्यपि, बहुमत से समिति में मंगलवार को प्रश्नकाल व शून्यकाल स्थगित करने का निर्णय ले लिया गया। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने आरोप लगाया कि सरकार सदन की परंपराओं से खिलवाड़ कर रही है। दोनों विधायकों ने बहुमत से प्रश्नकाल व शून्यकाल न होने के विषय पारित होने पर कार्यमंत्रणा समिति से इस्तीफा देने की घोषणा की।

मुंबई के कोस्टल रोड का 19 को उद्घाटन करेंगे प्रधानमंत्री

राज्य ब्यूरो, मुंबई : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज की 394वीं जयंती पर नई टोल-फ्री मुंबई तटीय सड़क परियोजना के प्रथम चरण के उत्तर-दक्षिण हिस्से का उद्घाटन करेंगे। इसे आधिकारिक तौर पर 'छत्रपति संभाजी महाराज कोस्टल मोटर वे' नाम दिया गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के अनुसार, यह कोस्टल रोड यात्रियों के लिए टोल-फ्री होगा। वर्ली से मरीन लाइंस तक 10.58 किमी की यात्रा का समय 50 मिनट से घटकर सिर्फ 15 मिनट हो जाएगा। यह आठ लेन का कोस्टल रोड 29.2 किमी लंबा होगा, जो शहर के पश्चिम तटीय मार्ग के माध्यम से उत्तरी छोर पर स्थित कांदिवली उपनगर को महानगर के दक्षिणी छोर स्थित मरीन ड्राइव को जोड़ेगा। इसकी कुल लागत लगभग 12,700 करोड़ रुपये होगी इस कोस्टल वे के काम का प्रस्ताव सबसे पहले 2013 में शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने रखा था। लेकिन, इस परियोजना पर काम 2017-2018 में शुरू हुआ था। बीच में कोविड-19 महामारी के कारण इसका निर्माण कार्य धीमा हो गया था।

पाकिस्तानी पूजा के लिए देश का गद्दार बन गया सतेंद्र

जागरण संवाददाता, मेरठ

- 2021 में खुद को कनाडा की बता पाकिस्तानी पूजा ने की थी दोस्ती
- यूपीएटीएस व सेना इंटेलीजेंस की जांच में मिले हैं इसके पुख्ता प्रमाण

मास्को स्थित भारतीय दूतावास में तैनात कर्मचारी सतेंद्र सिवाल पाकिस्तान की पूजा नाम की लड़की के जाल में फंसकर देश का गद्दार बना था। पूजा ने खुद को कनाडा की बताकर सेना की गोपनीय सूचना हासिल की थीं। एटीएस और सेना इंटेलीजेंस की जांच में इसके पुख्ता प्रमाण मिले हैं। एटीएस ने रविवार को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ के लिए जासूसी करने के आरोप में मेरठ से हापुड़ के सतेंद्र सिवाल को गिरफ्तार किया था। सतेंद्र और पूजा तीन साल से संपर्क में थे। पूजा आइएसआइ के लिए काम करती है। सतेंद्र की रिमांड के लिए लखनऊ की कोर्ट में अर्जी डाली गई है।

2021 में फेसबुक के जरिए सतेंद्र की पूजा से दोस्ती हुई। इंटरनेट काल पर बातचीत शुरू हो गई। पूजा ने चंद दिनों में ही सतेंद्र को अपने प्रेमजाल में फंसा लिया था। पूछताछ में सतेंद्र ने पूजा से दोस्ती की बात को स्वीकारा है।

भारत आने का दिया था भरोसा : सतेंद्र के मोबाइल से पूजा की तस्वीर भी मिली है।

सतेंद्र सिवाल। फाइल फोटो

सतेंद्र ने बताया कि पूजा ने उसे भरोसा दिलाया था कि वह भारत भी आएगी और दोनों साथ-साथ रहने लगेंगे। हालांकि सतेंद्र ने परिवार को पूजा की दोस्ती से अनजान रखा था। जांच की जा रही है कि तीन साल में सतेंद्र ने आइएसआइ से कितनी रकम ली है। सतेंद्र, उसके परिवार तथा रिश्तेदारों के बैंक खातों की डिटेल मांगी जा रही है। मेरठ जोन के एडीजी डीके ठाकुर का कहना है कि एटीएस की जांच में उनका सहयोग किया जा रहा है।

पंजाब में पकड़ा गया अफगानिस्तानी घुसपैठिया

जासं, पठानकोट : पंजाब के पठानकोट में पाकिस्तानी सीमा से लगे बमियाल सेक्टर में बीएसएफ ने पाकिस्तान से भारत की सीमा में घुस रहे एक व्यक्ति को पकड़ा है। प्रारंभिक जांच में उक्त व्यक्ति अपना नाम नबीब, निवासी अफगानिस्तान बता रहा है।

जानकारी के मुताबिक, सोमवार सुबह करीब 10 बजे बमियाल सेक्टर में बीएसएफ की काशी बाडमा पोस्ट पर तैनात बीएसएफ जवानों ने पाकिस्तान की ओर से एक व्यक्ति को भारत की सीमा में दाखिल होते देखा। जवानों ने उसको चेतावनी दी, लेकिन तब तक वह भारत की सीमा में दाखिल हो गया। इस पर जवानों ने उसे पकड़ लिया। स्थानीय पुलिस, बीएसएफ अधिकारियों एवं अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने मौके पर पहुंच कर उससे पूछताछ की। इसके बाद उसको मेडिकल करवाने के लिए भेजा गया है। संबंधित थाना प्रभारी हर प्रकाश सिंह ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ के दौरान वह अपने आप को अफगानी नागरिक बता रहा है। तलाशी में उससे 280 रुपये पाकिस्तानी करेंसी, एक पाकिस्तान मार्का सिगरेट का पैकेट, एक लाइटर और उर्दू में लिखी एक पर्ची मिली है। आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

उत्तर प्रदेश में सामूहिक विवाह योजना के 66,000 लाभार्थियों के भुगतान पर रोक

महेंद्र दुबे, बलिया

- बलिया जिले में फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद समाज कल्याण विभाग ने दिखाई सख्ती
- उपहार के 10,000 रुपये भी अब सीधे कन्या के खाते में भेजने की तैयारी कर रहा विभाग

उप्र के बलिया में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में फर्जीवाड़ा के बाद समाज कल्याण विभाग सख्त हो गया है। प्रदेश भर में इस वर्ष अब तक कराए गए सामूहिक विवाह के 66,000 लाभार्थियों के भुगतान पर रोक लगा दी गई है। योजना में फर्जीवाड़े की समीक्षा करने बलिया पहुंचे समाज कल्याण विभाग के निदेशक कुमार प्रशांत ने बताया कि जिलास्तरीय अधिकारियों की टीम के सत्यापन करने के बाद ही लाभार्थियों को भुगतान किया जाएगा। बता दें, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में एक शादी पर 51,000 रुपये का भुगतान करती है। इसमें लड़की को 35,000 रुपये, शादी संबंधित उपहार के लिए 10,000 रुपये और समारोह के लिए 6,000 रुपये आवंटित किए जाते हैं।

कुमार प्रशांत ने बताया कि इस योजना के तहत इस वर्ष अब तक 1.30 लाख आवेदन मिले हैं। इनमें 75,000 आवेदन स्वीकृत हो चुके हैं। जनवरी से अब तक 66,000 शादियां कराई जा चुकी हैं और शेष 9000 लाभार्थियों की शादी फरवरी में कराने का निर्देश दिया गया है। अभी तक आवेदनों का सत्यापन ब्लाकों के सुपरवाइजर, सचिव आदि से कराया जाता था। अब इसमें बदलाव किया जा रहा है। विभाग के उच्चाधिकारियों को भी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। उपहार के सामानों की गुणवत्ता को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों को भी विभाग ने गंभीरता से लिया है। उपहार के 10,000 रुपये सीधे कन्या के खाते में भेजे जाएंगे। इस योजना की शुरुआत के बाद पहली बार बलिया में ही फर्जीवाड़ा का मामला सामने आया है। निर्धन कन्याओं के विवाह के लिए मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना में अनुचित तरीके से आर्थिक लाभ के लिए फर्जीवाड़ा करने वाले अधिकारियों व बिचौलियों की जांच और उनसे पूछताछ के बाद जिला प्रशासन आरोपितों पर गैंगस्टर लगाने की भी तैयारी कर रहा है।

यह है मामला

बलिया के मनियर ब्लाक में 25 जनवरी को 537 जोड़ों की शादी कराई गई थी। शिकायत मिली थी कि आर्थिक लाभ लेने के लिए कई महिलाओं का दोबारा विवाह कराया गया है। शादी देखने आए युवकों को दूल्हा बनाकर बैठा दिया गया। इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ तो जिलाधिकारी ने टीम गठित कर जांच कराई। अब तक 240 लाभार्थी अपात्र मिले। एक वीडियो और प्रसारित हुआ था, जिसमें एक युवक दो हजार रुपये के एवज में उसे दूल्हा बनाकर समारोह में बैठाए जाने की बात कहते दिखाई दिया। मामले में अब तक दो एडीओ सहित 16 को गिरफ्तार किया जा चुका है।

सफल परीक्षण

आइआइटी कानपुर ने किया सफल परीक्षण, अभी कुछ देशों के पास ही है यह तकनीक, हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल, राकेट लांचर व्हीकल को अधिक गति में सटीक परिणाम देना आसान

देश को मिली हाइपर वेलोसिटी एक्सपेंशन टनल टेस्ट सुविधा

जागरण संवाददाता, कानपुर

आइआइटी कानपुर ने देश की पहली हाइपरवेलोसिटी एक्सपेंशन टनल टेस्ट सुविधा का विकास कर सफल परीक्षण किया है। इस तकनीक से हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइलों को सटीक निशाना लगाने के लिए तैयार किया जा सकेगा। गगनयान, आरएलवी के साथ ही इसरो व डीआरडीओ के विभिन्न अनुसंधान और परियोजनाओं में इसका उपयोग किया जाएगा। यह सुविधा अभी दुनिया के कुछ देशों के पास ही है।

आइआइटी कानपुर में स्थापित 24 मीटर लंबी टनल को जिगरथंडा (एस-2) कहा गया है। आइआइटी के निदेशक प्रो. एस गणेश ने बताया कि संस्थान के एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के हाइपरसोनिक एक्सपेरिमेंटल एयरोडायनामिक्स लैब में स्थापित किया गया है। वैमानिकी अनुसंधान और विकास बोर्ड (एआरडीबी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और आइआइटी की मदद से तीन साल के दौरान स्वदेशी डिजाइन को तैयार किया गया है। इसे संस्थान के एसोसिएट प्रोफेसर मो. इब्राहिम सुगरनो और उनकी टीम ने तैयार किया है। आइआइटी के एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख प्रो. जीएम कामथ ने बताया कि इस परीक्षण से भविष्य में हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल या राकेट लांचर व्हीकल को अधिक गति अवस्था में सटीक परिणाम देने के लिए तैयार किया जाना आसान होगा। यह एक ऐसी उपलब्धि है, जो हाइपरवेलोसिटी अनुसंधान के लिए नए मानक तैयार करने वाली है। भविष्य में अंतरिक्ष और रक्षा क्षेत्र में भारत की क्षमता का तीव्र विकास हो सकेगा। प्रो. सुगरनो के मुताबिक जिगरथंडा यानी एस-2 का निर्माण बेहद चुनौतीपूर्ण रहा है। परीक्षण के लिए तैयार सुरंग में 'फ्री पिस्टन ड्राइवर' प्रणाली को इस तरह तैयार किया गया है कि 20-35 एटीएम के वायुमंडल उच्च दबाव पर 150-200 मीटर प्रति सेकेंड की गति से फायर करके उसे पूर्ण विराम अवस्था में बिना किसी गतिरोध के पहुंचाया जाता है। वायुमंडल में हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल या गगनयान को इस स्थिति से गुजरना पड़ता है इसलिए परीक्षण सुरंग में वैसी ही स्थितियां बनाई गई हैं। परीक्षण सुविधा की मदद से राकेट लांचर वाहनों के वायुमंडलीय में प्रवेश, क्षुद्रग्रह प्रवेश, स्क्रैमजेट उड़ानों और बैलिस्टिक मिसाइलों के दौरान आने वाली हाइपरसोनिक स्थितियों का अध्ययन किया जा सकेगा। इससे नए निष्कर्षों पर पहुंचना संभव होगा। सुरंग में 3-10 किमी प्रति सेकेंड के बीच उड़ान गति प्राप्त की जा सकती है। कोई विमान या मिसाइल किस तरह से हाइपरसोनिक गति से व्यवहार करता है, उसकी कौन सी डिजाइन किस तरह की प्रतिक्रिया करती है। इसका परीक्षण सुरंग में किया जाएगा।

आइआइटी कानपुर में तैयार हाइपर वेलोसिटी एक्सपेंशनल टनल टेस्ट सुविधा का दृश्य। सौजन्य : संस्थान

आइआइटी मद्रास देश का पहला स्वदेशी 155 एमएम स्मार्ट गोला बारूद बनाएगा

चेन्नई, आइएएनएस : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आइआइटी-एम) भारत का पहला स्वदेशी 155 मिलीमीटर (एमएम) स्मार्ट गोला बारूद बनाएगा। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए आइआइटी-एम ने 155 एमएम स्मार्ट गोला बारूद बनाने के लिए रक्षा क्षेत्र की सरकारी कंपनी म्यूनिशन्स इंडिया लिमिटेड के साथ साझेदारी की है।

इस बारे में आइआइटी-एम ने सोमवार को कहा, इसका उद्देश्य मौजूदा 155 एमएम गोले की तुलना में बेहतर सटीकता के साथ गोला-बारूद विकसित करके रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के साथ ही मारक क्षमता बढ़ाना है। इसमें केवल 10 मीटर की सर्कुलर एरर प्राबेबल (सीईपी) होगी। वर्तमान में स्वदेशी गोला-बारूद की सीईपी 500 मीटर है। म्यूनिशन्स इंडिया सशस्त्र और अर्धसैनिक बलों के लिए गोला-बारूद और विस्फोटक बनाने वाली कंपनी है।

आइआइटी मद्रास के एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर जी. राजेश और उनके शोधकर्ताओं की टीम स्मार्ट गोला-बारूद दो साल की अवधि में विकसित करेगी। म्यूनिशन्स इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, रवि कांत ने कहा, यह आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने करने की दिशा में बड़ी उपलब्धि होगी।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास। फाइल

****

8 मार्च से छत्तीसगढ़ में 'महतारी वंदन' के एक हजार रुपये महिलाओं के खाते में स्थानांतरित होने लगेंगे। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय इसकी पहली किस्त जारी करेंगे।

दरगाह नहीं, महाभारतकालीन लाक्षागृह है बरनावा का टीला

53 साल आठ महीने बाद आया है अदालत का फैसला, प्रतिवादी पक्ष में खुशी

▸ बागपत के बरनावा में लाक्षागृह पर दरगाह होने का दावा खारिज, कोर्ट ने एएसआइ रिपोर्ट और राजस्व रिकार्ड को माना आधार

बरनावा लाक्षागृह पर लगा बोर्ड। जागरण

बरनावा के लाक्षागृह स्थित प्राचीन गुंबद। जागरण

जागरण संवाददाता, बागपत

उप्र में बागपत के बरनावा में महाभारतकालीन लाक्षागृह पर कब्रिस्तान और दरगाह होने के दावे को अदालत ने खारिज कर दिया है। एएसआइ की रिपोर्ट और राजस्व रिकार्ड को आधार मानते हुए सोमवार को सिविल जज (जूनियर डिवीजन) शिवम द्विवेदी ने फैसला सुनाया और प्राचीन टीले को महाभारतकालीन लाक्षागृह (लाखामंडप) ही माना है। शिवमंदिर और लाखामंडप के साक्ष्यों को फैसले का आधार माना है। अदालत का फैसला 53 साल आठ महीने बाद आया है। फैसले के बाद लाक्षागृह की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। फैसले से प्रतिवादी पक्ष में खुशी की लहर है। वादी पक्ष के अधिवक्ता शाहिद खां का कहना है कि अब ऊपर की अदालत में अपील करेंगे।

1997 में बागपत स्थानांतरित हुआ मुकदमा : बरनावा निवासी मुकीम खां ने 31 मार्च, 1970 में मेरठ की अदालत में वाद दायर किया था, जिसमें उन्होंने ब्रह्मचारी कृष्णदत्त को प्रतिवादी बनाया था। दावा किया था कि बरनावा में प्राचीन टीले पर शेख बदरुद्दीन की दरगाह और बड़ा कब्रिस्तान है, जो सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड यूपी में बतौर वक्फ दर्ज व रजिस्टर है। कृष्णदत्त बाहर के रहने वाले हैं जो कब्रिस्तान को खत्म कर इसे हिंदुओं का तीर्थ बनाना चाहते हैं। 1997 में यह वाद बागपत की अदालत में स्थानांतरित हो गया था।

शिव मंदिर व लाखामंडप के अवशेष आज भी मौजूद : प्रतिवादी कृष्णदत्त की ओर से दावा किया गया कि जिस स्थान पर वादी पक्ष दरगाह बता रहा है, वहां शिव मंदिर था और जहां पर कब्रिस्तान का दावा कर रहा है, वह लाखामंडप था। शिव मंदिर व लाखामंडप के अवशेष वर्तमान में भी मौजूद हैं। टीले की कुछ भूमि का भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने अधिग्रहण कर रखा है, शेष भूमि श्री गांधी धाम समिति की है, जिस पर श्री महानंद संस्कृत विद्यालय लाक्षागृह, बरनावा और गोशाला का संचालन किया जा रहा है। राजस्व रिकार्ड में भी उक्त भूमि पर शिवमंदिर और लाखामंडप के होने के प्रमाण मौजूद हैं। प्रतिवादी पक्ष के अधिवक्ता रणवीर सिंह तोमर ने बताया कि लगभग नौ हेक्टेअर भूमि पर चल रहे वाद में अदालत का फैसला आया है। गांधी धाम समिति के मंत्री राजपाल त्यागी ने अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए इसे सत्य की जीत बताया है।

महाभारत काल के मृदभांड भी मिल चुके हैं प्राचीन टीले पर : प्राचीन ऊंचे टीले के कुछ हिस्से की एएसआइ खोदाई भी कर चुका है। इनमें कई पुरातात्विक चीजें मिल चुकी हैं, जिसके बाद संबंधित स्थल को संरक्षित स्मारक घोषित कर एएसआइ ने अपना बोर्ड लगा दिया था। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के इतिहास विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. केके शर्मा ने बताया कि प्राचीन टीला पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। वर्ष 2018 में एएसआइ ने यहां उत्खनन किया था, जिसमें चित्रित धूसर मृदभांड प्राप्त हुए थे, जिन्हें महाभारतकालीन मृदभांड माना जाता है। इसके अलावा यहां महाभारतकाल के बाद की कुषाणकालीन, गुप्तकालीन, राजपूतकालीन आदि संस्कृतियों के अवशेष भी मिल चुके हैं।

प्राचीन टीले पर ही रचा गया था षड्यंत्र : राजपाल त्यागी ने बताया, प्राचीन टीला महाभारतकालीन लाक्षागृह है, जहां पर षड्यंत्र के तहत कौरवों ने पांडवों को जिंदा जलाने का प्रयास किया था, लेकिन वे समय रहते लाख से बने घर से सुरंग से होते हुए निकल गए थे। सुरंग के अवशेष आज भी मौजूद हैं।

यौगिक मुद्रा में प्रवचन देते थे कृष्णदत्त

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त 1960 के आसपास बरनावा गांव में आए थे। वह लेटकर यौगिक मुद्रा में प्रवचन दिया करते थे। उस समय उनके पास लाउडस्पीकर रख दिया जाता था और उनके अनुयायी आसपास बैठकर प्रवचन सुनते थे। कई प्रदेशों से लोग उनके प्रवचन सुनने आया करते थे। 15 अक्टूबर 1992 में उनका निधन हुआ था। उनके रिकार्ड हुए प्रवचनों की वर्तमान में सैकड़ों किताबें प्रकाशित हैं।

न्यूज गैलरी

सीजेआइ चंद्रचूड़ ने विदेशी प्रतिनिधिमंडल का किया स्वागत

नई दिल्ली: भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआइ) डीवाई चंद्रचूड़ ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट का दौरा करने पहुंचे आस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के न्यायाधीशों समेत विदेशी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। तीन फरवरी को आयोजित राष्ट्रमंडल अटार्नी और सालिसिटर जनरल सम्मेलन के लिए विभिन्न देशों के न्यायाधीश, सालिसिटर और अटार्नी जनरल भारत आए हैं। कई गणमान्य सोमवार को न्यायिक कार्यवाही देखने के लिए शीर्ष अदालत पहुंचे थे। (प्रेट्र)

अमित शाह 10 फरवरी को करेंगे कर्नाटक का दौरा

बेंगलुरु : गृह मंत्री अमित शाह 10 फरवरी को कर्नाटक का दौरा करेंगे और आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर पार्टी के राज्य नेतृत्व से बातचीत करेंगे। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने बताया कि शाह टिकट के दावेदारों और उम्मीदवारों से भी चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा व जद (एस) में सीट बंटवारे को लेकर भी भ्रम नहीं है। पार्टी का शीर्ष नेतृत्व ही कार्यकर्ताओं से विचार-विमर्श के बाद उम्मीदवारों पर अंतिम मुहर लगाएगा। (आइएएनएस)

जाजू ने सूचना-प्रौद्योगिकी सचिव का पदभार संभाला

नई दिल्ली: वरिष्ठ आइएएस अधिकारी संजय जाजू ने सोमवार को केंद्रीय सूचना-प्रौद्योगिकी मंत्रालय में सचिव का पदभार संभाल लिया। उन्होंने स्वास्थ्य सचिव नियुक्त किए गए अपूर्व चंद्रा का स्थान लिया। 1992 बैच के तेलंगाना कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) अधिकारी जाजू नवंबर 2022 से राज्य सरकार में सेवाएं दे रहे थे। वह पहले रक्षा उत्पादन विभाग में अतिरिक्त सचिव व राष्ट्रीय राजमार्ग एवं बुनियादी ढांचा विकास निगम में निदेशक के पद पर सेवाएं दे चुके हैं। (प्रेट्र)

कर्नाटक के सोमेश्वर मंदिर में शिवलिंग का अपमान

बेंगलुरु : उत्तर कन्नड जिले के नरबैल गांव के प्रसिद्ध सोमेश्वर मंदिर में रविवार शरारती तत्वों ने शिवलिंग को अपवित्र करने की घटना सामने आई। पुलिस ने बताया कि शरारती तत्वों ने छोटा ताला तोड़कर जबरन दरवाजे को धक्का देकर प्रवेश किया और शिवलिंग पर चाक से 'जेईएस 2024, 2026' लिखा। पुलिस ने बताया कि लिखावट संदिग्ध है और विशेषज्ञ जांच में सहायता कर रहे हैं। घटना के बाद से क्षेत्र में तनाव की स्थिति है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पहाड़ों पर हिमपात जारी, मैदान में हवा बढ़ाएगी ठिठुरन

मौसम ▸ बुधवार से तेज हवाएं पहाड़ों पर हुई बर्फबारी की ठंडक दिल्ली लेकर आएंगी, उत्तराखंड में यलो अलर्ट

पहाड़ी राज्यों में रुक रुक कर जारी है हिमपात और वर्षा का दौर

जागरण टीम, नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के बारामुला जिले में सोमवार को टंगमर्ग में हिमपात के कारण सड़क पर फिसलन के बीच वाहन रेंगते दिखे। एएनआइ

उत्तर भारत में भीषण ठंड का दौर तो बीत गया। मगर सुबह और शाम में अब भी ठिठुरन बनी हुई है। वहीं, दिल्ली में अब और वर्षा के आसार नहीं हैं। हालांकि पहाड़ी राज्यों में हुई बर्फबारी के चलते वहां से आने वाली सर्द हवा एक बार फिर ठिठुरन बढ़ा सकती है। सोमवार को भी अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री कम रहा। मौसम विभाग का अनुमान है कि बुधवार से तेज हवा चलेंगी, जोकि अपने साथ पहाड़ों पर हुई बर्फबारी की ठंडक भी दिल्ली तक लेकर आएंगी। दिल्ली में सोमवार को धूप तो खिली, लेकिन बादलों की आवाजाही भी लगी रही, इसीलिए तापमान में भी बहुत ज्यादा वृद्धि नहीं हुई। दिल्ली का अधिकतम तापमान 21.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

चार दिन की वर्षा ने तोड़ा 10 साल का रिकार्ड : दिल्ली में फरवरी के शुरुआती चार दिनों में हुई वर्षा ने 10 वर्ष का रिकार्ड तोड़ दिया। मौसम विभाग के मुताबिक इस महीने अब तक 29.9 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो पिछले 10 साल में फरवरी में दर्ज की गई वर्षा से ज्यादा है। आंकड़ों से पता चलता है कि 10 साल पहले 2014 की फरवरी में 48.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी। इसके बाद अब तक फरवरी में कम वर्षा ही रही। मालूम हो कि फरवरी की औसत वर्षा 21.3 मिमी है।

उत्तराखंड में जोरदार बर्फबारी, चारधाम मार्ग बाधित : उत्तराखंड में बर्फबारी का क्रम जारी है। उत्तरकाशी, टिहरी, चमोली, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, बागेश्वर में बर्फबारी से चोटियां चांदी की तरह चकम रही हैं। पिथौरागढ़ के कालामुनि व बिटलीधार में दो फीट बर्फ पड़ी। नैनीताल में सुबह हिमकण गिरने के बाद हल्की वर्षा हुई। मसूरी में भी रुकरुक कर वर्षा हुई। बर्फबारी के कारण उत्तरकाशी में गंगोत्री व यमुनोत्री और चमोली में बदरीनाथ राजमार्ग बाधित हैं। राज्य के 100 से अधिक गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूटा हुआ है। चकराता में बर्फबारी में फंसे पर्यटकों के 25 वाहनों को एसडीआरएफ की मदद से निकाला गया। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार चार दिन तक उच्च हिमालय में हल्की बर्फबारी जारी रहने के आसार हैं। निचले पहाड़ी क्षेत्रों में मंगलवार को पाले का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

जम्मू-कश्मीर के आठ जिलों में हिमस्खलन की चेतावनी : जम्मू-कश्मीर में पिछले हफ्ते के हिमपात के बाद सोमवार को मौसम साफ रहा। प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में पूरे दिन धूप रही। इस बीच, प्रदेश आठ जिलों के लिए हिमस्खलन की चेतावनी जारी की गई। मौसम विभाग ने लोगों को हिमस्खलन संभावित क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह दी है। जम्मू-कश्मीर आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि बांडीपोरा, बारामुला, कुपवाड़ा तथा जम्मू संभाग के डोडा, किश्तवाड़, पुंछ, रामबन और गांदरबल जिले हिमस्खलन का खतरा बना हुआ है। इन क्षेत्रों में लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है।

हिमाचल में फरवरी में सामान्य से 72 प्रतिशत से अधिक वर्षा

हिमाचल प्रदेश में फरवरी में सामान्य से 72 प्रतिशत से अधिक वर्षा हुई। प्रदेश में सबसे अधिक वर्षा कुल्लू में 105.7 मिलीमीटर हुई। बता दें कि दिसंबर और जनवरी में सामान्य से बहुत कम वर्षा हुई थी। फरवरी की वर्षा ने पिछले दो महीनों में हुई कम वर्षा की भरपाई भी कर दी है। जनवरी में सामान्य से 98 प्रतिशत कम वर्षा हुई। इससे सूखे जैसी स्थिति हो गई थी। फरवरी की वर्षा ने कृषि व बागवानी के लिए संजीवनी का काम किया है। सोमवार को हिमाचल में सुबह से बादलों के बीच धूप निकली रही। शाम के समय कुछ स्थानों पर वर्षा हुई।

तेजस्वी यादव की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुरक्षित रखा आदेश

नई दिल्ली, प्रेट्र : गुजरातियों पर कथित टिप्पणी को लेकर अहमदाबाद की अदालत में लंबित आपराधिक मानहानि की शिकायत को राज्य से बाहर स्थानांतरित करने की राजद नेता तेजस्वी यादव की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। तेजस्वी मामले को दिल्ली स्थानांतरित कराने के इच्छुक हैं।

जस्टिस एएस ओका और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने तेजस्वी द्वारा दाखिल माफी के नए बयान को रिकार्ड पर लिया और कहा, 'हम आदेश पारित करेंगे।' शीर्ष अदालत ने 29 जनवरी को तेजस्वी यादव को अपनी कथित टिप्पणी 'वर्तमान स्थिति में सिर्फ गुजराती ही ठग हो सकते हैं और उनके फ्राड को माफ कर दिया जाएगा' को वापस लेते हुए उचित बयान दाखिल करने का निर्देश दिया था। तेजस्वी ने 19 जनवरी को अपनी कथित टिप्पणी वापस लेते हुए शीर्ष अदालत में एक हलफनामा भी दाखिल किया था। शीर्ष अदालत ने राजद नेता की याचिका पर सुनवाई करते हुए पूर्व में आपराधिक मानहानि की शिकायत में कार्यवाही पर रोक लगा दी थी और गुजरात निवासी शिकायतकर्ता हरेश मेहता को नोटिस जारी किया था।

धौनी पर फिक्सिंग का आरोप लगाने वाले पूर्व आइपीएस को 'सुप्रीम' राहत

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मद्रास हाई कोर्ट द्वारा सेवानिवृत्त आइपीएस अधिकारी जी. संपत कुमार को दी गई 15 दिन की कैद की सजा पर अंतरिम रोक लगा दी। गत 15 दिसंबर को मद्रास हाई कोर्ट ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धौनी की अवमानना याचिका पर कुमार को सजा सुनाई थी। जस्टिस एएस ओका व जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने मद्रास हाई कोर्ट के आदेश के विरुद्ध कुमार की याचिका पर नोटिस जारी किया। पीठ ने अगली सुनवाई आठ मार्च को तय की है।

धौनी ने अवमानना याचिका में 100 करोड़ के मानहानि मुकदमे के जवाब में दायर लिखित बयान में न्यायपालिका के खिलाफ टिप्पणी करने पर कुमार को दंडित करने की मांग की थी। आइपीएल सट्टेबाजी घोटाले में उनका नाम घसीटने पर 2014 में धौनी ने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी के खिलाफ कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मद्रास हाई कोर्ट ने कहा था कि कुमार ने निचली अदालत व सुप्रीम कोर्ट को बदनाम करने व उसके अधिकार को कम करने की कोशिश की।

तीसरी संतान भी बेटी हुई तो माता-पिता ने फर्श पर पटककर मार डाला

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

▸ बंगाल में मुर्शिदाबाद जिले का मामला, बच्ची के दादा की शिकायत पर दोनों को किया गया गिरफ्तार

बंगाल में मुर्शिदाबाद जिले के भातशाला इलाके में तीन महीने की बच्ची को माता-पिता ने फर्श पर पटककर मार डाला। बच्ची के दादा दबीर शेख की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित माता-पिता को गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि तीसरी संतान भी बेटी होने पर आरोपितों ने यह कदम उठाया। दबीर ने शिकायत में कहा कि तीसरी बार भी बेटी के जन्म लेने पर बेटे रिंटू शेख व बहू बेलूआरा बीबी ने उसे फर्श पर पटककर मार डाला। रिंटू केरल में मजदूरी करता है। वह एक सप्ताह पहले ही घर लौटा था। फिर पुत्री को जन्म देने के लिए पत्नी को कोस रहा था। गत रविवार को उनकी पोती का खून से लथपथ शव घर से बरामद हुआ है। संदेह के आधार पर उन्होंने बेटे-बहू के खिलाफ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई।

स्वीकारा अपराध : पुलिस सूत्रों से पता चला है कि कड़ाई से पूछताछ करने पर दोनों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। बेलूआरा ने पुलिस को बताया कि उनकी पहले से दो बेटियां हैं। उनके पति इस बार बेटा चाहते थे, लेकिन इस बार भी बेटी का जन्म हुआ। बेटी के जन्म के समय पति केरल में थे। एक सप्ताह पहले लौटने पर वह उसकी हत्या करने की बात कर रहे थे। दबाव में उसने इस जघन्य कृत्य में अपने पति का साथ दिया। फर्श पर पटककर उन्होंने अपनी बेटी की हत्या कर दी। इस नृशंस वारदात से स्थानीय लोग स्तब्ध हैं।

बता दें, समाज में भ्रांतियां हैं कि कन्या को जन्म देने के लिए माता जिम्मेदार होती है, जबकि जन्म लेने वाले भ्रूण-शिशु के लिंग निर्धारण में पिता की वास्तविक, वैज्ञानिक व निर्णायक भूमिका होती है। भ्रूण-शिशु का लिंग नर युग्मक (एक्स या वाई) के प्रकार से निर्धारित होता है, जो मादा के एक्स गुणसूत्र के साथ जुड़ जाता है। यदि निषेचित करने वाला शुक्राणु एक्स है तो संतान लड़की होगी और यदि वाई है तो लड़का होगा, इसलिए लिंग के लिए माता को दोषी ठहराना गलत है।

पूनम पांडे की मौत की अफवाह फैलाने वाली एजेंसी ने मांगी माफी

नई दिल्ली, प्रेट्र : माडल व अभिनेत्री पूनम पांडे की मौत की फर्जी खबर फैलाने वाली एजेंसी श्बांग ने माफी मांगी है। इंस्टाग्राम पर साझा किए बयान में एजेंसी ने कहा कि पूनम पांडे की मौत की अफवाह उड़ाने का मकसद सर्विकल कैंसर को लेकर जागरूकता बढ़ाना था। शुक्रवार को पूनम की सर्विकल कैंसर से मौत होने की फर्जी खबर फैलाई गई थी। लेकिन अगले ही दिन पूनम ने इंटरनेट मीडिया पर वीडियो जारी कर कहा कि उनकी मौत नहीं हुई है, बल्कि कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से ऐसा किया गया।

मौत की फर्जी खबर पर इंटरनेट मीडिया पर किरकिरी होने के बाद पूनम ने इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा, मुझे मार डालो, मुझे सूली पर चढ़ाओ, मुझसे नफरत करो, लेकिन कम से कम जिसे आप प्यार करते हैं उन्हें बचाएं। इस बीच एएनआइ के अनुसार मुंबई के एक इंटरनेट मीडिया इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने मुंबई पुलिस को लिखित शिकायत दर्ज कराई है और मौत की झूठी अफवाह फैलाने के आरोप में पूनम की गिरफ्तारी की मांग की है।

भड़काऊ भाषण देने वाले मुफ्ती अजहरी को मुंबई से गिरफ्तार कर गुजरात ले आई एटीएस

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद

▸ धर्म प्रचार के नाम पर दिया था भड़काऊ भाषण, दो आरोपित पहले ही हो चुके हैं गिरफ्तार

▸ जूनागढ़ पुलिस उससे करेगी पूछताछ, घाटकोपर थाने पर जमा हुई भीड़ के खिलाफ भी मामला दर्ज

भड़काऊ भाषण देने के प्रकरण में मुंबई से गिरफ्तार मुफ्ती सलमान अजहरी को अहमदाबाद में एटीएस मुख्यालय लाया गया। एएनआइ

गुजरात के जूनागढ़ में जन-जागरूकता और धर्म प्रचार के नाम पर भड़काऊ भाषण देने वाले मुफ्ती सलमान अजहरी को मुंबई के घाटकोपर से गिरफ्तार कर सोमवार को गुजरात लाया गया। यह गिरफ्तारी एटीएस ने की। एटीएस ने पूछताछ के लिए उसे जूनागढ़ पुलिस को सौंप दिया है। रविवार को गिरफ्तारी के बाद घाटकोपर थाने पर बड़ी संख्या में उसके समर्थक एकत्र हो गए थे। वे पुलिस के खिलाफ नारे लगा रहे थे। पुलिस ने थाने पर जमा हुई भीड़ के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, मामला आइपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किया गया है। जिसमें धारा- 353 (लोक सेवक को उसके कर्तव्य के निर्वहन से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल प्रयोग), 332 (लोक सेवक को उसके कर्तव्य से रोकने के लिए जानबूझकर चोट पहुंचाना) शामिल है। पुलिस ने इस मामले के अन्य आरोपितों मोहम्मद युसुफ और अजीम हबीब के खिलाफ वैमनस्य फैलाने का मामला दर्ज कर पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। मुंबई राज्य ब्यूरो के अनुसार, गुजरात पुलिस ने रविवार शाम को अजहरी की रिमांड मांगी थी। मुंबई की एक अदालत ने रविवार शाम को उसकी ट्रांजिट रिमांड दे दी, जिससे पुलिस को उसे जूनागढ़ ले जाने की अनुमति मिल गई। लेकिन, मौलाना अजहरी के वकील की तरफ से उसकी ट्रांजिट रिमांड का विरोध किया गया था। उसके वकील आरिफ सिद्दीकी का कहना था कि कानून के अनुसार हमें जो नोटिस दिया जाना चाहिए वह नहीं दिया गया। मुंबई में अजहरी की गिरफ्तारी के बाद आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान भी उससे मिलने पहुंच गए थे। उनका भी कहना था कि कानून की उचित प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए।

जागरण विशेष

आइआइटी में बना साफ्टवेयर बता रहा उत्पाद असली या नकली

आइआइटी कानपुर के नेशनल सेंटर फार फ्लेक्सिबल इलेक्ट्रानिक्स में विज्ञानियों ने किया तैयार

अखिलेश तिवारी ● कानपुर

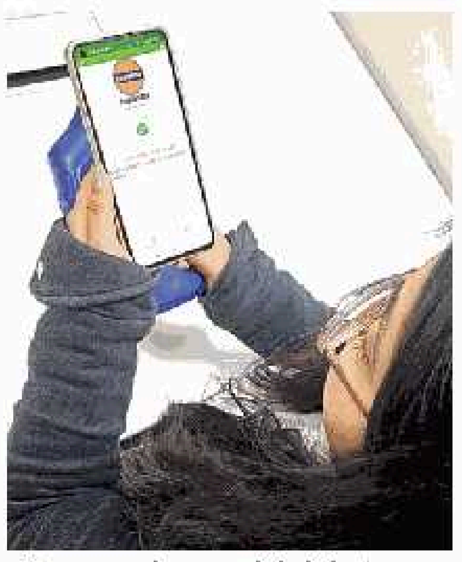
इंडियन आयल के उत्पाद को चेको से स्कैन कर गुणवत्ता जांचती युवती ● जागरण

स्वर्ण आभूषण में जिस तरह हालमार्क का निशान शुद्धता की गारंटी है, अब उसी तरह आइआइटी कानपुर में तैयार चेको साफ्टवेयर भी विभिन्न कंपनियों की उत्पादों की गारंटी ले रहा है। कंपनियों ने जो उत्पाद तैयार किया है, वही आपके हाथ में है या बीच में किसी ने नकली उत्पाद तैयार कर बाजार में पहुंचा दिया है, इसकी जांच सेकंडों में यह साफ्टवेयर कर रहा है। इसके लिए इंडियन आयल समेत देश की कई कंपनियों ने चेको के साथ करार किया है। चेको का प्रयोग मध्य प्रदेश कोआपरेटिव डेरी फेडरेशन अपने सांची ब्रांड घी की शुद्धता के लिए भी कर रहा है। इसके अलावा और भी कई बड़ी कंपनियां अपने-अपने उत्पादों की जांच के लिए चेको साफ्टवेयर का प्रयोग कर रही हैं।

आइआइटी कानपुर के नेशनल सेंटर फार फ्लेक्सिबल इलेक्ट्रानिक्स में ऐसा अनोखा 'थ्री-डी सिक्योर आफलाइन टैग' का विकास किया गया है जिसमें किसी भी कंपनी के अलग-अलग उत्पादों के लिए अलग-अलग कोड निर्धारित किए जाते हैं। इस टैग को किसी भी स्मार्टफोन की मदद से स्कैन कर उत्पाद की गुणवत्ता की संपूर्ण जानकारी पाई जा सकती है। इसमें उत्पादन का समय, बैच नंबर से लेकर अन्य जानकारियां भी देखी जा सकेंगी। https://checko.ai का प्रयोग करने से जहां ग्राहकों को गुणवत्तायुक्त पदार्थ मिलने की गारंटी है, निर्माता कंपनियों को भी नक्कालों से छुटकारा मिल रहा है। अभी देश की बड़ी कंपनियों को अपने बाजार को बचाए रखने के लिए नकली उत्पादों व उत्पादकों की पहचान व उनकी धर-पकड़ पर अतिरिक्त ऊर्जा व संसाधन लगाने पड़ रहे हैं।

नकली दवाओं पर लगेगी रोक: इस साफ्टवेयर के प्रयोग से देश में नकली दवाओं पर कठोर अंकुश लगाया जा सकता है। अभी नकली दवाओं के बारे में जब तक प्रयोगशाला रिपोर्ट न मिले तब तक पता लगाना मुश्किल है। जब इस साफ्टवेयर का प्रयोग किया जाएगा तो दवा निर्माता कंपनी के अलावा अगर कहीं दवा तैयार की जाएगी तो चेको.आइ के टैग से पता चल जाएगा कि वास्तव में उसे दवा निर्माता कंपनी ने तैयार किया है या जालसाजों ने बनाया है।

ग्राहकों का फीडबैक भी मिलेगा: इस टैग की मदद से कंपनियों को यह भी पता चलेगा कि उनका उत्पाद कब और किस क्षेत्र में बेचा गया है। ग्राहकों का फीडबैक भी कंपनियों को प्राप्त हो सकेगा। यही इतना नहीं कंपनी को यह भी मालूम होगा कि उसका कितना तैयार माल बाजार में कहां-कहां मौजूद है। माल की खपत दर क्या है और उसे अपना उत्पादन किस तरह करना चाहिए।

2012-13 में शुरू हुआ था प्रोजेक्ट

प्रो. दीपक, प्रमुख, चेको

चेको प्रोजेक्ट के प्रमुख और आइआइटी कानपुर के मैटीरियल साइंस विभाग के प्रो. दीपक ने बताया कि इस प्रोजेक्ट पर काम 2012-13 में शुरू किया गया था। इसमें शिक्षक व छात्र दोनों ही शामिल रहे जिसमें प्रो. मोनिका कटियार, सतीश चंद्र, प्रणव अस्थाना, उत्कर्ष और प्रियंका प्रमुख हैं। टीम ने कई साल के प्रयोग के बाद सुरक्षित एक ऐसा क्यूआर कोड आधारित टैग सिस्टम तैयार किया है। इसके थ्रीडी होने की वजह से नकल करना संभव नहीं है और कोड में दर्ज सूचनाओं की नकल नहीं की जा सकती है।

ऐसे काम करता है चेको

चेको साफ्टवेयर के तहत किसी भी उत्पाद के लिए थ्रीडी छवि के साथ 2डी कोड जारी किया जाता है। इस प्रक्रिया में पेटेंट तकनीक का प्रयोग किया जाता है जिससे इसकी नकल करना संभव नहीं है। स्मार्टफोन पर चेको स्कैनर डाउनलोड कर क्यूआर कोड वाले इस चेको लेवल को स्कैन करने पर उत्पादन संबंधी सभी जानकारी फोन की स्क्रीन पर सामने दिखने लगती है।

विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

मध्य प्रदेश में तंत्र क्रिया के नाम पर दी नरबलि, सिर धड़ से कर दिया अलग

नईदुनिया, सिंगरौली : मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में अंधविश्वास में तांत्रिक ने एक व्यक्ति की जान ले ली। उसने तांत्रिक क्रिया के लिए एक व्यक्ति की गर्दन काटकर बलि चढ़ा दी। सिर धड़ से अलग कर दिया। पुलिस ने आरोपित तांत्रिक को गिरफ्तार कर लिया है। वह उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले का निवासी है।

▸ मप्र के सिंगरौली जिले का मामला, आरोपित तांत्रिक गिरफ्तार

▸ उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले से तांत्रिक को बुलाया गया था

पुलिस के अनुसार, सिंगरौली जिले के चितरंगी थाना क्षेत्र के सूदा गांव निवासी रामचंद्र पनिका (50) की तबीयत कुछ दिनों से खराब चल रही थी। उसके स्वजन इलाज कराने के बजाय इस आशंका में झाड़-फूंक कराते रहे कि रामचंद्र पर किसी भूत-प्रेत का साया है। झाड़-फूंक के लिए ही रामचंद्र के स्वजन ने रविवार को उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के गर्दी गांव निवासी हरिनारायण पनिका (36) को अपने गांव में बुलाया था। हरिनारायण के रिश्ते में रामचंद्र समधी थे। हरिनारायण जब सूदा गांव पहुंचा तो तंत्र क्रिया के लिए उसने शराब की मांग की। ग्रामीणों के अनुसार, उसने शराब पी और फिर गांव के एक सुनसान स्थान पर पूजा शुरू की। इस दौरान हरिनारायण ने रामचंद्र की गर्दन धारदार हथियार से काट दी। वह धड़ से अलग हुए सिर को पकड़कर कुछ बड़बड़ाता रहा। इसके बाद मौके से फरार हो गया। भागते-भागते वह यह कहते हुए सुना गया कि रामचंद्र के शरीर में घुसे भूत से मुक्ति और उसके परिवार को बचाने के लिए यह जरूरी था। इस वारदात की सूचना मिलने पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर तांत्रिक की तलाश शुरू की। लोगों से पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपित को उसके गांव गर्दी से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपित से घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

****

दैनिक जागरण

सब कुछ लुट जाने पर भी भविष्य बाकी रहता है

निशाने पर विपक्ष

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा के समय विपक्ष की ओर से उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केवल उसके नकारात्मक, विरोध के लिए विरोध और विभाजनकारी रवैये को ही उजागर नहीं किया, बल्कि अपने इस आत्मविश्वास का भी खुलकर प्रदर्शन किया कि उनकी सरकार और बड़े बहुमत से तीसरी बार सत्ता में आने जा रही है। उन्होंने अपना यह लक्ष्य भी स्पष्ट कर दिया कि आगामी लोकसभा चुनाव में अकेले भाजपा कम से कम 370 सीटें जीतने जा रही है। इस दावे के जरिये उन्होंने जम्मू-कश्मीर से विभाजनकारी अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के अपनी सरकार के साहसिक फैसले को ही रेखांकित किया। उन्होंने अपनी सरकार की दस वर्ष की उपलब्धियां गिनाते हुए यह भी बता दिया कि उनका तीसरा कार्यकाल बड़े फैसलों और देश को विकसित बनाने का होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राजनीति में परिवारवाद से उनका क्या आशय है और वह क्यों उसके विरोधी हैं? इस पर आश्चर्य नहीं कि उन्होंने कांग्रेस को खास तौर पर निशाने पर लिया। उन्होंने यह जो कहा कि कांग्रेस विपक्ष का दायित्व निभाने में विफल रही और उसने अच्छा विपक्ष बनने का अवसर गंवा दिया, उससे असहमत होना कठिन है।

विपक्षी दल के रूप में कांग्रेस की विफलता का कारण है सरकार के हर निर्णय एवं नीति को खारिज करने की आदत। निःसंदेह किसी विपक्षी दल से यह अपेक्षा नहीं की जाती और न ही की जानी चाहिए कि वह सरकार की प्रशंसा करे, लेकिन कम से कम उसे हर मामले में और यहां तक कि राष्ट्रहित से जुड़े मामलों में भी विरोध के लिए विरोध वाली राजनीति तो नहीं ही करनी चाहिए। दुर्भाग्य से कांग्रेस ऐसा ही करती रही है। कांग्रेस किस तरह नकारात्मक राजनीति का परित्याग नहीं कर पा रही है, यह गत दिवस लोकसभा में ही तब देखने को मिला, जब सदन में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने बालाकोट में की गई एयर स्ट्राइक पर सवाल खड़े किए। ध्यान रहे ऐसे ही सवाल पाकिस्तान खड़े करता रहा है। आखिर उन्हें पाकिस्तान को रास आने वाला बयान देने की जरूरत क्यों पड़ गई? हैरानी नहीं कि प्रधानमंत्री को यह कहना पड़ा कि वह देश की सेना के खिलाफ एक भी शब्द सहन नहीं करेंगे। अधीर रंजन चौधरी ने यह विभाजनकारी आरोप भी उछाला कि केंद्र सरकार गैर भाजपा शासित राज्यों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। उन्होंने कर्नाटक का उल्लेख करते हुए एक तरह से दक्षिण के राज्यों की अनदेखी करने वाले उन विभाजनकारी बयानों को ही हवा दी, जो कर्नाटक से कांग्रेस सांसद डीके सुरेश और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अंतरिम बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दिए थे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अधीर रंजन चौधरी को फटकार ही नहीं लगाई, बल्कि यह भी साफ किया कि कर्नाटक किन कारणों से वित्तीय रूप से कठिनाइयों से घिरा है।

सुनहरा अवसर

बिहार के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को अपनी दशा सुधारने के लिए बिहार लघु उद्यमी योजना एक वरदान की तरह है। यदि इस योजना को उद्यम की तरह लिया जाए जैसा कि सरकार की अपेक्षा है, निश्चित रूप से ऐसे परिवारों को लाभ होगा। जाति आधारित गणना में ढूंढे.गए ये ऐसे परिवार हैं, जिनकी मासिक आय छह हजार रुपये से कम है। आर्थिक तंगी की स्थिति में कई बार लोग सरकारी सहायता को पूंजी के रूप में न लेते हुए आमदनी के रूप में ले लेते हैं। यहीं समस्या पैदा होती है। जब मूल धन ही नहीं बचेगा तो जिस उद्देश्य के लिए राशि दी गई, वह पूरा कैसे होगा? इस मोर्चे पर सरकार और संबंधित व्यक्ति के स्तर पर सतर्कता की जरूरत है। फिलहाल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आवेदन के लिए पोर्टल की सेवा का शुभारंभ कर दिया है। आवेदनों की जांच परख भी होगी। इसी आधार पर पात्रों का चयन होगा। ऐसे परिवारों की संख्या 94 लाख है, लेकिन योजना को कई चरणों में पूरा किया जाना है। दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष यह कि संबंधित उद्यमी के उत्पादन और उसके विपणन की व्यवस्था को भी दिशा देनी होगी। बाजार में उत्पाद की गुणवत्ता अहम पक्ष है। निश्चित रूप से इसके लिए विभिन्न कार्यों में लगे लोगों को प्रशिक्षित करना होगा। अपने उत्पाद की वे कैसे सम्मानजनक कीमत प्राप्त कर सकते हैं, इसकी राह भी दिखानी होगी। जाहिर है, उचित कीमत न मिल पाने की स्थिति में उत्पादक उदासीन हो जाता है। यहीं समस्या खड़ी होती है। ऐसी स्थिति में उन्हें प्रोत्साहन की जरूरत पड़ती है। कुशल लोगों को यदि यह एहसास होता रहे कि कड़ी मेहनत का लाभ उन्हें हर हाल में मिलेगा तो वे उदासीन होकर अपना उद्यम बंद नहीं करेंगे।

बिहार लघु उद्यमी योजना के पात्रों को प्रशिक्षण के साथ-साथ बाजार के मार्गदर्शन की आवश्यकता होगी

इसलिए भारत के रत्न हैं लालकृष्ण आडवाणी

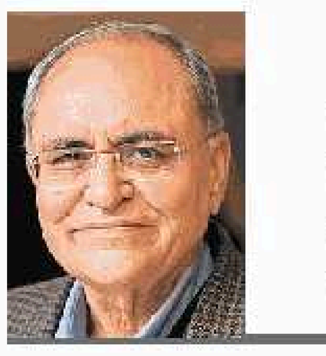

बलबीर पुंज

आडवाणीजी ने राजनीतिक शुचिता का नया मापदंड स्थापित करने के साथ छद्म सेक्युलरवाद और तुष्टीकरण की पोल खोली

अवधेश राजपूत

देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री और भाजपा के दीर्घानुभवी नेता लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न सम्मान उनके व्यक्तित्व, क्षमता और गुणों को मान्यता प्रदान करना तो है ही, यह उनके दो मुख्य योगदानों के कारण सर्वथा तर्कसंगत भी है। पहला योगदान है राजनीतिक शुचिता का नया मापदंड स्थापित करना और दूसरा, सार्वजनिक विमर्श में छद्म सेक्युलरवाद और इस्लामी कट्टरवाद के राजकीय तुष्टीकरण को तथ्यों-तर्कों के साथ चुनौती देना। आज अनेक दल स्वयं को सेक्युलर और शत-प्रतिशत गांधीवाद से प्रेरित होने का झंडा तो बुलंद करते हैं, परंतु वे भूल जाते हैं कि सार्वजनिक जीवन में गांधीजी ने शुचिता (परिवारवाद का विरोध सहित) का सदैव पालन किया था। स्वतंत्र भारत में जिन कुछ राजनीतिज्ञों ने इस मर्यादा का अनुसरण किया, वे वैचारिक रूप से गांधी दर्शन के सबसे निकट रहे। उन्हीं में से एक लालकृष्ण आडवाणी भी हैं।

जब विपक्ष में रहते हुए जैन हवाला कांड में आडवाणीजी का नाम आया, तब उन्होंने अपनी राजनीतिक विश्वसनीयता को अक्षुण्ण रखने के लिए लोकसभा की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया और निर्दोष सिद्ध होने तक संसद न जाने का प्रण लिया। जब दिल्ली उच्च न्यायालय और सर्वोच्च अदालत ने उन्हें बेदाग घोषित किया, तब उन्होंने वर्ष 1998 में चुनावी राजनीति में वापसी की। राजनीतिक शुचिता संबंधी इस परंपरा का निर्वहन नरेन्द्र मोदी ने भी किया। जब वर्ष 2002 के गुजरात दंगा मामले में मुख्यमंत्री रहते हुए नरेन्द्र मोदी को पूछताछ के लिए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआइटी) ने वर्ष 2010 में बुलाया, तब वह बिना कार्यकर्ताओं की भीड़ के गांधीनगर स्थित एसआइटी कार्यालय पहुंचे और दो सत्रों में नौ घंटे की पूछताछ में देर रात एक बजे तक हिस्सा लिया। इसकी तुलना में वर्तमान स्थिति क्या है? यह वित्तीय कदाचार के मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा बार-बार प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी के समन की अवहेलना करने, उनके द्वारा जेल से सरकार चलाने का दावा करने, नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस के शीर्ष नेताओं राहुल गांधी-सोनिया गांधी से ईडी की पूछताछ के समय कांग्रेस नेताओं-कार्यकर्ताओं द्वारा राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन करने, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक आदि विरोधी दलों द्वारा शासित कई राज्यों में केंद्रीय जांच एजेंसियों के आने पर रोक लगाने के लिए फरमान जारी करने और चारा घोटाले में अदालत द्वारा दोषी लालू प्रसाद यादव के साथ स्वयंभू सेक्युलरवादियों द्वारा मंच साझा करने से स्पष्ट है। इस पृष्ठभूमि में आडवाणीजी और उपरोक्त विरोधी दलों के व्यवहार में अंतर स्पष्ट है।

वर्ष 1980 में भाजपा की स्थापना के पश्चात आडवाणीजी ने उस सेक्युलरवाद को तर्कों और तथ्यों से सीधी चुनौती दी, जो अल्पसंख्यकों और विशेष रूप से मुस्लिम तुष्टीकरण का पर्याय बन चुका था। जब वर्ष 1985 में सर्वोच्च न्यायालय ने मध्य प्रदेश की शाहबानो को तलाक के बाद उसके पति से गुजारा भत्ता दिलाने का ऐतिहासिक निर्णय सुनाया, तब मुस्लिम समाज का कट्टरपंथी वर्ग बौखला उठा। 'इस्लाम खतरे में है' और 'शरीयत बचाओ' नारों के साथ देश के कई हिस्सों में हजारों मुसलमानों ने प्रदर्शन किया। अदालत का फैसला प्रगतिशील और मुस्लिम महिलाओं को मध्यकालीन दौर से बाहर निकालने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम था, परंतु तत्कालीन राजीव गांधी सरकार ने इस्लामी कट्टरपंथियों के समक्ष आत्मसमर्पण करके प्रचंड बहुमत के बल पर शाहबानो मामले में सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय ही पलट दिया। उस प्रकरण ने अपनी जड़ों से कटे और वामपंथी इतिहासकारों द्वारा भ्रमित भारतीय मुस्लिम समाज के एक वर्ग में यह संकीर्ण मानस स्थापित कर दिया कि वे भारतीय व्यवस्था को घुटनों पर ला सकते हैं। कालांतर में ऐसा हुआ भी।

वर्ष 1980 के बाद का श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन और सितंबर-अक्टूबर 1990 में लालकृष्ण आडवाणी की रथयात्रा भारत में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का विस्तार थी। वर्ष 1984 तक कांग्रेस के गांधीवादी नेता और देश के दो बार अंतरिम प्रधानमंत्री रहे गुलजारीलाल नंदा के साथ उत्तर प्रदेश कांग्रेस के शीर्ष नेता और पूर्व मंत्री दाऊदयाल खन्ना रामजन्मभूमि की मुक्ति के लिए संघर्ष का समर्थन कर रहे थे। चूंकि उनकी शक्ति सीमित थी, इसलिए उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से मोरोपंत पिंगले और अशोक सिंघल का साथ मिला, जिन्होंने रामजन्मभूमि आंदोलन को अतुलनीय गति प्रदान की। इस सांस्कृतिक संघर्ष में जनमानस को जोड़ने में आडवाणीजी की अध्यक्षता में नौ-11 जून 1989 को पारित भाजपा के पालमपुर घोषणापत्र और उनके नेतृत्व में सितंबर-अक्टूबर 1990 में निकाली गई रथयात्रा ने अग्रणी भूमिका निभाई।

वर्ष 1987 में एक साक्षात्कार में आडवाणीजी ने कहा था, ''भारतीय मुसलमानों के किसी भी वर्ग के लिए स्वयं को बाबर के साथ जोड़ना वैसा ही है, जैसे ईसाई समाज दिल्ली में गांधीजी की मूर्ति के स्थान पर जार्ज पंचम की मूर्ति लगाने के लिए इसलिए जिद करे कि वह ईसाई थे। गांधीजी हिंदू थे, परंतु वह इस देश के हैं, जार्ज पंचम नहीं। इसी तरह श्रीराम इस देश के हैं। इतिहास और सांस्कृतिक मुद्दे पर मैं मुस्लिम नेतृत्व से विनती करूंगा कि यदि इंडोनेशिया के मुसलमान राम और रामायण पर गर्व कर सकते हैं तो भारतीय मुसलमान क्यों नहीं?'' आडवाणीजी ने हिंदू-मुस्लिम समस्या की नब्ज पर सीधा हाथ रखा था। सच तो यह है कि भारतीय मुस्लिम समाज का एक वर्ग आज भी गौरी, गजनवी, बाबर, खिलजी, अब्दाली, औरंगजेब रूपी उन इस्लामी आक्रांताओं को अपना नायक मानता है, जिन्होंने इस भूखंड की सांस्कृतिक अस्मिता रौंदने का प्रयास किया।

आडवाणीजी ने सदैव राष्ट्र प्रथम को प्राथमिकता दी। जब वह रामजन्मभूमि मामले में अपनी रथयात्रा को लेकर राजनीति के शिखर पर थे, तब उन्होंने वर्ष 1995 में मुंबई के भाजपा महाधिवेशन में बतौर पार्टी अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने की घोषणा की। इस पर आडवाणीजी अपनी जीवनी में लिखते हैं, ''जो मैंने किया, वह कोई बलिदान नहीं। वह उस तर्कसंगत मूल्यांकन का परिणाम है कि क्या सही है और क्या पार्टी तथा राष्ट्र के सर्वोत्तम हित में है।'' यही विशेषताएं आडवाणीजी को भारत रत्न बनाती हैं।

(स्तंभकार हाल में प्रकाशित पुस्तक 'ट्रिस्ट विद अयोध्याः डिकोलोनाइजेशन आफ इंडिया' के लेखक हैं)

response@jagran.com

शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की चुनौती

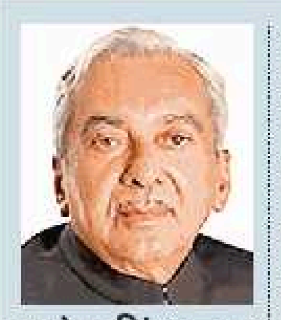

जगमोहन सिंह राजपूत

अनेक प्रकार के सुधारों के बाद भी सरकारी स्कूलों की साख अभी भी स्थापित होती नहीं दिख रही है

सुधर नहीं रहे सरकारी स्कूल। फाइल

पिछले दिनों एनुअल स्टेटस आफ एजुकेशन (असर) की रिपोर्ट की चर्चा देश भर में हुई। यह रिपोर्ट प्रथम नामक एनजीओ द्वारा 2005 के बाद लगभग प्रतिवर्ष देश के समक्ष आती रही है। इसके अनुसार ऊंची कक्षाओं में पहुंच चुके अधिकांश बच्चे भी कक्षा दो या तीन की गणित, भाषा या अन्य विषयों में अपेक्षित स्तर प्राप्त नहीं कर पाए हैं। स्पष्ट है कि कोई विद्यार्थी यदि कक्षा सात में पहुंच कर कक्षा तीन का गुणा-भाग नहीं सीख पाया है तो वह भले ही प्रति वर्ष सफल होता रहे, लेकिन कभी भी आत्मविश्वास युक्त एक ऐसा युवा नहीं बन पाएगा, जो अपेक्षित स्तर के कौशल तथा ज्ञान से युक्त होकर अपने कार्यस्थल पर गुणवत्तापूर्ण उत्तरदायित्व का निर्वहन कर सके। ग्रामीण क्षेत्रों में यह स्थिति पिछले अनेक दशकों से अत्यंत चिंताजनक रही है। इस वर्ष की असर की रिपोर्ट कहती है कि 14 से 18 वर्ष के लगभग 90 प्रतिशत बच्चे स्मार्टफोन का उपयोग करना जानते हैं। 43.7 प्रतिशत लड़कों के पास अपने स्मार्टफोन हैं, जबकि केवल 19.8 प्रतिशत लड़कियां ही इतनी भाग्यशाली हैं। यह भी अत्यंत निराशाजनक है कि 14 से 18 वर्ष के 21 प्रतिशत ग्रामीण बच्चे इस जिज्ञासा का कोई उत्तर नहीं दे सके कि वे आगे चलकर क्या बनना चाहते हैं और क्या करना चाहते हैं? सबसे अधिक 13 प्रतिशत ने पुलिस और 11.4 प्रतिशत ने अध्यापक बनने की इच्छा व्यक्त की।

अपने अनुभव के आधार पर मेरा निष्कर्ष पर यह है कि ग्रामीण क्षेत्र मे 14 से ऊपर के आयु वर्ग के युवाओं में निराशा धीरे-धीरे बढ़ने लगती है। जैसे-जैसे वे अपने आस-पास हो रही नियुक्तियों की प्रक्रिया को देखते हैं तो उन्हें लगने लगता है कि जो घोर प्रतिस्पर्धा उनके समक्ष आने वाली है, उसके लिए आवश्यक संसाधन और स्रोत जुटा पाना असंभव होगा। ऐसी स्थिति में यह वर्ग बड़ी अपेक्षाएं नहीं करता। उसे सबसे अधिक संभाव्य अध्यापक बनना प्रतीत होता है। इसमें आस-पास के इलाके में पद-स्थापना की संभवना अधिक होती है। नई शिक्षा नीति यह स्पष्ट करती है कि आगे के वर्षों में अध्यापकों की नियुक्तियां केवल नियमित आधार पर ही की जाएंगी। अस्थायी नियुक्तियों का चलन बंद किया जाएगा, क्योंकि इसमें गुणवत्ता नकारात्मक ढंग से प्रभावित होती है। राज्य सरकारें इस संस्तुति को कितनी प्राथमिकता देंगी, यह देखना होगा।

आज भारत उस दौर में पहुंच चुका है, जहां माता-पिता अपने लड़के-लड़कियों को समान रूप से शिक्षित करना चाहते हैं। उन्हें अब अच्छी गुणवत्ता और कौशल प्रदान करने वाली शिक्षा स्कूलों में चाहिए, पर अनेक प्रकार के सुधारों के बाद भी 1960 के पश्चात लगातार गिर रही सरकारी स्कूलों की साख अभी भी सुधार की दिशा में अग्रसर नहीं है। यह कड़वा सत्य है। इसे स्वीकार करने पर ही इन स्कूलों की साख और स्वीकार्यता बढ़ाने के प्रयास ईमानदारी से प्रारंभ हो सकेंगे। यदि लोगों के पास विकल्प के रूप में पूरी तरह से तैयार सरकारी स्कूल उपलब्ध हों तो वे वहीं अपने बच्चे भेजेंगे। भारत सरकार ने अभी पीएम श्री स्कूल योजना के अंतर्गत 14,500 स्कूल खोलने की प्रक्रिया प्रारंभ की है। पहले से भी देश में केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, मिलिट्री स्कूल, कस्तूरबा गांधी विद्यालय जैसे स्कूल स्थापित किए गए हैं, लेकिन इनकी संख्या सीमित होने के कारण ये सभी की पहुंच से दूर ही रह जाते हैं। पीएम श्री स्कूलों से अच्छे स्कूलों का देश भर में फैलाव बढ़ेगा। इसका असर अन्य स्कूलों पर भी पड़ेगा। राज्य सरकारें यदि स्कूलों के प्रति अपनी प्राथमिकता ऊंची करें और आवश्यक भौतिक तथा मानवीय संसाधन उपलब्ध कराने में कोताही न करें तो वे स्वयं भी पीएम श्री जैसे स्कूलों का अनुसरण करने की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं। उन्हीं देशों का भविष्य सुनहरा है, जहां ज्ञान-बुद्धि-विवेक की प्राथमिकता स्वीकार्य होगी और जो राष्ट्र नई पीढ़ी को इसके लिए तैयार करने में कोई कोताही नहीं करेंगे। भारत में अभी भी 50-60 प्रतिशत से अधिक स्कूल ऐसे हैं, जहां कई प्रकार की कमियां लंबे समय तक बनी रहती हैं। इनमें कुछ सुधार तो हुए हैं, लेकिन उन सुधारों की निरंतरता प्रायः शिथिल हो जाती है।

स्कूलों का समय से खुलना और प्रतिदिन वहां पर हर अध्यापक द्वारा अपना उत्तरदायित्व निष्ठापूर्वक निभाया जाना आज भी भारत में व्यवस्थित नहीं हो पाया है। इसमें तो आर्थिक संसाधनों की आवश्यकता नहीं है, लेकिन नैतिकता, अनुशासन तथा ईमानदार अधिकारियों की सख्त आवश्यकता है। ऐसा तब संभव होगा जब देश के शिक्षक दैनंदिन कार्य संस्कृति में नैतिकता, समय पर उत्तरदायित्व निर्वाह और समाज के प्रति कर्तव्य-समर्पण को उजागर करते रहें। प्रसिद्ध चिंतक और दार्शनिक गुन्नार मिर्डल ने बहुत पहले कहा था कि विकासशील देशों के लिए शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान गुणवत्तापूर्ण सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन के मुख्य स्रोत हैं। भारत को इस दिशा में बहुत बड़े प्रयास करने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने इस संबंध में चिंता व्यक्त की है और अपेक्षा की है कि आगे चलकर अध्यापक प्रशिक्षित करने की प्रक्रिया में बड़े सुधार किए जाएंगे। इसे युद्ध-स्तर पर करना होगा, क्योंकि एक अपूर्ण अध्यापक हजारों बच्चों के जीवन में नकारात्मक प्रवृत्तियां सम्मिलित कर सकता है। शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों को नैतिक मूल्यों, नैतिकता-आधारित प्रबंधन और समर्पित कार्य संस्कृति के अनुकरणीय स्थल के रूप में अपने को विकसित करना होगा। यह करना ही होगा, कोई अन्य विकल्प है ही नहीं।

(लेखक शिक्षा, सामाजिक सद्भाव और पंथक समरसता के क्षेत्र में कार्यरत हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

सुगंधित जीवन

पृथ्वी पर मनुष्य अन्य जीवों में सर्वश्रेष्ठ इसलिए है, क्योंकि उसके पास तन-मन के अलावा मनन की भी शक्ति है। जबकि अन्य जीवों के पास तन-मन तो है, पर मनन की क्षमता नहीं है। मनुष्य ही अच्छे-बुरे में फर्क करना तथा उसके परिणामों के बारे में जानता है। अच्छा कर्म करेगा तो वह सिर उठा कर जीवन जीएगा। उसका आत्मबल सशक्त होगा तथा किसी से आंख में आंख मिलाकर बात कर सकेगा, क्योंकि गलत कामों में लिप्त व्यक्ति का आत्मविश्वास सबसे पहले कमजोर होता है। वह अपनी गलतियों को छुपाने में ही लगा रहता है। संसार में सभी मनुष्यों की संरचना एक जैसी होती है। थोड़ा-बहुत रंग-रूप आदि छोड़ दिए जाएं तो सभी के जीने का तरीका एक जैसा ही रहता है। सभी जीने के लिए प्रकृति से आक्सीजन लेते हैं, भोजन के लिए आहार लेते हैं, प्यास बुझाने के लिए जल पीते हैं और वस्त्र पहनते हैं। शरीर संचालन की प्रक्रिया भी एक जैसी ही होती है, लेकिन चिंतन के धरातल पर सभी का स्तर अलग-अलग होता है। आनंद सभी जीवों की प्रवृत्ति इसलिए है, क्योंकि हर जीव आनंद से निर्मित हुआ है।

जब यह निश्चित है कि बिना आनंद के जीवन जीना मुश्किल हो जाएगा तो चिंतनशील मनुष्य को चाहिए कि वह आनंद की आबोहवा में सांस लेने का उपक्रम भी करे। इसके लिए खुद या अपने परिजनों के आनंद तथा सुख के लिए जो भाव मन में रखता है, उसका विस्तार करे। वह यह सोचे कि जिस तरह सुख का जीवन वह जीना चाहता है, वैसे ही तो परिवार तथा रिश्ते के लोग भी जीना चाहते होंगे। इस तरह वह देखेगा कि अभी तक उसका जो संकीर्ण-सोच था और जिस तरह का जीवन जी रहा था, उसमें कितना बदलाव आ गया। व्यक्ति दूसरों को खुशी का इत्र लगाएगा तो उसकी भी अंगुलियां सुगंधित हो जाएंगी।

सलिल पांडेय

महिलाओं को सवेतन मातृत्व अवकाश

सुनीता मिश्रा

सड़क निर्माण में कार्य करने वाली महिलाओं को सवेतन मातृत्व अवकाश देने का निर्णय सराहनीय है

केंद्र सरकार ने कार्यबल में आधी आबादी की भागीदारी बढ़ाने के लिए सड़क निर्माण करने वाली पंजीकृत महिला कर्मियों को दो प्रसूतियों के लिए 26 हफ्तों का सवेतन मातृत्व अवकाश देने की घोषणा की है। इसके तहत कंपनियों को लैंगिक समानता, महिलाओं को सशक्त बनाने और कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए उन्हें आनलाइन भुगतान सुनिश्चित करना होगा ताकि उनका सुपरवाइजर उनके वेतन में कटौती न कर सके।

महिलाएं समाज का एक अहम हिस्सा हैं। वर्तमान में वे घर को आर्थिक रूप से मजबूत करने के साथ समाज और राष्ट्र के निर्माण में अहम योगदान दे रही हैं। विज्ञान, तकनीक और शोध अनुसंधान के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी ने इस धारणा को तोड़ दिया है कि वे चुनौती भरे कार्यों को अंजाम देने में समर्थ नहीं हैं। सूर्य और चंद्रयान मिशन में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका ने पूरी दुनिया में भारत को गौरवान्वित किया है। खेल जगत से लेकर मनोरंजन तक और राजनीति से लेकर सेना एवं रक्षा मंत्रालय तक में महिलाएं न केवल शामिल हैं, बल्कि वे हर क्षेत्र में आगे आकर नेतृत्व कर रही हैं। कामकाजी महिलाओं द्वारा अपनी जिम्मेदारियों को निभाते हुए कभी-कभी नवजात शिशु के साथ अन्याय हो जाता है। उन्हें बच्चों की परवरिश में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए मोदी सरकार ने 12 सप्ताह का मातृत्व अवकाश बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दिया, जो मां और शिशु दोनों के लिए लाभदायक है। सरकार ने मार्च 2018 में मातृत्व लाभ (संशोधन) कानून, 2017 अधिसूचित किया था। इसके तहत 50 या उससे अधिक कर्मचारियों वाले प्रत्येक संस्थान के लिए यह अनिवार्य किया गया था कि उनके पास निर्धारित दूरी के भीतर पालना घर हो।

प्रत्येक कामकाजी महिला अपने काम के साथ बच्चे को भी पूरा वक्त देना चाहती है। ऐसे में मातृत्व अवकाश उसके लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इस दौरान मिल रहे वेतन से वह अपने परिवार और बच्चे दोनों की जरूरतों को भी पूरा कर पाती है। यह तो हम सभी जानते हैं कि बेहतर स्वास्थ्य से बेहतर भविष्य जुड़ा है और बेहतर भविष्य तभी होगा जब हम आर्थिक रूप से मजबूत होंगे। यह बात भी किसी से छिपी नहीं है कि सड़क निर्माण करने वाली महिला कर्मियों की आर्थिक स्थिति बेहद खराब रहती है। वर्तमान में देश में महिला श्रम बल की भागीदारी 37 प्रतिशत है। इस दिशा में सड़क निर्माण में कार्य करने वाली महिलाओं को सवेतन मातृत्व अवकाश देने का निर्णय सराहनीय है। इससे सड़क निर्माण करने वाली हजारों महिला कर्मचारियों, उनके बच्चों को लाभ मिलेगा और वे उनके भविष्य को लेकर बिल्कुल भी चिंतित नहीं रहेंगी।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मेलबाक्स

आधारहीन विश्लेषण

'गणतांत्रिक मूल्यों से भटकता भारत' शीर्षक से लिखे अपने आलेख में कपिल सिब्बल ने कहा है कि एक धार्मिक आयोजन में प्रधानमंत्री की सहभागिता से हमारे गणतंत्र के स्वरूप में व्यापक परिवर्तन हुआ है। उन्हें पाठकों को बताना चाहिए कि हमारे संविधान की मूल प्रति में गणतांत्रिक मूल्यों की वैधानिक परिभाषा कहां दी गई है। कपिल सिब्बल के लिए संविधान एक लिखित कानून के बजाय एक विचार है। उनके अनुसार पहला विचार समानता का है, लेकिन देखा जाए तो हमारे यहां कभी भी समानता मौजूद नहीं रही, क्योंकि हमारे पास एक राष्ट्र, एक कानून नहीं हैं। सनातन समाज को सामान्य, एससी, एसटी, ओबीसी में विभाजित और खंडित किया है, जबकि 35 करोड़ मुस्लिम अल्पसंख्यक हैं। लेखक के अनुसार दूसरा विचार सेक्युलरिज्म का है। देखा जाए तो सेक्युलरिज्म शब्द स्वयं असंवैधानिक है। इसे आपातकाल के दौरान बिना लोकसभा और राज्यसभा की सहमति से संविधान में जोड़ा गया। कपिल सिब्बल ने यह भी लिखा है कि सरकार इन दिनों धार्मिक मामलों में भागीदार बन रही है, लेकिन उन्होंने उन धार्मिक मामलों की सूची नहीं पेश की है। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार किसी देश की आबादी को अल्पसंख्यक दर्जा तभी मिलना चाहिए जब कुल जनसंख्या में उसकी हिस्सेदारी पांच प्रतिशत से कम हो, लेकिन भारत में 35 प्रतिशत आबादी मुस्लिम है, फिर भी वह अल्पसंख्यक है। आखिर क्यों? लेखक की मानें तो सरकारी मशीनरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह मनाने का आदेश दिया गया, लेकिन उन्होंने आलेख में कहीं भी इस संबंध में जारी सरकारी परिपत्र, आदेश संख्या और अधिसूचना का कोई विवरण नहीं दिया है। वह आगे लिखते हैं कि पीएम मोदी के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होने से संवैधानिक संस्कृति को नुकसान पहुंचा है। लेखक को बताना चाहिए कि संविधान के अनुसार संवैधानिक संस्कृति क्या है? वह राजनीति के चरित्र की भी बात कर रहे हैं। पाठक उनसे राजनीति के चरित्र की नियम-पुस्तिका के बारे में जानना चाहते हैं, जिसका पालन हर राजनीतिक दल करें। पूरे आलेख को पढ़कर लगता है कि कपिल सिब्बल यह देखकर दुखी हो गए हैं कि पूरे विश्व ने 22 जनवरी को जन्म प्रमाण पत्र मांगे बिना श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम मनाया।

विवेक शुक्ल, vivekmoser@gmail.com

महिला सशक्तीकरण से देश होगा मजबूत

समृति इरानी का आलेख' महिला सशक्तीकरण को समर्पित सरकार' अत्यंत सटीक है। वैसे तो मोदी सरकार का मूलमंत्र रहा है सबका साथ, सबका विकास, लेकिन महिलाओं के उत्थान, कल्याण के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्य किए हैं। यह सार्वभौमिक सत्य है कि महिलाओं के सशक्तीकरण से परिवार, समाज और पूरे देश का सशक्तीकरण होता है। आज अंतरिक्ष, नभ, थल, जल के हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी पहले की अपेक्षा अत्यधिक बढ़ी है। तकनीक और इंजीनियरिंग में पहले बेटियों की भागीदारी अत्यंत ही कम थी, लेकिन धीरे धीरे यह बढ़ रही है। आज की स्थिति तो बेहद उत्साहवर्धक है। उदाहरण के तौर पर सांइस, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित स्नातकों में महिलाओं की भागीदारी 43 प्रतिशत है, जो अनेक विकसित देशों से भी अधिक है। महिलाओं के कल्याण के लिए सरकार ने अंत्योदय के सिद्धांत को अपनाया है। सबसे गरीब महिलाओं के लिए लगभग 12 करोड़ शौचालय निर्माण, 10 करोड़ से अधिक गैस कनेक्शन, मुद्रा लोन आदि भी उपलब्ध कराए हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाओं और आशा कार्यकर्ताओं को आयुष्मान भारत योजना के दायरे में लाया जा रहा है। तीन करोड़ महिलाओं को विभिन्न प्रकार की सहायता प्रदान करके लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है। तीनों सेनाओं में हर पद पर स्थायी कमीशन की राह खोल दी गई है। यहां तक कि खेलों में भी बेटियां हिस्सा ले रही हैं और पुरुषों से अधिक पदक जीत रही हैं। शूटिंग और बाक्सिग में तो महिलाएं कमाल कर रही हैं।

सीपी बंसल, दिल्ली

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।
अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: mailbox@jagran.com

संस्थापक- स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक- स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन- महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक- संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

****

30 प्रतिशत एमएसएमई क्षेत्र से आता है भारत में समूचे औद्योगिक उत्पादन का, जबकि निर्यात में इनका योगदान लगभग 40 प्रतिशत है।

प्रदीप
विज्ञान संचारक

न्यूरालिंक चिप

संभावनाएं अपार, किंतु दुरुपयोग की आशंका

विश्व के अमीर कारोबारियों में शामिल एलन मस्क बहुत पहले से मनुष्य और मशीनों के बीच तालमेल बढ़ाने तथा मानवीय क्षमताओं को मौलिक रूप से बढ़ाने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग की वकालत करते रहे हैं। मस्क ने हाल ही में घोषणा की है कि उनकी कंपनी 'न्यूरालिंक' ने पहली बार अपने ब्रेन चिप या ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस को एक मनुष्य के दिमाग में सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित (इंप्लांट) किया है। हालांकि इसके बाद की चुनौतियों का अभी पूर्ण आकलन नहीं हो पाया है, लिहाजा इसके दुरुपयोग से जुड़ी चिंताओं पर भी ध्यान देना होगा

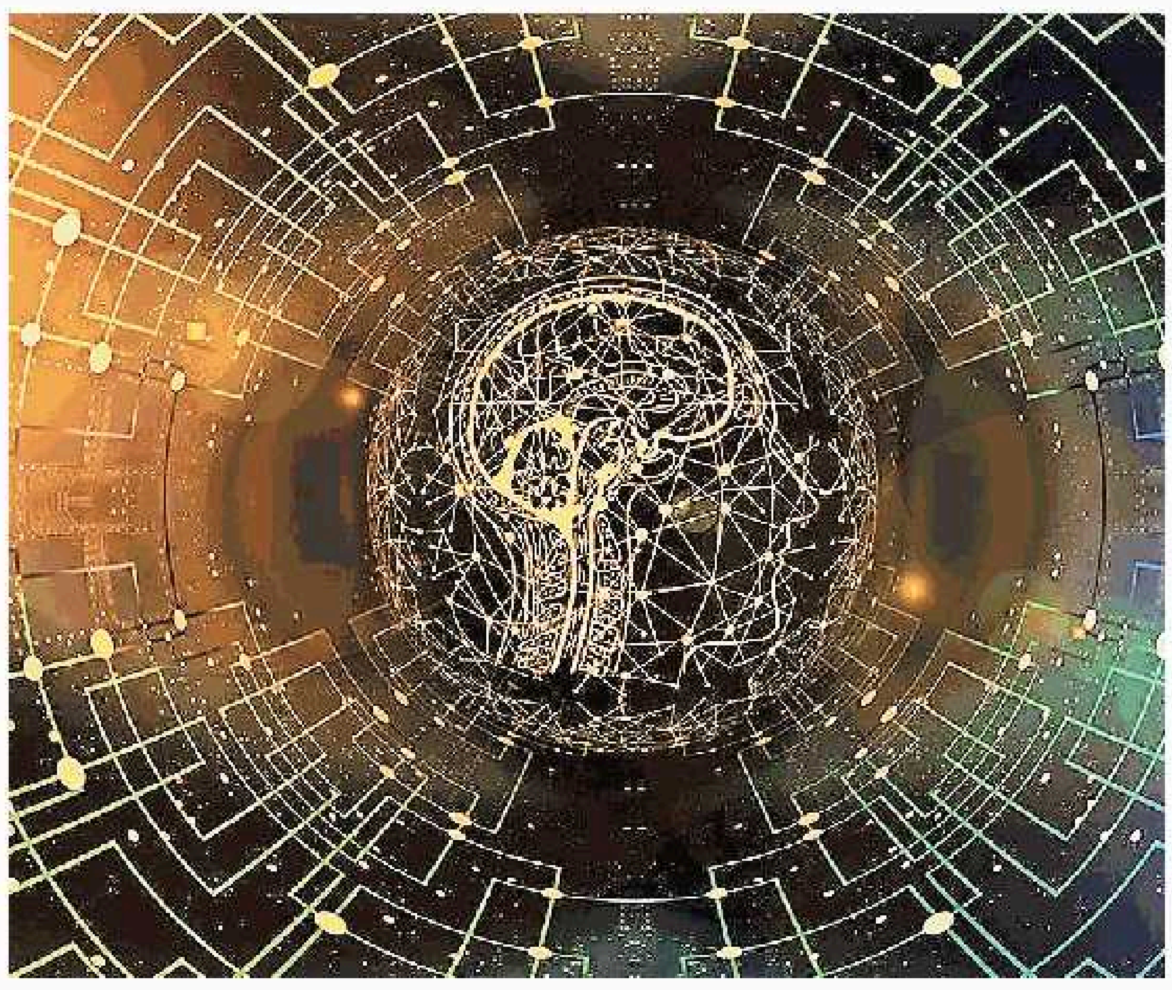

चिप के माध्यम से मानव मस्तिष्क को नियंत्रित करने में मिली है आरंभिक सफलता। प्रतीकात्मक

एलन मस्क ने न्यूरालिंक चिप के बारे में इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, 'प्रारंभिक नतीजे उत्साह बढ़ाने वाले हैं और ये न्यूरान स्पाइक का पता लगाने की उम्मीद जगाते दिखते हैं।' दरअसल न्यूरान स्पाइक वे विद्युत संकेत होते हैं, जिससे न्यूरान आपस में संपर्क स्थापित करते हैं। मस्क ने इसके बाद लिखा, 'न्यूरालिंक के पहले उत्पाद को टेलीपैथी के नाम से जाना जाएगा। इस कंपनी का दावा है कि ब्रेन चिप इंप्लांट का प्राथमिक उद्देश्य दृष्टिहीनता, बहरेपन, टिटनेस, मस्तिष्क आघात या जन्मजात न्यूरोलाजिकल विकारों से ग्रस्त रोगियों के जीवन को आसान बनाना है। ब्रेन चिप इंप्लांट केवल सोचने मात्र से आपके मोबाइल या कंप्यूटर और उनके माध्यम से लगभग किसी भी डिवाइस के नियंत्रण को सक्षम बना देता है। इसके आरंभिक उपयोगकर्ता वे दिव्यांग होंगे, जिनके अंगों ने काम करना बंद कर दिया है।

अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने मई 2023 में न्यूरालिंक को मानव परीक्षण के लिए मंजूरी दी थी। इसके बाद सितंबर में कंपनी ने घोषणा की थी कि वह अपने शुरुआती परीक्षण के लिए उपयुक्त लोगों की तलाश कर रही है। इसलिए मनुष्य में चिप इंप्लांट की हालिया घोषणा ने तंत्रिका विज्ञानियों (न्यूरोसाइंटिस्ट्स) को आश्चर्यचकित नहीं किया, उनके लिए यह खबर काफी हद तक अपेक्षित ही थी। यह कल्पना ही बड़ी रोमांचक लगती है कि हमारे दिमाग में एक चिप इंप्लांट कर दिया जाए तथा हम हाथ-पैर हिलाए बिना बस पड़े रहें और हमारे सोचने भर से ही मोबाइल, कंप्यूटर, टीवी जैसे डिवाइसेज काम करने लगें। इंसानी दिमाग में चिप इंप्लांट की खबर के साथ यह कल्पना अब वास्तविकता का रूप लेने की ओर अग्रसर है। अगर न्यूरालिंक का यह प्रयोग पूरी तरह सफल हुआ तो चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में क्रांति आ जाएगी।

वर्ष 2016 में मस्क ने कुछ विज्ञानियों और इंजीनियरों के साथ मिलकर न्यूरालिंक कंपनी की स्थापना की थी। इस कंपनी का उद्देश्य ऐसी ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस तकनीकों का अविष्कार करना है, जिससे मनुष्य अपने दिमाग को सीधे कंप्यूटर से जोड़ सके। लंबे समय से विज्ञानियों की यह मान्यता रही है कि मानव मस्तिष्क को सीधे कंप्यूटर से जोड़ने से मस्तिष्क के जटिल रहस्यों को समझा जा सकता है और शारीरिक व मानसिक रोगों से पीड़ित मरीजों को नया जीवन मिल सकता है। इसका सबसे अधिक लाभ उन लोगों को मिल सकता है, जो किसी वजह से अपने हाथ-पांव नहीं चला सकते और अपने मन में चल रही बातों को व्यक्त नहीं कर पाते। इससे मोबाइल, कंप्यूटर, टीवी आदि को चलाने या नियंत्रित करने के लिए हाथ-पांव हिलाने की जरूरत नहीं रह जाएगी और मूक-बधिर भी मशीनों के माध्यम से अपनी भावनाओं को व्यक्त कर सकेंगे तथा बाहरी दुनिया से संवाद कर सकेंगे।

दिसंबर 2022 में एक वेब शो के दौरान मस्क ने न्यूरालिंक की सफलताओं और उपलब्धियों को सार्वजनिक करते हुए कहा था कि कंपनी द्वारा निर्मित ब्रेन चिप को मानव परीक्षण के बाद वह स्वयं डेमो के तौर पर अपने दिमाग में इंप्लांट करवाएंगे। इस वेब शो में एक वीडियो भी प्रदर्शित किया गया था, जिसमें एक बंदर अपने हाथों का उपयोग किए बिना अपने दिमाग की मदद से टाइपिंग करता दिखाई दे रहा था। इस वीडियो को रिकार्ड करने से छह सप्ताह पहले बंदर के दिमाग के भीतर एक ब्रेन चिप इंप्लांट किया गया था। यह चिप कंप्यूटर या स्मार्टफोन और दिमाग के बीच एक इंटरफेस का काम कर रहा था। इससे भविष्य में हम सोचने भर से ही मशीनों को संचालित कर सकेंगे। ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस जैसी तकनीकों का मुख्य उद्देश्य चिकित्सा ही है, मसलन लकवाग्रस्त लोगों के लिए ऐसी सुविधा उपलब्ध करना जिससे वे सोचने भर से अपने जरूरी काम कर सकें। इसके समर्थक कहते हैं कि याददाश्त घटने, बहरापन, नेत्रहीनता, अवसाद, पार्किंसन, मिर्गी और नींद न आने जैसी परेशानियां भी इस तकनीक से दूर की जा सकती हैं।

एलन मस्क के अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) पर मनुष्य की श्रेष्ठता स्थापित करने के लिए ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस बहुत जरूरी है और न्यूरालिंक इसे विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उनके शब्दों में, 'लंबी अवधि में इस तकनीक का प्रयोग एआइ से हमारे अस्तित्व संबंधी खतरे को दूर करने में किया जाएगा।' संभवतः यहां मस्क हालीवुड फिल्म 'द मैट्रिक्स' की ओर संकेत कर रहे थे, जिसमें एआइ से लैस कंप्यूटर प्रोग्राम पूरी दुनिया पर कब्जा कर लेता है और इंसान अपने दिमाग में ऐसा ही कोई यंत्र इंप्लांट करके दिमागी स्तर पर उस कंप्यूटर प्रोग्राम से लड़ते हैं और एआइ पर जीत हासिल करते हैं।

ऐसा हो सकता है कि ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस की सहायता से मनुष्य स्वयं को अपग्रेड कर सके, लेकिन यह भी हो सकता है कि इस टेक्नोलाजी के चलते वह किसी बड़े खतरे में पड़ जाए? क्या होगा अगर ब्लूटूथ टेक्नोलाजी से संचालित किसी के ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस को हैक कर लिया जाए? ताकतवर लोग इसका गलत उपयोग भी कर सकते हैं। बड़ा सवाल यह होगा कि मानव मस्तिष्क का नियंत्रण कंप्यूटर से होगा या फिर कंप्यूटर ही दिमाग को चलाएगा? अगर कंप्यूटर ही दिमाग को नियंत्रित करेगा तो 21वीं सदी में वैश्वीकरण और मशीनीकरण के विस्तार के साथ शताब्दियों से चली आ रही मनुष्य की बल और बुद्धि की श्रेष्ठता के खत्म हो जाने का खतरा मंडराने लगेगा। इतना ही नहीं, डर यह भी है कि इससे किसी इंसान की याददाश्त का कोई खास हिस्सा मिटाकर या जोड़कर उसे अपने लाभ के लिए उपयोग किया जा सकेगा। इसके अलावा सबसे बड़ा डर प्राइवेसी (निजता) का है, क्योंकि यह किसी के दिमाग की सभी जानकारियों, समस्त अनुभवों, यहां तक कि सारी निजी बातें इकट्ठी करके एक चिप में डाल देने जैसा है।

बहरहाल, कोई चिप दिमाग की मदद के नाम पर देह और दिमाग दोनों को नियंत्रित करे, इस बात से पूरी दुनिया के विज्ञानी और दर्शनशास्त्री दोनों ही चिंतित हैं। अगर हम इसके दुरुपयोग की आशंकाओं और चुनौतियों को दूर या कम करने में सक्षम हो सके तो निश्चित रूप से भविष्य में न्यूरालिंक चिप दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए वरदान साबित हो सकती है।

चिप के माध्यम से वाहनों पर नियंत्रण

प्रमोद भार्गव

दुनिया के अमीर उद्योगपतियों में गिने जाने वाले एलन मस्क द्वारा न्यूरालिंक चिप को प्रभावी बनाने की दिशा में आगे बढ़ने के समाचार सामने आने के बाद इस प्रकार के अनेक अन्य चिप पर भी काम हो रहे हैं। इस प्रकार के चिप निश्चित रूप से दिव्यांगों के लिए लाभकारी हो सकते हैं, परंतु इससे जुड़े अनेक जोखिम भी सामने आ सकते हैं। अचरज लगेगा जब आप सोचें कि कार की खिड़कियां खोलनी हैं और बस सोचते ही खिड़कियां खुल भी जाएं या फिर बंद हो जाएं। जिस गंतव्य पर आप जाना चाहते हैं, कार उसी दिशा और उसी मंजिल की ओर चलने लग जाए। बिना कुछ शारीरिक श्रम किए ही आप टीवी और मोबाइल आदि से अपने आवश्यक कार्य केवल सोचकर और कमांड देकर निपटा सकते हैं। अभी तक किस्सों, कहानियों में हमने इन अचरजों को पढ़ा है या फिर फिल्मों में देखा है। हमारे प्राचीन ग्रंथों रामायण, महाभारत और पुराण कथाओं में भी हमने विमानों को इच्छानुसार चलते देखा है। लेकिन मिथकीय गल्प समझी जाने वाली इन आश्चर्यजनक कथाओं को अब यूरोप की सबसे बड़ी कार कंपनी मर्सिडीज ने वास्तविकता में बदल दिया है। जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित यूरोप के सबसे बड़े आटो शो आइएए में वियरेबल ब्रेन कंप्यूटर तकनीक से इन कल्पनाओं को दृश्य रूप में बदलते दिखाया गया है। भविष्य में सोच के विज्ञान से चलने वाली ये सभी सुविधाएं मर्सिडीज कारों में मिलने जा रही हैं। इन कारों के सारे क्रियाकलाप केवल सोच से नियंत्रित होंगे। उपयोगकर्ता को 'वियरेबल ब्रेन कंप्यूटर इंटरफेस' पहनना जरूरी होगा और कार चलाते समय डिजिटल डैशबोर्ड में लगे सेंसर पर फोकस करना होगा। कार की कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक चालक की दिमागी तरंगों का विश्लेषण करके पता कर लेंगी कि आपकी मंशा क्या है। बस इसे पकड़ते ही डैशबोर्ड को कमांड मिल जाएगा और कार फीड किए रास्ते पर चल पड़ेगी।

सोचने से चलेंगे मोबाइल एवं कंप्यूटर : आपने संध्या के समय यह सोचा होगा कि कल सुबह चार बजे जागना है। परंतु सोते समय आप भूल गए और बिना अलार्म लगाए ही सो गए और सुबह ठीक चार बजे फोन का अलार्म बजने लगा। इतना ही नहीं, कार्यालय से घर आते समय रास्ते में यदि आपको यह याद आया कि किसी व्यक्ति को एक जरूरी ईमेल भेजना भूल गए, लेकिन जब आप इसी काम के लिए ईमेल खोलेंगे तो पाएंगे कि उन्हें तो ईमेल भेजा जा चुका है। यह कैसे हो रहा है? आप जो भी काम सोच रहे हों, बिना कोई कमांड दिए वह सब काम हो कैसे रहा है? यहां हम किसी फिल्म का सीन नहीं बता रहे, बल्कि अगले कुछ वर्षों में मानव जीवनशैली की झलकियां दे रहे हैं। वस्तुतः ब्रेन कंप्यूटर इंटरफेस (बीसीआइ) एक ऐसी प्रणाली है, जो दो विषय क्षेत्रों के बिंदुओं में समन्वय स्थापित करती है। अर्थात सूचना प्रदाता (कंप्यूटर प्रोग्राम और सूचना प्रयोक्ता यानी कंप्यूटर रिसीवर) का संबंध इंटरफेस पर परस्पर जुड़ जाता है। परिणामस्वरूप इस प्रणाली के माध्यम से संचार का सीधा मार्ग खुल जाता है। इस बीसीआई पद्धति का प्रयोग मानव संज्ञानात्मक या संवेदी मोटरकार पर तेजी से किया जा रहा है। हालांकि इसके पहले इस पद्धति का परीक्षण चूहों और बंदरों में भी सफलतापूर्वक हो चुका है। उम्मीद की जा रही है कि मनुष्य की अधिकांश गतिविधियों में इस तकनीक का उपयोग संभव हो सकेगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

खरी-खरी

क्या किया आपने देश के लिए...

केदार शर्मा 'निरीह'

'अनगिनत शहीदों ने अपने प्राणों की बलि दी। अथक संघर्ष किया, तब जाकर यह आजादी हासिल हुई है। हमारी संस्कृति और हमारी विरासत पर हमें गर्व है।' मुख्य अतिथि के रूप में नेताजी मंच से बोल रहे थे। बाहर निकलते ही मैंने पूछ लिया, 'सर, हमारी रुचि यह जानने में है कि आपने क्या किया देश के लिए?' वह बोले, 'मैं अपने हर कार्यक्रम में देशभक्तों पर भाषण देकर नई पीढ़ी को प्रेरित करता हूं, यह क्या कम देश सेवा है?'

पास ही के एक मंदिर में पंडितजी भगवान की लीलाओं का वर्णन कर रहे थे। भगवान राम और कृष्ण ने क्या किया, इसका स्मरण करा रहे थे। कथा के उपरांत एकांत में मैंने उनसे पूछा, 'भगवान राम और कृष्ण जैसे अवतारों की लीलाओं के कारण ही तो भारत को पूरी दुनिया में जगद्गुरु माना जाता था। पर हमारी रुचि यह जानने में है कि भारत फिर से जगद्गुरु बने, इसके लिए आप क्या कर रहे हैं?' उन्होंने घूरकर देखा, फिर बोले, 'दिखता नहीं क्या, हम कथा के माध्यम से उनकी लीलाओं से लोगों को परिचित करा रहे हैं, यह कम काम है क्या?'

वहीं एक कालेज में इतिहास के प्रोफेसर ईसा पूर्व से लेकर ईसा के बाद अब तक के इतिहास का वर्णन कर रहे थे। शासकों की वीरता का बखान कर रहे थे। बाहर निकलते ही मैंने पूछ लिया, 'सर, इतिहास के उन महापुरुषों ने तो बहुत कुछ किया, पर भावी इतिहास बनाने के लिए आप क्या कर रहे हैं?' वह गंभीर हो गए, बोले, 'मैं विद्यार्थियों को इन सब की जानकारी दे रहा हूं, ताकि ये भी इस जानकारी को अगली पीढ़ियों तक प्रेषित कर सकें।'

अगले ही दिन सुबह के समय मैं समाचार पत्र पढ़ रहा था। वह अपराध और हत्या आदि की खबरों से भरा पड़ा था। तभी वे तीनों एकसाथ घर पर आ धमके और मुझ पर प्रश्न दाग दिया, 'महोदय, आखिर आपने क्या किया देश के लिए?' मैं इस प्रश्न पर हड़बड़ा गया, 'देखिए, फिलहाल तो मैं लोगों से यही सब जानने का प्रयास कर रहा हूं और उन्हें लिख रहा हूं। पाठकों से भी यही पूछ रहा हूं। शायद वे कुछ करते हों?'

पोस्ट

जसप्रीत बुमराह बहुत ही खास क्रिकेटर हैं। उनकी यार्कर लोग बार-बार देखेंगे।
इरफान पठान@IrfanPathan

पेटीएम ही नहीं, जेट एयरवेज और बायजूस जैसी कंपनियां, जो एक समय निवेशकों की पहली पसंद थीं, स्टाक मार्केट में जिनका दबदबा था, वे आज मुश्किल में हैं। कारण क्या है? किसी भी तरह बड़ा होने की चाहत, रिटर्न के लिए निवेशकों का दबाव या कमजोर कारपोरेट गवर्नेंस?
मारिया शकील@maryashakil

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, सीमा पार आतंकवाद, तुष्टीकरण, छद्म पंथनिरपेक्षता। ये चारों शब्द लालकृष्ण आडवाणी की ही देन हैं। भाजपा नेता अपने संबोधनों में इन्हीं शब्दों का प्रयोग करते रहे हैं।
नवनीत मिश्र@navneetmishra99

सिर्फ सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से काम नहीं चलेगा। चंडीगढ़ मेयर चुनाव निरस्त होना चाहिए और पीठासीन अधिकारी को जेल होनी चाहिए। तभी लोकतंत्र बचेगा।
शिवराज यादव@shivayadav87

फर्जी वादे, भ्रष्टाचार, बेलगाम आरोप-प्रत्यारोप के बीच नैतिकता की राजनीति आज एक दिव्य स्वप्न लगती है।
डा. मुनीश कुमार रायजादा@DrMunishRaizada

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या यूपी में सपा व कांग्रेस मिलकर भाजपा के लिए कड़ी चुनौती प्रस्तुत कर सकेंगी?

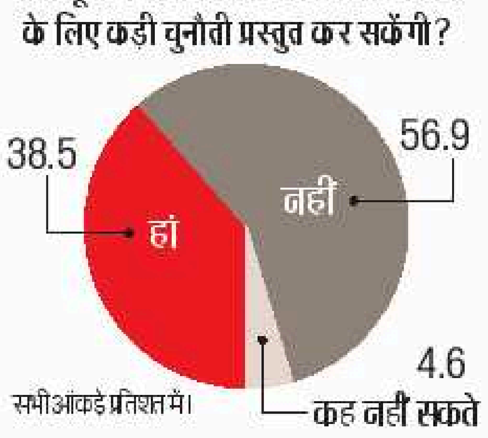

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

उत्तराखंड की तरह अन्य राज्यों को भी समान नागरिक संहिता के लिए प्रयास करना चाहिए?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

चम्पाई चाचा दिए धुआंधार वक्तव्य,
चित्रण श्री हेमंत का किया उन्होंने भव्य।
किया उन्होंने भव्य वाह री! खिदमतदारी,
पूज्यनीय हैं आज देश में भ्रष्टाचारी!
जो लिख दे नेपथ्य वही जाएगा बांचा,
किये बस यही काम आज चम्पाई चाचा!!
- ओमप्रकाश तिवारी

जयकृष्ण वाजपेयी
राज्य ब्यूरो प्रमुख, बंगाल

बंगाल डायरी

40 सीटों वाली भविष्यवाणी के मायने

बंगाल में तृणमूल और कांग्रेस के बीच लोकसभा चुनाव में समझौता होना असंभव सा लग रहा है। जिस तरह से राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के बंगाल पहुंचने के बाद से मुख्यमंत्री व तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी आक्रामक हैं और लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के 40 सीटें भी जीतने पर संदेह जताया है, उसके बड़े मायने हैं। ममता की 40 सीटों वाली भविष्यवाणी और कांग्रेस के खिलाफ आक्रामक तेवर के निहितार्थ को समझें तो साफ हो जाता है कि राहुल गांधी की बंगाल के मुस्लिम बहुल इलाकों में न्याय यात्रा निकालने से उन्हें अपने सबसे बड़े वोट बैंक के खिसकने का डर सता रहा है। तृणमूल सुप्रीमो पिछले कुछ समय से कह रही थीं कि 'आइएनडीआइए' पूरे देश के लिए है और बंगाल में तृणमूल अकेले भाजपा को हराने में सक्षम है। वह कांग्रेस के लिए बंगाल में दो सीटें छोड़ने को तैयार थीं, लेकिन जब राहुल गांधी की ओर से 10 सीटें मांगी गई तो उन्होंने दो-टूक कह दिया कि तृणमूल एक भी सीट नहीं छोड़ेगी। यही नहीं, जैसे ही असम से 'न्याय यात्रा' ने बंगाल में प्रवेश किया तो ममता के तेवर और तीखे हो गए।

बंगाल के जिन-जिन जिलों से न्याय यात्रा निकली, वहां राहुल गांधी से पहले या उसके बाद ममता ने वहां प्रशासनिक बैठक से लेकर पैदल यात्रा और सभाएं भी कीं एवं भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस-माकपा के विरुद्ध भी बयान दिया। असम से कूचबिहार होते हुए न्याय यात्रा बंगाल पहुंची थी। राहुल की न्याय यात्रा उन्हीं इलाकों से होकर गुजरी, जहां मुस्लिम आबादी सर्वाधिक है। राज्य में 32 प्रतिशत से अधिक मुस्लिम जनसंख्या है। परंपरागत तौर पर राज्य में पहले मुस्लिम वोट बैंक माकपा-नीत वाममोर्चा के साथ था, परंतु 2006 से 2008 के बीच कई ऐसी घटनाएं हुईं, जिससे मुस्लिम नाराज होकर ममता के साथ चले गए और वाममोर्चा का 34 वर्षों के शासन का अंत हो गया। पिछले 10 वर्षों से हर चुनाव में मुस्लिम वोट तृणमूल के साथ रहा है। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में तो मुस्लिमों का एकतरफा वोट तृणमूल के खाते में गया। इसी का परिणाम रहा कि फुरफुराशरीफ के पीरजादा अब्बास सिद्दीकी की पार्टी इंडियन सेक्युलर फ्रंट से तालमेल करने के बावजूद माकपा और कांग्रेस का खाता तक नहीं खुला।

शुक्रवार को धरना के दौरान ममता बनर्जी। फाइल

मुसलमानों के ममता की ओर झुकाव के कई कारण हैं। वर्ष 2011 में सत्ता में आने के बाद से उन्होंने मुस्लिमों को साथ रखने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है। इमामों-मुअज्जिनों को भत्ता से लेकर वेलफेयर बोर्ड, मदरसों को अनुदान समेत कई कदम उठाए हैं। ममता पर मुस्लिम तुष्टीकरण के आरोप लगते रहे हैं। ममता ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के मुद्दों पर भी मोर्चा खोल रखा है। हालांकि 2019 में मुस्लिम वोट का एक हिस्सा माकपा-कांग्रेस में बंट जाने से 2014 में 34 सीटें जीतने वाली तृणमूल 2019 के लोकसभा चुनाव में 22 पर आ गई थीं और भाजपा 18 सीटें जीत गई। वहीं पिछले वर्ष मुर्शिदाबाद जिले के सागरदिघी विधानसभा उपचुनाव में माकपा समर्थित कांग्रेस उम्मीदवार की जीत ने भी ममता के कान खड़े कर दिए थे। यह सीट उसी मुर्शिदाबाद जिले में है, जहां 75 प्रतिशत से अधिक मुस्लिम आबादी है, जो प्रदेश में सबसे ज्यादा है। इस नतीजे का यह संदेश निकला कि मुसलमान मौका पाने पर ममता का साथ छोड़ भी सकते हैं। पिछले वर्ष कर्नाटक और तेलंगाना के विधानसभा चुनावों में मुस्लिम वोट कांग्रेस को मिला और दोनों राज्यों में उसकी सरकार बन गई तो कांग्रेस नेतृत्व को लोकसभा चुनाव में मुस्लिम वोट लौटने की उम्मीद जग गई है। शायद इन्हीं कारणों से आमंत्रण के बावजूद अयोध्या के राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से कांग्रेस नेताओं ने दूरी बना ली। वहीं अन्य विपक्षी दलों की तरह तृणमूल भी दूर रही।

मुस्लिम वोट का ही डर संभवतः ममता को भी है, जिसकी वजह से वह कांग्रेस के साथ गठबंधन अपनी शर्तों पर चाह रही थीं। परंतु ऐसा नहीं हुआ तो एक ओर जहां भाजपा के साथ वह कांग्रेस पर भी हमलावर हैं, वहीं दूसरी ओर 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा वाले कार्यक्रम के दिन सर्वधर्म सद्भाव रैली निकालने के बाद मुस्लिम बहुल कोलकाता के पार्क सर्कस में उन्होंने सभा भी की, जहां ममता ने भाजपा का समर्थन करने वालों को काफिर कहने के साथ उन्हें नहीं बख्शने की बात तक कह दी। तृणमुल सुप्रीमो ने कहा, 'विरोधियों को वोट दिए तो अल्लाह की कसम, कोई आपको माफ नहीं करेगा। मैं भी माफ नहीं करूंगी। जो काफिर हैं, वो डरते हैं, जो लड़ते हैं, वो जीतते हैं।'

अभी बीते शुक्रवार को कोलकाता के धर्मतल्ला में केंद्रीय योजनाओं के बकाया फंड की मांग को लेकर धरना देने के दौरान ममता ने राहुल गांधी के मुस्लिम इलाकों में यात्रा को लेकर कहा, 'वे मुस्लिम वोटरों में बेचैनी पैदा करने के लिए राज्य में आए हैं। भाजपा हिंदू वोटरों में हड़बड़ी पैदा करने की कोशिश कर रही है। हमारे जैसी सेक्युलर पार्टियां क्या करेंगी? मुझे नहीं पता कि कांग्रेस 300 सीटों पर लड़ेगी तो 40 सीटें भी जीत पाएगी या नहीं?' तृणमूल सुप्रीमो ने 40 सीटों वाली बातें कहकर एक तरह से मुस्लिमों को संदेश दिया है कि देश में कांग्रेस नहीं जीत रही है और बंगाल में उन्हीं की पार्टी भाजपा को हरा सकती है।

एमएसएमई

ऋषभ मिश्र
असिस्टेंट प्रोफेसर, कानपुर इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, कानपुर

रोजगार सृजन में अहम भूमिका

कृषि क्षेत्र के बाद कम पूंजी लागत पर सर्वाधिक रोजगार का सृजन करके देश के विकास में एमएसएमई क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, लिहाजा इस ओर ध्यान दिया जाना चाहिए

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने अंतरिम बजट में 22,138 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ, सूक्ष्म, लघु और मध्यम पैमाने के उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र में अधिक क्लस्टर और नए प्रौद्योगिकी केंद्रों की स्थापना करने की घोषणा की है। वस्तुतः एमएसएमई भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। औद्योगिक उत्पादन का लगभग 30 प्रतिशत एमएसएमई क्षेत्र से आता है एवं देश से होने वाले निर्यात में इनका योगदान लगभग 40 प्रतिशत है। इससे भी महत्वपूर्ण यह कि इन उद्योगों से लगभग 11 करोड़ लोगों को रोजगार प्राप्त होता है। इसीलिए इस क्षेत्र का मजबूत होना आवश्यक हो जाता है। वैसे भी कोविड ने इस क्षेत्र को बुरी तरह से प्रभावित किया है।

वस्तुतः एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों के पास न तो ज्यादा वित्तीय पूंजी होती है और न ही बड़े उद्यमियों की तरह इन्हें व्यवसाय की कोई अच्छी समझ होती है। ज्यादातर सूक्ष्म और लघु उद्योग ग्रामीण इलाकों या कस्बों में लगे हैं, इसलिए इन्हें आधारभूत सुविधाओं जैसे बिजली, सड़क आदि की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों का विकास बाजार तक पहुंच, उत्पादों की गुणवत्ता, समय पर ऋण की उपलब्धता और प्रौद्योगिकी के उन्नयन आदि कारकों पर निर्भर करता है। जीएसटी लागू होने के आरंभिक दौर में छोटे उद्यमों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ा, जिससे कच्चे माल की आपूर्ति वाला पक्ष प्रभावित हुआ है। कोई भी उद्यम यदि स्वयं को उन्नत तकनीक में नहीं ढालता तो वह औद्योगिक प्रतिस्पर्धा में पिछड़ जाता है। लेकिन इन तकनीकों के महंगे होने के कारण छोटे उद्योग इनका उपयोग नहीं कर पाते, जिसका असर उनके उत्पादन पर पड़ता है। इसका दुष्परिणाम यह होता है कि इनके उत्पाद की गुणवत्ता कम होती जाती है तथा आपूर्ति श्रृंखला दुष्प्रभावित होती है।

उद्यमियों की समस्याएं : उत्पादों के बिकने के बाद भुगतान देरी से प्राप्त होने के कारण वे आगामी आदेश के लिए कच्चा माल नहीं खरीद पाते हैं। इससे उनकी साख पर प्रभाव पड़ता है एवं बैंकों से कर्ज लेना और भी मुश्किल हो जाता है। हालिया प्रस्तुत अंतरिम बजट में इस ओर भी प्रयास की दरकार थी। इसके साथ ही एक समस्या यह भी देखी गई है कि इस क्षेत्र के 40 प्रतिशत से अधिक उद्यमियों के पास वित्त के औपचारिक स्रोतों तक पहुंच नहीं है, यानी वे बैंकिंग क्षेत्र से कर्ज ही नहीं ले पाते हैं। लाकडाउन के दौरान और उसके बाद कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि हुई। ऐसे में इनके सामने एक समस्या यह भी आती है कि कच्चे माल की अनुपलब्धता के कारण वे समय पर माल की आपूर्ति नहीं कर पाते, जिस कारण उनसे सामान खरीदने वाली कंपनियां उन्हें काली सूची में डाल देती हैं।

वैसे सरकार और एमएसएमई मंत्रालय द्वारा इन चुनौतियों को कम करने तथा भारतीय एमएसएमई क्षेत्र के क्षमता निर्माण के लिए कुछ सार्थक प्रयास भी किए गए हैं जिसमें 'कौशल विकास प्रौद्योगिकी उन्नयन विपणन सहायता' और एमएसएमई को ऋण तक पहुंच के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू किया गया है। एक अच्छी पहल यह भी की गई है कि केंद्र सरकार के मंत्रालय तथा उसके विभाग या सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों द्वारा जो भी खरीद की जाएगी उसका 25 प्रतिशत एमएसएमई से ही खरीदा जाए। व्यवसाय में आसानी हो इसके लिए 'उद्यम पंजीकरण' नाम से पोर्टल शुरू किया गया है। इसमें अपने उद्यम को आसानी से पंजीकृत कराया जा सकता है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में एमएसएमई उद्यमों को स्थापित करके सरकार रोजगार के अवसर पैदा करना चाहती है। इसके लिए 'क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी' सरकार की तरफ से दी जाएगी। पारंपरिक उद्योगों के उन्नयन व पुनर्निर्माण के लिए कोष की योजना के तहत कारीगरों और पारंपरिक उद्योगों को समूहों में व्यवस्थित करके उन्हें व्यापार में प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

देश के औद्योगिक निर्यात में एमएसएमई की है सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका। फाइल

फेडरेशन आफ इंडियन माइक्रो एंड स्माल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज (एफआइएसएमई) के अनुसार, अंतरिम बजट एमएसएमई क्षेत्र की कुछ महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए एक रणनीतिक दिशा देता है। साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था और अच्छी एवं सुदृढ़ होनी चाहिए, तभी कोई उद्यमी निडर होकर भली प्रकार अपना व्यवसाय कर सकता है। अराजक तत्वों व भ्रष्टाचार के कारण उद्योग धंधे फल-फूल नहीं पाते हैं। बिजली की निर्बाध आपूर्ति भी बहुत जरूरी है। साथ ही कच्चे माल की कालाबाजारी रुकनी चाहिए, ताकि कारोबारियों को नुकसान न हो। लिहाजा उनकी सुविधा के अनुकूल वातावरण का निर्माण करना भी सरकार की जिम्मेदारी है।

****

तीसरी तिमाही में भारती एयरटेल का लाभ 54% बढ़ा

नई दिल्ली : दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने सोमवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 2,442.2 करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 54 प्रतिशत ज्यादा है। अक्टूबर-दिसंबर 2022 के दौरान कंपनी को 1,588.2 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी का प्रति ग्राहक औसत राजस्व 7.7 प्रतिशत बढ़कर 208 रुपये हो गया है। (प्रेट्र)

हम अगले दो वर्षों में अपने कुल लोन बुक में किफायती आवास लोन की हिस्सेदारी को दोगुना बढ़ाकर 20-25 प्रतिशत करने की योजना बना रहे हैं।
— त्रिभुवन अधिकारी, सीईओ, एलआइसी हाउसिंग फाइनेंस

सेंसेक्स	71,731.42	↓ 354.21
निफ्टी	21,771.70	↓ 82.10
सोना प्रति दस ग्राम	₹63,350	↓ ₹150
चांदी प्रति किलोग्राम	₹75,500	↓ ₹400
डालर	₹83.03	↑ ₹0.05
क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल	$76.92	

एक नजर में

29 रुपये किलो वाले भारत राइस की लांचिंग आज

नई दिल्ली : सरकार मंगलवार को बाजार में रियायती दर पर बिक्री के लिए 'भारत राइस' ब्रांड चावल लांच करेगी। इस चावल का मूल्य 29 रुपये प्रति किलो रखा गया है। यह चावल पांच और 10 किलोग्राम के पैकेट में मिलेंगे। इस चावल को दो सहकारी समितियों नैफेड और एनसीसीएफ के साथ-साथ केंद्रीय भंडार के जरिये खुदरा बाजार में बेचा जाएगा। (प्रेट्र)

25 हजार करोड़ रुपये का आइपीओ लाएगी हुंडई

नई दिल्ली : दक्षिण कोरिया की वाहन निर्माता कंपनी हुंडई की भारतीय इकाई हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआइएल) आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आइपीओ) के जरिये 25 हजार करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। सूत्रों ने बताया कि इस वर्ष के अंत तक आने वाले इस आइपीओ में कंपनी 15-20 प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री कर सकती है। यदि ऐसा होता है यह एलआइसी के अब तक के सबसे बड़े 21 हजार करोड़ के आइपीओ को पछाड़ देगी। (प्रेट्र)

रबी सीजन में सरसों की बोआई पांच प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली : चालू रबी सीजन के दौरान सरसों की फसल की बोआई में पांच प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। साल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) के डाटा के अनुसार, चालू सीजन में अब तक 100.39 लाख हेक्टेयर में सरसों की फसल की बोआई हो चुकी है। पिछले वर्ष समान अवधि में 95.76 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सरसों की फसल की बोआई हुई थी। (प्रेट्र)

पहली बार एक हजार के पार एलआइसी का शेयर मूल्य

नई दिल्ली : सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी एलआइसी के शेयरों में सोमवार को करीब छह प्रतिशत की वृद्धि रही और यह पहली बार एक हजार रुपये प्रति इकाई के पार जाकर बंद हुए। बीएसई में यह 5.90 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,000.35 रुपये प्रति इकाई पर बंद हुए। इस तेजी से कंपनी का बाजार पूंजीकरण 35,230.25 करोड़ की वृद्धि के साथ 6,32,721.15 करोड़ हो गया है। (प्रेट्र)

11 करोड़ से ज्यादा पैन अभी तक आधार से नहीं जुड़े

पैन-आधार को जोड़ने में देरी करने वालों से सरकार को 600 करोड़ रुपये मिले

संसद प्रश्नोत्तर

- वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने एक लिखित सवाल के जवाब में लोकसभा में दी जानकारी
- 30 जून 2023 के बाद पैन-आधार को जोड़ने पर 1,000 रुपये का देना पड़ रहा है जुर्माना

नई दिल्ली, प्रेट्र : अंतिम तिथि बीतने के बावजूद अभी तक बड़ी संख्या में पैन को आधार से नहीं जोड़ा गया है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को एक लिखित सवाल के जवाब में लोकसभा में बताया कि 29 जनवरी 2024 तक 11.48 करोड़ पैन ऐसे रहे हैं, जो आधार से नहीं जुड़े हैं। वित्त राज्य मंत्री ने बताया कि पैन को देरी से आधार से जोड़ने वालों से सरकार को अब तक 601.97 करोड़ रुपये जुर्माने के रूप में मिले हैं।

वित्त राज्य मंत्री ने बताया कि पैन को आधार से जोड़ने की अंतिम तिथि 30 जून 2023 थी। एक जुलाई 2023 से पैन को आधार से जोड़ने वालों से जुर्माने के रूप में एक हजार रुपये लिए जा रहे हैं। सरकार ने सभी प्रकार की वित्तीय सेवाओं को जारी रखने के लिए पैन को आधार से जोड़ने को अनिवार्य बनाया है। आयकर विभाग ने कहा था कि जो करदाता 30 जून 2023 तक अपने पैन को आधार से जोड़ने में विफल रहेंगे, उनका पैन एक जुलाई 2023 से निष्क्रिय हो जाएगा। ऐसे पैन वालों को किसी भी प्रकार को आयकर रिफंड जारी नहीं किया जाएगा। साथ ही ऐसे करदाताओं से उच्च दर पर कर की कटौती की जाएगी।

जीएसटी चोरी के 14,597 मामलों का पता लगाया : एक अन्य सवाल के जवाब में पंकज चौधरी ने बताया कि केंद्रीय अधिकारियों ने अप्रैल-दिसंबर 2023 के दौरान जीएसटी चोरी के 14,597 मामलों का पता लगाया है। उन्होंने बताया कि फर्जी तरीके से इनपुट टैक्स क्रेडिट (आइटीसी) का दावा करने वालों की पहचान के लिए विभाग डाटा एनालिटिक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) जैसी टेक्नोलाजी का इस्तेमाल कर रहा है।

कोयले के आयात में कमी लाने पर दे रहे ध्यान

कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में कहा कि सरकार ने कोयले के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार कोयले के गैर जरूरी आयात में कमी लाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। एक अन्य सवाल के जवाब में जोशी ने बताया कि कोयले की निकासी को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई 14 रेल परियोजनाओं में से पांच पूरी हो चुकी हैं। शेष परियोजनाओं का निर्माण विभिन्न चरणों में है। वहीं सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग मंत्री नारायण राणे ने राज्यसभा में बताया कि कोरोना महामारी से प्रभावित छोटे उद्योगों में सुधार के लिए सरकार अब तक क्रेडिट गारंटी मदद के तहत 2.41 लाख करोड़ रुपये का वितरण कर चुकी है।

सीएनजी मूल्यों पर नियंत्रण के लिए लगातार प्रयास : केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने सोमवार को राज्यसभा में बताया कि सरकार सीएनजी की कीमतों को नियंत्रण में लाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने भारतीय गैस की कीमतों को अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और रूस स्थित चार अंतरराष्ट्रीय केंद्रों से अलग कर दिया है और उन्हें भारतीय गैस के साथ जोड़ दिया है।

कर्ज में कमी के लिए कई कदम उठाए

निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, प्रेट्र : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को संसद में कहा कि कर्ज का बोझ कम करने के लिए सरकार ने कर राजस्व में उछाल बढ़ाने, सार्वजनिक व्यय प्रभावशीलता बढ़ाने, राजकोषीय घाटे को कम करने की प्रतिबद्धता और उत्पादक दक्षता बढ़ाने जैसे कई उपाय किए हैं। उन्होंने लोकसभा में कहा कि वित्तीय प्रणाली को मजबूत करने के अलावा सरकार ने अपने प्रभावी पूंजीगत व्यय को वित्त वर्ष 2020-21 के 6.57 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 13.71 लाख करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 14.97 लाख करोड़ रुपये किया है।

उन्होंने कहा कि पूंजीगत व्यय बढ़ाने पर सरकार के जोर से न केवल निवेश को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि कर्ज का बोझ कम करने के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में भी वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि 50 वर्षीय ब्याजमुक्त पूंजीगत व्यय कर्ज और कर हस्तांतरण किस्तों के समय पर देने जैसे उपायों के माध्यम से राज्यों को अपने पूंजीगत व्यय को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। एनएसओ के अग्रिम अनुमानों का हवाला देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 में कुल निवेश की दर जीडीपी का 29.2 प्रतिशत रही है, जिसके चालू वित्त वर्ष में बढ़कर 29.8 प्रतिशत होने का अनुमान है। वित्त मंत्री ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते वित्त वर्ष 2020-21 में जीडीपी-कर्ज अनुपात बढ़कर 89.6 प्रतिशत पर पहुंच गया था। मार्च 2023 तक यह घटकर 81 प्रतिशत हो गया है।

छह माह के उच्च स्तर पर सेवा क्षेत्र की गतिविधियां

नई दिल्ली, प्रेट्र : जनवरी के दौरान सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में वृद्धि दर छह माह के उच्च स्तर पर रही है। सोमवार को जारी मासिक सर्वे के अनुसार, पिछले महीने घरेलू और बाहरी ग्राहकों की भारी मांग के बीच नए कारोबार में तेज गति से विस्तार हुआ।

जनवरी में एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआइ) बढ़कर 61.8 रहा है, जो दिसंबर 2023 के 59 से ज्यादा है। पिछले छह महीने के दौरान सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में सबसे तेजी से भी वृद्धि रही है। पीएमआइ इंडेक्स का 50 से ज्यादा रहना विस्तार को दर्शाता है जबकि 50 से कम गिरावट को दर्शाता है। यह सर्वे सेवा क्षेत्र से जुड़ी 400 कंपनियों से मिली प्रतिक्रियाओं के आधार पर तैयार किया गया है। एचएसबीसी की अर्थशास्त्री इनेस लाम का कहना है कि पिछले महीने नए कारोबारों का तेज गति से विस्तार हुआ है और प्रबंधकों ने उम्मीद जताई है कि आगे भी गतिविधियों में मजबूती रहेगी। लाम ने कहा कि नए निर्यात इंडेक्स में वृद्धि हुई है। इससे संकेत मिलता है सेवा निर्यात मजबूत बना रहेगा।

रेपो दर को फिर से स्थिर रख सकता है आरबीआइ

- आज से शुरू होगी आरबीआइ की मौद्रिक नीति समिति की बैठक
- आरबीआइ गवर्नर आठ फरवरी को देंगे बैठक के फैसलों की जानकारी

नई दिल्ली, प्रेट्र : आरबीआइ की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की द्विमासिक बैठक मंगलवार यानी आज से शुरू होने जा रही है। एसबीआइ रिसर्च ने अनुमान जताया है कि आरबीआइ इस बार भी रेपो दर को स्थिर रख सकता है। आरबीआइ गवर्नर शक्तिकांत दास आठ फरवरी को बैठक के फैसलों की जानकारी देंगे। इससे पहले दिसंबर 2023 में भी एमपीसी सदस्यों ने आम सहमति से रेपो दर को लगातार पांचवीं बार 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा था।

एसबीआइ रिसर्च ने अपनी इकोरैप रिपोर्ट कहा, 'हम उम्मीद करते हैं कि आरबीआइ आगामी नीतिगत बैठक में भी ठहराव का रुख जारी रखेगा।' रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका में मजबूत गैर-कृषि पेरोल और वेतन डाटा ने ब्याज दरों में तुरंत कटौती की बाजार की उम्मीदों को झटका दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पहले रेपो दर में जून 2024 में कटौती का अनुमान था, लेकिन अब अगस्त 2024 का समय सबसे अच्छा विकल्प दिखता है। आरबीआइ सामान्यतौर पर एक वर्ष में एमपीसी की छह बैठक करता है।

बैंक आफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस का कहना है कि दिसंबर में खुदरा महंगाई 5.69 प्रतिशत के उच्च स्तर पर रही है। खासतौर पर खाद्य पदार्थों के मूल्यों का दबाव बना हुआ है। ऐसे में आरबीआइ इस बार भी रेपो रेट और अपने रुख को स्थिर बनाए रख सकता है।

रूस से तेल आयात 12 माह के निचले स्तर पर

नई दिल्ली, प्रेट्र : रूस से भारत के कच्चे तेल आयात में जनवरी के दौरान लगातार दूसरे महीने गिरावट आई है और अब यह 12 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया है। हालांकि, भारत रूस से लंबे समय तक तेल का आयात करता रहेगा।

ऊर्जा परिवहन पर नजर रखने वाली कंपनी वर्टेक्सा के डाटा के अनुसार, जनवरी में भारत ने रूस से हर रोज 12 लाख बैरल तेल का आयात किया है जो पिछले वर्ष दिसंबर के 13.2 लाख बैरल प्रतिदिन से कम है। नवंबर 2023 के दौरान भारत ने रूस से हर रोज 16.2 लाख बैरल कच्चे तेल का आयात किया था। हालांकि, रूस भारत का शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। जनवरी में भारत ने हर रोज कुल 49.1 लाख बैरल तेल का आयात किया है और इसमें रूस की हिस्सेदारी एक चौथाई से थोड़ी कम रही है। दिसंबर 2021 में भारत रूस से 36,255 बैरल प्रतिदिन तेल का आयात करता था।

ऊर्जा क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की कोशिश करेगा भारत

जयप्रकाश रंजन • पणजी

- आज दूसरे इंडिया एनर्जी वीक का उद्घाटन करेंगे पीएम नरेन्द्र मोदी
- 120 से अधिक देशों के सरकारी व गैर सरकारी प्रतिनिधि लेंगे हिस्सा

पहले कोरोना महामारी और उसके बाद यूक्रेन-रूस युद्ध ने ऊर्जा क्षेत्र से जिस तरह से पूरी दुनिया में उथल-पुथल मचाई है, उसने भारत ने वैश्विक ऊर्जा सेक्टर में वैश्विक नेतृत्व देने का माद्दा दिखाया है। यही वजह है कि पिछले वर्ष जिस इंडिया एनर्जी वीक (आइईडब्ल्यू) की शुरुआत की गई थी, उस पर आज दुनियाभर की एनर्जी क्षेत्र से जुड़ी कंपनियां, एजेंसियां और सरकारी विभाग ध्यान दे रहे हैं। मंगलवार को पीएम नरेन्द्र मोदी दूसरे आइईडब्ल्यू का उद्घाटन करेंगे जिसमें 120 देशों के सरकारी व गैर-सरकारी प्रतिनिधि हिस्सा लेने जा रहे हैं। पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी का कहना है कि कई वजहों से दुनिया का एनर्जी क्षेत्र बड़े बदलाव से गुजरने वाला है। भारत यह सुनिश्चित कर रहा है कि इस बदलाव में वह एक अहम धुरी होगा।

17 देशों के पेट्रोलियम मंत्री लेंगे हिस्सा

छह से नौ फरवरी के बीच गोवा में होने वाले आइईडब्ल्यू में 17 देशों के पेट्रोलियम मंत्री हिस्सा लेंगे। पारंपरिक और गैर पारंपरिक ऊर्जा क्षेत्र की तकरीबन हर वैश्विक कंपनी यहां अपने प्रतिनिधियों को भेज चुकी है। भारत को ज्यादा तेल बेचने को छोटे-बड़े देश जैसे लीबिया, घाना, सूडान, नामिबिया इसमें अपने पेट्रोलियम मंत्रियों को भेज रहे हैं। रूस, ब्रिटेन, जर्मनी, कनाडा, अमेरिका जैसे पेट्रोलियम क्षेत्र के बड़े दिग्गजों ने यहां खास पैवेलियन लगाए हैं। इन देशों की दिग्गज पेट्रोलियम कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ पीएम मोदी की मंगलवार को ही विशेष बैठक होगी। वर्ष 2015 में पीएम पद संभालने के बाद मोदी लगातार दिग्गज पेट्रोलियम कंपनियों के प्रमुखों के साथ विशेष मुलाकात करते रहे हैं।

पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिकारी बताते हैं कि कोरोना महामारी (2021) के दौरान ही प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से आयोजित एक बैठक में इस बात पर पहली बार विचार हुआ कि दुनिया का एनर्जी परिदृश्य पूरी तरह से बदलने वाला है और यह भारत के लिए बड़ी संभावनाओं का द्वार खोल सकता है। इसके पहले दुनिया में जो एनर्जी बदलाव हुए उसमें भारत बहुत ही पीछे रहा। अगर इस बार भी नीतिगत शिथिलता रही तो न तो एनर्जी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना जा सकेगा और न ही नई संभावनाओं का फायदा उठाया जा सकेगा। उसके बाद ही पीएमओ, पेट्रोलियम, बिजली मंत्रालय व अन्य विभागों के विमर्श के बाद आइईडब्ल्यू को बड़े स्तर पर आयोजित करने का फैसला हुआ। इस बार अपनी इकोनमी के बड़े आकार, तेजी से बढ़ रही ऊर्जा खपत और रिन्यूएबल एनर्जी में विशाल क्षमता स्थापित करने के प्रदर्शन से भारत के पास नेतृत्व देने का आत्मभरोसा है। ग्रीन हाइड्रोजन, बायोगैस, सौर ऊर्जा में भारत को भविष्य के एक ताकत के तौर पर देखा जा रहा है। भारत एकमात्र देश है जिसने कार्बन उत्सर्जन के अपने लक्ष्य को निर्धारित सीमा से कई वर्ष पहले हासिल किया है।

राष्ट्रीय फलक

पेटीएम में फेमा उल्लंघन की जांच कर रही ईडी

- ईडी ने आरबीआइ से पेटीएम के जरिये किए गए विदेशी लेनदेन की जानकारी मांगी
- कंपनी ने फेमा उल्लंघन संबंधी आरोपों को निराधार व तथ्यात्मक रूप से गलत बताया

नई दिल्ली, रायटर : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) डिजिटल पेमेंट प्लेटफार्म पेटीएम की ओर से विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन की जांच कर रही है। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। हालांकि, यह नहीं बताया है कि ईडी फेमा के कौन से विशेष प्रविधानों के उल्लंघन की जांच कर रही है। विदेश में व्यक्तिगत और कारपोरेट हस्तांतरण फेमा के दायरे में आता है।

सूत्रों के अनुसार, ईडी ने आरबीआइ से पेटीएम प्लेटफार्म के जरिये किए गए विदेशी लेनदेन की जानकारी मांगी है। एक सूत्र का कहना है कि अभी तक जांच अधिकारी पेटीएम के संपर्क में नहीं है। पेटीएम के खिलाफ जांच के संबंध में ईडी और वित्त मंत्रालय ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। पेटीएम के प्रवक्ता का कहना है कि फेमा उल्लंघन से संबंधित आरोप निराधार और तथ्यात्मक रूप से गलत हैं।

प्रवक्ता का कहना है कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खातों या वालेट से किसी भी प्रकार का विदेशी रेमिटेंस नहीं भेजा गया है। आरबीआइ ने गत बुधवार को पेटीएम से जुड़े पेटीएम पेमेंट्स बैंक को 29 फरवरी से किसी भी प्रकार का जमा स्वीकार नहीं करने का आदेश दिया था।

शेयरों में गिरावट जारी : आरबीआइ की सख्ती के बाद पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के शेयरों में गिरावट का दौर जारी है। सोमवार को बीएसई में कंपनी के शेयर 10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 438.35 रुपये प्रति इकाई पर बंद हुए। अब तक कंपनी का बाजार पूंजीकरण 2.5 अरब डालर घट चुका है।

यूपीआइ सेवाएं जारी रखने के लिए अन्य बैंकों से बातचीत जारी

नई दिल्ली, प्रेट्र : पेटीएम ने सोमवार को कहा कि वह अपने एप के जरिये यूपीआइ सेवाएं जारी रखने के लिए अन्य बैंकों के साथ बातचीत कर रहा है। पेटीएम की यूपीआइ सेवाएं पेटीएम पेमेंट्स बैंक के दायरे में आती हैं। कंपनी प्रवक्ता ने कहा कि पेटीएम पर यूपीआइ सेवाएं सामान्य बनी रहेंगी। हम यूपीआइ सेवा की की निर्बाध निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए अन्य बैंकों से जुड़ने के लिए काम कर रहे हैं। उपयोगकर्ताओं को कुछ भी अतिरिक्त करने की आवश्यकता नहीं है।

पेटीएम ने वालेट कारोबार बेचने की रिपोर्ट खारिज की

नई दिल्ली, आइएएनएस : पेटीएम ने उन खबरों को खारिज किया है जिनमें दावा किया जा रहा था कि आरबीआइ की सख्ती के बाद कंपनी अपने वालेट कारोबार को बेचने को लेकर निवेशकों से बात कर रही है। एचडीएफसी बैंक और जियो फाइनेंशियल सर्विसेज पेटीएम के वालेट कारोबार को खरीदने की दौड़ में आगे हैं। पेटीएम प्रवक्ता ने कहा, हम बाजार की अटकलों पर टिप्पणी नहीं करते हैं। हम पेटीएम पेमेंट्स बैंक की ओर से पेश किए गए उत्पादों के साथ सहज ग्राहक अनुभव सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं। इससे पहले, पेटीएम के संस्थापक और सीईओ विजय शेखर शर्मा ने आश्वासन दिया था कि कोई छंटनी नहीं होगी।

हरियाणा में निजी क्षेत्र में स्थानीय कोटा पर विचार करेगा सुप्रीम कोर्ट

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ हरियाणा सरकार की याचिका पर जारी किया नोटिस

हाई कोर्ट ने नौकरियों में स्थानीय लोगों को 75 % कोटे वाले कानून को कर दिया था रद

हरियाणा में निजी क्षेत्र की नौकरियों में स्थानीय निवासियों को 75 प्रतिशत आरक्षण देने के मामले में सुप्रीम कोर्ट विचार करेगा। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के 17 नवंबर 2023 के आदेश को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की याचिका पर केंद्र व अन्य प्रतिपक्षियों को नोटिस जारी किया। हाई कोर्ट ने निजी क्षेत्र की नौकरियों में स्थानीय निवासियों को 75 प्रतिशत आरक्षण देने के राज्य सरकार के कानून को असंवैधानिक घोषित कर दिया था।

सोमवार को न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और अरविंद कुमार की पीठ ने हरियाणा सरकार की अपील पर केंद्र सरकार और फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन से जवाब मांगा है। इससे पहले हरियाणा सरकार की ओर से पेश सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, हाई कोर्ट ने हरियाणा स्टेट एम्प्लायमेंट आफ लोकल कंडीडेट्स एक्ट 2020 को असंवैधानिक घोषित कर दिया पर कारण नहीं बताया। कोर्ट ने कहा था, यह कानून मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। राज्य सरकार को ऐसा कानून बनाने का हक नहीं है। कानून प्रभाव में आने की तिथि से ही निष्प्रभावी माना जाएगा। ज्ञात हो, इस कानून में निजी क्षेत्र में 30,000 तक वेतन वाले पदों पर स्थानीय निवासियों को 75 प्रतिशत आरक्षण दिया गया था।

मायके के लिए निकली महिला बच्ची सहित पहुंची गुलाम जम्मू-कश्मीर!

जागरण संवाददाता, पुंछ : पुंछ जिले के खड़ी करमाडा क्षेत्र से महिला अपनी बच्ची के साथ लापता हो गई है। आशंका है कि वह नियंत्रण रेखा पार कर गुलाम जम्मू-कश्मीर चली गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

लापता महिला व उसकी बेटी की तस्वीर

सीमांत गांव सलोत्री निवासी गुलाम रुबानी ने पुंछ थाने में पत्नी शबनम (22 वर्षीय) व डेढ़ वर्ष की बच्ची के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज करवाई। बताया जाता है कि शबनम घर से मायके जाने के लिए निकली थी, पर वहां नहीं पहुंची। सूत्रों के अनुसार, महिला ने गलती से नियंत्रण रेखा पार कर ली है। अभी तक सीमा के उस पार से भी भारतीय सेना को कोई जानकारी नहीं दी है।

विस्तारा की दुबई उड़ान के यात्रियों को गलती से घरेलू टर्मिनल पर पहुंचा दिया

- आव्रजन प्रक्रिया पूरी किए बिना ही घरेलू टर्मिनल पर पहुंचे यात्री
- अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को आव्रजन प्रक्रिया से गुजरना अनिवार्य है

मुंबई, प्रेट्र : दुबई से आई विस्तारा की उड़ान के कुछ यात्रियों को रविवार को आव्रजन प्रक्रिया पूरी किए बिना ही लैंडिंग के बाद मुंबई हवाई अड्डे के घरेलू टर्मिनल पर ले जाया गया। एयरलाइन ने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए परिचालन प्रक्रियाएं सख्त की जाएंगी।

भारतीय हवाई अड्डों पर आने वाले अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को अनिवार्य रूप से आव्रजन प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है और नवीनतम घटना एक स्पष्ट सुरक्षा उल्लंघन है। विस्तारा के एक प्रवक्ता ने कहा कि चार फरवरी को विस्तारा की फ्लाइट यूके 202 से दुबई से मुंबई आने वाले हमारे कुछ यात्रियों को गलती से अंतरराष्ट्रीय आगमन के बजाय घरेलू टर्मिनल पर ले लिया गया। बाद में इन यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय आगमन की औपचारिकताएं पूरी करने के लिए निर्दिष्ट टर्मिनल पर ले जाया गया।

एयरलाइन ने आगे कहा कि उसकी टीमों ने सुरक्षा एजेंसियों और संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने के लिए काम किया कि इन यात्रियों को उनके आगमन की औपचारिकताएं पूरी करने और यात्रा समाप्त करने के लिए निर्दिष्ट क्षेत्र में ले जाया जाए। प्रवक्ता ने कहा कि ऐसे किसी भी दोहराव से बचने के लिए अपनी मानक संचालन प्रक्रियाओं पर दोबारा विचार कर रहे हैं और उन्हें और सख्त कर रहे हैं। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

तेलंगाना हाई कोर्ट ने कहा, व्यूहम पर सेंसर बोर्ड नौ फरवरी तक फैसला ले

हैदराबाद, आइएएनएस : तेलंगाना हाई कोर्ट ने सोमवार को सेंसर बोर्ड से फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा की व्यूहम पर नौ फरवरी से पहले निर्णय लेने को कहा है। कोर्ट ने रिवाइजिंग कमेटी को निर्देश दिया कि वह फिर से फिल्म की समीक्षा करे और नौ फरवरी से पहले रिपोर्ट कोर्ट को सौंपे। यह मामला सोमवार को एक कोर्ट के समक्ष सुनवाई के लिए आया और दोनों पक्षों ने दलीलें पेश कीं। एकल न्यायाधीश ने पहले सेंसर बोर्ड को तीन हफ्ते के भीतर नया सेंसर प्रमाणपत्र जारी करने पर निर्णय लेने को कहा था। फिल्म में कथित तौर पर टीडीपी अध्यक्ष व आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के प्रति अपमानजनक बातें हैं। यह 29 दिसंबर 2023 को रिलीज होने वाली थी। नायडू के बेटे और टीडीपी महासचिव नारा लोकेश ने फिल्म के प्रमाणपत्र को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

बिहार में मिडडे मील खाने के बाद 179 छात्र बीमार

- पेट दर्द, चक्कर आने व उल्टी की शिकायत, बगहा के विद्यालय का मामला
- खाने से आ रही थी पेट्रोल व केरोसिन जैसी गंध

अनुमंडलीय अस्पताल में एक ही बेड पर इलाजरत दो-दो बच्चे। जागरण

जासं, पश्चिम चंपारण

बिहार के पश्चिम चंपारण जिले में बगहा प्रखंड-1 के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय परसौनी टोला में सोमवार को मध्याह्न भोजन खाने से 179 छात्रों की तबीयत बिगड़ गई। 77 बच्चों को रामनगर पीएचसी और 102 को बगहा अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में पीएचसी से पांच छात्रों को बेतिया जीएमसीएच रेफर कर दिया गया। दोपहर एक बजे छात्रों को भोजन में चावल, दाल, आलू-गोभी की सब्जी दी गई। भोजन करने के बाद बच्चों को पेट दर्द शुरू हो गया, कई बच्चे उल्टी करने लगे। बगहा अनुमंडलीय अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक डा. केबीएन सिंह ने फूड प्वाइजनिंग की बात कही है। देर शाम डीएम बेतिया जीएमसीएच पहुंचे तो बच्चों ने खाने से पेट्रोल और केरोसिन जैसी गंध आने की बात कही। मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं।

बंगाल के राशन भ्रष्टाचार मामले में पुलिस जांच पर हाई कोर्ट की रोक

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

- पांच मार्च तक के लिए रोक लगाई, राज्य सरकार से तलब की केस डायरी

कलकत्ता हाई कोर्ट। फाइल

कलकत्ता हाई कोर्ट ने राशन भ्रष्टाचार मामले की पुलिस जांच पर पांच मार्च तक के लिए रोक लगा दी है। साथ ही इस मामले में राज्य सरकार से केस डायरी तलब की है। जस्टिस जय सेनगुप्ता ने सोमवार को कहा, पुलिस ने 2019 में कोलकाता के बालीगंज थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर राशन भ्रष्टाचार से संबंधित मामले की जांच शुरू की थी। पुलिस को इसे फिलहाल बंद कर देना चाहिए।

ज्ञात हो, इससे पहले ईडी ने राशन भ्रष्टाचार के छह मामलों की जांच में पुलिस की भूमिका पर आश्चर्य जताया था। एजेंसी ने दावा किया था कि जांच के दौरान उसे पता चला कि राशन भ्रष्टाचार से संबंधित छह एफआइआर की जांच पुलिस द्वारा किए जाने के बावजूद उसने दोषियों को पकड़ना तो दूर, उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। कुछ मामलों में सुबूत होने के बावजूद जांच बंद कर दी। ईडी ने इस संबंध में हाई कोर्ट से अनुरोध किया कि राशन भ्रष्टाचार से संबंधित सभी मामले उन्हें सौंप दिया जाए। ईडी ने बंगाल में राशन से जुड़े वित्तीय भ्रष्टाचार की जांच के सिलसिले में राज्य के मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है।

****

12 करोड़ से ज्यादा मतदाता पाकिस्तान में आठ फरवरी को होने वाले चुनाव में मतदान करेंगे। निर्वाचन आयोग ने देश भर की 859 नेशनल असेंबली व प्रांतीय असेंबली सीटों के लिए 26 करोड़ मतपत्रों का वितरण शुरू कर दिया है।

सीरिया में अमेरिकी अड्डे पर ड्रोन हमला, छह मरे

अमेरिका समर्थित एसडीएफ के सदस्य थे मारे गए लोग

ईरान समर्थित इराकी मिलीशिया ने ली हमले की जिम्मेदारी

▸ शनिवार को अमेरिका ने सीरिया और इराक में ईरान समर्थित मिलीशिया पर किए थे हमले

दमिश्क, एपी : सीरिया के पूर्वी हिस्से में स्थित अमेरिका के सैन्य अड्डे पर सोमवार को हुए ड्रोन हमले में छह कुर्द लड़ाके मारे गए हैं। ये कुर्द लड़ाके अमेरिकी सेना का समर्थन करने वाले कुर्दिश संगठन एसडीएफ के सदस्य थे। सीरिया में इनकी टुकड़ी अमेरिकी अड्डे में ही रहती है। इस हमले को शनिवार को सीरिया और इराक के ईरान समर्थित मिलीशिया पर हुए अमेरिकी हमलों का जवाब माना जा रहा है।

अमेरिका समर्थित कुर्दों के नेतृत्व वाले सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्स (एसडीएफ) ने कहा है कि अल-उमर अड्डे के ट्रेनिंग ग्राउंड पर हुए ड्रोन हमले में छह लड़ाकों की मौत हुई है। हमले में किसी भी अमेरिकी सैनिक को नुकसान नहीं हुआ है। जबकि सीरिया की स्थिति पर नजर रखने वाली ब्रिटिश संस्था सीरियन आब्जर्वेटरी फार ह्यूमन राइट्स ने बताया है कि ड्रोन हमले में सात कुर्द लड़ाके मारे गए हैं और 18 घायल हुए हैं। एसडीएफ ने हमले के लिए सीरिया सरकार द्वारा समर्थित मिलीशिया को जिम्मेदार बताया है। ईरान समर्थित इराकी मिलीशिया इस्लामिक रेजिस्टेंस ने वीडियो जारी कर हमले की जिम्मेदारी ली है। इस वीडियो में हमलावर ड्रोन उड़ते और हमला करते दिखाया गया है। इसी संगठन ने 28 जनवरी को जार्डन स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे पर ड्रोन हमला करके तीन अमेरिकी सैनिकों की जान ली थी। गाजा पर इजरायल के हमले के बाद से सीरिया और इराक में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों पर 160 से ज्यादा हमले हो चुके हैं। इन हमलों में दर्जनों अमेरिकी सैनिकों और अन्य लोग घायल हुए हैं।

अमेरिकी नौसेना ने लाल सागर में हाउती की चार मिसाइलें नष्ट कीं

लाल सागर में अमेरिकी नौसेना ने यमन के हाउती विद्रोहियों द्वारा दागी गई चार एंटी शिप मिसाइलें हवा में ही मार गिराई हैं। ये मिसाइलें जहाजों को निशाना बनाने के लिए दागी गई थीं। इससे पहले रविवार को अमेरिका और ब्रिटेन ने संयुक्त अभियान में यमन में स्थित हाउती के 36 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर उनके हथियार नष्ट किए थे।

सीरिया में घुसकर तुर्किये के सुरक्षाबलों ने 11 कुर्द मारे

तुर्किये के सुरक्षा बलों ने सोमवार को सीरिया में सीरियन कुर्दिश पीपुल्स प्रोटेक्शन यूनिट्स (वाइपीजी) के 11 सदस्यों को मार गिराया। तुर्किये इस संगठन को आतंकी संगठन बताता है। तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि वाइपीजी के इन आतंकियों को उस समय निशाना बनाया गया जब वे तुर्किये के सैनिकों पर हमला करने का षड्यंत्र कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि तुर्किये अक्सर सीरिया की सीमा में घुसकर कुर्द लड़ाकों के खिलाफ कार्रवाई करता रहता है। तुर्किये वाइपीजी को कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) का सहयोगी संगठन बताता है जिसे उसने आतंकी संगठन घोषित कर रखा है। (आइएएनएस)

एंटनी ब्लिंकन के पश्चिम एशिया दौरे से गाजा में जगी युद्धविराम की उम्मीद

▸ हिंसा का दायरा बढ़ने से सक्रिय हुआ अमेरिका, खान यूनिस के बाद गाजा सिटी में भड़की लड़ाई

हमास से लड़ाई के दौरान सोमवार को गाजा पट्टी में इजरायली बमबारी से उठता धुआं। एएफपी

यरुशलम, रायटर : अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के पश्चिम एशिया दौरे से फलस्तीनियों को उम्मीद है कि इससे गाजा में युद्धविराम के लिए रास्ता साफ होगा। ऐसे में गाजा में रफाह शरणार्थी क्षेत्र इजरायली सेना की कार्रवाई से बच जाएगा। मिस्र की सीमा के नजदीक रफाह वह शहर है जहां गाजा के अन्य शहरों से करीब दस लाख लोगों को शरण लेने के लिए भेजा गया है। अब इजरायली सेना वहां पर हमास लड़ाकों के छिपे होने की बात कहकर जमीनी कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

पश्चिम एशिया में व्याप्त तनाव को कम करने के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन का दौरा शुरू हो चुका है। वह सऊदी अरब की राजधानी रियाद पहुंच गए हैं। उनकी पहली कोशिश तनाव कम कर गाजा से इजरायली बंधकों की रिहाई की होगी जिससे वहां पर ज्यादा दिनों के युद्धविराम के लिए इजरायल को तैयार किया जा सके। हमास गाजा में स्थायी युद्धविराम चाहता है, इसलिए वह 130 इजरायली बंधकों की रिहाई को लटकाए हुए है। इन बंधकों को उसके लड़ाकों ने सात अक्टूबर को इजरायली शहरों पर हमले के दौरान अगवा किया था। ब्लिंकन का दौरा गाजा युद्ध का असर लेबनान, इराक, सीरिया, यमन और लाल सागर तक फैलने के बीच हो रहा है। क्षेत्र में अब अमेरिकी सैनिकों पर सीधे हमले हो रहे हैं। अमेरिका की स्थिति पर सवाल उठ रहे हैं।

करीब चार माह की लड़ाई में बेघर हो चुके फलस्तीनी अब सामान्य जीवन की बाट जोह रहे हैं। दीर अल-बलाह में संयुक्त राष्ट्र द्वारा संचालित स्कूल की इमारत में बने शरणार्थी शिविर में रह रहे चार बच्चों के पिता यामीन हमाद (35) अब अपने घर लौटना चाहते हैं। उन्हें और अन्य फलस्तीनियों को उम्मीद है कि ब्लिंकन इजरायल पर युद्धविराम के लिए दबाव डालेंगे। इस बीच खान यूनिस में इजरायली सेना को अभी भी आगे बढ़ने में प्रतिरोध झेलना पड़ रहा है जबकि गाजा सिटी में कुछ समय की शांति के बाद फिर से लड़ाई भड़क उठी है। गाजा सिटी में हमास व इस्लामिक जिहाद के लड़ाके एकजुट होकर इजरायली सेना पर हमले कर रहे हैं। इजरायली हमलों से गाजा में अब तक 27,500 लोगों की मौत हो चुकी है। सेना के अनुसार मारे गए लोगों में हमास व इस्लामिक जिहाद के दस हजार लड़ाके हैं।

एच-1बी वीजा धारकों के एक लाख बच्चों को मिलेगा काम का अधिकार

▸ अमेरिका में व्हाइट हाउस समर्थित द्विदलीय समझौते से भारतीयों को मिलेगी राहत

▸ निर्वासन के खतरे का सामना कर रहे ढाई लाख बच्चों को भी मिलेगी सुरक्षा

5 वर्ष तक प्रति वर्ष 18 हजार और रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड जारी करेगा अमेरिकी प्रशासन

25 हजार के-1, के-2 और के-3 वीजा धारकों को काम का अधिकार प्रदान करने की व्यवस्था है इस विधेयक में

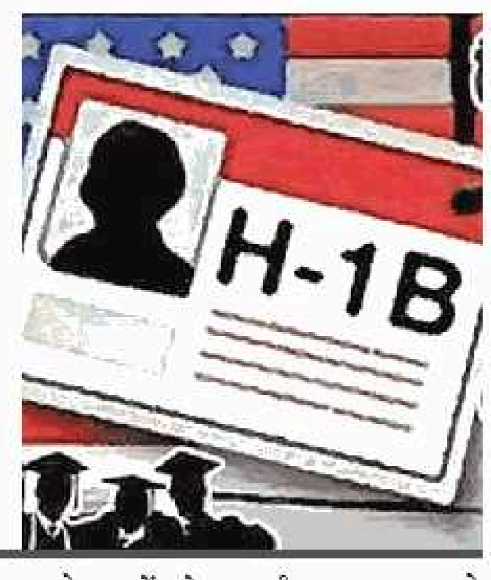

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिका में एच-1बी वीजा धारकों के लिए राहत भरी खबर है। व्हाइट हाउस समर्थित द्विदलीय समझौते के अनुसार, लगभग एक लाख एच-4 वीजा धारकों को काम का अधिकार प्रदान किया जाएगा, जो एच-1बी वीजा धारकों के पति, पत्नी या बच्चे हैं। इससे बड़ी संख्या में भारतीयों को लाभ मिलेगा।

अमेरिकी सीनेट में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक नेतृत्व के बीच लंबी बातचीत के बाद रविवार को घोषित राष्ट्रीय सुरक्षा समझौता एच-1बी वीजा धारकों के लगभग ढाई लाख ऐसे बच्चों के लिए भी समाधान प्रदान करता है जो उम्र सीमा पार कर चुके हैं। यह कदम उन सैकड़ों और हजारों भारतीय प्रौद्योगिकी पेशेवरों के लिए अच्छी खबर है जो ग्रीन कार्ड के लिए लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं, जिसके अभाव में उनके पति या पत्नी काम नहीं कर सकते हैं और उनके बच्चों की उम्र सीमा पार कर जाने के कारण निर्वासन का खतरा है। ग्रीन कार्ड, जिसे अमेरिका में आधिकारिक तौर स्थायी निवासी कार्ड के रूप में जाना जाता है।

भारतीय-अमेरिकी प्रवासियों के लिए एक और अच्छी खबर है कि विधेयक में लंबी अवधि वाले एच-1बी वीजा धारकों के उम्र सीमा पार कर चुके बच्चों को सुरक्षा देते हुए उनकी एच-4 स्थिति को आठ वर्ष बरकरार रखा जाएगा। बिल में यह सुनिश्चित किया गया है कि अगले पांच वर्ष तक प्रति वर्ष 18 हजार और रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड जारी किया जाएगा। यह बिल प्रति वर्ष करीब 25 हजार के-1, के-2 और के-3 गैर आप्रवासी वीजा धारकों को काम का अधिकार प्रदान करता है। इसके साथ प्रति वर्ष करीब एक लाख एच-4 वीजा जारी करेगा जो अप्रवासन अवधि पूरी कर चुके हैं।

नेताजी के स्वतंत्रता अभियान में सिंगापुर की भूमिका पर वृत्तचित्र

सिंगापुर, प्रेट्र : सिंगापुर में 'टैगोर सोसायटी' ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की अगुआई वाले भारतीय स्वतंत्रता अभियान में इस द्वीपीय देश की भूमिका को रेखांकित करने वाला एक वृत्तचित्र बनाया है।

'टैगोर सोसायटी' की निर्देशक डाली डेवनपोर्ट ने कहा, 'हमने नेताजी के जीवन पर आधारित वृत्तचित्र बनाया है, क्योंकि हमें लगता है कि हममें से अधिकतर लोगों, विशेषकर युवा पीढ़ी को हमारे गौरवशाली इतिहास के इस हिस्से के बारे में कोई जानकारी नहीं है।' 'एन इंडियन डान इन सिंगापुर' शीर्षक वाला यह वृत्तचित्र सुनिश्चित करेगा कि नेताजी की भूमिका को भुलाया न जा सके। वृत्तचित्र में भारतीय राष्ट्रीय सेना (आइएनए) व रानी झांसी रेजिमेंट (आरजेआर) के योगदान को भी दिखाया गया है। 42 मिनट के वृत्तचित्र में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया है कि सिंगापुर ने कैसे अंग्रेजों से भारत की स्वतंत्रता में एक अहम भूमिका निभाई।

राष्ट्रपति मुइज्जू ने चंद सदस्यों के बीच दिया संसद में पहला भाषण

▸ मालदीव के राष्ट्रपति का बढ़ रहा विरोध, विपक्ष ने किया अभिभाषण का बहिष्कार

राष्ट्रपति बोले, 10 मई से पहले वापस भेज दिए जाएंगे सभी भारतीय सैनिक

माले, प्रेट्र : मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का अपने देश में विरोध बढ़ता जा रहा है। मुइज्जू को सोमवार को विपक्षी सदस्यों के बहिष्कार के बीच चंद सदस्यों के बीच संसद में अपना पहला अभिषाषण देना पड़ा। उन्होंने कहा, भारतीय सैनिकों के पहले दल को 10 मार्च से पहले वापस भेजा जाएगा। बाकी सैनिकों को भी 10 मई से पहले भारत भेज दिया जाएगा।

संसद में सोमवार को संसद की कार्यवाही के दौरान मात्र 24 सांसद ही मौजूद थे, मुख्य विपक्षी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) व डेमोक्रेट्स पार्टी के सदस्यों को मिलाकर कुल 56 सांसदों ने अभिभाषण का बहिष्कार किया।

राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, मुइज्जू ने कहा, वह हर उस समझौते को निरस्त कर देंगे जो मालदीव की संप्रभुता को कमतर करता है। चीन समर्थक मुइज्जू ने कहा, देश को मजबूत करने के लिए मालदीव के नागरिकों के विशाल समर्थन से विदेशी सैनिकों को देश से बाहर भेजेंगे। गत वर्ष 17 नवंबर को राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद ही उन्होंने भारत से 88 सैनिकों को वापस बुलाने के लिए औपचारिक अनुरोध किया था। साथ ही पूर्ववर्ती सरकार द्वारा भारत के साथ 100 से अधिक द्विपक्षीय समझौतों की समीक्षा की बात कही थी। ज्ञात हो, हाल में लक्षद्वीप के पर्यटन को बढ़ावा देने की बात पर मालदीव के मंत्रियों की टिप्पणी से दोनों देशों के बीच विवाद बढ़ गया था। इसे शांत करने के लिए मालदीव को तीन मंत्रियों को निलंबित करना पड़ा था। हालांकि, अब उन्हें बिना संसद के अनुमोदन के फिर से मंत्री बना दिया गया है।

साक्ष्यों के बगैर निज्जर हत्याकांड की जांच में सहयोग नहीं देगा भारत

ओटावा, रायटर : सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड से संबंधित कनाडा की जांच में भारत तब तक सहयोग नहीं करेगा जब तक कनाडाई एजेंसी हत्याकांड से जुड़े साक्ष्य साझा नहीं करेगी। यह बात कनाडा में भारत के उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने एक समाचार पत्र को दिए साक्षात्कार में कही है। वर्मा ने कहा, हमें मामले से जुड़े विश्वसनीय साक्ष्य चाहिए। उसी के बाद हम किसी व्यक्ति को उस पर लगे आरोप के बारे में बताकर जांच में सहयोग कर पाएंगे। साक्ष्य साझा नहीं किए जाएंगे तो हमें कनाडा का सहयोग करने में कठिनाई होगी। ज्ञात हो, निज्जर की जून 2023 में कनाडा में गोली मारकर हत्या हुई थी। इसके बाद कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने हत्या में भारतीय अफसरों के जुड़े होने का आरोप लगा दिया था। उसके बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव आ गया और भारत ने वीजा देने पर रोक लगा दी थी। साथ ही दिल्ली स्थित कनाडाई उच्चायोग में राजनयिकों की संख्या कम कर दी थी।

यूक्रेन के सैन्य प्रमुख को किया जा सकता है बर्खास्त

▸ राष्ट्रपति जेलेंस्की बोले, शीर्ष सैन्य नेतृत्व में व्यापक बदलाव चाहते हैं

▸ सैन्य नेतृत्व ऐसे व्यक्तियों के हाथों में रहना चाहिए जीत के प्रति आश्वस्त हों

कीव, एपी : रूस के साथ जारी युद्ध के बीच यूक्रेन के सैन्य प्रमुख वेलेरी जालुज्न्यी को बर्खास्त किया जा सकता है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि जालुज्न्यी का उत्तराधिकारी कौन होगा। यूक्रेनी व पश्चिमी मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने पिछले हफ्ते कमांडर-इन-चीफ जनरल वेलेरी जालुज्न्यी को इस्तीफा देने के लिए कहा था, लेकिन जालुज्न्यी ने इस्तीफा देने से मना कर दिया। जालुज्न्यी ने इन रिपोर्टों पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

जेलेंस्की ने स्वीकार किया है कि वह देश के शीर्ष सैन्य अधिकारी को बर्खास्त करने पर विचार कर रहे हैं। जेलेंस्की के इस बयान ने यूक्रेन के लोगों को चौंका दिया है। जेलेंस्की के बयान से यूक्रेन का साथ दे रहे पश्चिमी देशों की चिंताएं भी बढ़ गई हैं। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने यूक्रेन के सैन्य प्रमुख को हटाने की संभावनाओं को लेकर विरोध जताया है।

इतालवी ब्राडकास्टर आरएआइ टीवी के साथ साक्षात्कार में जेलेंस्की ने कहा, जनरल वेलेरी जालुज्न्यी को हटाने की

वोलोदिमीर जेलेंस्की। फाइल फोटो

सोच रहा हूं। यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि देश का सैन्य नेतृत्व ऐसे व्यक्तियों के हाथों में रहे जो रूस के खिलाफ जीत के प्रति आश्वस्त हों।

जेलेंस्की ने कहा, हम युद्ध को लेकर अपनी रणनीति की समीक्षा कर रहे हैं। यह समीक्षा व्यक्ति विशेष को लेकर नहीं, व्यापक नेतृत्व परिवर्तन को लेकर है। हम जीतना चाहते हैं, तो हम सभी को जीत के प्रति आश्वस्त होकर, एक दिशा में आगे बढ़ना होगा। हम हतोत्साहित होकर हथियार नहीं डाल सकते। इस बीच, स्थानीय प्रशासन ने कहा है कि दक्षिणी यूक्रेन के खेरसान शहर में सोमवार दोपहर हुए रूसी हमले में चार लोगों की मौत हो गई और एक घायल है।

रूसी सेना में भर्ती नेपाली नागरिकों की स्वदेश वापसी की मांग

नेपाल के मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने सोमवार को रूसी दूतावास को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को संबोधित पत्र सौंपा है, जिसमें यूक्रेन पर हमले को रोकने और रूसी सेना में भर्ती नेपाली नागरिकों की स्वदेश वापसी की मांग की गई।

फ्रांस के विदेश मंत्रालय ने रूस के राजदूत को तलब किया

पेरिस : फ्रांस के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसने यूक्रेन में गैर-सरकारी संगठनों के लिए काम करने वाले दो फ्रांसीसी नागरिकों की मौत पर विरोध जताने के लिए फ्रांस में रूस के राजदूत को तलब किया। फ्रांस के दोनों नागरिक गुरुवार को यूक्रेन में रूसी हमलों में मारे गए जबकि तीन अन्य घायल हो गए थे।

चिली के जंगल में लगी आग की चपेट में आकर 112 की मौत, 200 लोग लापता

● दमकलकर्मियों की सहायता के लिए सेना उतारी गई है

● अबतक 14000 के करीब घर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं

चिली के वीना डेल मार में जंगल की भीषण आग की चपेट में आकर अनेक मकान भी जलकर नष्ट हो गए हैं। एएफपी

वीना डेल मार, रायटर : चिली में जंगल की आग पर अब तक काबू नहीं पाया जा सका है। इसकी चपेट में आकर अब तक 112 लोगों की मौत हो चुकी है। इसे बुझाने के लिए दमकलकर्मी प्रयासरत हैं। राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक ने कहा है देश बड़ी त्रासदी का सामना कर रहा है। अधिकारियों का कहना है कि 200 लोग लापता हैं। जंगल की आग की चपेट में आकर कई घर बर्बाद हो चुके हैं। उन्हें आशंका है कि मरने वालों की संख्या में और वृद्धि हो सकती है।

शुक्रवार को तेजी से फैली आग की वजह से वीना डेर मार और वलपराइसो की घनी आबादी वाले इलाकों में भी आग का खतरा मंडरा रहा है। यह दोनों तटीय क्षेत्र पर्यटकों के बीच खासतौर से प्रसिद्ध हैं। इंटरनेट मीडिया पर साझा किए जा रहे वीडियो में नजर आ रहा है कि पहाड़ी की ओर लगी आग वलपराइसो में अपार्टमेंट वाले इलाके के पास तक पहुंच गई है। आसमान में धुएं का गुबार उठ रहा है।

आग के कारण सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में रात नौ बजे कर्फ्यू लगा दिया गया था। साथ ही दमकलकर्मियों की सहायता के लिए सेना उतारी गई थी। आग बुझाने के लिए हेलीकाप्टर से पानी का छिड़काव किया जा रहा है। उप गृहमंत्री ने कहा है कि चिली में 165 स्थानों पर आग भड़कने के मामले सामने आ चुके हैं। इसकी चपेट में आकर 14000 के करीब घर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। वलपराइसो इलाके के गवर्नर ने कहा कि उनका मानना है कि कुछ स्थानों पर आग जानबूझकर लगाई गई है। हम इसकी जांच कर रहे हैं कि इसके पीछे कौन जिम्मेदार हैं।

पाकिस्तान में पुलिस स्टेशन पर हमला, 10 पुलिसकर्मियों की मौत

● खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस स्टेशन को घेरकर की गई फायरिंग

● छह पुलिसकर्मी घायल, किसी ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है

पाकिस्तान के डेरा इस्माइल खान में सोमवार को पुलिस स्टेशन पर आतंकी हमले में मारे गए पुलिसकर्मी के शव को अस्पताल की मर्चुरी में ले जाते सहकर्मी। एएफपी

पेशावर, प्रेट्र : पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में एक पुलिस स्टेशन पर आतंकियों ने हमला बोल दिया। इस हमले में 10 पुलिसकर्मी की मौत हो गई, जबकि छह घायल हो गए। यह हमला तड़के तीन बजे के करीब किया गया था। घटना तब हुई है, जब चुनाव को लेकर सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद होने का दावा किया जा रहा है।

यह हमला डेरा इस्माइल खान में स्थित एक पुलिस स्टेशन पर किया गया। अभी तक किसी ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी नसीर मोहम्मद ने कहा कि भारी हथियारों से लैस आतंकियों ने यह हमला किया था। उनमें स्नाइपर भी शामिल थे। पहले उन्होंने हमला बोला। उसके बाद पुलिस स्टेशन को चारों ओर से घेर लिया गया और अंदर ग्रेनेड फेंके गए। साथ ही अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी गई। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की, लेकिन वह हमला कर भागने में कामयाब रहे। उन्होंने कहा कि पुलिस ने इलाके में नाकेबंदी कर दी है और उनकी तलाश की जा रही है।

गौरतलब है आठ फरवरी को चुनाव होने हैं। इस हमले के कारण खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत में चुनाव के दौरान सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। खैबर पख्तूनख्वा के कार्यवाहक मुख्य मंत्री अरशद हुसैन ने पुलिस स्टेशन पर किए गए हमले की निंदा की है। साथ ही पीड़ित लोगों के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की हैं। द न्यूज इंटरनेशनल अखबार की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान में आतंकी हमले तेजी से बढ़े हैं। देश में इस वर्ष जनवरी में 93 आतंकी हमले हुए हैं। इन हमलों में 90 लोगों की मौत हो गई, जबकि 135 घायल हुए।

म्यांमार के मोर्टार के गोले बांग्लादेश सीमा में गिरे, महिला समेत दो की मौत

ढाका, प्रेट्र : म्यांमार की ओर से दागे गए मोर्टार के गोले सीमा पार बांग्लादेशी गांव में गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक महिला और एक पुरुष शामिल है। महिला बांग्लादेशी, जबकि पुरुष रोहिंग्या है। बंदरबन के उपायुक्त और प्रशासनिक प्रमुख शाह मुजाहिद उद्दीन ने कहा कि वे रविवार को सीमा के पास जपैताली इलाके में मारे गए। इस बीच, बार्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के अधिकारियों ने कहा कि म्यांमार के 27 और अर्धसैनिक बार्डर गार्ड पुलिस रात भर सीमा पार कर गए क्योंकि सीमा के दूसरी ओर सरकारी सैनिकों और विद्रोही अराकान सेना के बीच भीषण गोलीबारी जारी रही। बीजीबी के प्रवक्ता ने कहा कि हमारी हिरासत में उनके कर्मियों की संख्या अब 95 हो गई है। उनमें से अधिकांश अपने हथियार अपने साथ लाए थे। उनमें से कई गोलियों से घायल होकर सीमा पार कर गए और उनका इलाज रोहिंग्या शिविरों में स्वास्थ्य सुविधाओं सहित विभिन्न अस्पतालों में किया जा रहा है। डाक्टरों ने कहा है कि उनमें से कई की हालत गंभीर हैं।

चीनी मूल के आस्ट्रेलियाई लेखक को चीन में दी गई मौत की सजा

यांग हेंगजुन, साथ में हैं उनकी पत्नी युआन जियाओलियांग। फाइल/एपी

बीजिंग, एपी : चीन की अदालत ने सोमवार को चीनी मूल के आस्ट्रेलियाई लेखक यांग हेंगजुन को जासूसी का दोषी मानते हुए मौत की सजा सुनाई। 19 जनवरी 2019 को न्यूयार्क से पत्नी और सौतेली बेटी के साथ चीन के शहर ग्वांगझो पहुंचने पर उन्हें गिरफ्तार किया गया था। मई 2021 में उन पर बंद दरवाजों के पीछे मुकदमा चलाया गया। पूर्व चीनी राजनयिक यांग आस्ट्रेलिया में राजनीतिक टिप्पणीकार और जासूसी उपन्यास के लेखक बन गए थे। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि जासूसी का दोषी मानते हुए हेंगजुन को दो साल की सजा काटने के बाद मौत की सजा सुनाई गई है।

लेबर पार्टी ने इंफोसिस को लेकर सुनक सरकार को घेरा

▸ किया दावा, इंफोसिस को ब्रिटेन में बढ़ने में मदद का वादा किया गया था

▸ व्यापार मंत्री ने पिछले वर्ष बेंगलुरु में कंपनी कार्यालय

लंदन, प्रेट्र : ब्रिटेन की विपक्षी लेबर पार्टी ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के नारायण मूर्ति के साथ पारिवारिक संबंधों के कारण इंफोसिस को ब्रिटेन में बढ़ने में मदद का वादा किया गया था, जिसके बाद इंफोसिस को प्रभावी ढंग से वीआइपी पहुंच प्रदान की गई थी।

संडे मिरर की रिपोर्ट में कहा गया कि व्यापार मंत्री लार्ड डोमिनिक जानसन ने पिछले वर्ष अप्रैल में एक यात्रा के दौरान बेंगलुरु में कंपनी कार्यालय में बैठक के दौरान इंफोसिस के ब्रिटेन में संचालन को लेकर चर्चा की थी। बैठक में कथित तौर पर जानसन ने स्पष्ट किया था कि वह ब्रिटेन में इंफोसिस की बड़ी उपस्थिति देखने के इच्छुक हैं। इसे सुविधाजनक बनाने के लिए वह जो बन सकेगा करेंगे।

विपक्ष के नेता ने कहा, जनता को आश्चर्य होगा कि ऋषि सुनक के व्यक्तिगत रूप से इतने करीबी संगठन को यह वीआइपी पहुंच क्यों दी गई। विपक्ष ने कहा कि यह गंभीर प्रश्न है। लेबर पार्टी की ओर से दावा किया गया कि सुनक की पत्नी अक्षता मूर्ति के पास इसमें 0.91 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जिसका मूल्य लगभग 500 मिलियन पाउंड है और पिछले वित्तीय वर्ष में उन्हें लाखों का लाभांश प्राप्त हुआ था।

ऋषि सुनक। फाइल फोटो

नवाज सत्ता में लौटे तो नहीं बनूंगा विदेश मंत्री : बिलावल

इस्लामाबाद, प्रेट्र : पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के चेयरमैन और पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने सोमवार को कहा, यदि पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ सत्ता में लौटते हैं तो वह उनकी सरकार में विदेश मंत्री नहीं बनेंगे। दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के 35 वर्षीय बेटे बिलावल 2022 में गठबंधन सरकार में देश के सबसे कम उम्र के विदेश मंत्री बने थे। इमरान खान की सरकार जाने के बाद नवाज के छोटे भाई शहबाज शरीफ की अगुआई में गठबंधन सरकार बनी थी।

इंडिपेंडेंट उर्दू को एक साक्षात्कार में बिलावल ने कहा, यदि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज सत्ता में आती है तो उनके लिए उसके साथ हाथ मिलाना कठिन होगा। मैं पुरानी राजनीति में भाग नहीं ले सकता। यदि वह उससे अलग होकर देश में लोकतंत्र को लाभ पहुंचाने वाला माहौल बनाते हैं तो मैं उनके साथ खड़ा हो सकता हूं।'

****

हाफिज सईद की पार्टी से चुनाव लड़ रहे कई लश्कर आतंकी

▸ मुंबई हमले के मास्टरमाइंड सईद के कई रिश्तेदार भी चुनावी मैदान में

▸ पाकिस्तान में आठ फरवरी को होना है चुनाव, लाहौर जेल में बंद है सईद

इस्लामाबाद, प्रेट्र : मुंबई हमले का साजिशकर्ता व वैश्विक आतंकी हाफिज सईद की नई राजनीतिक पार्टी मरकजी मुस्लिम लीग पाकिस्तान में आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव में हिस्सा ले रही है। प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा, जमात-उद-दावा और मिल्ली मुस्लिम लीग से जुड़े कई आतंकी इस पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं। जेल में बंद हाफिज की पार्टी को प्रतिबंधित समूहों का एक नया चेहरा माना जा रहा है।

बीबीसी उर्दू की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हाफिज का बेटा तल्हा सईद इस पार्टी के चुनाव चिह्न पर लाहौर में नेशनल असेंबली निर्वाचन क्षेत्र एनए-122 से चुनाव लड़ रहा है। इसी तरह हाफिज का दामाद हाफिज नेक गुज्जर प्रांतीय विधानसभा क्षेत्र पीपी 162 से चुनाव लड़ रहा है। इसके अलावा इस पार्टी के कई प्रत्याशी लश्कर, जमात-उद-दावा या मिल्ली मुस्लिम लीग से जुड़े लोग हैं। हाफिज को पाकिस्तान की आतंकवाद रोधी अदालतों ने टेरर फंडिंग के कई मामलों में कुल 31 साल की कैद की सजा सुनाई है। फिलहाल वह लाहौर जेल बंद है। उसे 10 दिसंबर 2008 को संयुक्त राष्ट्र ने वैश्विक आतंकी घोषित किया था। पाकिस्तान ने लश्कर-ए-तैयबा, जमात-उद-दावा और उससे संबंधित संगठनों (खैर नास इंटरनेशनल ट्रस्ट, फलाह इंसानियत फाउंडेशन, अल-अनफाल ट्रस्ट, अल-दावत अल-अरशद, अल-हमद ट्रस्ट, अल-मदीना फाउंडेशन व म्यूअज बिन जबल एजुकेशनल ट्रस्ट) को प्रतिबंधित संगठनों की सूची में डाला हुआ है। हालांकि मरकजी मुस्लिम लीग के प्रवक्ता ने हाफिज के संगठनों से किसी भी तरह के जुड़ाव से इन्कार किया है।

गुलाम जम्मू-कश्मीर के छात्रों ने नहीं मनाया कश्मीर एकजुटता दिवस

गिलगिट बाल्टिस्तान, एएनआइ : इस्लामाबाद में सोमवार को कश्मीर एकजुटता दिवस मनाने के आह्वान को ठुकराते हुए गुलाम जम्मू-कश्मीर के छात्रों ने पाकिस्तान विरोधी प्रदर्शन किया। पाक में कश्मीरियों के प्रति समर्थन दिखाने के लिए कश्मीर एकजुटता दिवस मनाया जाता है।

स्थानीय लोग गुलाम जम्मू-कश्मीर और भारत के केंद्रशासित प्रदेश जम्मू एवं कश्मीर के विकास में भारी अंतर का उदाहरण देते हैं। कश्मीर पर पाकिस्तान के धोखे को उजागर करते हुए गुलाम जम्मू-कश्मीर के निवासी इस्लामाबाद से इस मुद्दे पर दुष्प्रचार की जगह अपनी कमियों पर ध्यान देने को कह रहे हैं। राजनीतिक कार्यकर्ता तौकीर गिलानी ने कहा, संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव के अनुसार, पाकिस्तान यहां की जनता की जरूरतों का ध्यान रखने के लिए बाध्य है। एक तरफ पाकिस्तान कश्मीर एकजुटता दिवस मनाने की घोषणा करता है तो दूसरी तरफ अपने नियंत्रण में यहां के लोगों को बुनियादी अधिकार देने से भी मना कर रहा है।

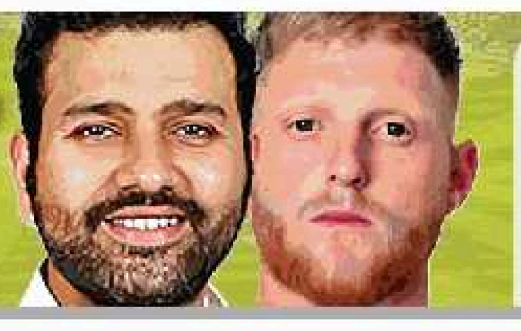

मेरे जीवन में अनुशासन का काफी महत्व है जिसे मैं फॉलो करता हूं। क्या सोना है, खाना है और किस तरह अभ्यास करना है इस प्रक्रिया का पालन करना जरूरी है। अगर यह सब करते रहे तो प्रदर्शन भी सही रहता है।

- यशस्वी जायसवाल, भारतीय बल्लेबाज

गेंदबाजों ने तोड़ा अंग्रेजों का घमंड

- दूसरा टेस्ट 106 रन से जीती भारतीय टीम
- पांच मैचों की सीरीज में की 1-1 से बराबरी
- जसप्रीत बुमराह चुने गए प्लेयर आफ द मैच

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अनुभवी आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से भारत ने दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 106 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-1 से शानदार वापसी की। भारत के 399 रन के लक्ष्य के सामने अंग्रेज सोमवार को दूसरी पारी में केवल 292 रन ही बना पाए। इसके साथ ही भारतीय गेंदबाजों ने इंग्लैंड टीम के 'बैजबाल' के दावे की भी हवा निकाल दी। दरअसल, जब भारतीय टीम ने 399 रन का लक्ष्य रखा था तो इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा था कि हम तो 600 से ज्यादा के लक्ष्य की उम्मीद कर रहे थे। उन्होंने कहा था कि हमारी टीम 60-70 ओवर में ही लक्ष्य प्राप्त करने का प्रयास करेगी, लेकिन भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के सामने इंग्लिश बल्लेबाज 300 रन का आंकड़ा भी नहीं छू पाए।

भारत के लिए पहली पारी में छह विकेट चटकाने वाले प्लेयर आफ द मैच बुमराह ने दूसरी पारी में तीन विकेट लिए। बुमराह का इंग्लैंड के विरुद्ध यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। उनके अलावा अश्विन ने तीन विकेट लिए, लेकिन वह टेस्ट में अपने 500 विकेट के आंकड़े को छूने से फिर रह गए। अब वह इस आंकड़े से केवल एक विकेट दूर हैं। इंग्लैंड ने दिन की शुरुआत एक विकेट पर 67 रन से की। टीम ने पहले सत्र में अपने चिर परिचित बैजबाल स्टाइल में तेजी से 127 रन बनाए, लेकिन भारत ने पांच महत्वपूर्ण विकेट प्राप्त कर मैच पर अपना दबदबा कायम कर लिया। लंच से पहले पांच गेंद के अंदर कुलदीप ने क्राउले को आउट किया जबकि बुमराह ने जानी बेयरस्टो को चलता कर इंग्लैंड को बड़ा झटका दिया। इस समय इंग्लैंड का स्कोर छह विकेट पर 194 रन था। लंच के बाद श्रेयस अय्यर के सटीक थ्रो पर कप्तान बेन स्टोक्स के रन आउट होने के साथ ही इंग्लैंड की उम्मीदें खत्म हो गईं। विकेटकीपर बेन फाक्स और टाम हार्टले ने आठवें विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी करके गेंदबाजों को थोड़ा परेशान किया लेकिन इस साझेदारी के टूटने के बाद टीम ने जल्दी ही बाकी बचे दोनों विकेट लेकर औपचारिकता पूरी की।

डीआरएस पर विवाद : रविचंद्रन अश्विन की गेंद पर हार्टले के विरुद्ध भारतीय खिलाड़ियों की कैच अपील को मैदानी अंपायर ने मान लिया, लेकिन इंग्लिश बल्लेबाज हार्टले ने डीआरएस लेने का निर्णय लिया। डीआरएस में दिखा की गेंद उनकी बाजू से लगकर हवा में गई थी। तीसरे अंपायर ने एलबीडब्ल्यू के लिए 'अंपायर्स काल' को बरकरार रखा लेकिन यह डीआरएस कैच के लिए ली गई थी। लिहाजा एलबीडब्ल्यू के बारे में विचार नहीं किया गया। कप्तान रोहित शर्मा और भारतीय खिलाड़ी हालांकि इससे नाराज दिखे।

स्टोक्स का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते भारतीय टीम • एएनआइ

स्कोर बोर्ड

भारत (पहली पारी): 396 इंग्लैंड (पहली पारी): 253 भारत (दूसरी पारी): 255

इंग्लैंड (दूसरी पारी): 292 (69.2 ओवर) (67/1 से आगे)

	रन	गेंद	4/6
क्राउले एलबीडब्ल्यू बो. कुलदीप	73	132	8/1
रेहान एलबीडब्ल्यू बो. अक्षर	23	31	5/0
ओली पोप का. रोहित बो. अश्विन	23	21	5/0
जो रूट का. अक्षर बो. अश्विन	16	10	2/1
बेयरस्टो एलबीडब्ल्यू बो. बुमराह	26	36	5/0
बेन स्टोक्स रन आउट	11	29	1/0
फोक्स का. एवं बो. बुमराह	36	69	4/1
टाम हार्टले बो. बुमराह	36	47	5/1
बशीर का. भरत बो. मुकेश	00	08	0/0
जेम्स एंडरसन अविजित	05	08	1/0

अतिरिक्त : (बा-8, लेग-5, नोबा-2) 15, कुल : 69.2 ओवर में 292 रन पर सभी आउट. विकेट पतन : 2-96 (रेहान, 21.5), 3-132 (पोप, 28.2), 4-154 (रूट, 30.6), 5-194 (क्राउले, 41.6), 6-194 (बेयरस्टो, 42.4), 7-220 (स्टोक्स, 52.4), 8-275 (फोक्स, 64.6), 9-281 (बशीर, 67.3)

गेंदबाजी : जसप्रीत बुमराह 17.2-4-46-3, मुकेश कुमार 5-1-26-1, कुलदीप यादव 15-0-60-1, रविचंद्रन अश्विन 18-2-72-3, अक्षर पटेल 14-1-75-1

युवा खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन पर गर्व : रोहित

दूसरे टेस्ट मे शानदार जीत के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने इसका श्रेय युवा खिलाड़ियों को दिया। रोहित ने कहा कि इंग्लैंड जैसी मजबूत टीम के खिलाफ युवा खिलाड़ियों का ऐसा प्रदर्शन आत्मविश्वास बढ़ाने वाला है। इस टीम में कई युवा हैं, इस प्रारूप में नए हैं और उन्हें सामंजस्य बिठाने में कुछ समय लगेगा। यह जीत हमें काफी आत्मविश्वास देती है। ऐसी युवा टीम के साथ मुकाबला करने पर मुझे बहुत गर्व है। यह हमारे लिए बहुत सकारात्मक है। बुमराह के बारे में रोहित ने कहा, वह हमारे लिए एक चैंपियन खिलाड़ी है। वह पिछले कुछ समय से हमारे लिए यह काम कर रहा है।

डीआरएस की गलती से आउट हुए क्रावले : स्टोक्स

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स का मानना है कि जैक क्रावले को 'डीआरएस' की तकनीक में गलती के कारण आउट होना पड़ा। लंच से पहले कुलदीप की गेंद पर एलबी डब्ल्यू आउट दिए गए। मैदानी अंपायर ने उन्हें आउट नहीं दिया था लेकिन भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के 'डीआरएस' लेने के बाद उन्हें आउट करार दिया गया। गेंद मिडिल स्टंप के सामने टप्पा खाने के बाद लेग स्टंप की ओर टर्न कर रही थी। डीआरएस में गेंद लेग स्टंप से टकराते दिखी। स्टोक्स ने कहा कि हर किसी को इसके कारणों की समझ है कि यह कभी भी 100% नहीं हो सकता है। मुझे लगता है कि तकनीक ने गलत परिणाम दिया।

जसप्रीत बुमराह का टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

9/86	बनाम आस्ट्रेलिया	मेलबर्न	2018
9/91	बनाम इंग्लैंड	विशाखापत्तनम	2024
9/110	बनाम इंग्लैंड	नाटिंघम	2021

भारत में मेहमान टीम का चौथी पारी में सर्वोच्च स्कोर

स्कोर	टीम	स्थान	वर्ष	परिणाम
299/5	श्रीलंका	दिल्ली	2017	ड्रा
292	इंग्लैंड	विशाखापत्तनम	2024	हार
276/5	वेस्टइंडीज	दिल्ली	1987	जीत
272/6	न्यूजीलैंड	अहमदाबाद	2003	ड्रा

9 विकेट लिए बुमराह ने इस मैच में 91 रन देकर जो भारतीय तेज गेंदबाज का इंग्लैंड के विरुद्ध दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 1986 में चेतन शर्मा ने इंग्लैंड के विरुद्ध 188 रन देकर 10 विकेट लिए थे

'बैजबाल' युग में इंग्लैंड को हराने वाले रोहित पहले एशियाई कप्तान

नई दिल्ली : रोहित शर्मा के लिए विशाखापत्तम की जीत बेहद खास है। इंग्लैंड ने जब से बैजबाल शैली में क्रिकेट खेलना शुरू किया है, तब से उसे हराने वाले रोहित पहले एशियाई कप्तान बन गए हैं। रोहित की कप्तानी में खेले गए 13 टेस्ट मैचों में यह भारत की सातवीं जीत है। इसके साथ ही रोहित भारत के लिए सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच जीतने के मामले में महेंद्र सिंह धौनी से आगे निकल गए हैं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा तीनों प्रारूपों को मिलाकर भारत के लिए कुल 469 मैच खेल चुके हैं और इनमें से टीम को 296 मैचों में जीत मिली है। वहीं धौनी भारत के लिए 535 मैच खेले थे और 295 मैच जीते थे।

गिल की अंगुली का स्कैन हुआ

विशाखापत्तनम : भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल ने अंगुली की चोट को ज्यादा तवज्जो नहीं देते हुए सोमवार को कहा कि उन्होंने इसका 'स्कैन' कराया है जिसमें चिंता की कोई बात सामने नहीं आई है और वह अगले कुछ दिनों में ठीक हो जाएंगे। गिल सोमवार को दाहिनी तर्जनी अंगुली में चोट लगने के कारण क्षेत्ररक्षण के लिए मैदान पर नहीं उतरे थे। उनकी जगह सरफराज खान ने क्षेत्ररक्षण किया था। गिल को यह चोट शनिवार को क्षेत्ररक्षण के दौरान लगी थी।

डब्ल्यूटीसी तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंचा भारत

विशाखापत्तनम टेस्ट में जीत के साथ ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में भारतीय टीम लंबी छलांग के बाद पांचवें से दूसरे स्थान पर पहुंच गई। इस जीत से भारत ने डब्ल्यूटीसी 2023-25 तालिका में शीर्ष पर चल रहे आस्ट्रेलिया और अपने बीच का अंतर कम कर दिया है। भारत के अंक प्रतिशत 52.77 हो गए हैं जबकि आस्ट्रेलिया 55.00 प्रतिशत अंक के साथ शीर्ष पर है। हैदराबाद टेस्ट में हार के बाद भारतीय टीम पांचवें नंबर पर खिसक गई थी।

स्थान	टीम	मैच	जीत	हार	ड्रा	अंक	पीसीटी
1	आस्ट्रेलिया	10	6	3	1	66	55
2	भारत	6	3	2	1	38	52.77
3	द. अफ्रीका	2	1	1	0	12	50
4	न्यूजीलैंड	2	1	1	0	12	50
5	बांग्लादेश	2	1	1	0	12	50
6	पाकिस्तान	5	2	3	0	22	36.66
7	वेस्टइंडीज	4	1	2	1	16	33.33
8	इंग्लैंड	7	3	3	1	21	25
9	श्रीलंका	2	0	2	0	0	0

एक नजर में

फैबियन एलन से हुई लूट

नई दिल्ली : वेस्टइंडीज के पूर्व खिलाड़ी फैबियन एलन के साथ बंदूक की नोक पर लूट की वारदात हुई है। जमैका के आलराउंडर वर्तमान में एसए20 लीग में खेल रहे हैं। 28 साल के फैबियन पार्ल रायल्स फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्हें जोहानिसबर्ग में टीम होटल के बाहर निशाना बनाया गया। बंदूक से लैस हमलावरों ने सैंडटन सन होटल के पास फैबियन को बंदूक दिखाकर उनका फोन और बैग सहित निजी सामान जबरन छीन लिया। इस घटना ने एसए20 में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। पार्ल रायल्स टीम, एसए20 और क्रिकेट वेस्टइंडीज के सूत्रों ने इस घटना की पुष्टि की है। (जेएनएन)

न्यूजर्सी में होगा फीफा विश्व कप 2026 का फाइनल मैच

न्यूयार्क : फुटबाल विश्व कप 2026 का फाइनल अमेरिका के न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खेला जाएगा। न्यू जर्सी ने इस दौड़ में टेक्सास और कैलिफोर्निया जैसे राज्यों को पछाड़कर यह अधिकार हासिल किया। 48 देशों और 104 मैचों वाले इस विश्व कप का फाइनल 19 जुलाई 2026 को खेला जाएगा। फीफा विश्व कप की शुरुआत 11 जून से होगी और इस मैच की मेजबानी का अधिकार मेक्सिको सिटी के एस्टाडियो एज्टेका को मिला है। (एपी)

अजेय क्रम जारी रखने उतरेगी भारतीय टीम

बेनोनी : बेहतरीन फार्म में चल रहा भारत अपना अजेय क्रम जारी रखते हुए मंगलवार को यहां मेजबान दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध आइसीसी अंडर-19 विश्व कप के पहले सेमीफाइनल में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा। गत चैंपियन भारत ने टूर्नामेंट में लगातार पांच जीत की बदौलत अंतिम चार में जगह बनाई है और लगभग सभी मुकाबलों में टीम ने अपने आलराउंड प्रदर्शन की बदौलत दबदबा बनाया है। भारतीय टीम किसी विशेष खिलाड़ी पर निर्भर नहीं रही है बल्कि जरूरत पड़ने पर सभी खिलाड़ियों ने योगदान दिया है। बल्लेबाज जहां ढेरों रन बनाने में सफल रहे तो वहीं गेंदबाजों को विरोधी टीमों को समेटने में सफलता मिली और जीत का अंतर भी अच्छा खासा रहा। मुशीर खान मौजूदा टूर्नामेंट के सबसे सफल बल्लेबाज हैं। (प्रेट्र)

अबुधाबी ने शारजाह को हराकर नाकआउट की ओर बढ़ाए कदम

क्रिकेट डायरी

नई दिल्ली, जेएनएन : आइएलटी-20 में अबुधाबी नाइटराइडर्स ने शारजाह वारियर्स पर बड़ी जीत दर्ज करते हुए नाकआउट के लिए अपना दावा और मजबूत कर लिया है। सोमवार को अबुधाबी नाइटराइडर्स के गेंदबाजों के आगे वारियर्स की बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह ढह गई और टीम पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाए। रवि बोपारा और जोशुआ लिटिल की घातक गेंदबाजी के आगे पूरी टीम सिर्फ 75 रन ही बना सकी। बोपारा ने चार विकेट लिए, जबकि लिटिल ने तीन बल्लेबाजों को आउट किया। इन दोनों के अलावा डेविड विली ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नाइटराइडर्स ने 10.1 ओवर में तीन विकेट खोकर यह लक्ष्य प्राप्त कर लिया। इस जीत के साथ ही टीम अंक तालिका में 10 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।

जी फाइव व एंड पिक्चर्स पर प्रसारित मुकाबले में अबुधाबी ने टास जीतकर गेंदबाजी चुनी और उसका यह निर्णय बिल्कुल सही साबित हुआ। विली ने पहले ही ओवर में डिकवेला को आउट किया और अगले ओवर में लिटिल ने लिविंगस्टोन को वापस भेजा। सात रन के स्कोर पर उसके तीन विकेट गिर चुके थे और इसके बाद टीम उबर ही नहीं पाई। उसके लिए डेनियल सैम्स ने 24 रन बनाए।

श्रीलंका ने एकमात्र टेस्ट में 10 विकेट से हराया

कोलंबो, प्रेट्र : बाएं हाथ के स्पिनर प्रबाथ जयसूर्या ने मैच में आठ विकेट चटकाए जिससे श्रीलंका ने सोमवार को अफगानिस्तान के विरुद्ध एकमात्र क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन 10 विकेट से जीत दर्ज की। पहली पारी में 198 रन बनाने वाला अफगानिस्तान दूसरी पारी में 296 रन पर सिमट गया जिससे श्रीलंका को 56 रन का लक्ष्य मिला जो उसने दिमुथ करुणारत्ने (नाबाद 32) और निशान मदुशंका (नाबाद 22) की पारियों की बदौलत बिना विकेट खोए आठवें ओवर में ही हासिल कर लिया। एंजेलो मैथ्यूज (141) और दिनेश चांदीमल (107) के शतक से श्रीलंका ने पहली पारी में 439 रन बनाकर 241 रन की बढ़त हासिल की थी।

विराट पर चयनकर्ता ही दे सकते हैं जवाब : द्रविड़

विशाखापत्तनम, प्रेट्र : विराट कोहली के सीरीज के बाकी मैचों में खेलने पर भी संशय है। विराट कोहली की उपलब्धता पर जब कोच राहुल द्रविड़ से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अगले तीन मैचों के लिए टीम चुने जाने जाते समय चयनकर्ता इसका सर्वश्रेष्ठ जवाब दे पाएंगे। इस बारे में आपको उनसे पूछना चाहिए।

बाकी तीन टेस्ट मैचों के लिए मंगलवार को टीम घोषित की जा सकती है। इस बीच, जसप्रीत बुमराह को राजकोट में तीसरे टेस्ट से आराम दिया जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, कार्यभार प्रबंधन के तहत बुमराह को आराम देकर अंतिम दो टेस्ट मैचों के लिए तरोताजा रखना है। बुमराह की जगह मोहम्मद सिराज को मौका मिल सकता है, जिन्हें दूसरे मैच में आराम दिया गया था। वहीं, चोटिल रवींद्र जडेजा का राजकोट में खेलना तय नहीं है, जबकि केएल राहुल वापसी कर सकते हैं। इशान किशन से जुड़े सवाल पर द्रविड़ ने कहा कि इशान को राष्ट्रीय टीम में चयन के विचार के लिए किसी प्रकार का क्रिकेट खेलना शुरू करना होगा। हर किसी के लिए वापसी का एक तय रास्ता है। मुद्दा यह है कि उसने खुद 'ब्रेक' का अनुरोध किया था, हम उसे 'ब्रेक' देकर खुश है। जब भी वह तैयार हो, मैंने यह नहीं कहा कि उसे घरेलू क्रिकेट खेलना है, मैंने कहा कि जब भी वह तैयार है, उसे कुछ क्रिकेट खेलना होगा और वापस आना होगा। यह उसे तय करना है कि वह कब खेलना शुरू करेगा।

राहुल द्रविड़ • फाइल फोटो, एपी

कभी रैंक टर्नर की मांग नहीं की : द्रविड़ ने कहा कि टीम प्रबंधन घरेलू मैदान पर खेलते समय रैंक टर्नर (स्पिन पिच) की मांग नहीं करता है और यह अनुमान लगाना कठिन है कि टेस्ट में पांच दिनों के दौरान कोई विशेष पिच कैसा बर्ताव करेगी। अगले मैच में पिच को लेकर पूछने पर द्रविड़ ने कहा कि क्यूरेटर पिच तैयार करते है। हम 'रैंक टर्नर' नहीं मांगते। जाहिर तौर पर भारत में पिचों पर गेंद टर्न लेगी। लेकिन गेंद कितना टर्न लेगी, मैं विशेषज्ञ नहीं हूं। भारत में चार या पांच दिनों के दौरान पिच से स्पिनरों को मदद मिलती है। मुझे कभी-कभी बताया जाता है कि गेंद तीसरे दिन से टर्न लेगी लेकिन वे पहले दिन से ही टर्न लेने लगती है। कभी-कभी मुझे बताया जाता है कि दूसरे दिन से पिच से स्पिनरों को मदद मिलेगी लेकिन चौथे दिन तक कोई मदद नहीं होती है।

अबुधाबी लौटेगी इंग्लैंड

इंग्लैंड की अबुधाबी लौटेगी और तीसरा टेस्ट शुरू होने से पहले फिर भारत लौटेगी। भारत दौरे पर आने से पहले इंग्लैंड की टीम ने अबुधाबी में भी अभ्यास किया था। तीसरा टेस्ट शुरू होने में अभी 10 दिन का समय है और इस ब्रेक का उपयोग करने के लिए इंग्लिश टीम ने अबुधाबी जाने का निर्णय किया है। इस ब्रेक के दौरान इंग्लैंड की टीम गोल्फ भी खेलेगी।

रचिन रवींद्र के दोहरे शतक से न्यूजीलैंड की स्थिति मजबूत

माउंट मोंगानुई, एपी : रचिन रवींद्र (240) के दोहरे शतक से न्यूजीलैंड ने दो मैचों की सीरीज के शुरुआती टेस्ट के दूसरे दिन सोमवार को अपनी पहली पारी में 511 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। दिन का खेल खत्म होने तक दक्षिण अफ्रीका ने 80 रन तक चार विकेट गंवा दिए जिससे उसकी मुश्किलें और बढ़ गई। टीम अब भी 431 रन से पीछे है। स्टंप्स के समय डविड बेडिंघम 29 रन और कीगन पीटरसन दो रन बनाकर अविजित थे।

काइल जैमीसन ने 10वें ओवर में तीन गेंद के अंदर दो विकेट लिए जिससे दक्षिण अफ्रीका का स्कोर तीन विकेट पर 30 रन हो गया। मैच का दूसरा दिन रचिन के नाम रहा। न्यूजीलैंड ने पहले दिन दो विकेट पर 258 रन बनाए थे जिसमें 219 रन केन विलियमसन और रचिन की दूसरे विकेट की अटूट साझेदारी में बने थे। सोमवार को हालांकि यह साझेदारी ज्यादा आगे नहीं बढ़ी और विलियमसन 118 रन बनाकर आउट हुए। रचिन ने एक छोर से शानदार बल्लेबाजी जारी रखते हुए 340 गेंद में अपना दोहरा शतक पूरा किया। वह मैथ्यू सिंक्लेयर के बाद दोहरा शतक जड़ने वाले न्यूजीलैंड के दूसरे सबसे युवा बल्लेबाज हैं। वह अपने पहले टेस्ट शतक को दोहरा शतक में बदलने वाले न्यूजीलैंड के तीसरे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले सिंक्लेयर और मार्टिन डोनली ने यह कारनामा किया है। अपना पहला टेस्ट खेल रहे दक्षिण अफ्रीका के कप्तान नील ब्रांड ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने 119 रन देकर छह विकेट झटके।

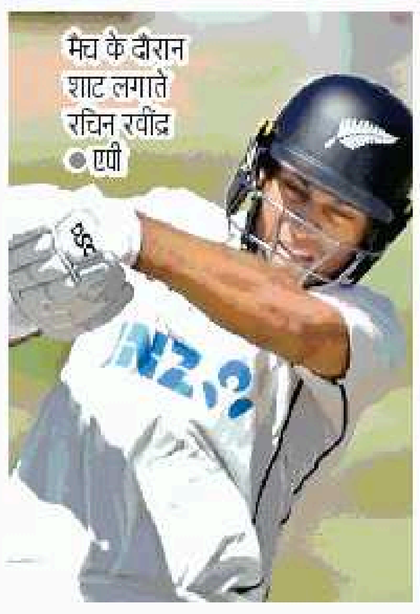

मैच के दौरान शाट लगाते रचिन रवींद्र • एपी

निकहत और साक्षी क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

खेल डायरी

सोफिया, प्रेट्र : दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (50 किग्रा) और साक्षी चौधरी (57 किग्रा) ने 75वें स्ट्रैंड्जा मेमोरियल मुक्केबाजी टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत विपरीत अंदाज में जीत के साथ की, जबकि ओलिंपिक कांस्य पदक विजेता भारत की लवलीना बोरगोहाई (75 किग्रा आयरलैंड की ओरोरके ओइफे के विरुद्ध डिस्क्वालीफिकेशन से हार के कारण बाहर हो गईं।

रेफरी ने प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले के तीसरे दौर में एक मिनट 18 सेकेंड का खेल होने के बाद लवलीना को विरोधी खिलाड़ी को बहुत अधिक पकड़ने के कारण तीसरी बार चेतावनी देकर अयोग्य घोषित कर दिया। पेरिस ओलिंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकीं 26 साल की गत विश्व चैंपियन लवलीना ने पहले दो राउंड 3-2 से जीते, लेकिन दोनों राउंड में उनका एक-एक अंक कट गया जिसके कारण वह तीन मिनट के तीसरे राउंड से पहले पीछे चल रहीं थीं। वहीं, निकहत ने मंगोलिया की ओयुंटसेटसेग येसुगेन पर 3-2 से करीबी जीत दर्ज की। वह गुरुवार को क्वार्टर फाइनल में फ्रांस की लखदिरी वासिला से भिड़ेंगी। दूसरी ओर साक्षी ने अपने तेज मूवमेंट और आश्चर्यचकित करने वाले हमलों से अल्जीरिया की सेलमौनी चाहिरा को पछाड़ दिया। उन्होंने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा और सर्वसम्मत निर्णय से 5-0 की आसान जीत हासिल कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। गुरुवार को क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला उज्बेकिस्तान की मामाजोनोवा खुमोराबोनू से होगा। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति पवार (54 किग्रा) को आयरलैंड की फे नियाम से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। जुगनू (86 किग्रा) ने प्री क्वार्टर फाइनल में यूक्रेन के कोचरियन आशोट पर 3-2 से जीत हासिल की।

अंकिता और रुतुजा की जोड़ी डबल्स में हारी

मुंबई, प्रेट्र : अंकिता रैना और रुतुजा भोंसले की महिला डबल्स जोड़ी को सोमवार को यहां मुंबई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में शिकस्त का सामना करना पड़ा, जबकि वैष्णवी अडकर भी महिला सिंगल्स के पहले दौर में हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गई। अंकिता और रुतुजा की जोड़ी को हंगरी की फेनी स्टोलर और ग्रेट ब्रिटेन की नेकता बैन्स के विरुद्ध 6-3, 2-6, 8-10 से शिकस्त झेलनी पड़ी। 19 वर्षीय वैष्णवी ने दक्षिण कोरिया की सोहयुन पार्क को कड़ी टक्कर दी लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। सोहयुन ने वैष्णवी को 6-2, 2-6, 6-1 से हराया। राफेल नडाल अकादमी में ट्रेनिंग करने वाली 16 साल की एलिना कोर्नीवा ने फ्रांस की क्लो पेकेट को 6-1, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई।

मेसी के नहीं खेलने से प्रशंसक हुए नाराज

हांगकांग, एपी : हांगकांग में इंटर मियामी के फुटबाल मैच के आयोजक को लियोन मेसी के नहीं खेलने के कारण नाराज प्रशंसकों का सामना करना पड़ रहा है। रविवार को प्रदर्शनी मैच के दौरान प्रशंसकों ने इंटर मियामी के सह मालिक डेविड बेकहम की आलोचना की और पैसे वापसी की मांग की क्योंकि मेसी पैर की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण एक स्थानीय टीम के विरुद्ध मैच के दौरान बेंच पर बैठे रहे। आयोजकों ने कहा कि उन्हें मध्यांतर के दौरान सूचित किया गया था कि मेसी नहीं खेल पाएंगे। मैच के आयोजक टैटलर एशिया के अध्यक्ष मिशेल लामुनिअर ने कहा कि मेसी को स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में नामित किया गया था लेकिन बाद में पता चला कि मेसी नहीं खेल पाएंगे।

उत्तर प्रदेश और असम को बांटने पड़े अंक

रणजी ट्राफी

जासं, कानपुर : उत्तर प्रदेश और असम के बीच रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप-बी मैच के अंतिम दिन वर्षा होने की वजह से मैदान गीला होने के कारण एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी जिस कारण मैच ड्रा पर समाप्त हुआ और दोनों टीमों को एक-एक अंक बांटने पड़े।

उत्तर प्रदेश के पहली पारी में आठ विकेट पर 548 रन पारी घोषित के जवाब में असम ने भी ठोस शुरुआत करते हुए तीसरे दिन तक दो विकेट के नुकसान पर 316 रन बनाए थे। उत्तर प्रदेश के आर्यन जुयाल और करन शर्मा ने दोहरे शतक लगाए तो असम के परवेज और राहुल ने शतकीय पारी खेलकर टीम को मजबूत रखा, जिससे दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने मिली।

असम की पहली पारी का खेल पूरा नहीं हो पाने के चलते ड्रा मुकाबले में दोनों टीम को एक-एक अंक से संतोष करना पड़ा। उत्तर प्रदेश की टीम अभी तक घरेलू मैदान का लाभ नहीं ले सकी है। ग्रीन पार्क स्टेडियम में बंगाल के बाद असम के साथ भी मैच ड्रा हो गया।

फालोआन के बावजूद दिल्ली ने खेला ड्रा

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: भार्गव भट्ट और अतीत शेठ के तीन-तीन विकेटों से बड़ौदा ने रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप-डी मैच के अंतिम दिन दिल्ली की पहली पारी 177 रनों पर आलआउट कर उसे फालोआन खेलने के लिए मजबूर किया। दिन के खेल की समाप्ति तक दिल्ली ने दूसरी पारी में एक विकेट पर 68 रन बनाए और मैच ड्रा पर समाप्त हुआ। बड़ौदा ने तीसरे दिन ज्योत्सनील सिंह के अविजित दोहरे शतक से पहली पारी नौ विकेट पर 435 रन बनाकर घोषित की थी। दिल्ली के बल्लेबाज अपना प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे। दिल्ली की बल्लेबाजी पहली पारी में इतनी खराब रही कि उसके सिर्फ चार ही बल्लेबाज दहाई अंक तक पहुंच सके। दिल्ली के लिए आयुष बडोनी ने सर्वाधिक 44 रन बनाए। इससे पहले, दिल्ली ने दिन की शुरुआत चार विकेट पर 113 से की, लेकिन वह बड़ौदा के गेंदबाजों का ज्यादा देर सामना नहीं कर सके। बड़ौदा ने इस तरह 258 रनों की बढ़त हासिल की और दिल्ली को फालोआन खिलाने का निर्णय लिया। दूसरी पारी में दिल्ली ने सधी हुई शुरुआत की और यश ढुल (अविजित 39) और अर्पित राणा ने पहले विकेट के लिए 64 रन जोड़े। इस साझेदारी को महेश पिठिया ने अर्पित को आउट कर तोड़ा जिन्होंने 28 रन बनाए।

****

दैनिक जागरण सप्तरंग
अंतस और अध्यात्म का
मंगलवार, 6 फरवरी, 2024

चित्र: अकोश

जीवन दर्शन
श्रीश्री रविशंकर
आर्ट आफ लिविंग के प्रणेता आध्यात्मिक गुरु

आंतरिक शक्ति बढ़ाता है मौन

ध्यान में जब किसी व्यक्ति के मन से सभी प्रश्न लुप्त हो जाते हैं, तब भीतर की सर्वोच्च बुद्धि बोलने लगती है। यदि कोई पूरी तरह से मौन हो जाए तो वह बुद्धिमत्ता गंभीर समस्याओं का भी सर्वोत्तम समाधान प्रकट करने में सफल होती है। मौनी अमावस्या (नौ फरवरी) पर विशेष...

आज सभी के जीवन में करने के लिए बहुत कुछ है, पर समय बहुत कम है, जो लगभग हर एक के जीवन में तनाव पैदा कर रहा है। कार्य से निवृत्त होने पर भी मन को विश्राम नहीं मिलता। काम को कम करना और समय को बढ़ाना संभव नहीं है, ऐसे में हमारे पास एकमात्र विकल्प भीतर की ऊर्जा के स्तर को बढ़ाना है। जब हमारे पास ऊर्जा और उत्साह होता है तो हम किसी भी चुनौती से निपटने में सक्षम हो जाते हैं, लेकिन प्रश्न यह है कि ऊर्जा कैसे बढ़ाई जाए?

वस्तुतः ध्यान, योग ऊर्जा बढ़ाने का काम करते हैं। ये व्यक्ति को मौन के क्षेत्र में ले जाते हैं। यह क्षेत्र ऊर्जा से भरपूर होता है। आंतरिक मौन विश्राम और रचनात्मकता का स्रोत है। इसी मौन के क्षेत्र में महान वैज्ञानिक खोजें हुईं, पथ-प्रदर्शक आविष्कार हुए तथा अद्भुत कविताएं व धुनें उभरी हैं। मौन का आशय मुंह बंद रखना नहीं है, यह इंद्रियों को बाहरी गतिविधियों से हटाकर भीतर की ओर मोड़ने से भी कहीं अधिक है। पांचों इंद्रियों में से किसी भी मन का शामिल न होना, भीतर शांति प्रदान करता है। इससे पूर्ण संतुष्टि की स्थिति प्राप्त होती है।

मौन के गुण अनगिनत हैं। आत्मज्ञान के स्रोत से लेकर संबंधों में आई दरार को ठीक करने वाले मरहम तक, मौन को प्रतिदिन हमारे सामने आने वाली सांसारिक समस्याओं के लिए प्रयोग किया जा सकता है। मौन विचारों को अधिक सुसंगत बनाता है, व्यक्ति को बुद्धिमान बनाता है। बात करने से लेकर दर्शकों के विशाल जन समूह को संबोधित करने तक वक्ता में एक अमूर्त गुण लोगों को शब्दों से अधिक प्रभावित करता है। हम इसका श्रेय आकर्षण, करिश्मा, उपस्थिति, शारीरिक भाषा आदि को देकर तर्कसंगत बनाने का प्रयास करते हैं। हां, ये सभी अपनी भूमिका अवश्य निभाते हैं, लेकिन इन सबका सार भीतर के मौन से है। वास्तविक संचार शब्दों से परे है। यदि आप दृढ़ता से शांति के क्षेत्र में स्थित हैं, यदि आपका मन शांत है, तो आप अचानक ही स्वयं को व्यक्तियों, समूहों और जनता को प्रभावित करने में सक्षम पाएंगे। जो बात केवल एक दृष्टि अभिव्यक्त कर सकती है, वह हजार वार्तालाप अभिव्यक्त नहीं कर सकते। जब हम मौन की गहराई में जाते हैं तो हमें बिना विचारों के संचार का एकरूप अनुभव होता है। यह तब होता है, जब किसी व्यक्ति के मन से सभी प्रश्न लुप्त हो जाते हैं, तब भीतर की सर्वोच्च बुद्धि बोलने लगती है। यदि कोई पूरी तरह से मौन हो जाए और मन के शोर को समाप्त कर दे, तो वह बुद्धिमत्ता सबसे गंभीर समस्याओं का भी सर्वोत्तम समाधान प्रकट करने में कभी असफल नहीं होगी। प्रतिदिन थोड़े समय के लिए ध्यान करें और मौन रहें।

जब आप ध्यान के माध्यम से मौन के स्थान पर पहुंचते हैं, तो आपको हमेशा निर्देशित किया जाएगा कि क्या करने की आवश्यकता है। मौन व्यक्ति की आंतरिक शक्ति को बढ़ाता है और बुद्धि को तीव्र करता है। व्यक्ति को प्रसन्नचित्त रखता है और आनंद का आह्वान करता है। ध्यान से प्राप्त होने वाली ऊर्जा नींद से कहीं अधिक होती है। बीस मिनट का ध्यान आठ घंटे की अच्छी नींद के बराबर हो सकता है। यह सूत्र कामकाजी लोगों की सबसे आम समस्या, काम के कारण पर्याप्त नींद न ले पाने को आसानी से हल कर सकता है। अक्सर लोग सोचते हैं कि तनावग्रस्त हुए बिना कोई व्यक्ति सफल नहीं हो सकता। उन्हें यह विश्वास दिलाया जाता है कि दुनिया छोड़े बिना निर्वाण नहीं है, लेकिन भारतीय आध्यात्मिक परंपरा संसार का त्याग किए बिना हमें स्वयं को फिर से जीवंत करने के कई तरीके प्रदान करती है। शरीर द्वारा आपको छोड़ देना मृत्यु है और आपके द्वारा शरीर को छोड़ देना ही ध्यान है। अब समय आ गया है कि संसार छोड़ने से पहले हम सभी प्रतिदिन कुछ मिनटों के लिए संसार को छोड़ने की कला सीखने का प्रयास करें। यह हमें संसार में बेहतर व्यक्ति बना सकता है!

लेखविस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

समग्र आध्यात्मिक क्रांति के अग्रदूत

जयंती विशेष
धर्मपाल आर्य
प्रधान, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा

आर्य समाज के संस्थापक महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती (12 फरवरी) पर उनके लोकहितदर्शन और अध्यात्म पर एक दृष्टि...

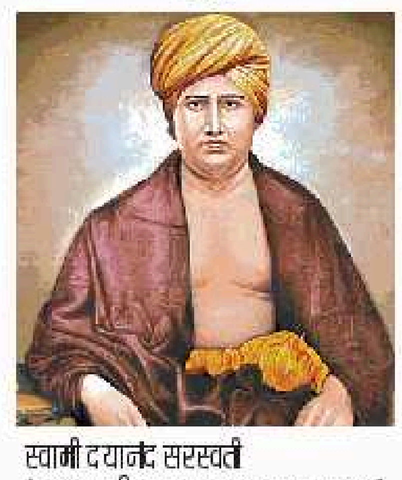

स्वामी दयानंद सरस्वती (12 फरवरी, 1824-30 अक्टूबर, 1883)

एक बार महर्षि दयानंद सरस्वती गंगा किनारे ध्यान में निमग्न थे। एक स्त्री पुत्र-वियोग में विलाप कर रही थी। यह सुनकर दयानंद ध्यान से विरत हो गए। उन्होंने देखा कि वह स्त्री बिना कफन पुत्र की मृत देह गंगा में बहा रही है। इस दृश्य ने उन्हें इतना द्रवित कर दिया कि ध्यान के अपने सुख को छोड़कर वे लोकहित और लोकसुख में लग गए। पहले जहां योगी बाहर के जगत को अपने पथ में बाधा मानते थे, वहीं दयानंद जी ने संसार के दुख मिटाने निकल पड़े। उनके अध्यात्म का यही प्रयोजन था। इसके लिए उन्होंने कष्ट सहे और प्राणों का बलिदान भी किया।

स्वामी दयानंद योगी तो थे ही, वेदों के प्रकांड विद्वान भी थे। वे संपूर्ण आध्यात्मिक क्रांति के संदेशवाहक थे। उनके सुधारवादी कार्यक्रमों में पूरे देश का कायाकल्प करने की शक्ति थी। स्त्रीशिक्षा, अछूतोद्धार, विधवारक्षण, सबके लिए शिक्षा, गुण-कर्म के अनुसार वर्ण व्यवस्था, समस्त मानवों के लिए वेदाध्ययन, पंच-महायज्ञों का विधान आदि उनके कार्यक्रम के अंग थे। उस समय भारत की पराधीनता, निर्धनता, विधवा व अनाथों की दुर्दशा, नारी अशिक्षा, अज्ञानता आदि दयानंद जी को दुख देती थीं। दुखियों के दुख को वे अपना ही दुख मानते थे। इसके लिए उन्होंने योग तथा पूर्ण आर्ष विद्या के आधार पर वेद के वास्तविक आशय को स्पष्ट किया। उन्होंने अपने भाष्य में यह स्पष्ट किया कि वेद सब सत्य विद्याओं की पुस्तक है। उनके वेद भाष्य के निर्देश इस युग को भी दिशा देने में समर्थ हैं। प्राणियों के उत्थान के लिए स्वामी जी योद्धा की भांति जूझते रहे तथा उसी के लिए प्राणों की आहुति दे दी। अपने विषदाता को भी उन्होंने अभयदान दे दिया। कष्ट सहकर भी वह धर्म के मार्ग पर अडिग रहे। समग्र आध्यात्मिक क्रांति के अग्रदूत होते हुए भी उन्होंने कोई नया मत नहीं चलाया, अपितु वैदिक मान्यताओं पर आधारित समाज की स्थापना की।

वर्ग पहेली-2536

बाएं से दाएं

1. बिना जड़ का, निराकार (3)।
3. आपसी व्यवहार का संबंध (4)।
7. जिस समय तक (2,2)।
10. आदर, सम्मान (3)।
11. कोई चीज एक जगह से दूसरी जगह रखना (3)। 12. प्रफुल्ल, ताजा (2,2)। 14. निरंतर घंटा बजने का स्वर (4)। 18. सोना, धतूरा (3)। 19. अच्छे कर्म (3)। 20. गाय की तरह का एक जंगली पशु (4)। 22. सिक्कों की आवाज (4)। 23. एक सीध में खींची हुई रेखा (3)।

ऊपर से नीचे

2. बेहोश, अचेत (3)। 4. जहां कल-पुर्जे बनाए जाते हैं (4)। 5. एक समाचार चैनल (2,2)। 6. हेतु, सबब (3)। 8. काजल (3)। 9. कपड़े आदि को हवा में पसारना (4)। 13. भ्रम में पड़ना, रास्ता भूल जाना (4)। 15. वृक्ष की पतली डाली, शाखा (3)। 16. मदद, सहयोग (4)। 17. राक्षस, दानव (3)। 18. शुभ कर्म नहीं करनेवाले को यह कहते हैं (4)। 21. कन्या, बालिका, बच्ची (3)।

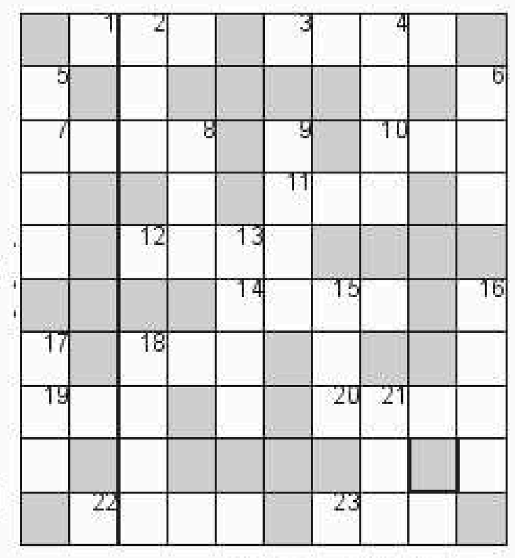

© Bird Features & Writing Agency

कल का हल

आ	न	ब	र	त		प्र	लो	भ	न
नि		ट		ट			ग		र
य	म		आ	स्थ	गि	त		बा	म
त		आ		र			ह		हो
		न		ह	र	ग	क	र	ना
आ	ना	प	श	ना	प		ला		
प		ठ			ट		ना		स
मा	त्रा		आ	प	ल	क		आ	भा
नि		पा			गा		श		ल
ते	र	क	श		नौ	क	क	ट	ना

जागरण सुडोकू-2536

1		7		9		8		2
	4			6	7			
5		8			1	7	6	
	1		9	2		5		6
	8	9			6		7	
4			7	3				9
6	7		1		2		3	
		1				4	5	
8				7	9			1

कल का हल

6	8	5	2	9	7	3	4	1
7	4	3	6	1	5	8	2	9
9	2	1	3	8	4	6	7	5
5	7	8	9	6	1	2	3	4
3	1	4	5	2	8	7	9	6
2	6	9	7	4	3	1	5	8
1	3	7	8	5	9	4	6	2
8	5	2	4	7	6	9	1	3
4	9	6	1	3	2	5	8	7

आज का भविष्यफल- 06 फरवरी, 2024 मंगलवार

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : माघ मास कृष्ण पक्ष एकादशी।
आज का राहुकाल : दोपहर 03 :00 बजे से 04 बजकर 30 मिनट तक।
आज का दिशाशूल : उत्तर। आज का पर्व एवं त्योहार : षटतिला एकादशी।

कल 07 फरवरी, 2024 का पंचांग
कल का दिशाशूल : उत्तर।
पर्व एवं त्योहार : प्रदोष व्रत, तिल द्वादशी।
विक्रम संवत 2080, शके 1945, उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर ऋतु, माघ मास, कृष्ण पक्ष की द्वादशी 14 घंटे 03 मिनट तक, तत्पश्चात त्रयोदशी, पूर्वाआषाढ़ा नक्षत्र, तत्पश्चात उत्तराआषाढ़ा नक्षत्र। वज्रयोग तत्पश्चात सिद्धि योग। धनु में चंद्रमा।

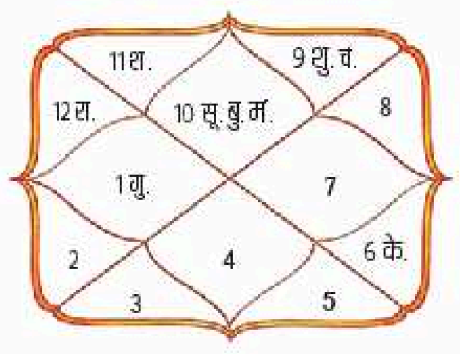

मेष : शासनसत्ता और उच्च अधिकारी से सहयोग मिलेगा।
वृष : भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा। विरोधी परास्त होगा।
मिथुन : मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है।
कर्क : व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा। रचनात्मक कार्यों में प्रगति।
सिंह : रोग या विरोधी को बुद्धि कौशल से परास्त करने में सफल होंगे।
कन्या : बुद्धि कौशल से किया गया कार्य संपन्न होगा।
तुला : चल या अचल संपत्ति के मामलों में सफलता मिलेगी।
वृश्चिक : पुरुषार्थ सार्थक होगा। शिक्षा की दिशा में अधिक श्रम करना होगा।
धनु : भौतिक सुख में वृद्धि होगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा।
मकर : बहुप्रतीक्षित कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
कुंभ : आर्थिक पक्ष मजबूत होगा, किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा।
मीन : शिक्षा-प्रतियोगिता में सफलता। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

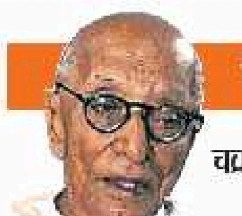

चिंतन धरोहर
चक्रवर्ती राजगोपालाचारी

समचित्त बन जाना है मुक्ति

मोक्ष जीवात्मा द्वारा परमात्मा का साक्षात्कार है। वह किसी दूसरे लोक अथवा स्थान में पहुंचना नहीं है। इस ज्ञान से मन के प्रकाशित हो जाने पर कि जीवात्मा और अंतर्निवासी परमात्मा एक ही हैं, मोक्ष प्राप्त हो जाता है। छाया प्रकाश में विलीन हो जाती है, यह जानना ही मोक्ष है। समस्त भेदभाव को मिटाना मोक्ष है। यह पहचानना ही मोक्ष है कि हमारे आसपास सब कुछ परमात्मा का ही अधिष्ठान है।

मोक्ष शब्द का अर्थ केवल छुटकारा है, जबकि अध्यात्म में मोक्ष एक अवस्था है। वह कोई स्थान, भवन, उद्यान अथवा लोक नहीं है। इसलिए एक तमिल संत ने कहा है-सत्य पथ की यात्रा करने से परिशुद्ध हो जाने पर इंद्रियों को अंतर्मुख करके चित्त को असीम ब्रह्म के ध्यान में लीन कर देने पर सुख-दुख छिन्न हो जाते हैं और आसक्ति नष्ट हो जाती है। यही स्वर्ग का आनंद है।

ज्ञान प्राप्त कर सब आसक्तियां त्यागकर यदि कोई निश्चिंत होकर समचित्त बन जाता है तो वही मुक्ति है। वही परमानंद है। इसे न जानकर संसार अज्ञानतापूर्वक पूछता है, परमानंद कैसा होता है और अपने आपको अनंत भ्रांति में खो देता है। शरीर, आत्मा और परमात्मा का पारस्परिक संबंध बताने की पद्धतियों में भेद है। परमात्मा हमारी समझ में नहीं आता, इसलिए हमारे महान आचार्यों ने निरूपण की अनेक पद्धतियों का अवलंबन किया है। कुछ उदाहरण दिए जाते हैं। आत्मा शरीर को जीवित शरीर का गुण प्रदान करता है। परमात्मा जीवात्मा को दिव्य तेज देता है। जीवात्मा शरीर में प्राणों का पोषण करता है। परमात्मा जीवात्मा के दैवी स्वभाव का पोषण करता है।

जिस प्रकार इस मर्त्य जीवन में शरीर और आत्मा एक सुखमय साम्राज्य में रह सकते हैं, उसी प्रकार यदि जीवात्मा परमात्मा के सुखमय साम्राज्य में रहे और उसमें कोई अपूर्णता, अज्ञान अथवा अन्यमनस्कता न हो तो यही मोक्ष है। परमात्मा का यह साम्राज्य प्राप्त करने के लिए जीवन की पवित्रता तथा आत्मसंयम आवश्यक है। इसे हम दूसरी दृष्टि से भी समझ सकते हैं। जीवात्मा परमात्मा की छाया मात्र है। अज्ञान छाया का और इस धारणा का कारण है कि छाया अपने आपको उत्पन्न करने वाले से भिन्न है। पार्थक्य का यह भाव कामना, आसक्ति, क्रोध और द्वेष से उत्तरोत्तर बढ़ता है। मन के जाग्रत होने पर दोनों एक-दूसरे में मिल जाते हैं। सूर्य पर जल चमकता है। जब जल में लहरें उठती हैं तो उसमें अनेक छोटे-छोटे सूर्य दिखाई पड़ते हैं। जीवात्मा जल में सूर्य के प्रतिबिंबों के समान है। जल न हो तो प्रतिबिंब भी न होंगे। इसी प्रकार अज्ञान के मिटने पर जीवात्मा परमात्मा एक साथ हो जाता है। अज्ञान मिटाने और ज्ञान प्राप्त करने के लिए पवित्रता, आत्मनिग्रह, भक्ति और विवेक की आवश्यकता होती है।

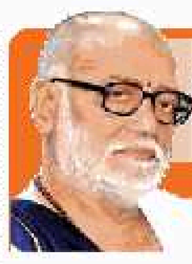

अगले मंगलवार को पढ़ें मोरारी बापू का चिंतन

सप्ताह के व्रत उत्सव

6 फरवरी, मंगलवार : षटतिला एकादशी
9 फरवरी, शुक्रवार : स्नान-दान-श्राद्धादि की अमावस्या। मौनी अमावस्या।
10 फरवरी, शनिवार : वल्लभ जयंती
12 फरवरी, सोमवार : स्वामी दयानंद सरस्वती जयंती

राष्ट्रीय फलक

चंडीगढ़ में पांच साल से ज्यादा नौकरी नहीं कर सकेंगे हरियाणा और पंजाब के कर्मचारी

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

- **यूटी प्रशासन ने एक्स-कैडर पदों पर नियुक्तियों की समय सीमा तय की**
- **हरियाणा और पंजाब को भरोसे में लिए बिना प्रस्ताव बनाकर मंजूरी के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजा**

केंद्र शासित क्षेत्र (यूटी) चंडीगढ़ में एक्स कैडर के पदों पर होने वाली नियुक्तियों की समय सीमा तय होगी। इसके लिए चंडीगढ़ प्रशासन ने हरियाणा और पंजाब को भरोसे में लिए बिना प्रस्ताव बनाकर केंद्र सरकार को भेज दिया है। इस प्रस्ताव के मुताबिक चंडीगढ़ में होने वाली हरियाणा और पंजाब के एक्स कैडर पदों की भर्तियों पर नियुक्त होने वाले अधिकारी और कर्मचारी चंडीगढ़ में पांच साल से अधिक काम नहीं कर सकेंगे। पांच साल बाद उन्हें वापस अपने राज्य में लौटना होगा।

चंडीगढ़ में पहले से कार्यरत उन कर्मचारियों और अधिकारियों पर भी यह प्रस्ताव स्वीकृत होने के बाद लागू माना जाएगा, जो पहले से यहां सेवाएं दे रहे हैं। चंडीगढ़ में दोनों राज्यों के हजारों कर्मचारी कई-कई साल से सेवाएं दे रहे हैं और एक ही स्थान पर जमे हुए हैं। यूटी प्रशासन का मानना है कि इस व्यवस्था में बदलाव होना चाहिए, ताकि नये लोगों को भी

चंडीगढ़ की पहचान है यह प्रतीक चिन्ह। फाइल

चंडीगढ़ में नौकरी करने का मौका मिल सके। बताया जाता है कि इस प्रस्ताव को मंजूरी के लिए भेजने से पहले यूटी चंडीगढ़ के अधिकारियों ने केंद्रीय गृह मंत्रालय की गाइड लाइन को चेक नहीं किया। अधिकतर अधिकारी इस प्रस्ताव के विरोध में थे, पर हरियाणा के एक वरिष्ठ आइएएस की वजह से एक्स-कैडर पदों पर पांच वर्ष की समय सीमा तय कर दी गई। इसमें अधिकतम दो साल तक की एक्सटेंशन हो सकेगी।

पंजाब-हरियाणा के बीच हुए समझौते के तहत यूटी चंडीगढ़ के पदों में 60 % हिस्सा पंजाब और 40 % हिस्सा हरियाणा का था। 1991 में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसमें बदलाव किया। यूटी में विभिन्न विभागों में कुल पदों में से 80 % पद यूटी कैडर के लिए तय किए गए। बाकी के 20 % में से 60 % पंजाब व 40 % हरियाणा के कर्मियों के लिए तय किए गए।

1991 से ही यह नियम चल रहा है। पंजाब व हरियाणा के लिए जो 20 % पद तय किए गए, उनके विरुद्ध दोनों राज्य सरकारें अपने कर्मियों को ट्रांसफर आन डेपुटेशन बेस पर चंडीगढ़ में भेजती रही है। चूंकि यह दोनों राज्यों की कैडर पोस्ट हैं। ऐसे में यूटी प्रशासन के पास इन कर्मियों का पीरियड तय करने का कानूनी अधिकार नहीं है। इसके बावजूद समय सीमा तय करने की कोशिशें होती रही।

मतदाता सूचियों में डुप्लीकेट प्रविष्टियों पर चुनाव आयोग को नोटिस

नई दिल्ली, प्रेट्र: मतदाता सूचियों में मतदाताओं की डुप्लीकेट प्रविष्टियों के मुद्दे को उठाने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को चुनाव आयोग से जवाब तलब किया।

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) संविधान बचाओ ट्रस्ट द्वारा दाखिल याचिका पर चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया।

एनजीओ की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा ने कहा कि मतदाता सूचियों को उन व्यक्तियों के संबंध में ही अपडेट किया गया है जिनकी मृत्यु हो गई है या जिन्होंने अपना निवास स्थान बदल लिया है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों में नामों के डुप्लीकेशन से निपटने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया। शीर्ष अदालत ने जिले के अधिकारियों द्वारा आंकड़ों के एकत्रीकरण में डुप्लीकेशन का उल्लेख नहीं करने को लेकर चुनाव आयोग को अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

नक्सलियों के 'एमएमसी जोन' के खिलाफ बड़े आपरेशन की तैयारी

नईदुनिया, कवर्धा

- **मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के पुलिस अधिकारियों की कबीरधाम जिले में हुई अहम बैठक**
- **तीनों राज्यों के छह जिलों में है नक्सलियों का प्रभाव, नेटवर्क ध्वस्त करने की बनी रणनीति**

छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के पुलिस अधिकारियों की बैठक में नक्सलियों पर कड़ा प्रहार करने को लेकर रणनीति बनाई गई। उक्त तीनों राज्यों की सीमाओं से आने-जाने के लिए नक्सलियों ने अपना सुरक्षित जोन बनाया हुआ है, जिसे ये एमएमसी (मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़) जोन कहते हैं। सामान्य तौर पर एक राज्य में बड़ी वारदात करने के बाद ये इसी जोन के माध्यम से दूसरे राज्य चले जाते हैं।

तीनों राज्यों के पुलिस अधिकारियों की बैठक में एमएमसी जोन पर संयुक्त आपरेशन करने की योजना बनाई गई। इस बैठक में डीजीपी समेत नक्सल आपरेशन के एडीजी, आइबी के अधिकारी, पैरा मिलिट्री फोर्स के अधिकारी, प्रभावित जिलों के एसपी उपस्थित थे। वर्तमान में महाराष्ट्र का गढ़चिरौली जिला, मध्य प्रदेश का बालाघाट और मंडला जिला,

छत्तीसगढ़ का राजनांदगांव, कांकेर और कबीरधाम जिले का जंगल क्षेत्र नक्सलियों के प्रभाव में है। हालांकि, उक्त तीन राज्यों में नक्सली संगठन का सबसे अधिक मूवमेंट बालाघाट, कांकेर और गढ़चिरौली जिलों में है।

छत्तीसगढ़ में पांच-पांच लाख रुपये के दो इनामी नक्सली गिरफ्तार

नईदुनिया, कांकेर : छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में पुलिस ने पांच-पांच लाख रुपये के दो इनामी नक्सलियों को पकड़ा गया है। इनके पास से बड़ी मात्रा में हथियार भी मिले हैं। आरोपित विनोद अवलम उर्फ उंगा के पास से 12 बोर का देशी कट्टा, पांच कारतूस और आरोपित आसु कोरचा से आठ एमएम पिस्टल व छह कारतूस जब्त किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपितों की हत्या और आइईडी विस्फोट जैसी कई गंभीर वारदात में संलिप्तता रही है। वहीं, सुकमा जिले के भेज्जी क्षेत्र में रविवार को सुरक्षबलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए नक्सली की पहचान मिलिशिया कमांडर मड़कम भीमा के रूप में हुई।

राज्यसभा सदस्य ने की मांग - 'डैश कैमरा' लगाना अनिवार्य हो

नई दिल्ली, प्रेट्र: राकांपा की राज्यसभा सदस्य फौजिया खान ने सोमवार को कहा, हादसों से संबंधित चिंताओं को दूर करने हिट एंड रन के मामलों पर लगाम लगाने के लिए वाहनों में 'डैश कैमरा' लगाना अनिवार्य किया जाना चाहिए। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान मुद्दा उठाते हुए फौजिया खान ने कहा, डैश कैमरे से सड़क दुर्घटना की स्थिति में ठोस साक्ष्य मिल सकता है। दुनिया के ज्यादातर देशों ने डैश कैमरे को अपनाया है। डैश कैम का उपयोग अनिवार्य बनाकर साक्ष्य एकत्र करने, पारदर्शिता सुनिश्चित करने व निष्पक्ष कानूनी प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने मदद मिल सकती है। डैश कैम एक छोटा वीडियो कैमरा होता है जो कार के डैशबोर्ड या विंडशील्ड पर लगा होता है। इसका उपयोग वाहन चलाते समय उसके सामने होने वाली हर चीज को रिकार्ड करने के लिए किया जाता है। कांग्रेस के सदस्य इमरान प्रतापगढ़ी ने दिल्ली में पुराने ढांचों को हटाने की दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की कार्रवाई पर चिंता जताई।

फर्जीवाड़े से बचेंगे छात्र, दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने पर मिलेगी सजा

प्रथम पृष्ठ से आगे

'द पब्लिक एक्जामिनेशंस (प्रिवेंशन आफ अनफेयर मीन्स) बिल, 2024' विधेयक के तहत परीक्षाओं में दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने के मामले में दोषी पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति को न्यूनतम तीन वर्ष की सजा मिलेगी। जिसे बढ़ाकर पांच वर्ष तक किया जा सकेगा। साथ ही 10 लाख तक का जुर्माना भी लगाया जाएगा। देश में दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने के ढेरों मामलों को देखते हुए विधेयक में इसे लेकर विशेष व्यवस्था की गई है। इस दौरान छात्रों के साथ फर्जी वेबसाइट या फर्जी केंद्रों के जरिये परीक्षा कराने और नौकरी देने आदि का फर्जीवाड़ा भी इसके दायरे में आएगा।

उच्च स्तरीय समिति का भी होगा गठन : अधिकतर परीक्षाओं का आयोजन आनलाइन होने और परीक्षाओं में तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल के मद्देनजर उच्च स्तरीय राष्ट्रीय तकनीकी

जितेंद्र सिंह। फाइल फोटो

समिति बनाने का फैसला भी किया गया है। जितेंद्र सिंह ने बताया कि यह समिति डिजिटल प्लेटफार्मों को बचाने का प्रोटोकाल बनाने, फूलप्रूफ इन्फारमेशन टेक्नोलाजी (आइटी) सिक्यूरिटी सिस्टम विकसित करने के रास्ते तलाशने, परीक्षा केंद्रों की व्यापक इलेक्ट्रानिक निगरानी सुनिश्चित करने और परीक्षाओं के आयोजन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले आइटी व अन्य बुनियादी ढांचे के लिए राष्ट्रीय मानक बनाने व सेवा स्तर तय करने का काम करेगी।

बाराबंकी में चर्च में प्रार्थना सभा के नाम पर चल रहा था मतांतरण

जागरण संवाददाता, बाराबंकी : लखनऊ-बाराबंकी सीमा स्थित एक चर्च में प्रार्थना सभा के नाम पर लोगों को प्रलोभन देकर मतांतरण के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा था। प्रार्थना सभा में अयोध्या, सुलतानपुर और अमेठी के महिला-पुरुष और बच्चे शामिल थे, जिनकी संख्या 285 बताई जा रही है। पुलिस ने चर्च के पादरी सहित सात लोगों को गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज किया है।

बाराबंकी स्थित देवा थाना के अंतर्गत रेंदुआ पल्हरी मजरे चकहार में सेंट मैथ्यू क्रिश्चिन कालेज का नवीनथा चर्च है, जिसमें सोमवार को दूसरे जिलों के सैकड़ों लोगों को वाहनों से लाया जा रहा था। स्थानीय लोगों ने आशंका के आधार पर हिंदू संगठनों को सूचना दी। सूचना पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी बल के साथ चर्च पहुंचे, जहां लोगों को मतांतरण के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा था। पुलिस ने चर्च के पादरी सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया है। चर्च में लोगों को धर्म के बारे में जानकारी के साथ-साथ प्रलोभन दिया जा रहा था। किताबें भी बांटी जा रही थीं।

कार्रवाई नहीं होने पर दुष्कर्म पीड़िता के स्वजन बोले, अपना लेंगे सनातन धर्म

जागरण संवाददाता, जयपुर

- **राजस्थान के अलवर जिले का है मामला**
- **आरोपित-पीड़ित दोनों मुस्लिम समुदाय के**

राजस्थान के अलवर जिले में नाबालिग मुस्लिम लड़की के साथ दुष्कर्म करने के आरोपित की गिरफ्तारी नहीं होने पर पीड़िता के स्वजन ने मतांतरण की चेतावनी दी है। स्वजन ने आरोप लगाया कि एक पूर्व विधायक के दबाव में पुलिस आरोपित को बचा रही है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि पांच दिन में आरोपित पकड़ा नहीं गया तो वे मुस्लिम धर्म छोड़कर सनातन धर्म अपना लेंगे। हालांकि, उन्होंने पूर्व विधायक का नाम सार्वजनिक नहीं किया है।

अलवर के पुलिस अधीक्षक आनंद शर्मा ने कहा कि एक जुलाई, 2023 को 14 साल की बच्ची के फूफा ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इसमें बताया गया था कि गांव के दो युवकों इरफान और आदिल ने उसको झांसे में लेकर रात को घर से बाहर बुलाया और फिर उसका मुंह दबाकर अपने साथ ले गए। घर से दूर ले जाकर उससे दोनों ने दुष्कर्म किया। इसके बाद दोनों फरार हो गए।

नाबालिग ने घर पहुंचकर अपनी मां को इस बारे में बताया। अगले दिन पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई। शर्मा ने कहा कि इस मामले की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक से फिर जांच करवाई जा रही है। उधर, नाबालिग के स्वजन का आरोप है कि पुलिस ने एक आरोपित इरफान को तो गिरफ्तार कर लिया, लेकिन आदिल को नहीं।

'अभ्यास' की चार उड़ानों का सफल परीक्षण

अभ्यास मिशाइल। फाइल फोटो

जागरण संवाददाता, बालेश्वर: रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने हाई-स्पीड एक्सपेंडेबल एरियल टारगेट (हीट) ''अभ्यास'' की चार उड़ानों के परीक्षण किए। परीक्षण 30 जनवरी से दो फरवरी के बीच ओडिशा के बालेश्वर स्थित चांदीपुर परीक्षण स्थल से किए गए। ''अभ्यास'' को डीआरडीओ के विज्ञानियों ने विकसित किया है। ''अभ्यास'' भारतीय सशस्त्र बलों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अत्याधुनिक मानव रहित हवाई वाहनों तथा इससे संबद्ध प्रौद्योगिकी की डिजाइन व विकास में शामिल हैं। यह गैस टरबाइन इंजन से संचालित है, जो सबसोनिक गति से लंबी उड़ान को बनाए रखता है। ''अभ्यास'' के सफल परीक्षण पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ की पूरी टीम को बधाई दी है।

****

दुनिया का सबसे शक्तिशाली राकेट फाल्कन हेवी लांच किया गया

2018 में आज ही के दिन स्पेसएक्स ने अमेरिका में दुनिया का सबसे शक्तिशाली राकेट फाल्कन हेवी लांच किया था। यह पृथ्वी की कक्षा से बाहर पेलो ड ले जाने में सक्षम था। राकेट स्पेसएक्स के संस्थापक एलन मस्क की एक टेस्ला रोडस्टर कार को डमी पेलोड के रूप में लेकर गया था।

चंद्रमा पर गोल्फ खेलने वाले पहले व्यक्ति बने एलन शेपर्ड

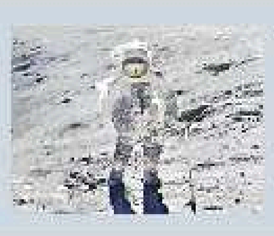

1971 में आज ही अपोलो 14 मिशन के अंतरिक्ष यात्री एलन शेपर्ड चंद्रमा पर गोल्फ खेलने वाले पहले व्यक्ति बने थे। एक शौकीन गोल्फर शेपर्ड ने पृथ्वी पर वापस लौटने के लिए चंद्र माड्यूल में प्रवेश करने से ठीक पहले दो गोल्फ गेंदो को मारा। पहली गेंद ने 24 गज और दूसरी ने 40 गज की दूरी तय की।

देशभक्ति जगाने वाले गीतों के लिए जाने जाते हैं कवि प्रदीप

आओ बच्चों तुम्हें दिखाएं एवं कितना बदल गया इंसान जैसे गीतों को लिखने वाले कवि प्रदीप (रामचंद्र द्विवेदी) का जन्म 1915 में आज ही के दिन उज्जैन के बड़नगर में हुआ था। वर्ष 1939 में फिल्म कंगन के लिए गीत लिखे। उनके लिखे गीत दूर हटो ऐ दुनियावालों, हिंदुस्तान हमारा है, चल चल रे नौजवान स्वतंत्रता आंदोलन में आंदोलनकारियों की जुबान पर चढ़े रहते थे। बलिदान भारतीय सैनिकों पर लिखे उनके गीत ऐ मेरे वतन के लोगों आज भी लोगों को भावुक कर देते हैं। 11 दिसंबर, 1998 को उनका निधन हो गया।

कैंसर के हर्बल उपचार का प्रभाव परखेगा डिवाइस

एआइ और मशीन लर्निंग आधारित इस डिजाइन को मिला पेटेंट

डिवाइस डिजाइन उन्नत मशीन लर्निंग एल्गोरिदम और गैर-इनवेसिव सेंसर का उपयोग करेगा

मृत्युंजय मिश्रा, प्रयागराज

कैंसर की रोकथाम और उपचार में एलोपैथी के साथ आयुर्वेदिक दवाओं का भी प्रयोग हो रहा है। यह हर्बल दवाएं जटिल कैंसर उपचार प्रक्रिया को सरल कर सकती हैं। हर्बल दवाएं कैंपस की उपचार प्रक्रिया में कितनी प्रभावी हैं, इसका मूल्यांकन करने के लिए एसएस खन्ना गर्ल्स डिग्री कालेज के जंतु विज्ञान विभाग के दो सहायक प्रोफेसरों ने एक डिवाइस का डिजाइन तैयार किया है। इस डिजाइन को पेटेंट प्रदान किया गया है। अब एआइ और मशीन लर्निंग के विशेषज्ञों के साथ मिलकर इस डिवाइस को मूर्तरूप दिया रहा है।

एसएस खन्ना महाविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डा. दुर्गेश सिंह और डा. सिप्पी सिंह। सौ. स्वयं

एसएस खन्ना में प्राणीशास्त्र विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. सिप्पी सिंह और डा. दुर्गेश सिंह को कैंसर की प्रगति पर हर्बल उपचारों के प्रभाव के मूल्यांकन के लिए यह डिजाइन पेटेंट प्रदान किया गया है। विकसित डिजाइन प्राणीशास्त्र और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र के शोधकर्ताओं का एक सहयोगात्मक कार्य है। डिवाइस का यह डिजाइन उन्नत मशीन लर्निंग एल्गोरिद्म और गैर-इनवेसिव सेंसर का उपयोग करता है और हर्बल कैंसर उपचार के तहत रोगियों से शारीरिक मापदंडों, बायोमार्कर सांद्रता और इमेजिंग डेटा को पकड़ने के लिए मल्टी माडल डेटा अधिग्रहण प्रणाली का उपयोग करता है। डा. दुर्गेश सिंह ने बताया यह डिवाइस को रोग की तीव्रता के आधार पर हर्बल उपचार की प्रभावशीलता के बारे में स्वास्थ्य पेशेवरों को तत्काल प्रतिक्रिया प्रदान करने के लिए कांफिगर किया है। शोधकर्ता डा. सिप्पी सिंह के अनुसार, डिवाइस के डिजाइन का पेटेंट मिलने के बाद अब स्वास्थ्य के क्षेत्र में कैंसर के उपचार में हर्बल दवाओं के प्रयोग से संबंधित डाटा को सूचना प्रौद्योगिकी की पेशेवरों की मदद से डिवाइस को ट्रेन यानी प्रशिक्षित किया जाएगा।

शुरुआत में पहचान लिया जाएगा मुख कैंसर

जागरण संवाददाता, लखनऊ

- **माइक्रोबियल बायोमार्कर से बीमारी का परीक्षण होगा आसान**
- **केजीएमयू व इमटेक चंडीगढ़ के चिकित्सकों ने किया अध्ययन**

आधुनिक विज्ञान और तकनीक के साथ कैंसर की जांच और उपचार में उम्मीद की नई किरणें प्रस्फुटित हो रही हैं। अब मुंह के कैंसर को प्रारंभिक चरण में ही पहचाना जा सकेगा। यह माइक्रोबियल बायोमार्कर की सहायता से संभव होगा। केजीएमयू व इमटेक चंडीगढ़ के चिकित्सकों ने विस्तृत अध्ययन के बाद इसे प्रमाणित किया है। यह अध्ययन अमेरिकन सोसायटी फार माइक्रोबायोलाजी के माइक्रोबायोलाजी स्पेक्ट्रम जर्नल में प्रकाशित किया गया है।

केजीएमयू के चिकित्सकों के अनुसार, हर व्यक्ति के मुंह में माइक्रो आर्गेनिज्म का एक बहुत बड़ा समूह सामान्य रूप से रहता है। कैंसर की बीमारी में यह (माइक्रो आर्गेनिज्म) बदल सकता है। शोध में पाया गया कि स्ट्रैप्टोकोकस और रोठिया जैसे बैक्टीरिया को मुंह के कैंसर के आरंभिक चरण में माइक्रोबायोमार्कर के रूप में स्थापित किया जा सकता है। प्रारंभिक जांच में स्ट्रैप्टोकोकस और रोठिया की अधिकता उन रोगियों में पाई गई, जो मुंह के कैंसर के संकेतों के शिकार थे। इससे पता चलता है कि इन बैक्टीरिया के मौजूद प्रमाण एक आरंभिक कैंसर का संकेत दे सकते हैं। इस अध्ययन में सीएसआइआर-इंस्टीट्यूट आफ माइक्रोबायोलाजी टेक्नोलाजी चंडीगढ़ से डा. रश्मि कुमार, डा. राघवेंद्र प्रताप सिंह व केजीएमयू के डा. सुधीर सिंह व डा. समीर गुप्ता शामिल रहे।

102 वर्ष की उम्र में उड़ाया विमान

इंग्लैंड के बिगिन हिल में सोमवार को सैन्य चैरिटी मिशन एविएशन फेलोशिप (एमएएफ) की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में पूर्व आरएएफ (रायल एयर फोर्स) पायलट जैक हेमिंग्स ने 102 वर्ष की उम्र में विमान उड़ाया। वह विश्व की सबसे बड़ी मानवीय हवाई सेवा 'एमएएफ' के आरंभिक अग्रदूत हैं। हेमिंग्स ने उड़ान को आनंददायक बताया। एपी

टाइफाइड के बैक्टीरिया को मारने में सक्षम है टमाटर का जूस

अनुसंधान

टमाटर के गुणकारी विशेषताओं से हम सभी परिचित हैं। एक नए अध्ययन में पाया गया है कि टमाटर का जूस साल्मोनेला टाइफी व अन्य बैक्टीरिया को मारने में सक्षम है, जो हमारे पाचन और मूत्र मार्ग को क्षति पहुंचाते हैं। साल्मोनेला को टाइफाइड बुखार का कारक माना जाता है।

अध्ययन का निष्कर्ष अमेरिकन सोसाइटी फार माइक्रोबायोलाजी मैगजीन के माइक्रोबायोलाजी स्पेक्ट्रम में प्रकाशित हुआ है। कार्नेल यूनिवर्सिटी के माइक्रोबायोलाजी एंड इम्यूनोलाजी विभाग में एसोशिएट प्रोफेसर एवं शोध के प्रमुख इन्वेस्टिगेटर जियोंगमिन सान्ग ने कहा कि हमारा लक्ष्य टमाटर और टमाटर के जूस के उन गुणों की जांच करना था कि क्या ये साल्मोनेला समेत आंत्र रोगजनक को मार सकते हैं। शोध दल ने सबसे पहले यह निर्धारण करने के लिए कि क्या टमाटर का जूस साल्मोनेला टाइफी को मारने में सक्षम है। एक बार जब यह सुनिश्चित हो गया तो विज्ञानियों ने इसमें रोगाणुरोधी पेप्टाइड के शामिल होने की पहचान को लेकर टमाटर के जीनोम का परीक्षण किया। रोगाणुरोधी पेप्टाइड बहुत छोटे प्रोटीन होते हैं, जो जीवाणु झिल्ली को क्षतिग्रस्त कर रोगाणुओं से सुरक्षा करते हैं।

शोध दल ने चार संभावित रोगाणुरोधी पेप्टाइड को चुना और उन्होंने पाया कि इनमें से दो पेप्टाइड साल्मोनेला टाइफी के विरुद्ध असरकारक हैं। शोधकर्ताओं ने इसके लिए कंप्यूटर परीक्षण भी किया। अंततः उन्होंने यह देखा कि टमाटर का जूस उन रोगाणुजनकों के विरुद्ध कैसे काम करता है, जो लोगों के पाचन और मूत्र मार्ग को हानि पहुंचाते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि उम्मीद है कि इस जानकारी से लोगों को लाभ मिलेगा, खासकर बच्चों और किशोरों को टमाटर, सब्जियां और फल खाने को प्रेरित करेगा। (एएनआइ)

इधर-उधर की

कूड़ेदान में गिर गई कूड़ा फेंक रही 60 वर्षीय महिला

वाशिंगटन, एजेंसी: अमेरिका के न्यू हैम्पशायर में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 60 वर्षीय महिला कचरा फेंकते समय कूड़ेदान में गिर गई।

अग्निशमन विभाग ने काफी मशक्कत के बाद निकाला ● इंटरनेट मीडिया

इसके बाद कचरा उठाने वाले ट्रक ने उसे कूड़ेदान से कूड़ा सहित ट्रक में डाल दिया। इस दौरान ट्रक में कूड़ेदान से कचरा जमा करने की प्रक्रिया चार बार तक हुई। काफी देर बाद उसकी चीखें सुनकर पड़ोसियों ने ट्रक चालक को इसकी जानकारी दी। ट्रक चालक ने वाहन में कैमरे के माध्यम से महिला को देखकर तुरंत 911 पर सूचना दी। मैनचेस्टर फायर डिपार्टमेंट के प्रमुख बाब ब्यूडेट ने बताया कि 32 वर्षों के करियर में ऐसा मामला न कभी देखा न सुना।

कुछ ऐसा होगा व्योममित्र के साथ अंतरिक्ष सफर

इसरो के महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन से पहले महिला रोबोट अंतरिक्ष यात्री 'व्योममित्र' अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरेगी। रविवार को ही केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा अंतरिक्ष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जितेंद्र सिंह ने ही इसकी घोषणा की और साथ ही बताया कि व्योममित्र मिशन इस वर्ष की तीसरी तिमाही के लिए निर्धारित है। मिशन गगनयान अगले साल, यानी 2025 में लांच होने वाला है। आइए, जानते हैं आखिर क्या है यह मिशन? गगनयान मिशन से इसका क्या जुड़ाव है और अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद व्योममित्र कैसे काम करेगा :

यह है व्योममित्र। फाइल

अंतरिक्ष में इंसान कैसे काम करेंगे, इससे समझेंगे

व्योममित्र को इस तरह से डिजाइन किया गया है ताकि अंतरिक्षवातावरण में इंसान कैसे काम करेंगे, यह जानने के लिए व्योममित्र को अंतरिक्ष में भेजा जा रहा है। एक तरह से यह प्री ट्रायल है। गगनयान मिशन के तहत तीन दिन के लिए तीन अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की 400 किलोमीटर पर स्थित निचली कक्षा में भेजा जाएगा। उनकी पृथ्वी पर सुरक्षित वापसी भी कराई जाएगी। उसके पहले व्योममित्र के जरिये यहां की स्थिति अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत अंतरिक्ष में मानव भेजने वाला चौथा देश बन जाएगा। इसरो के लिए यह प्रोजेक्ट बहुत अहम है। चंद्रयान, आदित्य-एल1 की सफलता के बाद इस प्रोजेक्ट से विज्ञानियों को काफी उम्मीदें हैं।

इस रोबोट के पैर नहीं है

यह एक महिला रोबोट है जिसे गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन से पहले मानव रहित परीक्षण मिशनों पर उड़ान भरने के लिए इसरो द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है। इसे अर्ध-ह्यूमनाइड रोबोट कहा जाता है क्योंकि इसके पैर नहीं है। हालांकि वह आगे झुक सकती है। मानव रहित गगनयान मिशन पर जाने के अलावा, वह मानव मिशन पर भी साथ जाएगी।

कंपन और झटके का कर सकता है सामना

एआइ-सक्षम रोबोट, जो उड़ान के दौरान कंपन और झटके का सामना कर सकता है। इसे चेहरे के भाव, भाषण और दृष्टि क्षमताओं के साथ एक इंसान के समान डिजाइन किया गया है। यह माड्यूल मापदंडों की निगरानी करने, अलर्ट जारी करने और जीवन समर्थन संचालन निष्पादित करने की क्षमता से लैस है। यह स्विच पैनल को संचालित करने, उन्हें पहचानने और उनकी पूछताछ का जवाब देने जैसे कार्य कर सकता है। यह एक नई शुरुआत मानी जा रही है।

इसलिए अहम है 'गगनयान'

बेंगलुरु में स्थापित अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण सुविधा गगनयान मिशन की तैयारी करने वाले अंतरिक्ष यात्रियों के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण देती है। प्रक्षेपण यान मार्क-3 (एलवीएम3/जीएसएलवी एमके3) राकेट, इसरो का सुप्रमाणित और विश्वसनीय भारी लिफ्ट लांचर, को गगनयान मिशन के लिए प्रक्षेपण यान के रूप में पहचाना गया है।

स्क्रीन शाट

अब शास्त्रीय संगीत सीख रहे हैं आमिर खान

अभिनय में वापसी कर चुके हैं आमिर । फाइल

मौका मिलने पर कलाकार अपनी कला के हर पहलू लोगों के सामने प्रस्तुत करने की कोशिश करते हैं। हिंदी सिनेमा के महानायक अभिनेता अमिताभ बच्चन हो या दबंग अभिनेता सलमान खान, ऐसे कई कलाकार हैं, जो अभिनय के साथ-साथ संगीत और गायन में भी हाथ आजमा चुके हैं। अभिनेता आमिर खान ने भी साल 1998 में प्रदर्शित फिल्म गुलाम ने आती क्या खंडाला... गाने में अपनी आवाज दी थी। हालांकि, हिंदी सिनेमा में मिस्टर परफेक्शनिस्ट के नाम से प्रख्यात आमिर अब संगीत में भी परफेक्शन (पूर्णता) लाने की कोशिश में जुटे हैं। जिसके लिए वह बाकायदा शास्त्रीय संगीत का प्रशिक्षण ले रहे हैं। इस बारे में आमिर ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान बताया, 'आजकल मैं सिंगिंग सीख रहा हूं। ये जो मेरे हाथ में आप धागा देख रहे हैं (हाथ में बंधा धागा दिखाते हुए) वो मेरी आधिकारिक गुरु सुचेता (गायिका सुचेता बसरूर) जी ने बांधा है। मैं उनका शिष्य बना हूं। मैं उनसे भारतीय शास्त्रीय संगीत सीख रहा हूं। मैं उनसे पिछले चार-छह महीनों से सीख रहा हूं।' बता दें कि साल 2022 में प्रदर्शित फिल्म लाल सिंह चड्ढा की असफलता के बाद आमिर ने अभिनय से दूरी बना ली थी। अब वह अभिनय में दोबारा वापसी कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि मैंने दो वर्षों का अच्छा इस्तेमाल किया है। अपने परिवार के साथ खूब वक्त गुजारा उनके साथ जुड़ाव थोड़ा मजबूत बनाने की कोशिश कर रहा हूं। अब मैं काम करने के लिए तैयार हूं। उनकी अगली फिल्म है सितारें जमीं पर।

...जब जैकी श्राफ को एक्शन मास्टर ने दी थी गाली

मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेन में होने वाली भीड़ से सभी वाकिफ है। भीड़ में धक्का-मुक्की के बीच लोग सफर करते हुए अपने गंतव्य तक पहुंच जाते हैं। अभिनेता जैकी श्राफ को भी अपने करियर का शुरुआती दौर मुंबई की लोकल ट्रेन की तरह लगता है। वह कहते हैं कि लोकल ट्रेन की तरह मेरे करियर में बहुत धक्का-मुक्की थी। तीन-तीन फिल्में साथ शूट करता था। सुबह सात से नौ डबिंग किया करता था। फिर तीन-तीन फिल्मों की शूटिंग करके उसके बाद घर जाकर मां के पैर दबाकर सो जाता था। अगले दिन फिर वही धक्का-मुक्की शुरू। जैसे लोकल ट्रेन चलती रहती हैं, वैसे ही मैं भी चलता रहा। जैकी कहते हैं कि स्वामी दादा फिल्म में मुझे देव आनंद साहब ने मौका दिया था। मैं उस फिल्म के एक सीन में एक्शन नहीं कर पा रहा था। एक्शन मास्टर ने मुझे गुस्से में गाली दे दी। तब देव साहब आगे आए और मास्टर से कहा कि नया बच्चा है। सीख जाएगा। गाली क्यों दे रहे हो। उसे सिखाओ। तब मुझे लगा कि जब मेरे सामने कोई नया बच्चा आएगा, तो मैं भी उसे सिखाऊंगा, समझाऊंगा।

तीन-तीन फिल्मों में साथ काम किया करते थे जैकी।

अपने इरादों के साथ भ्रष्ट नहीं होना चाहती हैं राधिका

कहते हैं कि काम वही करो जो मन को भाए। अगर मन को कोई काम नहीं भा रहा है, फिर भी उसे केवल इसलिए करना है कि दूसरे कर रहे हैं, तो फिर उसके परिणाम भी अच्छे नहीं आते हैं। यह बात पटाखा फिल्म अभिनेत्री राधिका मदान करियर के शुरुआती दौर में ही समझ गई थी। राधिका गैर फिल्मी पृष्ठभूमि से आती हैं। ऐसे में वह बहुत सोच विचार कर निर्णय लेती हैं। वह केवल इसलिए अलहदा फिल्में नहीं तलाशती हैं, क्योंकि दूसरी अभिनेत्रियां भी उसे कर रही हैं। राधिका कहती हैं कि अगर आप कुछ अलग ढूंढने निकल जाएंगे, तो इरादे शुद्ध नहीं रहेंगे। दूसरे क्या कर रहे हैं, वो देखकर भ्रष्ट हो जाएंगे। मैं दूसरों की देखादेखी काम करने इस इंडस्ट्री में नहीं आई हूं। मैं कुछ अलग तलाशने की बजाय कहानियों में अपने पात्र को ढूंढ़ती हूं। क्या वो पात्र मुझे चुनौती दे रहा है कि मेरी जैसी बनकर दिखाओ। अगर ऐसा हो पाता है, तो मैं उसमें दिलचस्पी दिखाती हूं। मैं जो भी पात्र निभाऊं, उसमें सच्चाई महसूस होनी चाहिए। मैं यह सोचकर काम नहीं चुन पाऊंगी कि अगर मैं फलां रोल कर लेती हूं, तो मैं उस नाम से जानी जाऊंगी। मुझे वह पात्र तलाशने होते हैं, जो मुझे डराएं।

सना फिल्म में शीर्षक भूमिका में होंगी सना। (इंस्टाग्राम) @radhikamadan

पिता लेते थे मेरे आडिशन : सीरत कपूर

केंद्रीय भूमिका की जिम्मेदारियां समझ रही हैं सीरत। टीम सीरत

सपने पूरे करने की राह में अगर मार्गदर्शन घर में ही मिल जाए, तो उन्हें पाने का सफर आसान हो जाता है। फिल्म जर्सी और धारावाहिक इमली की अभिनेत्री सीरत कपूर ने जब अभिनेत्री बनने का सपना देखा, तो उन्हें अपने पिता से काफी सहयोग मिला। उनके पिता संदीप कपूर और छोटे भाई विराज कपूर भी अभिनय के पेशे से ही जुड़े हैं। 21 फरवरी से धारावाहिक रब से है दुआ की कहानी 22 साल आगे बढ़कर लीप लेने जा रही है। जिसके बाद अब शो में दुआ की बेटियों की कहानी दिखाई जाएगी। सीरत इसमें दुआ की बेटी मन्नत की भूमिका में होंगी। अपनी भूमिका को लेकर सीरत बताती हैं, 'अभी तो मुख्य हिस्से की शूटिंग की तैयारियां चल रही हैं। उसके लिए वर्कशाप चल रहे हैं। इस दौरान मुझे अपनी भूमिका को समझने और उसे बनाने में मजा आ रहा है। मेरी भूमिका दुआ की बेटी की है तो मुझे उनकी विरासत को आगे बढ़ाना है। इसके लिए मैंने स्क्रिप्ट के आधार पर अपनी भूमिका की एक रूपरेखा तैयार की है।' वहीं अपने करियर का श्रेय सीरत अपने पिता को देती हैं। वह कहती हैं कि हम प्रतिभा के दम पर एक्टिंग कर सकते हैं, लेकिन इस इंडस्ट्री का व्यावसायिक दृष्टिकोण मुझे उनकी वजह से ही समझ में आया। उन्होंने मुझे बताया कि इस इंडस्ट्री में कैसे काम होता है। यहां तक कि वह मेरे आडिशन भी लेते थे। इतने वर्षों में मैंने जो भी सीखा सब उन्हीं के कारण है।

निर्देशक प्रियदर्शन अभिनेता अक्षय कुमार के साथ एक और कामेडी फंतासी जानर की फिल्म पर काम कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग सितंबर से शुरू हो सकती है।

जो दर्शकों को पसंद है वही करूंगा

जो तुमको हो पसंद वही बात करेंगे... यह मशहूर गाना फिलहाल निर्देशक प्रियदर्शन पर फिट बैठता है। प्रियदर्शन वही फिल्में बनाना चाहते हैं, जो उनके हिंदी दर्शकों को पसंद हो। 14 वर्षों के बाद प्रियदर्शन एक बार फिर अभिनेता अक्षय कुमार के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। इससे पहले वह अक्षय के साथ भूल भुलैया, खट्टा मीठा और हेरा फेरी जैसी फिल्में बना चुके हैं। अब वह जो फिल्म बना रहे हैं, वह भी कामेडी जानर में होगी, जिसमें प्रियदर्शन फंतासी जानर का भी तड़का लगाने वाले हैं। प्रियदर्शन बताते हैं, 'मुझे और अक्षय को साथ में काम किए हुए काफी समय हो गया है। हमने साल 2010 में खट्टा मीठा फिल्म साथ की थी। ऐसा नहीं है कि उसके बाद हमने साथ काम करने का प्रयास नहीं किया। हमने कई प्रोजेक्ट्स पर बातचीत की थी, लेकिन किसी पर भी बात बनी नहीं थी। अब हम साथ काम करने के लिए तैयार हैं। मैं कामेडी फंतासी जानर वाली फिल्म अक्षय के साथ इसलिए बना रहा हू, क्योंकि मुझे लगता है कि हिंदी दर्शकों को पसंद नहीं है कि मैं गंभीर किस्म की फिल्में करूं। मैंने जब भी दर्शकों की पसंद से इतर तेज, रंगरेज जैसी फिल्में बनाई हैं, वह फिल्में नहीं चली है। ऐसे में मैं कोई गंभीर विषय चुनने के बजाय कामेडी फिल्म बनाने जा रहा हूं। मुझे पूरी उम्मीद है कि मैं हेरा फेरी और भूल भुलैया का जादू अपनी आगामी फिल्म में भी लेकर आऊंगा।' इस फिल्म का निर्माण एकता कपूर की प्रोडक्शन कंपनी करेंगी।

कामेडी फिल्मों से फिर हंसाएंगे अक्षय ● मिडडे आर्काइव

टाक्सिक में दिख सकते हैं शाह रुख

हिंदी हो या दक्षिण भारतीय सिनेमा फिल्मकार अपनी फिल्मों को अखिल भारतीय स्तर पर पहुंचाने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं। फिल्म केजीएफ फेम कन्नड़ अभिनेता यश फिलहाल मलयालम फिल्मों की निर्देशक गीतू मोहनदास के साथ अपनी अगली फिल्म टाक्सिक की तैयारियों में जुटे हैं। इसी बीच हाल ही में खबरें आई कि यश और हिंदी सिनेमा के बादशाह अभिनेता शाह रुख जल्द ही किसी फिल्म में एक साथ काम कर सकते हैं। हालांकि, इन खबरों में प्रोजेक्ट को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं थी। अब खबरें हैं, कि शाह रुख और यश एक साथ काम करने के आसार तो दिख रहे हैं, लेकिन किसी हिंदी फिल्म में नहीं। सिनेमाई गलियारों की रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म टाक्सिक के निर्माता इस फिल्म में शाह रुख को एक मेहमान भूमिका में लेना चाहते हैं। इसके लिए हाल ही में यश और गीतू मोहनदास ने शाह रुख से संपर्क भी किया। हालांकि, शाह रुख ने अभी तक इस फिल्म को हरी झंडी नहीं दी है।

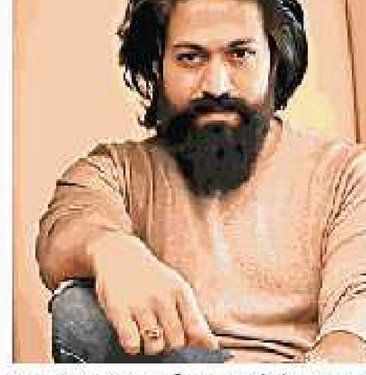

फिल्म टाक्सिक की तैयारियों में व्यस्त हैं यश ● मिडडे आर्काइव

कंधार विमान हाइजैक पर वेब सीरीज

वास्तविक घटनाओं पर बनी कहानियों में हमेशा से ही दर्शकों की दिलचस्पी रही है। खासकर ऐसी घटनाएं, जिसने न केवल देश को हिलाकर रख दिया था, बल्कि उसकी चर्चा विदेश तक भी हुई। अब ऐसी ही देश को झकझोर देना वाली आंतकी घटना कंधार विमान हाइजैक पर वेब सीरीज बन रही है, जिसका निर्देशन अनुभव सिन्हा ने किया है। इस शो से जुड़े सूत्रों के अनुसार सीरीज की पूरी शूटिंग खत्म हो चुकी है। अब यह सीरीज पोस्ट प्रोडक्शन के स्तर पर है। अगस्त से पहले इसका पोस्ट प्रोडक्शन पूरा कर लिया जाएगा, क्योंकि शो के मेकर्स इस सीरीज को 15 अगस्त के मौके पर डिजिटल प्लेटफार्म पर रिलीज करना चाहते हैं। शो में अभिनेत्री दीया मिर्जा, अभिनेता पंकज कपूर, कुमुद मिश्रा, नसीरुद्दीन शाह, विजय वर्मा समेत बड़ी स्टारकास्ट है। हालांकि कौन सा कलाकार किस भूमिका में है और शो को किस डिजिटल प्लेटफार्म पर लाया जाएगा, इसे गोपनीय रखा गया है। उल्लेखनीय है कि कंधार विमान हाइजैक की घटना 1999 में 24 दिसंबर को हुई थी। काठमांडू से दिल्ली के लिए उड़े आइसी 814 विमान को हथियारबंद आतंकवादियों ने हाइजैक कर लिया था।

अनुभव सिन्हा ने संभाली शो के निर्देशन की कमान ● @anubhavsinhaa (इंस्टाग्राम)

नाना पाटेकर की मेहमान नवाजी से प्रभावित हुए अनिल शर्मा

यूं तो निर्देशकों से अक्सर कलाकारों के बारे में यह बातें सुनने को मिलती हैं कि वह कलाकार के किस शाट या सीन से प्रभावित हुए। लेकिन अभिनेता नाना पाटेकर ने अपनी कला के साथ-साथ अपनी मेहमान नवाजी से भी अपने निर्देशक अनिल शर्मा को खूब प्रभावित किया। दरअसल, अनिल अपने बेटे तथा अभिनेता उत्कर्ष शर्मा और नाना के साथ शिमला में अपनी आगामी फिल्म जर्नी की शूटिंग कर रहे हैं। इस दौरान नाना ने पूरी टीम के लिए खाना बनाया और उनकी मेहमान नवाजी की। नाना की इस मेहमान नवाजी से अनिल इतना खुश हुए कि उन्होंने इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर भी साझा कर दिया। इस वीडियो में नाना, अनिल समेत फिल्म के दूसरे क्रू सदस्यों को अपने हाथों से खाना परोसते नजर आ रहे हैं। यह वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए अनिल ने लिखा, 'नाना सर, महान मेजबान हैं। देखिए प्यार उमड़ता है तो खुद खाना बनाते हैं और कितने प्यार से खिलाते हैं। कितना स्वादिष्ट खाना उन्होंने पकाया है। शिमला में नाना जी के साथ खूबसूरत जर्नी (सफर) जारी है। 45 दिनों का वनवास है।' बता दें कि फिलहाल जर्नी के शिमला शेड्यूल की शूटिंग चल रही है। यह शेड्यूल 45 दिनों का है, जिसे अनिल वनवास बता रहे हैं। इससे पहले उन्होंने वाराणसी में इस फिल्म की शूटिंग की थी।

फिल्म की टीम के लिए नाना ने बनाया खाना ● (इंस्टाग्राम)

****